रजिस्ट्री सं० डी- 222

[illegible]

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 7] नई दिल्ली, शनिवार, फरवरी 12, 1972/माघ 23, 1893

N. 7] NEW DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 12, 1972/MAGHA 23, 1893

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके ।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ क्षेत्र प्रशासन को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकरणों द्वारा जारी किये गए विधिक आदेश और अधिसूचनाएं ।

Statutory orders and notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories.)

MINISTRY OF RAILWAYS

(Railway Board)

New Delhi the 11th January 1972

S.O. 448.—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Terminal Tax on Railway Passengers Act, 1956 (69 of 1956) and of all the powers hereunto enabling, the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Railways (Railway Board) No. F(X)I-71/TX-19/1-VI, dated the 17th June, 1971, namely:—

In the Schedule to the said notification, in column 2, the following shall be omitted, namely:—

"Monthly Tickets

Rs.	P.
45	00
45	00
22	50
7	50"

This notification shall come into force at once.

[No. F. (X)I-71/TX-19/1]

V. P. SAWHNEY, Secy.,

रेल मंत्रालय

(रेलवे बोर्ड)

नयी दिल्ली, 11 जनवरी 1972

एस० ओ० 448.—रेल यात्रियों पर सीमा कर अधिनियम, 1956 (1956 का 69) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस तक समर्थ बनाने वाली सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद् द्वारा भारत सरकार के रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) की 17 जून, 1971 की अधिसूचना स० एफ(एक्स) 1–71/टी एक्स–19/1VI–में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना की अनुसूची के कालम 2 में, निम्नलिखित को लुप्त कर दिया जायेगा, अर्थात् :—

"मासिक टिकट

रु० पै०
45.00
45.00

रु० पै०

22.60

7.50"

यह अधिसूचना तुरन्त लागू होगी।

[सं० एफ० (एक्स०) 1-71/टी० एक्स०-19/1]

वेद प्रकाश साहनी,

सचिव।

MINISTRY OF WORKS AND HOUSING

(Works Division)

New Delhi, the 3rd January 1972

S.O. 449.—It is hereby notified that in pursuance of clause (d) of sub-section (1) read with sub-section (4) of section 4 of the Rajghat Samadhi Act, 1951 (41 of 1951), Shri H. K. L. Bhagat and Shri Madhu Dandavate, members of the House of the People, have been elected as members of the Rajghat Samadhi Committee in place of Shri Balraj Madhok and Dr. Sushila Nayar.

2. The Central Government hereby makes the following further amendments in the notification of the Government of India in the late Ministry of Works, Housing and Supply No. 19/2/62-WI, dated the 22nd August 1962, namely:—

In the said notification, for the entries—

"Shri Balraj Madhok and Dr. Sushila Nayar",

the following entries shall be substituted, namely:—

"Shri H. K. L. Bhagat
Shri Madhu Dandavate"

[No. 25012(3)/66-W.III.]

S. M. JAMBHOLKAR, Dy. Secy.

New Delhi, the 14th January 1972

S.O. 450.—In pursuance of the provisions of rule 45 of the Fundamental Rules, the President hereby makes the following rules further to amend the Allotment of Government Residences (General Pool in Delhi) Rules, 1963, contained in Part VIII, Division XXVI-B of the Supplementary Rules, namely:—

1. (1) These rules may be called the Allotment of Government Residences (General Pool in Delhi) first Amendment Rules, 1972.

(2) They shall come into force at onece.

2. In the Allotment of Government Residences (General Pool in Delhi) Rules, 1963, in rule 317-B-12, in sub-rule (1), for the sentence beginning with "An officer who, after acceptance, fails to take possession" and ending with "whichever is earlier," the following sentence shall be substituted, namely:—

"An officer who, after acceptance, fails to take possession of that accommodation within eight days from the date of receipt of the allotment letter, shall be charged licence fee from such date upto a period of twelve days, provided nothing contained herein shall apply where the Central Public Works Department certifies that the accommodation is not yet ready for occupation and as a result thereof the officer does not occupy the accommodation within the period aforesaid."

[No. F. 18011(17)/68-Pol.I.]

R. B. SAXENA,

Dy. Director of Estates (Policy).

निर्माण और आवास मंत्रालय

(सम्पदा निदेशालय)

नयी दिल्ली, 14 जनवरी, 1972,

का० आ० 450.—राष्ट्रपति, मूल नियम 45 के उपबंधों के अनुसरण में, अनुपूरक नियम के भाग-8, प्रभाग, 26-ख में अन्तर्विष्ट, सरकारी निवासस्थानों का आवंटन (दिल्ली में साधारण पूल) नियम, 1963 में और संशोधन करने के लिए एतद्द्वारा निम्नलिखित नियम बनाते है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का नाम सरकारी निवास-स्थानों का आवंटन (दिल्ली में साधारण पूल) पहला संशोधन नियम 1972 होगा।

(2) ये तुरन्त प्रवृत होंगे।

2. सरकारी निवास-स्थानों का आवंटन (दिल्ली में साधारण पूल) नियम, 1963 में, नियम 317-ख-12 में, उप-नियम (1) में, "किसी ऐसे अधिकारी पर, जो स्वीकृति के बाद, आवंटन-पत्र की प्राप्ति की तारीख से आठ दिन के भीतर उस जगह का कब्जा नहीं लेता" से प्रारम्भ होने वाले और "इन में से जो भी पहले हो" के साथ समाप्त होने वाले वाक्य के स्थान पर, निम्नलिखित वाक्य प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :—

"किसी ऐसे अधिकारी पर, जो स्वीकृति के बाद, आवंटन-पत्र, की प्राप्ति की तारीख से आठ दिन के भीतर उस जगह का कब्जा नहीं लेता, ऐसी तारीख से बारह दिन की अवधि तक लाइसेंस फीस प्रभारित की जायेगी, परन्तु इसमें अन्तर्विष्ट कोई भी बात उस दशा में लागू नहीं होगी जहां केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग यह प्रमाणित कर दे कि वह जगह अधियोग के लिए अभी तैयार नहीं है और उसके परिणामस्वरूप, अधिकारी पूर्वोक्त अवधि के भीतर उस जगह को अधियोग में नहीं लेता है।

[सं० फा० 18011 (17)/68-नीति-1]

राम बहादुर सक्सेना,

उप सम्पदा निदेशक (नीति)।

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING

New Delhi, the 27th December 1971

S.O. 451.—In exercise of the powers conferred by Section 5(1) of the Cinematograph Act, 1952, and Sub-rule (3) of rule 8 read with Sub-rule (2) of rule 9 of the Cinematograph (Censorship) Rules, 1958, the Central Government hereby re-appoints the following persons after consultation with the Central Board of Film Censors, as members of the Advisory Panel of the said Board at Madras with effect from 1st January, 1972, upto 31st March, 1972:—

1. Shri T. Neelakanthan
2. Smt. Soundra Kailasam
3. Shri Pakala Suryanaravana Rao
4. Shri Mohd. Yousuf Kokan
5. Shri M. Govindan
6. Smt. C. L. Meenakashi Amma.

7. Shri P. V. Chalapatheswara Rao
8. Prof. M. Mariappa Bhat
9. Smt. Marry Clubwala Jadav
10. Shri P. K. Ramalingam
11. Shri G. Varadappa
12. Smt. R. Suvarna
13. Smt. Amu Swaminathan
14. Smt. P. V. Bhagirathi
15. Smt. Bertha Lobo
16. Smt. Indira D. Kothari
17. Smt. Malati Chendur
18. Shri C. R. Sarma
19. Smt. Raji Rangachari
20. Smt. Padmini Achutha Menon
21. Smt. N. S. Mani
22. Dr. S. Vijayalakshmi
23. Smt. Leela Parthasarathi
24. Smt. Sarojini Varadappan
25. Kumari P. Shanta Bai
26. Smt. M. Leelavathi
27. Shri P. S. Srinivasa
28. Smt. Rohini Krishnachandra
29. Dr. (Miss) C. M. Leelavati
30. Smt. Hemlata Anjaneyulu
31. Smt. Sara Syed Yusuf

[No. F. 11/2/71-FC.]

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

नई दिल्ली, 27 दिसम्बर, 1971

एस० ओ० 451.—चलचित्र अधिनियम, 1952 की धारा 5(1) और चलचित्र (सेंसर) नियमावली, 1958 के नियम 9 के उप नियम (2) के साथ पठित नियम 8 के उप नियम (3) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार ने एतद्द्वारा केन्द्रीय फिल्म सेंसर बोर्ड से परामर्श करने के बाद निम्नलिखित व्यक्तियों को पहली जनवरी, 1972 से 31 मार्च, 1972 तक, उक्त बोर्ड के मद्रास सलाहकार पैनल का फिर से सदस्य नियुक्त किया है :—

1. श्री टी० नीलकंठन
2. श्रीमती सौन्दा कलासन
3. श्री पकाला सूर्यनारायण राव
4. श्री मोहम्मद यूसुफ कोकण
5. श्री एम० गोविन्दन
6. श्रीमती सी० एल० भीनाक्षी अम्मा
7. श्री पी० वी० चलपतेश्वर राव
8. प्रो० एम० मरिअप्पा भट्ट
9. श्रीमती मैरी क्लबवाला जादव
10. श्री पी० के० रामलिंगन
11. श्री जी० वरदप्पा
12. श्रीमती आर० सुवर्णा
13. श्रीमती अमू स्वामीनाथन
14. श्रीमती पी० वी० भागीरथी
15. श्रीमती बर्था लोबो
16. श्रीमती इंदिरा डी० कोठारी
17. श्रीमती मालती चेंदूर
18. श्री सी० आर० शर्मा
19. श्रीमती राजी रंगाचारी
20. श्रीमती पद्मिनी अच्युता मेनन
21. श्रीमती एन० एस० मणि
22. डा० एस० विजयलक्ष्मी
23. श्रीमती लीला पार्थसारथी
24. श्रीमती सरोजिनी वरदप्पन
25. कुमारी पी० शान्ता बाई
26. श्रीमती एम० लीलावती
27. श्री पी० एस० श्रीनिवासा
28. श्रीमती रोहिणी कृष्णचन्द्र
29. डा (कुमारी) सी० एम० लीलावती
30. श्रीमती हेमलता अंजनेयुलु
31. श्रीमती सारा सैयद यूसुफ

[संख्या एफ० 11/2/71-एफ० सी०]

S.O. 452.—In exercise of the powers conferred by section 5(1) of the Cinematograph Act, 1952 and sub-rule (3) of rule 8 read with sub-rule (2) of rule 9 of the Cinematograph (Censorship) Rules, 1958, the Central Government hereby re-appoints the following persons after consultation with the Central Board of Film Censors, as members of the Advisory Panel of the said Board at Calcutta with effect from 1st January, 1972 upto 31st March, 1972:—

1. Smt. Uma Sahanabis
2. Shri Nirmal Goswami
3. Shri Sailen Mookerji
4. Smt. Kajal Sen Gupta
5. Smt. Abu Sayeed Ayyub
6. Smt. Shaibya Dutt
7. Smt. Asha Purna Debi
8. Smt. Rita Ray
9. Shri Sujit K. Chakrabarti
10. Shri R. P. Gupta
11. Shri Anant Mahapatra
12. Shri Saumyendra Nath Tagore
13. Shri Kshitish Roy
14. Smt. Usha Khan
15. Shri Ranen Ayan Dutta
16. Smt. Arati Tagore
17. Smt. Jayasree Sen.

[No. 11/4/71-FC.]

एस० ओ० 452.—चलचित्र अधिनियम, 1952 की धारा 5(1) और चलचित्र (सैंसर) नियमावली 1958 के नियम 9 के उप-नियम (2) के साथ पठित नियम 8 के उपनियम (3) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार ने एतद्द्वारा केन्द्रीय फिल्म सैंसर बोर्ड से परामर्श करने के बाद निम्नलिखित व्यक्तियों को 1 जनवरी, 1972 से 31 मार्च, 1972 तक, उक्त बोर्ड के कलकत्ता सलाहकार पैनल का फिर से सदस्य नियुक्त किया है :—

1. श्रीमती उमा सहानबीस
2. श्री निर्मल गोस्वामी
3. श्री सैलन मुकर्जी
4. श्रीमती काजल सेनगुप्त
5. श्रीमती अबू सईद अय्यूब
6. श्रीमती शैब्या दत्त
7. श्रीमती आशा पूर्णा देवी
8. श्रीमती रीता रे
9. श्री सुजीत के० चक्रवर्ती

10. श्री आर० पी० गुप्त
11. श्री अनन्त महापात्रा
12. श्री सोमथेन्द्र नाथ टैगोर
13. श्री क्षितिश राय
14. श्रीमती उषा खान
15. श्री रानेन अयन दत्त
16. श्रीमती आरती टैगोर
17. श्रीमती जयश्री सेन

[संख्या एफ० 11/4/71-एफ०सी०]

S.O. 453.—In exercise of the powers conferred by Sub-section (i) of Section 3 of the Cinematograph Act, 1952, the Central Government hereby re-appoints the following persons as members of the Central Board of Film Censors with effect from 1st January, 1972, upto 31st March, 1972:—

Sl. No.	Name
1.	Shri B. R. Agarwal
2.	Shri V. R. Mohan
3.	Shri A. L. Srinivasan
4.	Shri B. R. Chopra
5.	Shri B. N. Sircar
6.	Shri Prabodh Raval
7.	Smt. Veena Duggal
8.	Smt. M. Nasrullah
9.	Smt. Surrinder Gupta

[No. F. 11/5/71-FC.]

एस० आ० 453.—चलचित्र अधिनियम 1952 की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने एतद्द्वारा निम्नलिखित व्यक्तियों को 1 जनवरी 1972 से 31 मार्च 1972 तक केन्द्रीय फिल्म सेंसर बोर्ड का फिर से सदस्य नियुक्त किया है :—

क्रम संख्या	नाम
1.	श्री बी० आर० अग्रवाल
2.	श्री बी० आर० मोहन
3.	श्री ए० एल० श्रीनिवासन
4.	श्री बी० आर० चोपड़ा
5.	श्री बी० एन० सरकार
6.	श्री प्रबोध रावल
7.	श्रीमती वीना दुग्गल
8.	श्रीमती एम० नस्रूल्लाह
9.	श्रीमती सुरेन्द्र गुप्त

[संख्या एफ० 11/5/71-एफ० सी०]

New Delhi, the 6th January 1972

S.O. 454.—In exercise of the powers conferred by Rule 10 of the Cinematograph (Censorship) Rules, 1958, the Central Government has been pleased to continue the appointment of:—

(i) Shri V. S. Shroff, Secretary to Chairman, as officiating Additional Regional Officer, Central Board of Film Censors, Bombay, with effect from 27th December, 1971 to 16th January, 1972 *vice* Shri Amar Varma granted leave.

(ii) Shri R. S. Saigal, Superintendent, Central Board of Film Censors, as officiating Secretary to Chairman, Central Board of Film Censors, Bombay with effect from 27th December, 1971 to 16th January, 1972 *vice* Shri V. S. Shroff promoted.

[No. F. 2/65/71-FC.]

नई दिल्ली, 6 जनवरी 1972

एस० आ० 454.—चलचित्र (सेंसर) नियमावली 1958 के नियम 10 के द्वारा प्रदत्त अधिकारो का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार :—

(1) अध्यक्ष के सचिव श्री वी० एस० श्राफ की श्री अमर वर्मा, जिनको छुट्टी प्रदान की गई है, के स्थान पर स्थानापन्न अतिरिक्त प्रादेशिक अधिकारी, केन्द्रीय फिल्म सेंसर बोर्ड, बम्बई के रूप में नियुक्ति को 27 दिसम्बर, 1971 से 16 जनवरी 1972 तक;

(2) केन्द्रीय फिल्म सेंसर बोर्ड में अधीक्षक श्री आर० एस० सैगल की श्री वी० एस० श्राफ जिनकी पदोन्नति हुई है, के स्थान पर, केन्द्रीय फिल्म सेंसर बोर्ड, बम्बई के अध्यक्ष के स्थानापन्न सचिव के रूप में नियुक्ति को 27 दिसम्बर, 1971 से 16 जनवरी, 1972 तक, जारी रखते हैं ।

[संख्या एफ० 2/65/71-एफ० सी०]

New Delhi, the 17th January 1972

S.O. 455.—On attaining the age of superannuation Shri R. Streenivasan, Chairman, Central Board of Film Censors, Bombay, retired from Government service on the 15th November, 1971 (afternoon).

[No. 2/101/70-FC.]

C. B. GIRIDHAR, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 17 जनवरी, 1972

एस० आ० 455.—अधिवार्षिकी आयु हो जाने पर श्री आर० स्ट्रीनिवासन, अध्यक्ष, केन्द्रीय फिल्म सेंसर बोर्ड, बम्बई, 15 नवम्बर, 1971 (अपरान्ह) को सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए ।

[संख्या 2/101/70-एफ० सी०]

सी० बी० गिरिधर,
उप सचिव ।

ORDERS

New Delhi, the 14th January 1972

S.O. 456.—In pursuance of the directions issued under the provisions of the enactments specified in the First Schedule annexed hereto, the Central Government after considering the recommendations of the Film Advisory Board, Bombay hereby approves the film specified in column 2 of the Second Schedule annexed hereto in all its language versions to be of the description specified against it in column 6 of the said Second Schedule.

THE FIRST SCHEDULE

(1) Sub-section (4) of the Sec. 12 and Section 16 of the Cinematograph Act, 1952 (Central Act XXXVII of 1952).

(2) Sub-section (4) of Sec. 5 of Uttar Pradesh Cinemas (Regulation) Act, 1955 (Uttar Pradesh Act 3 of 1956).

THE SECOND SCHEULE

S. No.	Title of the film	Length 35 mm	Name of the applicant	Name of the producer	Whether a Scientific film or a film intended for educational purposes or a film dealing with news & current events or a documantary film
1	2	3	4	5	6
1	Uttar Pradesh Samachar No. 11	301.00 M	Director of Information, Govt. of Uttar Pradesh, LUCKNOW.		Film dealing with news & current events (For release in U. P. Circuit only)

[No. I. 28/1/71-F. P. App. 1635]

आदेश

नई दिल्ली, 14 जनवरी, 1972

एस० ओ० 456.—इसके साथ लगी प्रथम अनुसूची में निर्धारित प्रत्येक अधिनियम के उपबन्ध के अन्तर्गत जारी किये गये निदेशों के अनुसार, केन्द्रीय सरकार फिल्म सलाहकार बोर्ड बम्बई की सिफारिशों पर विचार करने के बाद, एतद्द्वारा इसके साथ लगी द्वितीय अनुसूची के कालम 2 में दी गई फिल्म को उसके सभी भाषाओं के रूपांतर सहित जिसका विवरण उसके सामने उक्त द्वीतीय अनुसूची के कालम 6 में दिया हुआ है स्वीकृत करती है :—

प्रथम अनुसूची

(1) चलचित्र अधिनियम 1952 (1952 का 37वां केन्द्रीय अधिनियम) की धारा 12 की उपधारा (4) तथा धारा 16 ।

(2) उत्तर प्रदेश सिनेमा (विनियम) अधिनियम, 1955 (1956 का 3 उत्तर प्रदेश अधिनियम) की धारा 5 की उपधारा (4) ।

द्वितीय अनुसूची

क्रम संख्या	फिल्म का नाम	फिल्म की लम्बाई 35 मि० मी०	आवेदक का नाम	निर्माता का नाम	क्या वैज्ञानिक फिल्म है या शिक्षा सम्बन्धी फिल्म है या समाचार और सामयिक घटनाओं की फिल्म है या डाकुमेंटरी फिल्म है।
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
(1)	उत्तर प्रदेश समाचार सं० 11	301.00 मीटर	सूचना निदेशक उत्तर प्रदेश सरकार लखनऊ।		समाचार और सामयिक घटनाओं की फिल्म (केवल उत्तर प्रदेश सर्किट के लिए)

[सं० एफ० 28/1/71/एफ० पी०—परिशिष्ट 1635]

S.O. 457.—In pursuance of the directions issued under the provisions of each of the enactments specified in the First Schedule annexed hereto, the Central Govt. after considering the recommendations of the Film Advisory Board, Bombay hereby approves the film specified in column 2 of the Second Schedule annexed hereto in Gujarati to be of the description specified against it in column 6 of the said second schedule.

THE FIRST SCHEDUE

(1) Sub-section 4 of the Sec. 12 and Sec. 16 of the Cinematograph Act, 1952 (Central Act XXXVII of 1952).

(2) Sub-section 3 of Sec. 5 and Sec. 9 of the Bombay Cinemas (Regulation) Act, (Bombay Act XVII of 1953).

(3) Sub-section (4) of Section 5 and Sec. 9 of the Saurashtra Cinemas (Regulation) Act, 1953 (Saurashtra Act XVII of 1953).

THE SECOND SCHEDULE

S.No.	Title of the film	Length 35 mm	Name of the applicant	Name of the producer	Whether a Scientific film or a film intended for educational purposes or a film dealling with news & currrent events or a documentary film
1	2	3	4	5	6
1	Mahitichitra No. 145	268.22M	Director of Information, Govt. of Gujarat, AHMEDABAD.		Film dealing with news and current events (For release in Gujarat circuit only).

[No. F. 28/1/71 -FP App.]

एस० ओ० 457.—इसके साथ लगी प्रथम अनुसूची में निर्धारित प्रत्येक अधिनियम के उपबन्ध के अन्तर्गत जारी किये गये निदेशों के अनुसार, केन्द्रीय सरकार फिल्म सलाहकार बोर्ड, बम्बई की सिफारिशों पर विचार करने के बाद एतद्द्वारा, इसके साथ लगी द्वितीय अनुसूची के कालम 2 में दी गई फिल्म को उ के गुजराती भाषा रूपांतर सहित, जिसका विवरण उसके सामने उक्त द्वितीय अनुसूची के कालम 6 में दिया हुआ है, स्वीकृत करती है .—

प्रथम अनुसूची

(1) चलचित्र अधिनियम 1952 (1952 का 37वां केन्द्रीय अधिनियम) की धारा 12 की उपधारा (4) तथा धारा 16 ।

(2) बम्बई सिनेमा (विनियम) अधिनियम, 1953 (1953 का 17वां बम्बई अधिनियम) की धारा 5 की उपधारा (3) तथा धारा 9 ।

(3) सौराष्ट्र सिनेमा (विनियम), अधिनियम, 1953 (1953 का 17वां सौराष्ट्र अधिनियम) की धारा 5 की उपधारा (4) तथा धारा 9 ।

द्वितीय अनुसूची

क्रम संख्या	फिल्म का नाम	फिल्म की लम्बाई 35 मि० मी०	आवेदक का नाम	निर्माता का नाम	क्या वैज्ञानिक फिल्म है या शिक्षा सम्बन्धी फिल्म है या समाचार और सामयिक घटनाओं की फिल्म है या डाकुमेंटरी फिल्म है ।
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
(1)	महिति चित्रा संख्या 145	268.22 मीटर	सूचना निदेशक गुजरात सरकार अहमदाबाद ।		समाचार और सामयिक घटनाओं से सम्बन्धित फिल्म (केवल गुजरात सर्किट के लिये) ।

[सं० एफ० 28/1/71-एफ० पी०—परिशिष्ट 1636]

New Delhi, the *20th Jan.*, 1972

S. O. 458.—In pursuance of the directions issued under the provisions of the enactments specified in the First Schedule annexed hereto, the Central Government after considering the recommendations of the Film Advisory Board, Bombay hereby approves the film specified in column 2 of the Second Schedule annexed hereto in all its language versions to be the description specified against it in column 6 of the said Second Sechedule.

THE FIRST SCHEDULE

(1) Sub-Section (4) of the Section 12 and Section 16 of the Cinematograph Act, 1952 (Central Act XXXVII of 1962.

(2) Sub-section (4) of Section 5 of the Punjab Cinamas (Regulation) Act, 1952 (Punjab Act. XI 1953).

THE SECOND SCHEDULE

S. No.	Title of the film	Length 35 mm	Name of the applicant	Name of the producer	Whether a Scientific film or a film intended for educational purposes or a film dealing with news & current events or a documentary film
1	2	3	4	5	6
1	Ghar-Ghar deep Jale	317·20 M	Shri R.P. Kesri, Deputy Director, Public Relations, Haryana, Chandigarh.		Documentary film (For release in Haryana Circuit only).

[No. F. 28/1/72-FP App. 1639]

K. K. KHAN, *Under Secy.*

नई दिल्ली, 20 जनवरी, 1972

क्रम० प्रो० 458.— इसके साथ लगी प्रथम अनुसूची में निर्धारित प्रत्येक अधिनियम के उपबन्ध के अन्तर्गत जारी किये गये निदेशों के अनुसार, केन्द्रीय सरकार, फिल्म सलाहकार बोर्ड, बम्बई की सिफारिशों पर विचार करने के बाद, एतद्द्वारा, इसके साथ लगी द्वितीय अनुसूची के कालम 2 में दी गई फिल्म को उसके सभी भाषाओं के रूपान्तरों सहित जिसका विवरण उसके सामने उक्त द्वितीय अनुसूची के कालम 6 में दिया हुआ है, स्वीकृत करती है।

प्रथम अनुसूची

(1) चलचित्र अधिनियम, 1952 (1952 का 37वां केन्द्रीय अधिनियम) की धारा 12 की उपधारा (4) तथा धारा 16।

(2) पंजाब सिनेमा (विनियम) अधिनियम, 1952 (1952 का 11वां पंजाब) अधिनियम की धारा 5 की उपधारा (4)।

द्वितीय अनुसूची

क्रम संख्या	फिल्म का नाम	लम्बाई 35 मि०मी०	आवेदक का नाम	निर्माता का नाम	क्या वैज्ञानिक फिल्म है या शिक्षा सम्बन्धी फिल्म है या समाचार और सामयिक घटनाओं की फिल्म है या डाकुमैन्ट्री फिल्म है
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
(1)	घर घर दीप जले	317 20 मीटर	श्री आर पी केसरी उप निदेशक, जन सम्पर्क, हरियाणा, चंडीगढ़।	डाकुमैन्ट्री फिल्म (केवल हरियाणा सर्किट के लिए)	

[संख्या फ० 28/1/72-एफ ०पी ०परिशिष्ट/639]

क० क० खान,

अवर सचिव।

MINISTRY OF STEEL AND MINES

(Department of Mines)

New Delhi, the 24th December 1971

S.O. 459.—Whereas it appears to the Central Government that coal is likely to be obtained from the lands mentioned in the Schedule hereto annexed,

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government hereby gives notice of its intention to prospect for coal therein.

The plan of the area covered by this notification can be inspected at the Office of the National Coal Development Corporation Limited (Revenue Section), Darbhanga House, Ranchi or at the Office of the Collector, Dhenkanal (Orissa), or at the Office of the Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta

All persons interested in the land covered by this notification shall deliver all maps, charts and other documents referred to in sub-section (7) of section 18 of the said Act to the Revenue Officer, National Coal Development Corporation Limited, Darbhanga House, Ranchi within 90 days from the date of publication in the Gazette of India of this notification.

SCHEDULE

DAMADARPUR BLOCK
TALCHER COALFIED
(ORISSA).

Drag. No. Rev/44/71
Dated 8-9-1972
(Showing lands notified for prospecting).

Sl. No.	Village	Police Station	Sub-Division	District	Area	Remarks
1	Damadarpur (Alhadnagar)	Colliery	Talcher	Dhenkanal	Full.	
2	Madupur (Alhadnagar)	"	"	"	Part.	
3	Hensamul	"	"	"	Part.	
4	Chandpur	"	"	"	Part.	
5	Purnia	"	"	"	Part.	
6	Balanda	"	"	"	Part.	
7	Nakhatarpur	"	"	"	Part.	

Total Area: 685·00 acres (approximately)
or: 277.21 Hectares (approximately)

BOUNDARY DESCRIPTION :

A—B Line passes along the part common boundary of Village Madupur (Alhadnagar) and Rakas, along with common boundary of villages Damadarpur (Alhadnagar) and Rakas, Damadarpur (Alhadnagar) and Annataberni).

B—C Line passes along the common boundary of villages Damadarpur (Alhadnagar) and Lachhamanpur.

C—D Line passes along the part common boundary of villages Nakhatarpur and Lachhamanpur.

D—E—F Lines pass through villages Nakhatarpur and Balanda, (i.e. along the northern boundary of North Balanda Block-B and along Part boundary of South Balanda) acquired vide S. O. No. 1334 dated 24-4-62 and S. O. 702 dated 18-31-960.

F—G Line passes through villages Balanda, Purnia, Chandpur and Hensamul (i.e. along the part western boundary of Talcher Colliery Lease boundary).

G—A Line passes through villages Hensamul and Maduput (Alhadnagar) and meets at starting point 'A'

[No. F. 2 (7)/71-C3].

K. Subrahmanyan, Under Secy.

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

नई दिल्ली, 24 दिसम्बर, 1971

का० आ० 459.—यतः केन्द्रीय सरकार को ऐसा प्रतीत होता है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में से कोयला अधिप्राप्त होने की संम्भावना है ।

अतः अब, कोयला वाले क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा उसमें कोयले के लिए पूर्वेक्षण करने के अपने आशय की सूचना देती है ।

इस अधिसूचना के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र के रेखांक का निरीक्षण, राष्ट्रीय कोयला विकास निगम लिमिटेड (राजस्व अनुभाग), दरभंगा हाउस, रांची के कार्यालय अथवा कलक्टर, धेनकनाल (उड़ीसा) के कार्यालय में अथवा कोयला नियंत्रक, 1, काउंसिल हाऊस स्ट्रीट, कल I के कार्यालय में किया जा सकता है ।

इस अधिसूचना के अन्तर्गत आने वाली भूमि में हितबद्ध सभी व्यक्ति, उक्त अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (7) में निदेशित समस्त मानचित्र, चार्ट और अन्य दस्तावेज, इस अधिसूचना के प्रकाशन की ता रीख से 90 दिन के भीतर राजस्व अधिकारी, राष्ट्रीय कोयला विकास निगम लिमिटेड, दरभंगा हाऊस, रांची को परिदत्त करेंगे ।

अनुसूची

दामादरपुर खण्ड

तालचेर कोयला क्षेत्र

उड़ीसा

ड्राइंग संख्या-राजस्व/44/71

तारीख 8-9-1971

(पूर्वेक्षण के लिए अधिसूचित भूमि को दर्शित करते हुए)

क्रम संख्या	ग्राम	पुलिस स्टेशन	उप प्रभाग	जिला	क्षेत्र	टिप्पणियां
1	दामादरपुर (अल्हाद नगर)	कोयला खान	तालचेर	धेनकनाल		समस्त
2	माधुपुर (अल्हादनगर)	,,	,,	,,		भाग

3	हेन्सामल	कोयला खान	तालचेर	ब्रेन कनाल	भाग
4	चांदपुर	,,	,,	,,	भाग
5	पुनिया	,,	,,	,,	भाग
6	बालन्दा	,,	,,	,,	भाग
7	नखतारपुर	,,	,,	,,	भाग

कुल क्षेत्र 985.00 एकड़ (लगभग)
अथवा 277.21 हेक्टेयर (लगभग)

सीमा वर्णन

क–ख लाइन ग्राम मधुपुर (अल्हादनगर) और राकस की भागतः सामान्य सीमा से, ग्राम दामादपुर (अल्हादनगर) और राकस, दामादपुर (अल्हादनगर) तथा अज्ञाताबर्नी की भागतः सामान्य सीमा से होकर गुजरती है ।

ख–ग लाइन ग्राम दामादपुर (अल्हादनगर) और लक्ष्मणपुर की भागतः सामान्य सीमा से होकर गुजरती है ।

ग–घ लाइन ग्राम नखतारपुर और लक्ष्मणपुर की भागतः सामान्य सीमा से होकर गुजरती है ।

घ-ङ-च लाइने, का० आ० संख्या 1334, तारीख 24-4-62 और का० आ० 702 तारीख 18–3–1960 द्वारा अर्जित ग्राम नखतारपुर और बालन्दा (अर्थात उत्तर बालन्दा खण्ड-ख की उत्तरी सीमा से और दक्षिण बालन्दा की भागतः सीमा) से होकर गुजरती है ।

च–छ लाइन ग्राम बालन्दा, पुनिया, चांदपुर और हेन्सामल (अर्थात तालचेर कोयला खान पट्टा सीमा की भागतः पश्चिमी सीमा के साथ) से होकर गुजरती है ।

छ–क लाइन ग्राम हेन्सामल और मधुपुर से होकर गुजरती है और आरम्भिक बिन्दु क पर मिलती है ।

[सं० एफ० 2(7)/71-सी० 3]

के० सुब्रह्मण्यन,
अवर सचिव ।

(Iron and Steel Control)

ORDER

Calcutta, the 14th January 1972

S.O. 460.—In exercise of the powers conferred on me by Notification No. S.O. 1436 dated 18th April, 1967 under the Essential Commodities (Regulation of Production & Distribution for purposes of export) Order, 1966, I hereby direct that the firm specified in Column I of the Table below shall sell the goods as specified in Column 2 there against to the firm specified in the corresponding entry in Column 3 of the said table for purposes of manufacture of Engineering Goods for export at the price indicated thereagainst in Column 4 subject to the conditions enumerated in Column 5 of the said table.

Name of the firm	Specification	Name of the exporter	Price	Condition
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
M/s Indian Steel & Wire Products Ltd. Indranagar, Singhbhum.	H. B. Wires 83. 329 M/t. (Eighty three point three two nine M t. only).	M/s Hero Cycles P. Ltd. G. T. Road, Hero Nagar, Ludhiana-3	At current Market Rate	Supply should be made on export priori y basis (i. e. . a priority next to Defence).

[No. DIS/Pol/2/4 (170)/70]

By Order etc,

S. S. SIDHU,
Director of Export Production and Iron and Steel Controller.

भारत का राज पत्र भाग II-खंड 3-उपखंड (II) में प्रकाशनार्थ

आदेश ।

कलकत्ता 14 जनवारी 1972

एस०आ० 460 सं-ESS.COMM/RPDE/77.-आवश्यक वस्तु (निर्यात के प्रयोजनों के लिये उत्पादन और वितरण का विनियमन) आदेश 1966 के अन्तर्गत अधिसूचना मे एस.ओ. 1436 दिनांक 18-4-67 के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं एतद्द्वारा नीचे दिए गये तालिका को स्तम्भ 1 के फर्म को स्तम्भ 2 उल्लेखित वस्तुओं को स्तम्भ 3 में नामाकित फर्म को इंजीनियरी वस्तुओं के उत्पादन तथा निर्यातहेतु स्तम्भ 4 में दिये गये मूल्य पर स्तम्भ 5 में दिये हुए शर्त पर विक्रय करने का आदेश देता हूं ।

फर्म का नाम	वस्तुओं का विस्तृत विवरण	निर्यातक का नाम	मूल्य	
1	2	3	4	5
मैसर्स इण्डियन स्टील एड वायर प्रोडक्टस लिमिटेड. इन्द्रनगर सिंगभूम ।	एच. बी. वायस 83.329 टन (तीरासी दशमलव तीन (दो नो टन सीफ)	मैसर्स हीरो साइकिलस प्राइवेट लिमिटेड, जी. टी रोड, हीरोनगर, लुधियाना-3।	सामान्य मूल्य जो माल के भुगतान के समय हो	माल का भुगतान निर्यात प्राथमिकता के आधार पर (अर्थात् ऐसी) प्राथमिकता जो प्रतिरक्षा के माल के भुगतान के बाद हो) देनी होगी ।

[सं० डी० आई० एम०/सील०/2/4/170/70]

आज्ञा से इत्यादि,

एस.० एस.० सिंदू,

निर्यात उत्पादन निदेशक

और

लौह तथा इस्पात नियंत्रक।

MINISTRY OF IRRIGATION AND POWER

New Delhi, the 16th December 1971

S.O. 461.—In exercise of the powers conferred by section 7 of the Land Acquisition Act, 1894 (1 of 1894), the Central Government hereby authorises the Deputy Directors of the Central Flood Forecasting Divisions (Central Water and Power Commission) at Surat, Lucknow, Patna, Bhubaneswar, Jalpaiguri, Gauhati and Delhi to direct the collector to take order for the acquisition of land required in connection with installation of wireless sets for Flood Forecasting Centres all over the country.

ORDER

Ordered that a copy of the Notification be published in the Gazette of India and also communicated to Ministries of Agriculture, Finance (Deptt. of Revenue), Home Affairs and Communication for information.

Ordered that a copy of the Notification be communicated to all State Government with a request for publishing it in the State Gazette for general information.

[No. F. F.C. 44(14)/71.]

B. S. BANSAL, Jt. Secy.

सिंचाई और विद्युत मंत्रालय

नई दिल्ली, 16 दिसम्बर 1971

का० आ० 461.—भूमि अधिग्रहण अधिनियम, 1894 (1894 का 1) की धारा 7 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा सूरत, लखनऊ, पटना, भुवनेश्वर, जलपाईगुड़ी, गौहाटी और दिल्ली में स्थित केन्द्रीय बाढ़ पूर्वसूचना प्रभागों (केन्द्रीय जल तथा विद्युत आयोग) के उपनिदेशकों को, समस्त देश में बाढ़ पूर्वसूचना केन्द्रों के लिए बेतार संयंत्रों के प्रतिष्ठापन के सम्बन्ध में अपेक्षित भूमि के अधिग्रहण के लिए आदेश लेने के लिए कलैक्टर को आदेश देने के लिए प्राधिकृत करती है ।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस अधिसूचना की एक प्रति भारत के राजपत्र में प्रकाशित की जाए और इसे कृषि, वित्त (राजस्व विभाग) गृह और संचार मंत्रालयों को भेज दी जाए ।

यह भी आदेश दिया जाता है कि यह अधिसूचना सभी राज्य सरकारों को भेज दी जाए और उनसे यह प्रार्थना की जाय कि आम जानकारी के लिए इसे राज्य के राजपत्रों में प्रकाशित करवा दें ।

(सं० फ० एफ० सी० 44(14)/71

बी० एस० बंसल, संयुक्त सचिव ।

New Delhi, the 12th January 1972

S.O. 462.—In pursuance of sub-section 2(c) of section 36A of the Indian Electricity Act, 1910 (9 of 1910), and in partial modification of this Ministry's Notification No. EL. II. 9(1)/66, dated 13th September, 1966, the Central Government is pleased to nominate Shri P.S Sawhney, Chief Commercial Officer, Delhi Electric Supply Undertaking, Delhi, as a member of the Central Electricity Board to represent the Union Territory of Delhi *vice* Shri Har Prasad.

[No. EL. II. 9(3)/71.]

M. RAMANATHAN,

Dy. Director (Power).

नई दिल्ली, 12 जनवरी, 1972

एस० ओ० 462.—भारतीय बिजली अधिनियम, 1910 (1910 का 9वां) की धारा 36 क की उपधारा 2(ग) के अनुसरण में और इस मंत्रालय की अधिसूचना संख्या ई० एल० दो 9(1)/66; दिनांक 13 सितम्बर, 1966 का अंशतः उपांतरण करते हुए भारत सरकार श्री पी० एस० साहनी, मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी, दिल्ली विद्युत प्रदाय संस्थान, दिल्ली की संघीय प्रदेश दिल्ली का प्रतिनिधित्व करने के लिए केन्द्रीय बिजली बोर्ड में श्री हर प्रसाद के स्थान पर एक सदस्य के रूप में मनोनीत करती है ।

[सं० ई० एल० दो० 9 (3)/71]

एम० रामनाथन,
उप निदेशक (विद्युत) ।

MINISTRY OF LABOUR AND REHABILITATION

(Department of Labour and Employment)

New Delhi, the 16th December 1971

S.O. 463.—In pursuance of Section 16 of the Employees' State Insurance Act. 1948 (34 of 1948), the Central Government in consultation with the Employees' State Insurance Corporation, appoints Dr C. L. Malhotra, as Medical Commissioner of Employees' State Insurance Corporation, with effect from the 20th July, 1971 (F.N.) until further orders.

[No. A-1109(4)/70-HI.]

श्रम और पुनर्वास मंत्रालय

(श्रम और रोजगार विभाग)

नई दिल्ली, 16 दिसम्बर, 1971

का० आ० 463 :— कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 16 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार कर्मचारी राज्य बीमा निगम के परामर्श से डा० सी० एल० मलहोत्रा को 20 जुलाई, 1971 (पूर्वाह्न) से और आदेश होने तक कर्मचारी राज्य बीमा निगम का चिकित्सक आयुक्त नियुक्त करती है ।

[सं० ए-11019(4)/70-एच० आई०]

New Delhi, the 20th December, 1971

S.O. 464.—In exercise of the powers conferred by section 73F of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government, having regard to the location of the factories specified in column (4) of the Schedule hereto annexed in areas specified in column (3) of the said Schedule in the State of Uttar Pradesh in which the provisions of Chapters IV and V of the said Act are not in force, hereby exempts the said factories from the payment of employer's special contribution leviable under Chapter VA of the said Act for a period of one year from the date of publication of this notification in the Official Gazette or until the enforcement of provisions of Chapter V of the said Act in those areas, whichever is earlier.

SCHEDULE

Sl No.	Name of District	Name of area	Names of the factories
1	2	3	4
1	Azamgarh	Azamgarh	Government Agricultural Workshop 21-4534-65.
		Maunath Bhanjan Industrial Estate	M/s Super Febric Sizing Co. 21-4503. M/s Dalima D-6 21- 4532-24.
2	Banda	Attarra	M/s Bundelkhand Solvent Extraction Rice Mill 21-4526-05.
3	Barabanki	Barabanki	M/s Somaiya Organic India Ltd Somaiyanagar Dewa Road, Code No 21-1595-34
4	Bijnore	Dhampur	1. M/s Agro Industrial Complex Code No. 21-1614-65. 2. M/s Mycro Abressa India Ltd Dhampur 21-1593-90.
5	Bulandshahar	Shahkarinagar	1. M/s Ram Engineering Rolling Mills Code No 21-589. 2. M/s Cooperative Textile Mills.
		Sikanderabad	M/s Sanvukt Krishi Udyog 21-5922-34.
6	Dehradun	Po. Khedar	M/s Hindustan Constructions Co Ltd., PO Khedar Vikash Nagar, Code No. 31-5945-90.
7	Etawah	Jaswant Nagar	M/s Western U.P. Electric Power & Suply Co. Ltd. 21-2873-95.
8	Fatehpur	Bindki	M/s Shridhar Rice & Oil Mills 21-4536-06.
9	Jaunpur	Industrial Estate Shahganj	M/s Government Agricultural Workshop 21-4522-65. M/s Popular Iron & Steel Co. 21-4513-53.
10	Mainpuri	Mainpuri	1 M/s Sahgal Rice Generals Mills athehri Road, 21-2891-05. 2. M/s Guru Charan Industrial Works, Station Road, 21-2892-65. 3. M/s Mahir StrawBoard Mills Pvt. Ltd., Near Railway Station, 21-2893-82. 4. M/s Annapurna Industrial Co. Station Road, 21-2900-90.
11	Meerut	Partapur	1. M/s Razat Industries A-6 Industrial Estate 5905- 65. 2. M/s Himalaya Spun Pipe Co. 21-5961-46. 3. M/s Agremec B-7 Industrial Estate 21-5960-65.

1	2	3	4
12	Muzaffar Nagar	Shamli	M/s Krishna Iron Mills 21-5937-53.
13	Paurigarwal	Kotdwara	M/s U.P. Govt. Roadways Workshop 21-59 11.
14	Shahjananpur	Shahjanpur	M/s Khandel valengineering Co. 21-1583-66.
15	Sultanpur	Edgah	M/s Shri Ganesh Iron Foundry 21-4524-54.
15(a)	Sultanpur	Jalaluddin Market	M/s Sultanpur Milling Co. 21-4523- 92.
16	Varanasi	Maheshpur Industrial Estate	M/s. Piplani Engineering Corporation 21-4316. 1. M/s Punjab Auto Industries 21-4373-74 2. M/s Laxmi Udog 21-45 509-67 3. M/s R. Narain & Co. 21-44 96-51 4. M/s Binaras Steel Rolling Mills, 21-4467. 5. M/s T.M. Industries 21-4399-66.

[No. F.602 (14) 70-HI]

नई दिल्ली, 20 दिसम्बर, 1971

का० आ० 464—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 73 च द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार इससे उपाबद्ध अनुसूची के स्तंभ 4 में विनिर्दिष्ट कारखानों को उक्त अनुसूची के स्तम्भ 3 में विनिर्दिष्ट उत्तर प्रदेश राज्य के ऐसे क्षेत्रों, में, जिसमें उक्त, अधिनियम के अध्याय 4 और 5 के उपबंध प्रवृत्त नहीं हैं, अवस्थिति का ध्यान में रखते हुए, उक्त कारखाने को उक्त अधिनियम के अध्याय 5 के अधिन उदग्रहणी नियोजक के विशेष अभिदाय [illegible] इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से एक वर्ष की अवधि के लिए या तब तक के लिए जब तक कि उक्त [illegible] 5 [illegible] उन क्षेत्रों में [illegible] नहीं हो जाते, जो भी पहले हो, एतद्द्वारा छूट देती है।

अनुसूची

क्रम संख्या	जिले का नाम	क्षेत्र का नाम	कारखाने का नाम
1	आजमगढ़	आजमगढ़	गवर्नमेंट एग्रिकल्चरल वर्कशाप 21–4534–65
		मौनाथ भंजन इंडस्ट्रियल एस्टेट	मेसर्स सुमर पब्लिक साईजिंग कं० 21–4503 मैसर्स डालमिया बी०- 621–4532-24
2	बांदा	अत्तारा	मैसर्स बुंदेलखंड साल्वेण्ट एक्सट्रेक्शन एंड राइस मिल्स 21–4526–65
3	बाराबंकी	बाराबंकी	मैसर्स सोमय्या आर्गेनिक्स इंडिया लि० सोमय्यानगर देवा रोड, कोड सं० 21–1595–34
4	बिजनौर	धामपुर	1. मैसर्स एग्रो इंडस्ट्रियल कम्पलैक्स कोड 21–1914–65 2. मैसर्स माइको एग्रोएसा इंडिया लि०, धामपुर 21–1593–91
5	बुलंदशहर	सहकारी नगर	1. मैसर्स रामइंजीनियरिंग रोलिंग मिल्स कोड सं० 21–5897 2. मैसर्स को आपरेटिव टैक्सटाइल मिल्स
		सिकन्दराबाद	मैसर्स संयुक्त कृषि उद्योग 21–5922–34
6	देहरादून	पो० खेदर	मैसर्स हिन्दुस्तान कन्स्ट्रक्शनस क० लि० पो० आ० खेदर द्वारा विकासनगर कोड सं० 21–5945-90
7	इटावा	जसवंत नगर	मैसर्स वैस्टर्न यू० पी० इलेक्ट्रिक पावर एंड सप्लाई कं० लि०, 21–2873–95

1	2	3	4
8.	फतेहपुर	बिंदकी	मैसर्स श्रीधर राइस एण्ड आयल मिल्स 21-4536-06
9.	जौनपुर	इंडस्ट्रियल एस्टेट शाहगंज	मैसर्स गवर्नमेंट एग्रिकलचरल वर्कशाप 21-4522-66 मैसर्स पापुलर आयरन एंड स्टील कं० 21-4513-53
10.	मैनपुरी	मैनपुरी	1. मैसर्स सहगल राइस एंड जनरल मिल्स कठही रोड, 21-2891-95 2. मैसर्स गुरुचरण इंडस्ट्रियल वर्क्स, स्टेशन रोड; 21-2892-65 3. मैसर्स महावीर स्ट्राबोर्ड मिल्स प्रा० लि० नीयर रेलवे स्टेशन , 21-2893-82 4. मैसर्स अन्नपूर्णा इंडस्ट्रियल कं० स्टेशन रोड, 21-2900-90
11.	मेरठ	परतापुर	1. मैसर्स रंजत इंडस्ट्रीज ए-6, इंडस्ट्रियल एस्टेट 5905-65 2. मैसर्स हिमालय स्पन पाइप कं० 21-5961-46 3. मैसर्स एग्रेमिक बी-7 इंडस्ट्रियल एस्टेट 21-5960-65
12.	मुजफ्फरनगर	शामली	मैसर्स कृष्णा आयरन मिल्स 21-5937-53
13.	पौड़ीगढ़वाल	कोरूटदारा	यू० पी० गवर्नमेंट रोडवेज वर्कशाप 21-5911
14.	शाहजहांपुर	शाहजहांपुर	मैसर्स खण्डेलवाल इंजी० कं० 21-1583-65
15.	सुल्तानपुर	इदगाह जलालुद्दीन मार्किट	मसर्स श्री गणेश आयरन फाउन्ड्री 21-4524-95 मैसर्स सुल्तानपुर मिलिंग कं० 21-4523-92
16.	वाराणसी	बहेशपुर इंडस्ट्रियल एस्टेट	मैसर्स पिपलानी इंजी० कारपोरेशन 21-4316 1. मैसर्स पंजाब ओटो इंडस्ट्रीज, 21-4373-74 2. मैसर्स लक्ष्मी उद्योग 21-4509-67 3. मैसर्स आर नारायण एण्ड कं० 21-4496-51 4. मैसर्स बनारस स्टील मैलिंग मिल्स 21-4467 5. मैसर्स टी एम इंडस्ट्रीज 21-4399-66

[सं० फा० 602 (14) 70-एच० आई०]

S.O. 465.—In exercise of the powers conferred by section 73F of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government, having regard to the location of the factories specified in column (4) of the Schedule hereto annexed in areas specified in column (3) of the said Schedule in the State of West Bengal in which the provisions of Chapters IV and V of the said Act are not in force, hereby exempts the said factories from the payment of employer's special contribution leviable under Chapter VA of the said Act for a period of one year from the date of publication of this notification in the Official Gazette or until the enforcement of provisions of Chapter V of the said Act in those areas, whichever is earlier.

SCHEDULE

Serial No.	Name of District	Name of Area	Name of the factory
1.		3	4
1.	Hooghly	Khanyan	Messrs. Incorporated Engineering (Private) Limited.
2.	Birbhum	Saipthia	Messrs Hindusthan Coconut Oil Mills.

F. No. S. 38017 (12)/71-HI]

का० आ० 465.—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम 1948 (1948 का 34) की धारा 73च के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार इससे उपाबद्ध अनुसूची के स्तंभ 4 में विनिर्दिष्ट कारखानों की उक्त अनुसूची के स्तंभ 3 में विनिर्दिष्ट पश्चिमी बंगाल राज्य के ऐसे क्षेत्रों में जिसमें उक्त अधिनियम के अध्याय 4 और 5 के उपबंध प्रवृत्त नहीं हैं अवस्थिति को ध्यान में रखते हुए उक्त कारखानों को उक्त अधिनियम के अध्याय 5क के अधीन उद्ग्रहणीय नियोजक के विशेष अभिदाय के संदाय से इस अधिसूचना के भारत के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से एक वर्ष की अवधि के लिए या तब तक के लिए जब तक कि उक्त अधिनियम के अध्याय 5 के उपबंध उस क्षेत्र में प्रवृत्त नहीं हो जाते हैं, जो भी पहले हो, एतद्द्वारा छूट देती है ।

अनुसूची

क्र०सं०	जिले का नाम	क्षेत्र का नाम	कारखाने का नाम
1	2	3	4
1.	हुगली	खनयान	मैसर्स इनकार्पोरेटिड इंजिनियरिंग (प्राइवेट) लिमिटेड
2.	बीरभूम	सेनथिया	मैसर्स हिन्दुस्तान कोकोनट आयल मिल्स

[म०फा०एम० 38017(12)/71-एच०आई०]

S.O. 466.—In exercise of the powers conferred by section 73F of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 2977 dated the 17th July, 1971 the Central Government, having regard to the location of the factories specified in column (4) of the Schedule hereto annexed to areas specified in column (3) of the said Schedule in the State of Andhra Pradesh in which the provisions of Chapters IV and V of the said Act are not in force, hereby exempts the said factories from the payment of employer's special contribution leviable under Chapter VA of the said Act for a further period of one year from the date of expiry of the period specified in the said notification or until the enforcement of provisions of Chapter V of the said Act in those areas, whichever is earlier.

SCHEDULE

Serial No.	Name of District	Name of Area	Name of the factory
1	2	3	4
1.	Nizamabad . . .	Kisan Nagar	Messrs Kisan Cement pipe Company.
2.	West Godavari . . .	Niddadavolu	Messrs Sri Radha Krishna Re-inforced Cement Pipes and Ferro Concrete Works.

[No. F. 38017(18)/71-HI]

का० आ० 466.—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 73च द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारत सरकार के भूतपूर्व श्रम, रोजगार और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना संख्या का० आ० 2977 तारीख 17 जुलाई, 1971 के क्रम में केन्द्रीय सरकार इससे उपाबद्ध अनुसूची के स्तंभ 4 में विनिर्दिष्ट कारखानों की उक्त अनुसूची के स्तंभ 3 में विनिर्दिष्ट आंध्र प्रदेश राज्य के ऐसे क्षेत्रों में जिसमें उक्त अधिनियम के अध्याय 4 और 5 के उपबंध प्रवृत्त नहीं हैं, अवस्थिति को ध्यान में रखते हुए, उक्त कारखाने को उक्त अधिनियम के अध्याय 5क के अधीन उद्ग्रहणीय नियोजक के विशेष अभिदाय के संदाय से उक्त अधिसूचना में विनिर्दिष्ट अवधि की समाप्ति की तारीख से एक वर्ष की और अवधि के लिए या तब तक के लिए जब तक कि उक्त अधिनियम के अध्याय 5 के उपबंध उन क्षेत्रों में प्रवृत्त नहीं हो जाते, जो भी पहले हो, एतद्द्वारा छूट देती है ।

अनुसूची

क्र०सं०	जिले का नाम	क्षेत्र का नाम	कारखाने का नाम
1	2	3	4
1.	निजामाबाद	किशन नगर	मैसर्स किसान सीमेंट पाइप कम्पनी
2.	वैस्ट गोदावरी	निडाडावोलू	मैसर्स श्री राधा कृष्णा रीइंन्फोर्सड सीमेंट पाइप्स एंड फैरो कंक्रीट वर्क्स ।

[सं० फा० एस० 38017(18)71/एच० आई०]

New Delhi, the 21st December, 1971

S.O. 467.—In exercise of the powers conferred by section 73F of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.Q. 255 dated the 7th January, 1971, the Central Government having regard to the location of the Cholera Vaccine Laboratory of the Public Health Institute, Patna in an area in which the provisions of Chapters IV and V of the said Act are in force, hereby exempts the said factory from the payment of the employer's special contribution leviable under Chapter VA of the said Act for a further period of one year with effect from the 1st December, 1971 upto and inclusive of the 30th November, 1972.

[No. F. 601(62)/70-HI.]

नई दिल्ली, 21 दिसम्बर 1971

का० आ० 467—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 73च द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के श्रम और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना सं० का०आ० 255 तारीख 7 जनवरी 1971 के क्रम में केन्द्रीय सरकार कोलेरा वैक्साइन लेबोरेटरी आफ दि पब्लिक हैल्थ इन्स्टीच्यूट, पटना की ऐसी क्षेत्र में, जिसमें उक्त अधिनियम के अध्याय 4 और 5 के उपबंध प्रवृत हैं, अवस्थिति को ध्यान में रखते हुए उक्त कारखाने को उक्त अधिनियम के अध्याय 5-क के अधीन उद्ग्रहणीय नियोजक के विशेष अभिदाय के संदाय से 1 दिसम्बर 1971 से 30 नवम्बर, 1972 तक जिसमें वह दिन भी सम्मिलित है, एक और वर्ष की कालावधि के लिए एतद्द्वारा छूट देती है ।

[सं० फा० 601(62)/70-एच० आई०]

S.O. 468.—In exercise of the powers conferred by section 73F of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 2236 dated the 27th May, 1971 the Central Government having regard to the location of the Geophysical and Research and Training Institute Workshop, Dehradun belonging to the Oil and Natural Gas Commission in an area in which the provisions of Chapters IV and V of the said Act are in force, hereby exempts the said workshop from the payment of the employer's special contribution leviable under Chapter VA of the said Act for a further period of one year with effect from the 30th January, 1972 upto and inclusive of the 29th January, 1973.

[No. F. 602(32)/70-HI.]

का० आ० 468—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 73च द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के श्रम, रोजगार और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना सं० का०आ० 2236 तारीख 27 मई, 1971 के क्रम में केन्द्रीय सरकार तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग के जीओफिजिकल एण्ड रिसर्च एंड ट्रेनिंग इंस्टियूट वर्कशाप, देहरादून की ऐसी क्षेत्र में, जिसमें उक्त अधिनियम के अध्याय 4 और 5 के उपबंध प्रवृत्त हैं, अवस्थिति को ध्यान में रखते हुए उक्त कर्मशाला को उक्त अधिनियम के अध्याय 5-क के अधीन उद्ग्रहणीय नियोजक के विशेष अभिदाय के संदाय से 30 जनवरी, 1972 से 29 जनवरी, 1973 तक जिसमें वह दिन भी सम्मिलित है, एक और वर्ष का अवधि के लिए एतद्द्वारा छूट देती है ।

[सं० फा० 602(32)/70-एच० आई०)]

New Delhi, the 29th December, 1971

S.O. 469.—In exercise of the powers conferred by section 73F of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 2783 dated the 5th July, 1971, the Central Government, having regard to the location of the factories specified in column (4) of the Schedule hereto annexed in areas specified in column (3) of the said Schedule in the State of Rajasthan in which the provisions of Chapters IV and V of the said Act are not in force hereby exempts the said factories from the payment of employer's special contribution leviable under Chapter VA of the said Act for a further period of one year from the date of expiry of the period specified in the said notification or until the enforcement of provisions of Chapter V of the said Act in those areas, whichever is earlier.

SCHEDULE

Sl. No.	Name of District	Name of Area	Name of the factory
1	2	3	4
1	Bhilwara	Bigod	Messrs Kisan Vrihat Behu Dhendhi Sahakari Samiti Limited.
2	Nagour	Ladnun	The Rajasthan Worsted Spinning Mills.
3	Pali	Sojat Road	Messrs Asbestos Cement Products.
4	Sikar	Sikar	Messrs Sikar Ispat Udyog Private Limited.
5	Sriganganagar	Hanumangarh Junction	Rajasthan Canal Project Workshop Sub-Division I.
		Suratgarh Junction	The Central Workshop Rajasthan Canal Project.
6	Udaipur	Fatehnagar	Messrs Shree Gopal Industries.

[No. F. 602(13)/70-HI]

नई दिल्ली, 29 दिसम्बर, 1971

का० आ० 469—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 73च द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारत सरकार के भूतपूर्व श्रम, रोजगार और पुनर्वास मन्त्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना संख्या का० आ० 2783 तारीख 5 जुलाई, 1971 के क्रम मे केन्द्रीय सरकार इससे उपाबद्ध अनुसूची के स्तम्भ 4 में विनिर्दिष्ट कारखानों की उक्त अनुसूची के स्तम्भ 3 में विनिर्दिष्ट राजस्थान राज्य के ऐसे क्षेत्रों में, जिसमें उक्त अधिनियम के अध्याय 4 और 5 के उपबन्ध प्रवृत्त नहीं हैं, अवस्थिति को ध्यान में रखते हुए, उक्त कारखाने को उक्त अधिनियम के अध्याय 5क के अधीन उद्ग्रहणीय नियोजक के

विशेष अभिदाय के संदाय के उक्त अधिसूचना में विनिर्दिष्ट अवधि की समाप्ति की तारीख से एक वर्ष की और अवधि के लिए या तब तक के लिए जब तक कि उक्त अधिनियम के अध्याय 5 के उपबन्ध उन क्षेत्रों में प्रवृत्त नहीं हो जाते, जो भी पहले हो, एतद्द्वारा छूट देती है।

अनुसूची

क्रम सं०	जिले का नाम	क्षेत्र का नाम	कारखाने का नाम
(1)	(2)	(3)	(4)
1	भिलवारा	बिगाड	मैसर्स किसान वृहत बेहू ढेंडी सहकारी समिति लिमिटेड
2	नगौर	लडनून	दि राजस्थान वोस्टिड स्पिनिंग मिल्स
3	पाली	सोजात रोड	मैसर्स एस्बैस्टाल सीमेंट प्राडक्ट्स
4	सिकार	सिकार	मैसर्स सिकार इस्पात उद्योग प्राइवेट लिमिटड
5	श्री गंगानगर	हनुमानगढ़ जंकशन	राजस्थान कनाल प्रोजैक्ट वर्कशाप सबडिवीजन–1
		सूरतगढ़ जंकशन	दि सैंट्रल वर्कशाप राजस्थान कनाल प्रोजैक्ट
6	उदयपुर	फतहनगर	मैसर्स श्री गोपाल इण्डस्ट्रीज

[सं० फा० 602(13)/70–एच० आई०]

S.O. 470.—In exercise of the powers conferred by Section 73F of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government, having regard to the location of the factories specified in column (4) of the Schedule hereto annexed in areas specified in column (3) of the said Schedule in the State of Tamil Nadu in which the provisions of Chapters IV and V of the said Act are not in force, hereby exempts the said factories from the payment of employer's special contribution leviable under Chapter VA of the said Act for a period of one year from the date of publication of this notification in the official Gazette or until the enforcement of provisions of Chapter V of the said Act in those areas, whichever is earlier.

SCHEDULE

Sl. No.	Name of District.	Name of Area	Names of the factories
1	2	3	4
1.	Chingleput	Chettypuniam	Light Roofings Ltd. Chettypuniam.
2.	Kanyakumari	Nallur Village	The Viswan Match Works 646, Nallur Village, Marthandam Port.
3.	Salem	Mullukurichi	Rajeshwari Floor & Sago Mills, Mullukurichi Village Thanmampatti (via) Rasipuram TK.
		Mudalapatti	Pandian Sago Factory, Mudalapatti.
4.	Tanjore	Ammapet	The Ammapet Blacksmithy *cum* Carpentary Workers Coop. Industrial Society Ltd., Kokeri Post, Ammapet.

[No. F. 602(11)/70-HI]

का० आ० 470.—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 73-च द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार इससे उपाबद्ध अनुसूची के स्तम्भ 4 में विनिर्दिष्ट कारखानों की, उक्त अनसूची के स्तम्भ 3 में विनिर्दिष्ट तमिलनाडु राज्य के ऐसे क्षेत्रों में, जिसमें उक्त अधिनियम के अध्याय 4 और 5 के उपबन्ध प्रवृत्त नहीं हैं, अवस्थिति को ध्यान में रखते हुए, उक्त कारखाने को उक्त अधिनियम के अध्याय 5क के अधीन उदग्रहणीय नियोजक के विशेष अभिदाय के संदाय से इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से एक वर्ष की अवधि के लिए या तब तक के लिए जब तक कि उक्त अधिनियम के अध्याय 5 के उपबन्ध उन क्षेत्रों में प्रवृत्त नहीं हो जाते, जो भी पहले हो, एतद्द्वारा छूट देती है।

अनुसूची

क्रम संख्या	जिले का नाम	क्षेत्र का नाम	कारखाने का नाम
(1)	(2)	(3)	(4)
1	चिंगलपट	चेटटीपुनियम	लाईट रूफिंग लिमिटेड चेटटीपुनियम
2	कन्या कुमारी	नल्लूर ग्राम	दि विस्वन मैच वर्क्स, 646, नल्लूर ग्राम, माय पडम पत्तन
3	सेलम	मुल्लूकुरुली ग्राम	राजेश्वरी फ्लोर एण्ड सागो मिल्स मुल्लू कुरुची ग्राम थन्मम-पटटी (वाया) रसीपुरम
		मुदलाप्पटटी	पडियन सागो फैक्टरी मूदलप्पटटी

1	2	3	4
4.	तंजौर	अम्मापेट	दि अम्मापेट ब्लैक-स्मिथी-कम-कारपेंटरी वर्कस को० इंडस्ट्रियल सोसाइटी लिमिटेड, कोकेरी पोस्ट, अम्मापेट

[सं० एफ० 602(11)/70 एच० आई०]

S.O. 471.—In exercise of the powers conferred by section 73F of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 830, dated the 29th January, 1971, the Central Government, having regard to the location of the factory known as Kuriathy Main Pumping Station, Trivandrum in an area in which the provisions of Chapters IV and V of the said Act are in force, hereby exempts the said factory from the payment of the employer's special contribution leviable under Chapter VA of the said Act for a further period of one year with effect from 13th November, 1971 upto and inclusive of the 12th November, 1972.

[File No. 602(51)/70-HI.]

का० आ० 471.—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 73च द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के श्रम, रोजगार और पुनर्वास मन्त्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना सं० का० 830, तारीख 29 जनवरी, 1971 के क्रम में केन्द्रीय सरकार—कुरियाथी मैन पिम्पिंग स्टेशन, त्रिवेंद्रम नामक कारखाने की ऐसी क्षेत्र में, जिसमें उक्त अधिनियम के अध्याय 4 और 5 के उपबन्ध प्रवृत्त हैं, अवस्थिति को ध्यान में रखते हुए उक्त कारखाने को उक्त अधिनियम के अध्याय 5-क के अधीन उदग्रहणीय नियोजक के विशेष अभिदाय के संदाय 13 नवम्बर, 1971 से 12 नवम्बर, 1972 तक जिसमें यह दिन भी सम्मिलित है, एक और वर्ष की कालावधि के लिए एतद्द्वारा छूट देता है।

[सं० फा० 602(51)/70 एच० आई०]

S.O. 472.—In exercise of the powers conferred by section 73F of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), and in continuation of the notification of the Government of India, in the Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 257, dated the 7th January, 1971, the Central Government, having regard to the location of the Central Jail Press, Nagpur in an area in which the provisions of Chapters IV and V of the said Act are in force, hereby exempts the said press from the payment of the employer's special contribution leviable under Chapter VA of the said Act for a further period of one year with effect from the date of expiry of the period specified in the said notification.

[No. F. 601(59)70-HI.]

का० आ० 472.—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 73च द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के श्रम, रोजगार और पुनर्वास मन्त्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 257, तारीख 7 जनवरी, 1971 के क्रम में केन्द्रीय सरकार सेंट्रल जेल प्रेस, नागपुर की ऐसी क्षेत्र में, जिसमें उक्त अधिनियम के अध्याय 4 और 5 के उपबन्ध प्रवृत्त हैं, अवस्थिति को ध्यान में रखते हुए उक्त प्रेस को उक्त अधिनियम के अध्याय 5-क के अधीन उदग्रहणीय नियोजक के विशेष अभिदाय से अधिसूचना में निहित तारीख का समाप्ति तक जिसमें यह दिन भी सम्मिलित है, एक और वर्ष की कालावधि के लिए एतद्द्वारा छूट देती है।

[सं० का० 601(59)/70-एच० आई०]

S.O. 473.—In exercise of the powers conferred by section 73F of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government, having regard to the location of the Linganavarthy Pump House, Town Municipality, Chitradurga in an area in which the provisions of the Chapters IV and V of the said Act are in force, hereby exempts the said factory from the payment of the employer's special contribution leviable under Chapter VA of the said Act for a period of one year with effect from the date of publication of this notification in the official gazette.

[No. F. S-38014(24)/71-HI.]

का० आ० 473.—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 73च द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये केन्द्रीय सरकार लिंगनावर्ती पम्प हाउस, टाउन म्यूनिसिपैलिटी, चित्रादुर्गा की ऐसी क्षेत्र में, जिसमें उक्त अधिनियम के अध्याय 4 और 5 के उपबन्ध प्रवत्त हैं, अवस्थित को ध्यान में रखते हुये उक्त कारखाने का उक्त अधिनियम के अध्याय 5-क के अधीन उद्ग्रहणीय नियोजक के विशेष अभिदाय के संदाय से अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख तक जिसमें यह दिन भी सम्मिलित है एक और वर्ष की कालावधि के लिये एतद्द्वारा छूट देती है।

[सं० फा० एस०-38013(24)/71-एच०आई०]

S.O. 474.—In exercise of the powers conferred by section 73F of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), and in continuation of the notification of the Government of India, in the Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 1533, dated the 27th March, 1971 the Central Government, having regard to the location of the Map Printing Factory, Survey Map Publication Office, Cuttack in an area in which the provisions of Chapters IV and V of the said Act are in force, hereby exempts the said factory from the payment of the employer's special contribution leviable under Chapter VA of the said Act for a further period of one year with effect from the 30th November, 1971 upto and inclusive of the 20th November, 1972.

[No. F. 602(50)/70-HI.]

का० आ० 474.—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 73च द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के श्रम, रोजगार और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 1533, तारीख 27 मार्च, 1971 के क्रम में केन्द्रीय सरकार मैप

प्रटिंग फैक्टरी, सर्वे मैप पब्लिकेशन आफिस, कटक की ऐसी क्षेत्र जिसमें उक्त अधिनियम के अध्याय 4 और 5 के उपबन्ध प्रवृत्त हैं, अवस्थिति को ध्यान में रखते हुए उक्त कारखाने को उक्त अधिनियम के अध्याय 5-क के अधीन उद्ग्रहणीय नियोजक के विशेष अभिदाय के संदाय से 30 नवम्बर, 1971 से 29 नवम्बर, 1972 तक जिसमें वह दिन भी सम्मिलित है, एक और वर्ष की कालावधि के लिए एतद्द्वारा छूट देती है ।

[सं० फा० 602(50)/70-एच० आई०]

New Delhi, the 30th December 1971

S.O. 475.—In pursuance of clause (a) of sub-section (1) of section 3A of the Coal Mines Provident Fund, Family Pension and Bonus Schemes Act, 1948 (46 of 1948), the Central Government hereby appoints the Deputy Minister in the Ministry of Labour and Rehabilitation as the Chairman of the Board of Trustees with effect from the 1st January, 1972 and makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 2451, dated the 17th July, 1967, namely:—

In the said notification, for the entry against serial number 1, the following entry shall be substituted, namely:—

"The Deputy Minister in the Ministry of Labour and Rehabilitation, New Delhi.—CHAIRMAN".

[No. 4(5)/67-PF-I.]

नई दिल्ली, 30 दिसम्बर, 1971

का० आ० 475.—कोयला खान भविष्य निधि परिवार पेंशन और बोनस स्कीम अधिनियम, 1948 (1948 का 46) की धारा 3-क की उपधारा (1) के खण्ड (क) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा उपमन्त्री, श्रम और पुनर्वास मन्त्रालय को पहली जनवरी, 1972 से न्यासी-बोर्ड का अध्यक्ष नियुक्त करती है और भारत सरकार के श्रम, रोजगार और पुनर्वास मन्त्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना संख्या का० आ० 2451, तारीख 17 जुलाई, 1967 में और आगे निम्नलिखित संशोधन करती है अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना में, क्रम संख्या 1 के सामने की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जाएगी, अर्थात्:—

"उप मन्त्री श्रम और पुनर्वास मन्त्रालय, नई दिल्ली ..... अध्यक्ष"

[संख्या 4(5)/67-पी० एफ०-1]

New Delhi, the 3rd January 1972

S.O. 476.—In exercise of the powers conferred by section 14 of the Maternity Benefit Act, 1961 (53 of 1961), the Central Government herey appoints Shri Anand Krishan Prasad, Welfare Organiser/Assistant Inspector Labour Welfare (Mines), as an Inspector for the purposes of the said Act in respect of all the coal mines in India.

[No. F.905(2)/70-HI.]

नई दिल्ली, 3 जनवरी, 1972

का० आ० 476.—प्रसूति प्रसुविधा अधिनियम, 1961 (1961 का 53) की धारा 14 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा श्री आनन्द कृष्ण प्रसाद, श्रम कल्याण संगठक/सहायक निरीक्षक, श्रम कल्याण (खानें) को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए भारत की सभी कोयला खानों का निरीक्षक नियुक्त करती है।

[सं० फा० 905(2)/70-एच० आई०]

New Delhi, the 4th January 1972

S.O. 477.—Whereas the State Government of Punjab has, in pursuance of clause (d) of section 4 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), nominated Shri Pritmohinder Singh, Commissioner for Health and Secretary to the Government of Punjab, Health and Family Planning Department to represent that State on the Employees' State Insurance Corporation, in place of Shri B. B. Mahajan;

Now, therefore, in pursuance of Section 4 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) S.O. No. 2763, dated the 27th May, 1971, namely:—

In the said notification, under the heading "(Nominated by State Governments under clause (d) of Section 4)", for the entry against item 19, the following entry shall be substituted, namely:—

"Shri Pritmohinder Singh, Commissioner for Health and Secretary to the Government of Punjab, Health and Family Planning Department, Chandigarh."

No. U-16013(6)/71-HI Vol.III.

नई दिल्ली, 4 जनवरी 1972

का० आ० 477.—यतः पंजाब राज्य सरकार ने कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 4 के खण्ड (घ) के अनुसरण में श्री प्रितमोहिन्दर सिंह, स्वास्थ्य आयुक्त और सचिव, पंजाब सरकार स्वास्थ्य तथा परिवार नियोजन विभाग को श्री बी० बी० महाजन के स्थान पर कर्मचारी राज्य बीमा निगम में उस राज्य का प्रतिनिधित्व करने के लिए नाम निर्दिष्ट किया है ।

अतः, अब कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 4 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा भारत सरकार के श्रम, रोजगार और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना संख्या का० आ० 2763 तारीख 27 मई, 1971 में निम्नलिखित आगे संशोधन करती है, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना में "(राज्य सरकारों द्वारा धारा 4 के खण्ड (घ) के अधीन नाम निर्दिष्ट)" शीर्षक के नीचे मद 19 के सामने प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जाएगी, अर्थात् :—

"श्री प्रितमोहिन्दर सिंह,
स्वास्थ्य आयुक्त और सचिव,
पंजाब सरकार
स्वास्थ्य तथा परिवार नियोजन विभाग,
चण्डीगढ़"

[सं० फा० यू०-16013(6)/71-एच०आई० खंड 3]

New Delhi, the 6th January 1972

S.O. 478.—In exercise of the powers conferred by first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the 31st March, 1968 the establishment known as Messrs S. K. Foundry Service (Private) Limited, 53, Chowringhee Road, Calcutta-16 for the purposes of the said proviso.

[No. S.35018/30/71-PF.II(ii).]

नई दिल्ली, 6 जनवरी, 1972

का० आ० 478.—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि, अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सम्बद्ध विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात् 31 मार्च, 1968 से एस० के० फावण्डरी सर्विस, प्राइवेट लिमिटेड, 53, चौरंगी रोड, कलकत्ता–16 नामक स्थापन को एतद्द्वारा उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है ।

[संख्या एस०–35018(30)/71–पी० एफ० 2(ii)]

New Delhi, the 11th January 1972

S.O. 479.—Whereas the State Government of Punjab, has in pursuance of clause (d) of sub-section (i) of section 10 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), nominated Dr. Sohan Singh, Director of Health and Family Planning, Government of Punjab, to be a member of the Medical Benefit Council in place of Dr. Harmel Singh.

Now, therefore, in pursuance of sub-section (i) of section 10 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India, in the Ministry of Labour, Employment (Department of Labour and Employment) No. S.O. 3680, dated the 21st August, 1971, namely:—

In the said notification, under the heading "[Nominated by the State Governments concerned under clause (d) of sub-section (1) of section 10]", for the entry against item (15), the following entry shall be substituted, namely:—

"Dr. Sohan Singh, Director of Health and Family Planning, Government of Punjab, Chandigarh".

[No. F.U-16012/8/71-HI.]

नई दिल्ली, 11 जनवरी, 1972

एस० ओ० 479.—यतः पंजाब राज्य सरकार ने कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 4 के खण्ड (ङ) के अनुसरण में डा० हरमेल सिंह के स्थान पर डा० सोहन सिंह, निदेशक, स्वास्थ्य और परिवार नियोजन, पंजाब सरकार को चिकित्सीय प्रसुविधा का सदस्य नामनिर्दिष्ट किया है ।

अतः, अब, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 10 की उप-धारा (1) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा भारत सरकार के श्रम, रोजगार और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना संख्या का० आ० 3680 तारीख 21 अगस्त, 1971 में और आगे निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में "[संविधान राज्य सरकारों द्वारा धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) के अधीन नामनिर्दिष्ट]" शीर्षक के नीचे मद संख्या 15 के सामने की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जाएगी, अर्थात् :—

"डा० सोहन सिंह,
निदेशक,
स्वास्थ्य और परिवार नियोजन,
पंजाब सरकार,
चंडीगढ़"

[सं० फा० एल०–16012/8/71–एच० आई०]

S.O. 480.—Whereas the Central Government is satisfied that the employees of the Government of India Press, Coimbatore, are otherwise in receipt of benefits substantially similar to the benefits provided under the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 90 of the said Act, the Central Government after consultation with the Employees' State Insurance Corporation hereby exempts the above mentioned factory from all the provisions of the said Act for a period of one year with effect from the date of publishing of this notification in the Official Gazette.

[No. F.S.38014(22)/71-HI.]

का० आ० 480.—यतः केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि भारत सरकार मुद्रणालय कोयम्बटूर के कर्मचारी, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) के अधीन उपबन्धित प्रसुविधाओं से सारवान रूप में समान प्रसुविधाएं अन्यथा पा रहे हैं ।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 90 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार कर्मचारी राज्य बीमा निगम के साथ परामर्श करने के पश्चात् उपर्युक्त कारखानों को इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से एक वर्ष की अवधि के लिये उक्त अधिनियम के सभी उपबन्धों से छूट देती है ।

[फा० सं० एस० 38014–(22)71–एच० आई०]

S.O. 481.—In exercise of the powers conferred by section 87 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 3916 dated the 18th September, 1971, the Central Government hereby exempts the Hindustan Shipyard Limited, Visakhapatnam from the provisions of the said Act except chapter VA thereof for a further period of six months with effect from the 1st October, 1971 upto and inclusive of the 31st March, 1972.

[No. F.S.38017(11)/71-HI.]

का० आ० 481.—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 87 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के श्रम और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना संख्या का० आ० 3916 तारीख 18 सितम्बर, 1971 के क्रम में केन्द्रीय सरकार हिन्दुस्तान शिप यार्ड लिमिटेड, विशाखापटनम को उक्त अधिनियम के

अध्याय 5क के सिवाय उस के सभी उपबन्धों से, पहली अक्तूबर, 1971 से 31 मार्च, 1972 तक, जिसमें यह दिन भी सम्मिलित है, छः मास की अवधि के लिये एतद्द्वारा छूट देती है ।

[सं० फा० एस०-38017(11)-71-एच०आई०]

S.O. 482.—Whereas the Central Government was satisfied that Messrs Jyoti Electric Motors Limited was situated in Mogar area which was a sparse area (that is, an area whose insurable population was less than 500) in the district of Kaira in the State of Gujarat;

And, whereas by virtue of its location in a sparse area the aforesaid factory was granted exemption from the payment of the employer's special contribution under section 73F of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), until enforcement of the provisions of Chapter V of the Act in that area by the Central Government in the notification of the Government of India in the Ministry of Labour and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 2978 dated the 17th July, 1971,

And, whereas the Central Government is satisfied that the insurable population of the Mogar area in the district of Kaira in the State of Gujarat has now exceeded 500, and it is no longer a sparse area;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 73F of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby makes the following further amendment in the said notification, namely:—

In the Schedule to the said notification,—

Against S. No. 4 the entry 'Mogar' in Column three and the corresponding entry in column four shall be omitted;

[No. F.S-38017(16)/71-HI.]

का० आ० 482.—यत. केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया था कि मैसर्स ज्योति इलैक्ट्रिक मोटर्स लिमिटेड, मोगर क्षेत्र में स्थित (अर्थात् ऐसा क्षेत्र जिस की बीमा योग्य आबादी 500 से कम थी) गुजरात राज्य के कैरा जिले में था :

और, यत उस की बिखरी हुई आबादी के क्षेत्र में अवस्थिति के आधार पर केन्द्रीय सरकार ने उपर्युक्त कारखाने को, भारत सरकार के श्रम, रोजगार और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 2978 तारीख 17 जुलाई, 1971 द्वारा कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 73च के अधीन नियोजक के विशेष अभिदाय के संदाय से तब तक के लिए छूट दे दी थी, जब तक कि उस अधिनियम के अध्याय 5 के उपबन्ध उस क्षेत्र में प्रवर्तित नहीं हो जाते;

और, यत . केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि गुजरात राज्य के कैरा जिले में मोगर क्षेत्र की बीमा योग्य आबादी अब 500 से बढ़ गई है, और वह अब बिखरी हुई आबादी का क्षेत्र नहीं है,

अतः, अब, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 73-च द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा उक्त अधिसूचना में और आगे निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना की अनुसूची में,

क्रम संख्या 4 के सामने स्तम्भ 3 में "मोगर" प्रविष्टि और स्तम्भ 4 की तत्स्थानी प्रविष्टि का लोप कर दिया जाएगा ।

[सं० फा० एस०-38017(16)-71-एच० आई०]

S.O. 483.—In exercise of the powers conferred by section 73F of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), and in continuation of the notification of the Government of India, in the Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 69, dated the 16th December, 1970, the Central Government having regard to the location of the Diesel Power House owned by the Bombay Port Trust, Bombay, in an area in which the provisions of Chapters IV & V of the said Act are in force, hereby exempts the said power-house from the payment of the employer's special contribution leviable under Chapter VA of the said Act for a further period of one year with effect from the 5th November, 1971 upto and inclusive of the 4th November, 1972.

[No. 601(48)/70-HI.]

का०आ० 483.—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 73च द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के श्रम, रोजगार और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 69 तारीख, 16 दिसम्बर, 1970 के क्रम में केन्द्रीय सरकार बम्बई पोर्ट ट्रस्ट, बम्बई के स्वामित्व वाला डीजल पावर हाउस की ऐसी क्षेत्र में, जिस में उक्त अधिनियम के अध्याय 4 और 5 के उपबन्ध प्रवृत्त हैं, अवस्थिति को ध्यान में रखते हुए उक्त पावर हाउस को उक्त अधिनियम के अध्याय 5क के अधीन उद्ग्रहणीय नियोजक के विशेष अभिदाय के संदाय से 5 नवम्बर, 1971 से 4 नवम्बर 1972 तक जिस में वह दिन भी सम्मिलित है, एक और वर्ष की कालावधि के लिए एतद्द्वारा छूट देती है ।

[सं० फा० 601(48)-70-एच० आई०]

S.O. 484.—In exercise of the powers conferred by section 73F of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 717, dated the 4th February, 1971, the Central Government having regard to the location of the Government Press, Shoranur in an area in which the provisions of Chapters IV & V of the said Act are in force, hereby exempts the said press from the payment of the employer's special contribution leviable under Chapter VA of the said Act for a further period of one year with effect from the 10th December, 1971 upto and inclusive of the 9th December, 1972.

[No. 601(66)/70-HI.]

का० आ० 484.—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 73च द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के श्रम, रोजगार और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 717, तारीख 4 फरवरी, 1971 के क्रम में केन्द्रीय सरकार सरकारी मुद्रणालय, शोरानुर की ऐसी क्षेत्र में, जिस में उक्त अधि-

नियम के अध्याय 4 और 5 के उपबन्ध प्रवृत्त है, अवस्थिति को ध्यान में रखते हुए, उक्त कारखाने को उक्त अधिनियम के अध्याय 5-क के अधीन उदग्रहणीय नियोजक के विशेष अभिदाय के संदाय से 10 दिसम्बर, 1971 से 9 दिसम्बर, 1972 तकजिस में वह दिन भी सम्मलित है, एक और वर्ष की अवधि के लिए एतद्द्वारा छूट देती है ।

[सं० फा० 601(66)/70-एच० आई०]

S.O. 485.—In exercise of the powers conferred by section 73F of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby rescinds the notification of the Government of India in the Ministry of Shram Aur Punarvas Mantralaya (Shram Aur Rozgar Vibhag) No. S.O. 2229, dated the 26th May, 1971.

[No. F.601(24)/70-HI.]

का० आ० 485.—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 73च द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा भारत सरकार के श्रम और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) का अधिसूचना संख्या का० आ० 2229 तारीख 26 मई, 1971 को विखंडित करती है ।

[सं० फा० 601(24)/70-एच० आई०]

S.O. 486.—In exercise of the powers conferred by section 73F of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 829 dated the 29th January, 1971, the Central Government having regard to the location of the Ahmedabad Municipal Transport Service, Ahmedabad, belonging to the Ahmedabad Municipal Corporation, in an area in which the provisions of Chapters IV & V of the said Act are in force, hereby exempts the said factory from the payment of the employer's special contribution leviable under Chapter VA of the said Act for a further period of one year with effect from the 15th December, 1971 upto and inclusive of the 14th December, 1972.

[No. 601(58)/70-HI.]

का० आ० 486:—कमचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 73च द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये और भारत सरकार के श्रम रोजगार और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 829 तारीख 29 जनवरी, 1971 के क्रम में केन्द्रीय सरकार अहमदाबाद नगर निगम की अहमदाबाद म्युनिसिपल ट्रांसपोर्ट सर्विस अहमदाबाद की ऐसी क्षेत्र में जिसमे उक्त अधिनियम के अध्याय 4 और 5 के उपबन्ध प्रवृत्त है अवस्थित को ध्यान में रखते हुये उक्त कारखाने को उक्त अधिनियम के अध्याय 5-क के अधीन उद्ग्रहणीय नियोजक के विशेष अभिदाय के संदाय से 15 दिसम्बर 1971 से 14 दिसम्बर 1972 तक जिसमें वह दिन भी सम्मिलित है एक और वर्ष की कालावधि के लिये एतद्द्वारा छूट देती है ।

[सं० फा० 601(58)/70-एच० आई०]

S. O. 487.—In exercise of the powers conferred by section 73F of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 3673 dated the 7th August, 1971, the Central Government, having regard to the location of the factories specified in column (4) of the Schedule hereto annexed in area s specified in column (3) of the said Schedule in the State of Tamil Nadu in which the provisions of Chapters IV and V of the said Act are not in force, hereby exempts the said factories from the payment of employer's special contribution leviable under Chapter VA of the said Act for a further period of one year from the 14th March, 1972 upto and inclusive of the 13th March, 1973 or until the enforcement of provisions of Chapter V of the said Act in these areas, whichever is earlier.

SCHEDULE

Serial No.	Name of District	Name of Area	Name of the factory
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	Kanyakumari	Azhagappapuram	Black Smithy and Carpentry Unit
2.	Ramnad	Muthanandal	The Somasundaram Mills Private Limited 'B' Unit.
3.	Salem	Keeripatti	Santhi Sago Factory, Attur Taluk.
		Oduvankurichi	Shri Shanmuga Sago Factory, Rasipuram Taluk.
4.	Tanjore	Mannargudi	Shri Rama Vilas Service Limited.
5.	Tirunelveli	Panagudi.	R. M. Siluvai Nadar and Sons, Double Annam Tile Works

[No. F. S-38017(13)/71-HI]

का० आ० 487.—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 73च द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के श्रम, रोजगार और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 3673 तारीख 7 अगस्त, 1971 के क्रम में केन्द्रीय सरकार इससे उपाबद्ध अनुसूची के स्तंभ (4) में विनिर्दिष्ट कारखानों की उक्त अनुसूची के स्तंभ (3) में विनिर्दिष्ट तामिल नाडु राज्य के ऐसे क्षेत्रों में, जिसमें उक्त अधिनियम के अध्याय 4 और 5 के उपबंध प्रवृत्त नहीं हैं, अवस्थिति को ध्यान में रखते हुए उक्त कारखाने को उक्त अधिनियम के अध्याय 5-क के अधीन उद्ग्रहणीय नियोजक के विशेष अभिदाय के संदाय से, 14 मार्च, 1972 से 13 मार्च, 1973 तक जिसमें वह दिन भी सम्मिलित है एक वर्ष की अवधि के लिए या तब तक के लिए जब तक कि उक्त अधिनियम के अध्याय 5 के उपबंध उन क्षेत्रों में प्रवृत्त नहीं हो जाते, जो भी पहले हो, एतद्द्वारा छूट देती है ।

अनुसूची

क्रम सं०	जिले का नाम	क्षेत्र का नाम	कारखाने का नाम
1	2	3	4
1.	कन्याकुमारी	अजागापापुरम	ब्लैक स्मिथि एण्ड कारपेंटरी यूनिट
2.	रामनद	मुथानंडल	दि सोमासुन्दरम मिल्स प्राइवेट लिमिटेड 'बी' यूनिट
3.	सालेम	कीरीपट्टी	संथी सागो फैक्टरी, अट्टुर तालुक
		ओडूक्कुरीची	श्री शंमुगा सागो फैक्टरी जरासीपुरम तालुक ।
4.	तंजोर	मनार गुडी	श्री रामा विलास सर्विस लिमिटेड ।
5.	तिरुनेलवेली	पनागुडी	आर० एम० सिलूवाई नाडर, एण्ड संस, डबल अनम टाइल वर्क्स ।

[सं० फा० एस०-38017(13)/71-एच० आई०]

S. O. 488—In exercise of the powers conferred by section 73F of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S. O. 157, dated the 16th December, 1970 the Central Government, having regard to the location of the factories specified in column (4) of the Schedule hereto annexed in areas specified in column (3) of the said Schedule in the State of Maharashtra, in which the provisions of Chapters IV and V of the said Act are not in force, hereby exempts the said factories from the payment of employers' special contribution levieable under Chapter VA of the said Act for a furthur period of one year from the 9th January, 1972 upto and inclusive of the 8th January, 1973 or until the enforcement of provisions of Chapter V of the said Act in those areas, whichever is earlier.

SCHEDULE

Serial No. (1)	Name of District (2)	Name of Area (3)	Name of the factory (4)
1.	East Khandesh . . .	Chopda	Messrs Maharashtra State Road Transport Depot, Workshop Chopda.
2.	Sangli	Kupwad	Messes Bharat Cement Works.
3.	West Khandesh . .	Shirpur	Messes Maharashtra State Transport Corporation.

[No. F. 602(27)/70-HI-Pt.]

का० आ० 488.—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 73 च द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के श्रम, रोजगार और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 157, तारीख 16 दिसम्बर, 1970 के क्रम में केन्द्रीय सरकार इससे उपाबद्ध अनुसूची के स्तम्भ (4) में विनिर्दिष्ट कारखानों की उक्त अनुसूची के स्तम्भ (3) में विनिर्दिष्ट महाराष्ट्र राज्य के ऐसे क्षेत्रों में, जिसमें उक्त अधिनियम के अध्याय 4 और 5 के उपबन्ध प्रवृत्त नहीं है अवस्थिति को ध्यान में रखते हुए उक्त कारखाने को उक्त अधिनियम के अध्याय 5-क के अधीन उद्ग्रहणीय नियोजक के विशेष अभिदाय के संदाय से, 9 जनवरी, 1972 से 8 जनवरी, 1973 तक जिसमें वह दिन भी सम्मिलित है एक वर्ष की अवधि के लिए या तब तक के लिए जब तक कि उक्त अधिनियम के अध्याय 5 के उपबन्ध उन क्षेत्रों में प्रवृत्त नहीं हो जाते, जो भी पहले हो, एतद्द्वारा छूट देती है ।

अनुसूची

क्रम सं०	जिले का नाम	क्षेत्र का नाम	कारखाने का नाम
1	2	3	4
1.	ईस्ट खंडेश	चोपडा	मैसर्स महाराष्ट्रा स्टेट रोड ट्रांसपोर्ट डिपो वर्कशाप, चोपडा
2.	सांगली	कपवाड	मैसर्स भारत सीमेंट वर्क्स
3.	वैस्ट खंडेश	शिरपुर	मैसर्स महाराष्ट्रा स्टेट ट्रांसपोर्ट कार्पोरेशन

[सं० फा० 602(27)/70-एच० आई०]

S. O. 489—In exercise of the powers conferred by section 73F of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 3050 dated the 31st July, 1971, the Central Government having regard to the location of the factories specified in column (4) of the Schedule hereto annexed in areas specified in column (3) of the said Schedule in the State of Mysore in which the provisions of Chapters IV and V of the said Act are not in force, hereby exempts the said factories from the payment of employer's special contribution leviable under Chapter VA of the said Act for a further period of one year from the 13th December, 1971 upto and inclusive of the 12th December, 1972 or until the enforcement of provisions of Chapter V of the said Act in those areas, whichever is earlier.

SCHEDULE

rial No. (1)	Name of District (2)	Name of Areas (3)	Name of the factory (4)
1.	Bangalore	Ramnagoram	Messrs Mysore Alumimium (Private) Limited Industrial Estate.
2.	Belgaum	Kittur	Sub-Station Mysore State Electricity Board.
		Soundathi	Messrs Work-shop and Maintenance Sub-Divson M.D.S. Colony.
3.	Bijapur	Bilapur	Messrs Joshi Ferrous Foundary and Work shop Indudtal Eastate.
4.	Gulbarga	Kapnoor	Messrs Spun Pipe and Construction Co mpany India Limited, Bilgundi Building Gunj Road.
5.	Hassan	Holenarasipur	Messrs Indira Match Industries, 3rd Jain Street.
6.	Kolar	Kolar	Messrs Ram Krishna Tile Works Melur.
7.	Mysore	Chamarajanagar	Messrs S. P. S. Industries, Galipur Road.

[No. F. S-38014(3)/71-HI]

का० आ० 489.—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 73च द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारत सरकार के भूतपूर्व श्रम, रोजगार और पुनर्वास मन्त्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना संख्या का० आ० 3050 तारीख 31 जुलाई, 1971 के क्रम में केन्द्रीय सरकार इससे उपाबद्ध अनुसूची के स्तम्भ 4 में विनिर्दिष्ट कारखानों की उक्त अनुसूची के स्तम्भ 3 में विनिर्दिष्ट मैसूर राज्य के ऐसे क्षेत्रों में, जिसमें उक्त अधिनियम के अध्याय 4 और 5 के उपबन्ध प्रवृत्त नहीं हैं, अवस्थिति को ध्यान में रखते हुए, उक्त कारखाने का उक्त अधिनियम के अध्याय 5क के अधीन उद्ग्रहणीय नियोजक के विशेष अभिदाय के संदाय से 13 दिसम्बर, 1971 से 12 दिसम्बर, 1972 जिसमें वह दिन भी शामिल है तक एक वर्ष की और अवधि के लिए या तब तक के लिए जब तक कि उक्त अधिनियम के अध्याय 5 के उपबन्ध उन क्षेत्रों में प्रवृत्त नहीं हो जाते, जो भी पहले हो, एतद्द्वारा छूट देती है ।

अनुसूची

क्रम सं०	जिले का नाम	क्षेत्र का नाम	कारखाने का नाम
1	2	3	4
1.	बंगलौर	रामनागराम	मसर्स मैसूर एलूमिनियम (प्राइवेट) लिमिटेड इंडस्ट्रियल एस्टेट
2.	बेलगांम	किटूर	सब स्टेशन, मैसूर स्टेट इलैक्ट्रिसिटी बोर्ड
		सौडाथी	मैसर्स वर्कशाप एण्ड मेंटिनेंस सब डिविजन एम० डी० एस० कोलोनी
3.	बिजापुर	बिजापुर	मैसर्स जोशी फैरस फाउंड्री एण्ड वर्कशाप इंडस्ट्रियल एस्टेट
4.	गुलबर्गा	कपनूर	मैसर्स स्पन पाइप एण्ड कंस-ट्रक्शन कम्पनी इंडिया लिमिटेड बिलगुंदी बिल्डिंग, गुंज रोड ।
5.	हसन	होलेनारासीपुर	मैसस इंदिरा मैच इंडस्ट्रीज, थर्ड जैन स्ट्रीट ।
6.	कोलार	कोलार	मैसस राम कृष्णा टाइल वर्क्स मेलूर
7.	मैसूर	चमाराजानगर	मैसर्स एस० पी० एस० इंड-स्ट्रीज, गालीपुर रोड

[सं० फा० एस०-38014(3)/71-एच आई०]

New Delhi, the 14th January, 1972

S.O. 490.—In exercise of the powers conferred by Sub-section (2) of section 5D of the employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952(19 of 1952), and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour & Employment) No. S.O. 4500, dated the 10th December, 1968, the Central Government hereby appoints Shri V. Hemachandra Rao as Regional Provident Fund Commissioner for the whole of the State of Kerala and the Mahe area of the Union territory of Pondicherry, to assist the Central Provident Fund Commissioner in the discharge of his duties, *vice* Shri T. Sadasivaya.

[No. 17(89)/66-PF.I(i).]

नई दिल्ली, 14 जनवरी, 1972

का० आ० 490.—कर्मचारी भविष्य निधि तथा कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 5घ की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के श्रम, रोजगार और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 4500 तारीख 10 दिसम्बर, 1968 को अधिक्रांत करते हुए केन्द्रीय सरकार श्री टी० सदासिवाया के स्थान पर श्री वी० हेमाचन्द्रा राव को

केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त को उसके कर्तव्यों का निर्वहन करने में सहायता देने के लिए, समस्त केरल राज्य, और पांडेचेरी संघ राज्य क्षेत्र के मेह क्षेत्र के लिए एतद्द्वारा प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त नियुक्त करती है ।

[सं० 17(89)/66-पी०एफ० 1(i)]

S.O. 491.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 13 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 4504, dated the 12th December, 1968, the Central Government hereby appoints Shri V. Hemachandra Rao to be an Inspector for the whole of the State of Kerala and the Mahe area of the Union territory of Pondicherry for the purposes of the said Act and of any Scheme from thereunder, in relation to any establishment belonging to, or under the control of, the Central Government or in relation to any establishment connected with a railway company, a major port, a mine or an oilfield or a controlled industry.

[No. 17(89)/66-PF.I.(ii).]

का० आ० 491.—कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 13 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के श्रम, रोजगार और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना संख्या का० आ० 4504 तारीख 12 दिसम्बर, 1968 को अधिक्रांत करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा श्री वी० हेमाचन्द्रा राव को उक्त अधिनियम और उसके नियंत्रणाधीन किसी स्थापन के सम्बन्ध में या किसी रेल कम्पनी, महापत्तन, खान या तेल क्षेत्र या नियंत्रित उद्योग से संबंधित किसी स्थापन के सम्बन्ध में सम्पूर्ण केरल राज्य और पांडेचेरी संघ राज्य क्षेत्र के मेह क्षेत्र के लिए निरीक्षक नियुक्त करती है ।

[सं० 17(89)/66-पी०एफ० 1(ii)]

New Delhi, the 24th January 1972

S.O. 492.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 5D of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 4412, dated the 24th October, 1969, the Central Government hereby appoints Shri K. S. Sethi as Regional Provident Fund Commissioner for the whole of the State of West Bengal and the Union territories of Tripura and Andaman and Nicobar Islands, to assist the Central Provident Fund Commissioner in the discharge of his duties, *vice* Shri A. S. Nag.

[No. 17/15/69-PF. I(i).)

नई दिल्ली, 24 जनवरी, 1972

का० आ० 492.—कर्मचारी भविष्य निधि तथा कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 5क की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के श्रम रोजगार और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 4412 तारीख 24 अक्तूबर, 1969 को अधिक्रांत करते हुए केन्द्रीय सरकार श्री ए० एस० नाग के स्थान पर श्री के० एस० सेठी को केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त को उसके कर्तव्यों का निर्वाहण करने में सहायता देने के लिये, समस्त पश्चिमी बंगाल राज्य और त्रिगुण और अंडमान तथा निकोबार द्वीप समूह संघ राज्य क्षेत्र के लिये एतद्द्वारा प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त नियुक्त करती है ।

[सं० 17(15)/69-पी०एफ० 1(i)]

S.O. 493.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 13 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour & Employment) No. S.O. 4410 dated the 22nd October, 1969, the Central Government hereby appoints Shri K. S Sethi to be an Inspector for the whole of the State of West Bengal and the Union territories of Tripura and Andaman and Nicobar Islands for the purposes of the said Act and of the scheme or the Family Pension Scheme framed thereunder, in relation to any establishment belonging to, or under the control of, the Central Government, or in relation to any establishment connected with a railway company, a major port, a mine or an oilfield or a controlled industry.

[No. 17/15/69-PF.I(ii).]

का० आ० 493.—कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 13 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के श्रम, रोजगार और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 4410 तारीख 22 अक्तूबर, 1969 को अधिक्रांत करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा श्री के० एस० सेठी को उक्त अधिनियम और उसके अधीन विरचित किसी स्कीम के प्रयोजनों के लिए केंद्रीय सरकार के या उसके नियंत्रणाधीन किसी स्थापन, के सम्बंध में या किसी रेल कम्पनी, महापत्तन, खान या तेल क्षेत्र या नियंत्रित उद्योग से संबंधित किसी स्थापना के सम्बन्ध में सम्पूर्ण पश्चिमी बंगाल और त्रिपुरा, अन्डमान और निकोबार आइलैंडस के संघ राज्य क्षेत्रों के लिए निरीक्षक नियुक्त करती है ।

[सं० 17(15)/69-पी०एफ० 1(ii)]

S.O. 494.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 5D of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), and in supersession of the notification of the Government of India in the late Department of Social Security S.O. No. 2189, dated the 1st July, 1965, the Central Government hereby appoints Shri P. S. Dhotrekar as Regional Provident Fund Commissioner for the whole of the State of Uttar Pradesh to assist the Central Provident Fund Commissioner in the discharge of his duties, *vice* Shri V. Prasad.

[No. 17(76)/65-PF.I(i).]

का० आ० 494.—कर्मचारी भविष्य निधि तथा कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 5घ की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियां का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के सामाजिक सुरक्षा विभाग की अधिसूचना सं० का० आ० 2189 तारीख 1 जुलाई 1965 को अधिक्रांत करते हुए केन्द्रीय सरकार श्री वी० प्रसाद के स्थान पर श्री पी० एस० धोत्रेकर को केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त को उसके कर्तव्यों का

निर्वहन करने में सहायता देने के लिए, समस्त उत्तर प्रदेश राज्य के लिए एतद्द्वारा प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त नियुक्त करती है ।

[सं० 17(76)/65-पी० एस० I(1)]

S.O. 495.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 13 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), and in supersession of the notification of the Late Department of Social Security No. S.O. 2190 dated 1st uly 1965, the Central Government hereby appoints Shri P. S. Dhotrekar to be an Inspector for the whole of the State of Uttar Pradesh for the purposes of the said Act and the Scheme or the Family Pension Scheme framed thereunder, in relation to any establishment belonging to, or under the control of the Central Government, or in relation to any establishment connected with a railway company, a major port, a mine or an oilfield or a controlled industry.

[No. 17(76)/65-PF.I(ii).]

का० आ० 495—कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 13 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के सामाजिक सुरक्षा विभाग की अधिसूचना संख्या का० आ० 2190 तारीख 1 जुलाई, 1965 को अधिक्रांत करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा श्री पी० एस० धेत्रिकर को उक्त अधिनियम और उसके अधीन विरचित किसी स्कीम के प्रयोजनों के लिए केन्द्रीय सरकार के या उसके नियंत्रणाधीन किसी स्थापन के सम्बन्ध में या किसी रेल कम्पनी, महापत्तन, खान या तेल क्षेत्र या नियंत्रित उद्योग से संबंधित किसी स्थापन के संबंध में सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश राज्य के लिये निरीक्षक नियुक्त करती है ।

[सं० 17(76)/65-पी० एफ०I(11)]

New Delhi, the 25th January 1972

S.O. 496.—In exercise of the powers conferred by section 73F of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 1530, dated the 27th March, 1971 the Central Government having regard to the location of the Central Dairy, Government Milk Supply Scheme, Poona in an area in which the provisions of Chapters IV and V of the said Act are in force, hereby exempts the said Dairy from the payment of the employer's special contribution leviable under Chapter VA of the said Act for a further period of one year with effect from the 8th December, 1971 upto and inclusive of the 7th December, 1972.

[No. F. 601/67/71-HI.]

नई दिल्ली, 25 जनवरी, 1972

का० आ० 496:—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 73च द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के श्रम रोजगार और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना सं० का०आ० 1530 तारीख 27 मार्च, 1971 के क्रम में केन्द्रीय सरकार केन्द्रीय डेरी, गवर्नमैंट मिल्क सप्लाई, स्कीम, पूना की ऐसी क्षेत्र में, जिसमें उक्त अधिनियम के अध्याय 4 और 5 के उपबंध प्रवृत्त हैं, अवस्थिति को ध्यान में रखते हुए डेरी को उक्त अधिनियम के अध्याय 5-क के अधीन उद्ग्रहणीय उक्त नियोजक के विशेष अभिदाय के संदाय से 8, दिसम्बर, 1971 से 7 दिसम्बर, 1972 तक जिसमें वह दिन भी सम्मिलित है, एक और वर्ष की कालावधि के लिए एतद्द्वारा छूट देती है ।

[सं० फा० 601(67)/71-एच०आई०]

S.O. 497.—In exercise of the powers conferred by section 87 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby exempts the Damodar Valley Corporation sub-station, Howrah, from all the provisions of the said Act for a period of one year with effect from the 1st April, 1971 upto and inclusive of the 31st March, 1972.

[No. F. 601(6)/70-HI]

का० आ० 497—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 87 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा दामोदर वैली कारपोरेशन सब-स्टेशन, हावड़ा को उक्त अधिनियम के सभी उपबंधों से 1 अप्रैल 1971 से 31 मार्च, 1972 तक, यह दिन भी सम्मिलित करके, एक वर्ष की अवधि के लिए छूट देती है ।

[सं० फा० 601(6)/70-एच०आई०)

S.O. 498.—In exercise of the powers conferred by section 73F of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), and in continuation of the notification of the Government of India, on the Ministry of Labour and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 1838, dated the 19th April, 1971 the Central Government having regard to the location of the Central Dairy, Nagpur Milk Scheme, Nagpur, in an area in which the provisions of Chapters IV and V of the said Act are in force, hereby exempts the said dairy from the payment of the employer's special contribution leviable under Chapter VA of the said Act for a further period of one year with effect from the 2nd January, 1972, upto and inclusive of the 1st January, 1973.

[No. F. 601/74/70-HI.]

का० आ० 498 :—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 73च द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये और भारत सरकार के श्रम, रोजगार और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 1838 तारीख 19 अप्रैल, 1971 के क्रम में केन्द्रीय सरकार सेंट्रल डेरी, नागपुर मिल्क स्कीम नागपुर की ऐसी क्षेत्र में, जिसमें उक्त अधिनियम के अध्याय 4 और 5 के उपबन्ध प्रवत्त हैं, अवस्थित को ध्यान में रखते हुये उक्त डेरी को उक्त अधिनियम के अध्याय 5-क के अधीन उद्ग्रहणीय नियोजक के विशेष अभिदाय के संदाय से 2 जनवरी, 1972 से 1 जनवरी, 1973 तक जिसमें वह दिन भी सम्मिलित हैं, एक और वर्ष की कालावधि के लिये एतद्द्वारा छूट देती है ।

[सं० फा० 601(74)/70-एच० आई०]

S.O. 499.—Whereas the Central Government is satisfied that the employees of the Geodetic and Research Branch Workshop, Survey of India, Dehra Dun, belonging to the Government of India, are otherwise in receipt of benefits substantially similar to the benefits provided under the Employees' State Insurance Act, 1948, (34 of 1948).

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 90 of the said Act and in continuation of the

notification of the Government of India in the Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation, (Department of Labour and Employment) No. S.O. 651, dated the 29th January, 1971 the Central Government, after consultation with the Employees' State Insurance Corporation, hereby exempts the above mentioned workshop from the operation of the said Act for a further period of one year with effect from the 1st January, 1972 upto and inclusive of the 31st December, 1972.

[No. F. 601/54/70-HI]

का० आ० 499.—अतः केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि भारत सरकार के जीओडटिक एण्ड रिसर्च बांच वर्कशाप, सर्वे आफ इण्डिया, देहरादून के कर्मकारों की, सारतः कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) के अधीन उपबन्धित प्रसुविधायें जैसी प्रसुविधायें अन्यथा प्राप्त हैं ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 90 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के श्रम, रोजगार और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना सं० 651 तारीख 29 जनवरी, 1971 के क्रम केन्द्रीय सरकार कर्मचारी राज्य बीमा निगम से परामर्श करने के पश्चात्, एतद्द्वारा उक्त कर्मशाला को उक्त अधिनियम के प्रवर्तन में पहली जनवरी 1972 से 31 दिसम्बर, 1972 तक, जिसमें यह दिन सम्मिलित हैं, एक और वर्ष की अवधि के लिए छूट देती है ।

[सं० फा० 601(54)/70—एच आई०]

S.O. 500.—In exercise of the powers conferred by section 73F of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government having regard to the location of the Central Workshop, Industrial Estate, Bamunimaidan, Gauhati in an area in which the provisions of Chapters IV and V of the said Act are in force, hereby exempts the said workshop from the payment of the employer's special contribution leviable under Chapter VA of the said Act for a period of one year with effect from the 1st December, 1971 upto and inclusive of the 30th November, 1972.

[No. F. S-38014(25)/71-HI]

का० आ० 500.—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 73च द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये केन्द्रीय सरकार सेंट्रल वर्कशाप इंडस्ट्रियल एस्टेट बामुनिमैडन, गोहाटी की ऐसी क्षेत्र, को जिसमें उक्त अधिनियम के अध्याय 4 और 5 के उपबंध प्रवृत्त है, अवस्थित को ध्यान में रखते हुये उक्त कर्मशाला को उक्त अधिनियम अध्याय 5-क के अधीन उद्ग्रहीय नियोजक के विशेष अभिदाय के संदाय से 1 दिसम्बर, 1971 से 30 नवम्बर, 1972 क जिसमें वह दिन भी सम्मिलित है, एक वर्ष की कालावधि के लिये एतद्द्वारा छूट देती है ।

[सं० फा० एस-3854(25)/71—एच० आई०]

S.O. 501.—In exercise of the powers conferred by section 73F of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 5313, dated the 12th November, 1971 the Central Government having regard to the location of the Tirumala Tirupathi Devasthnama Press, Tirupathi in an area in which the provisions of Chapters IV and V of the said Act are in force, hereby exempts the said press from the payment of the employer's special contribution leviable under Chapter VA of the said Act for a further period of one year with effect from the date of expiry of the period specified in the said notification

[No. F. 6/84/69-HI.]

का० आ० 501.—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 73च द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये भारत सरकार के श्रम, रोजगार और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 5313, तारीख 12 नवम्बर, 1971 के क्रम में केन्द्रीय सरकार तिरुमाला तिरुपाथी देवस्थानामा प्रैस, तिरुपाथी की ऐसी क्षेत्र में, जिसमें उक्त अधिनियम के अध्याय 4 और 5 के उपबन्ध प्रवृत्त है, अवस्थिति को ध्यान में रखते हुये उक्त कारखाने को उक्त अधिनियम के अध्याय 5-क के अधीन उद्ग्रहणीय नियोजक के विशेष अभिदाय के संदाय से अधिसूचना विनिष्ट अवधि की समाप्ति की तारीख से एक और वर्ष की कालावधि के लिये एतद्द्वारा छूट देती है ।

[सं० एफ० 6(84)169—एजच० आई०]

S.O. 502.—In exercise of the powers conferred by section 73F of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 1532, dated the 27th March, 1971, the Central Government having regard to the location of the Government Branch Press, Gulbarga in an area in which the provisions of Chapters IV and V of the said Act are in force, hereby exempts the said press from the payment of the employer's special contribution leviable under Chapter VA of the said Act for a further period of one year with effect from the 26th December, 1971, upto and inclusive of the 25th December, 1972.

[No. F. 610/72/70-HI.]

का० आ० 502.—कर्मचारी राज्य बीमा धिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 743 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये भारत सरकार के श्रम, रोजगार और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 1532, तारीख 27 मार्च, 1971 के केन्द्रीय सरकार सरकारी पत्र मुद्रणालय, गुलबर्गा की ऐसी क्षेत्र में जिसमें उक्त अधिनियम के अध्याय 4 और 5 के उपबन्ध उपबन्ध प्रवृत्त है, अवस्थिति को ध्यान में रखते हुये क्त मुद्रणालय को उक्त अधिनियम के अध्याय 5-क के अधीन उद्ग्रहणीय नियोजक के विशेष अभिदाय के संदाय से 26 दिसम्बर, 1971 से 25 दिसम्बर, 1972 तक जिसमें वह दिन भी सम्मिलित है एक और वर्ष की कालावधि के लिये एतद्द्वारा छूट देती हैं।

[सं० फा० 610(72)/70—एच० आई०]

S.O. 503.—In exercise of the powers conferred by section 73F of the Employees State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 1309, dated the

6th March, 1971, the Central Government having regard to the location of the Text Book Press, Bhubaneswar in an area in which the provisions of Chapters IV and V of the said Act are in force, hereby exempts the said Press from the payment of the employer's special contribution leviable under Chapter VA of the said Act for a further period of one year with effect from the 18th December, 1971 upto and inclusive of the 17th December, 1972.

[No. F. 601(68)/70-HI.]

का० आ० 503.—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 73च द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये और भारत सरकार के श्रम, रोजगार और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 1309 तारीख 6 मार्च, 1971 के क्रम में केन्द्रीय सरकार टैक्स्टबुक मुद्रणालय, भुवनेश्वर की ऐसी क्षेत्र में, जिसमें उक्त अधिनियम के अध्याय 4 और 5 के उपबंध प्रवृत्त हैं अवस्थिति को ध्यान में रखते हुए उक्त मुद्रणालय को उक्त अधिनियम के अध्याय 5-क के अधीन उद्ग्रहणीय नियोजक के विशेष अभिदाय के संदाय से 18 दिसम्बर, 1971 से 17 दिसम्बर, 1972 तक जिसमें वह दिन भी सम्मिलित है, एक और वर्ष की कालावधि के लिए एतद्द्वारा छूट देती है ।

[सं० फा० 601(68)/70-एच० आई०]

S.O. 504.—In exercise of the powers conferred by section 73F of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 1147 dated the 6th March, 1971, the Central Government having regard to the location of the High Court Press (Government Press) Bangalore in an area in which the provisions of Chapters IV and V of the said Act are in force, hereby exempts the said Press from the payment of the employer's special contribution leviable under Chapter VA of the said Act for a further period of one year with effect from the 25th December, 1971, upto and inclusive of the 24th December, 1972.

[No. F. 601/71/70-HI.]

का० आ० 504.—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 73च, द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये और भारत सरकार के श्रम, रोजगार और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 1147, तारीख 6 मार्च, 1971 के क्रम में केन्द्रीय सरकार उच्च न्यायालय मुद्रणालय (सरकारी मुद्रणालय), बंगलौर की ऐसी क्षेत्र में, जिसमें उक्त अधिनियम के अध्याय 4 और 5 के उपबन्ध प्रवृत्त है, अवस्थित को ध्यान में रखते हुये उक्त मुद्रणालय को उक्त अधिनियम के अध्याय 5-क के अधीन उद्ग्रहणीय नियोजक के विशेष अभिदाय के संदाय से 25 दिसम्बर, 1971 से 24 दिसम्बर, 1972 तक जिसमें वह दिन भी सम्मिलित है, एक और वर्ष की कालावधि के लिए एतद्द्वारा छूट देती है ।

[सं० फा० 601(71)/70-एच० आई०]

S.O. 505.—In exercise of the powers conferred by section 73F of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1498), and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour and Rehabilitation (Department of Labour & Employment) No. S.O. 1839, dated the 19th April, 1971, the Central Government having regard to the location of the State Transport Maintenance Centre, Dhubri, belonging to the State Government of Assam in an area in which the provisions of Chapters IV & V of the said Act are in force, hereby exempts the said factory from the payment of the employer's special contribution leviable under Chapter VA of the said Act for a further period of one year with effect from the 1st January, 1972, upto and inclusive of the 31st December, 1972.

[No. F. 601(76)/70-HI.]

का० आ० 505.—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 73च द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के श्रम, रोजगार और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 1839, तारीख 19 अप्रैल, 1971 के क्रम में केन्द्रीय सरकार असम राज्य सरकार की स्टेट ट्रांसपोर्ट मैंटिनेंस सेंटर, धुबरी, की ऐसी क्षेत्र में, जिसमें उक्त अधिनियम के अध्याय 4 और 5 के उपबन्ध प्रवृत्त है, अवस्थिति को ध्यान में रखते हुए उक्त कारखाने को उक्त अधिनियम के अध्याय 5-क के अधीन उद्ग्रहणीय नियोजक के विशेष अभिदाय के संदाय से 1 जनवरी, 1972 से 31 दिसम्बर, 1972 तक जिसमें वह दिन भी सम्मिलित है, एक और वर्ष की कालावधि के लिए एतद्द्वारा छूट देती है ।

(सं० फा० 601(76)/70-एच० आई०)

CORRIGENDA

New Dehil, the 20th December 1971

S.O. 506.—In the notification of the Government of India in the Ministry of Labour and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 3690 *dated the* 3rd September, 1971 published in the Gazette of India, Part II, section 3, sub-section (ii) dated the 9th October, 1971 at page 5236, in line (7) for "Kerala State Road Transport Corporation Water Transport Workshop", read "Kerala State Road Transport, Boat Building Yard, Perumanoor."

[No. F. S-38014(8)/71-HI.]

शुद्धि-पत्र

नई दिल्ली, 20 दिसम्बर 1971

का० आ० 506.—भारत सरकार के श्रम और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) के राजपत्र तारीख 9 अक्तूबर, 1971 भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii) में प्रकाशित अधिसूचना संख्या का०आ० 3690, तारीख 3 सितम्बर 1971 में पृष्ठ 5236 पर दसवीं पंक्ति में, "केरल राज्य सड़क परिवहन निगम जल परिवहन कर्मशाला "के स्थान पर" केरल राज्य सड़क परिवहन, नाव निर्माण यार्ड, पेरुमानूर" पढ़िए ।

[सं० एफ० एस-38014(8)/71-एच०आई०]

New Delhi, the 11th January 1972

S.O. 507.—In the notification of the Government of India in the Ministry of Labour and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 2973 dated the 17th July, 1971, published in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (ii) dated the 7th August, 1971 at page 4042, in the Schedule *for* "2 Baroda" in columns one and two respectively, against 'Sanand' and 'M/s. State Transport Sanand' in columns

three and four respectively, *read* "2 Baroda" in columns one and two respectively, against 'Samiala' and 'M/s. Apex Electricals' in columns three and four respectively.

[No. F.S-38017(16)/71-HI.]

नई दिल्ली, 11 जनवरी, 1972

का० आ० 507 :—भारत सरकार के (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना संख्या का० आ० 2973 तारीख 17 जुलाई 1971 जो भारत के राजपत्र भाग 2 खण्ड 3 (ii) तारीख 7 अगस्त 1971 के पृष्ठ 40—42 पर प्रकाशित हुई थी की अनुसूची में क्रमशः स्तम्भ 3 और 4 में के "सनद" और "मैसर्स स्टेट ट्रांसपोर्ट सनद" के सामने क्रमशः स्तम्भ 1 और 2 में "2 बड़ौदा" के स्थान पर क्रमशः स्तम्भ 3 और 4 में "समियाला" और "मैसर्स अपैक्स इलैक्ट्रिकल्स" के सामने क्रमशः स्तम्भ 1 और 2 में "2 बड़ौदा" पढ़े ।

[सं० फा० एस०—38017(16)/71—एच० आई०]

S.O. 508.—In the notification of the Government of India in the Ministry of Labour & Rehabilitation (Department of Labour & Employment) No. S.O. 2767, dated the 5th July, 1971 published on page 3802 of the Gazette of India, Part II, section 3, sub-section (ii) dated the 24th July, 1971.

(i) in line 7 of the said notification *for* "the said Act" *read* "the said Act for a period of one year";

(ii) in the Schedule *for* "Narkhed" in column 3 *read* "Umarkhed".

[No. 601/29/70-HI.]

DALJIT SINGH, Under Secy.

का० आ० 508 :—भारत सरकार के श्रम और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना सं० 2767 तारीख 5 जुलाई 1971 जो भारत के राजपत्र भाग 2 खण्ड 3 (ii) तारीख 24 जुलाई 1971 के :—

(i) पृष्ठ 3802 पर प्रकाशित उक्त अधिसूचना की सातवीं लाइन में "उक्त अधिनियम" के स्थान पर "एक वर्ष की अवधि के लिये उक्त अधिनियम" पढ़ें ।

(ii) अनुसूची में स्तम्भ 3 में "नरखेड़" के स्थान पर "ऊमर खेड" पढ़ें ।

[सं० फा० 601/29/70-एच०आई०]

दलजीत सिंह, अवर सचिव ।

(Department of Labour and Employment)

New Delhi, the 16th December 1971

S.O. 509.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5 of the Mines Act, 1952 (35 of 1952), the Central Government hereby rescinds the notification of the Government of India in the late Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. 8/85/69-N 1 dated the 5th July, 1971.

[No. A.39012/1/71-MI.]

(श्रम और रोजगार विभाग)

नई दिल्ली, 16 दिसम्बर, 1971

का० आ० 509 :— खान अधिनियम, 1952 (1952 का 35) की धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा भारत सरकार के भूतपूर्व श्रम, रोजगार और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना संख्या 8/85/69—एम—1, तारीख 5 जुलाई, 1971 को विखंडित करती है ।

[सं०—ए० 39012/1/71—एम० आई०]

New Delhi, the 12th January 1972

S.O. 510.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5 of the Mines Act, 1952 (34 of 1952), the Central Government hereby appoints Shri V. C. Varma as Inspector of Mines subordinate to the Chief Inspector of Mines.

[No. A. 35017/7/71-MI.]

नई दिल्ली, 12 जनवरी, 1972

का० आ० 510.—खान अधिनियम 1952 (1952 का 35) की धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा श्री वी० सी० वर्मा को मुख्य खान निरीक्षक के अधीन खान निरीक्षक के रूप में नियुक्त करती है ।

[संख्या ए—35017/7/71-एम०-1]

New Delhi, the 15th January 1972

S.O. 511.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 83 of the Mines Act, 1952 (35 of 1952), the Central Government hereby exempts for a period of seven weeks all coal mines belonging to the National Coal Development Corporation Limited in the Karanpura Area from the operation of the provisions of sections 28, 29, 30 and 33 of the said Act.

[No. S. 29014/13/71-MI.]

नई दिल्ली, 15 जनवरी, 1972

का० आ० 511.—खान अधिनियम, 1952 (1952 का 35) की धारा 83 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा राष्ट्रीय कोयला विकास नियम लिमिटेड, करणपुरा क्षेत्र में की सभी कोयला खानों को सात सप्ताह की अवधि के लिए उक्त अधिनियम की धारा 28, 29, 30 और 33 के उपबंधों के प्रवर्तन से छूट देती हैं ।

[सं० एस०—29014/13/71—एम०आई०]

New Delhi, the 24th January 1972

S.O. 512.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5 of the Mines Act, 1952 (35 of 1952), the Central Government hereby appoints Shri M. Datta, as Inspector of Mines subordinate to the Chief Inspector of Mines.

[No. A. 35017/7/71-MI.]

J. D. TEWARI, Under Secy.

नई दिल्ली, 24 जनवरी 1972

का० आ० 512.—खान अधिनियम 1952 (1952 का 35) की धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा श्री एम० दत्ता को मुख्य खान निरीक्षक के अधीन खान निरीक्षक के रूप में नियुक्त करती है ।

[संख्या ए० 35017/7/71—एम०—1]

ज० डी० तिवारी, अवर सचिव ।

(Department of Labour and Employment)

New Delhi, the 29th December 1971

S.O. 513.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Labour and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 2710, dated the 28th June, 1971, the Central Government had declared the Coal industry to be a public utility service for the purposes of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), for a further period of six months from the 8th July, 1971.

And, whereas the Central Government is of opinion that public interest requires the extension of the said period by a further period of six months;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-clause (vi) of the clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) the Central Government hereby declares the said industry to be a public utility service for purposes of the said Act for a further period of six months from the 8th January, 1972.

[No. F. S. 11025/47/71-LR.I.]

(श्रम और रोजगार मंत्रालय विभाग)

नई दिल्ली, 29 दिसम्बर, 1971

का० आ० 513—यतः केन्द्रीय सरकार ने, भारत सरकार के श्रम और पुनर्वास मन्त्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 2710 तारीख 28 जून, 1971 द्वारा कोयला उद्योग को औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) के प्रयोजनों के लिए 8 जुलाई, 1971 से छः मास की और कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित किया था ।

और यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि लोकहित में उक्त कालावधि का छः मास की और कालावधि के लिए बढ़ाया जाना अपेक्षित है;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खण्ड (ढ) के उपखण्ड (5) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए 8 जनवरी, 1972 से छः मास की और कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित करती है ।

[सं० फा० एस० 11025/47/71—एल० आर० I]

New Delhi, the 5th January 1972

S.O. 514.—Whereas a vacancy has occurred in the office of the presiding officer of the Industrial Tribunal, Calcutta, constituted by the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 2653, dated the 24th August, 1966;

Now, therefore, in pursuance of the provisions of section 8 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby appointed Shri S. N. Bagchi as the presiding officer of the said Industrial Tribunal with effect from the 27th December, 1971.

[No. F. S. 11025/37/71-LRI (i).]

नई दिल्ली, 5 जनवरी 1972

का० आ० 514.—यतः भारत सरकार, श्रम, रोजगार और पुनर्वास मन्त्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना संख्या का० आ० 2653, तारीख 24 अगस्त, 1966 द्वारा गठित औद्योगिक न्यायाधिकरण, कलकत्ता के पीठासीन अधिकारी के कार्यालय में एक रिक्ति हुई है,

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 8 के उपबन्धों के अनुसरण मे केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा श्री एस० एन० बागची को 27 दिसम्बर, 1971 से उक्त औद्योगिक न्यायाधिकरण के पीठासीन अधिकारी के रूप मे नियुक्त करती है ।

[सं० एफ० एस० 11025/37/71—एल० आर० 1(i)]

S.O. 515.—Whereas a vacancy has occurred in the office of the presiding officer of the Labour Court at Calcutta constituted by the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 2652, dated the 24th August, 1966;

Now, therefore, in pursuance of the provisions of section 8 of the Industrial Disputes Act (14 of 1947), the Central Government hereby appoints Shri S. N. Bagchi as the presiding officer of the said Labour Court with effect from the 27th December, 1971.

[No. F. S. 11025/37/71-LR.I(ii).]

का० आ० 515.—यतः भारत सरकार, श्रम, रोजगार और पुनर्वास मन्त्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना संख्या का० आ० 2652, तारीख 24 अगस्त, 1966 द्वारा गठित श्रम न्याय लय, कलकत्ता के पीठासीन अधिकारी के कार्यालय में एक रिक्ति हुई है,

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 8 के उपबन्धों के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा श्री एस० एन० बाग्ची को 27 दिसम्बर, 1971 से उक्त श्रम न्यायालय के पीठासीन अधिकारी के रूप में नियुक्त करती है ।

[सं० फा० एस० 11025/37/71—एल० आर० 1(ii)]

New Delhi, the 20th January 1972

S.O. 516.—In exercise of the powers conferred by section 4 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby appoints the Labour Enforcement Officer (Central), Koderma-II as a conciliation officer and makes the following further amendment in the notification of the Government of

India in the Ministry of Labour Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 2110, dated the 19th June, 1967, namely:—

In the Table annexed to the said notification, against Serial No. 4, in column 2, for the entry, the following entry shall be substituted, namely:—

"Labour Enforcement Officer (Central), Koderma-II."

[No. F. S.11025/42/71-LRI.]

नई दिल्ली, 20 जनवरी, 1972

का० आ० 516.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा श्रम प्रवर्तन अधिकारी (केन्द्रीय) कोडरमा -II को सुलह अधिकारी के रूप में नियुक्त करती है और भारत सरकार के श्रम, रोजगार और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना संख्या का० आ० 2110 तारीख 19 जून 1967 में और आगे निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात.—

उक्त अधिसूचना से संलग्न सारणी में क्रम संख्या 4 के सामने, स्तंभ 2 में की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जायेगी; अर्थात.—

"श्रम प्रवर्तन अधिकारी (केन्द्रीय)
कोडरमा-II."

[स० एफ० एस० 11025/42/71—एल० आर० आई०]

New Delhi, the 22nd January 1972

S.O. 517.—Whereas the Central Government, having been satisfied that the public interest so required had, in pursuance of the provisions of sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) declared by the notification of the Government of India in the Ministry of Labour and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 3411, dated the 4th August, 1971, service in the pyrites mining industry, to be a public utility service for the purposes of the said Act, for a period of six months from the 22nd August, 1971;

And whereas the Central Government is of opinion that public interest requires extension of the said period by a further period of six months;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby declares the said service to be a public utility service for the purposes of the said Act for a further period of six months from the 22nd February, 1972.

[No. F. S. 11025/3/72-LRI.]

नई दिल्ली, 22 जनवरी, 1972

का०आ० 517.—यतः केन्द्रीय सरकार ने यह समाधान हो जाने पर कि लोक हित में ऐसा अपेक्षित है, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खण्ड (ढ) के उपखण्ड (6) के उपबन्धों के अनुसरण में, भारत सरकार के श्रम और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना संख्या का०आ० 3411, तारीख 4 अगस्त, 1971 द्वारा पाइराइट्स खनन उद्योग में सेवा को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए 22 अगस्त 1971 से छ; मास की कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित किया था ;

और यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि लोक हित में उक्त कालावधि का 6 मास की और कालावधि के लिए बढ़ाया जाना अपेक्षित है;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खण्ड (ढ) के उपखण्ड (6) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा उक्त सेवा को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए 22 फरवरी, 1972 से 6 मास की और कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित करती है।

[स० फा० एम० 11025/3/72—एल० आर० आई०]

ORDERS

New Delhi, the 29th November 1971

S.O. 518.—Whereas the applications specified in the Schedule annexed hereto, made under sub-section (2) of section 33C of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) are pending before Shri K. P. Gupta, Presiding Officer, Industrial Tribunal, Allahabad,

And whereas Shri K. P. Gupta's services have ceased to be available;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A and sub-section (1) of section 33B of the said Act, the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal with Shri Aftab Ahmed as the Presiding Officer with headquarters at Kanpur and withdraws the proceedings in relation to the said applications from Shri K. P. Gupta and transfers the same to Shri Aftab Ahmed, Presiding Officer, Industrial Tribunal, Kanpur for the disposal of the said applications with the direction that the said Tribunal shall proceed with each of the said proceedings from the stage at which they are transferred to it and dispose of the same according to law.

SCHEDULE

1. Misc. case under section 33C(2).

Parties to the dispute.

Shri Niranjan Singh S/o Sri Bela Singh Mohalla Sujanpura, Bhillawah, Lucknow.

Vs.

The General Manager, Northern Railway, New Delhi.

2. Misc. case under section 33C(2).

Shri Kashmiri Lal Sharma, (P-2205 Head Clerk Grade II) 86, Subhashpuri, Kankar Khera, Meerut Cantt. (U.P.).

Vs.

Union of India, through the Commandant, 510, Army Base Workshop, Meerut Cantt. (U.P.).

[No. L. 12025/35/71/LRIII.]

आदेश

नई दिल्ली, 29 नवम्बर, 1971

का० आ० 518.—यतः इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट आवदन, जो औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 33ग की उप-धारा (2) के अधीन दिये गये हैं, श्री के० पी० गुप्ता, पीठासीन अधिकारी, औद्योगिक अधिकरण, इलाहाबाद के समक्ष लम्बित हैं;

और यतः श्री के० पी० गुप्ता की सेवाएं अब उपलब्ध नहीं रही हैं;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 7क और 33ख की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है जिसके पीठासीन अधिकारी श्री आफताब अहमद होंगे, जिनका मुख्यालय कानपुर होगा, और उक्त आवेदनों से सम्बद्ध कार्यवाहियों को श्री के० पी० गुप्ता से लेकर श्री आफताब अहमद, पीठासीन अधिकारी, औद्योगिक अधिकरण, कानपुर के इस निदेश के साथी अन्तरित करती है कि उक्त अधिकरण उक्त कार्यवाहियों पर उसी प्रक्रम से कार्यवाही करेगा जिस पर वे उसे अन्तरित की गई हैं और विधि के अनुसार उसका निपटान करेगा।

अनुसूची

1.	धारा 33ग (2) के अधीन प्रकीर्ण मामला	विवाद के पक्षकार श्री निरंजन सिंह पुत्र श्री भोला सिंह, मोहल्ला सुजानपुरा, भिलावा, लखनऊ बनाम महाप्रबंधक, नौर्दर्न रेलवे, नई दिल्ली।
2.	धारा 33ग (2) के अधीन प्रकीर्ण मामला	श्री कश्मीरी लाल शर्मा, (पी–2205 हैड क्लर्क ग्रेड 3) 86 सुभाष पुरी, कंकर खेड़ा, मेरठ कैंट (यू०पी०) बनाम भारत संघ मार्फत कमांडेन्ट, 510, आर्मी बेस कर्मशाला, मेरठ कैन्ट (यू० पी०)

[सं० एल० 12025/35/71/एल०आर०III]

New Delhi, the 8th December, 1971

S. O. 519.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists betewen the Storing Agents of the Food Corporation of India mentioned in column 1 of the Schedule hereto annexed and their workmen mentioned in the corresponding entries in column 2 of the said Schedule in respect of the matters specified in column 3 thereof;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Industrial Tribunal No. 2, Dhanbad constituted under section 7A of the said Act.

SCHEDULE

Names of the employers (Storing Agents of the Food Corporation of India).	Names of workmen	Dispute for adjudication
1	2	3
1. M/s. D.C. Sen, 44, Chetla Road, Calcutta-27.	Sarvashri 1. Fakir Mohan Acharjee. 2. Balkrishna Nayak. 3. Panchanan Acharjee. 4. Balram Sahoo. 5. Sandia Dalai. 6. Mahendra Sethi. 7. Mani Sahu. 8. Mantu Maity. 9. Manoranjan Mandal. 10. Rabindranath Purkait. 11. Kartik Naskar. 12. Sukdeb Bera. 13. Parevask Maity. 14. Kamal Maity. 15. Ratan Bejkha. 16. Srihari Mindha. 17. Saktipada Maity 18. Batakrishna Halder. 19. Manoranjan Haldar. 20. Sanjib Haldar. 21. Renupada Dakua.	Whether the action of the employers in refusing to employ their respective workmen working at their godowns or depots or railway sidings prior to 30th October 1970, is justified, If not, to what relief these workmen are entitled?

1	2	3

22. Nirapada Bera.
23. Bistupada Jiena.
24. Babi Maity.
25. Dabekar Bor.
26. Sudhansu Makal.
27. Bhabasindu Jena.
28. Khitish Kolu.
29. Paritosh Maity.
30. Bharamar Jena.
31. Jeganath Jena.
32. Ram Surin.
33. Bhim Samanta.
34. Prafulla Das.
35. Sitaram Mahat.
36. Bistupada Barik.
37. Anil Maity.
38. Dhobi Ram.
39. Chhotu Mali.
40. Khelu Ram.
41. Badri Paswan.
42. Manu Paswan.
43. Ramdeb Mahato.
44. Lakhan Sahu.
45. Khirat Mahato.
46. Kishon Mahatab.
47. Jilip Tanti.
48. Rupan Tanti.
49. Parmeswar Saha.
50. Jaganath Naskar.
51. Debnath Tanti.
52. Biju Tanti.
53. Brindaban Misra.
54. Balmik Ram.
55. Khlali Mahato.
56. Naresh Paswan.
57. Balaram Behera.
58. Jeni Sahu.
59. Gopal Purkait.
60 Ramabalak Singh.
61. Sumitra Dutta (Sibani).
62. Binapani Kanji.
63. Kishoribala Parmanik.
64. Harihat Mahapatra (Sarkar).
65. Satrughna Das (Munshi).
66. Palan Chandra Ghosh (Mandal).
67. Biswa Nath Das.
68. Panchana Haldar.
69. Sudhamay Haldar.
70. Bhaktipada Haldar.
71. Sanatan Haldar.
72. Nakul Chandra Naiya.
73. Hiramay Naiya.
74. Hari Chandra Behra.
75. Gangadhar Mandal.
76. Subal Chandra Balda.
77. Kalipada Dalui.
78. Kumar Chandra Mallik.
79. Bhramarbara Das.
80. Bainshichar Shaw.
81. Harihar Paida.
82. Dasarathi Behara.
83. Sambhu Nath Parida.
84. Bydhar Mairkap.
85. Khoka Chandra Kha.
86. Birbar Chandra Das.
87. Akur Chandra Pradhan.
88. Lakhan Ch. Das.
89. Subhadra Bala Das (Sabari).
90. Basudeb Kayal.
91. Gojendra Nath Pramanik.
92. Srishyampati Mondal.
93. Haripada Maity.
94. Mohan Chandra Das.
95. Santosh Kr. Bera.
96. Satrughna Bajani.
97. Ramkrishna Samoi.
98. Santosh Ch. Patra.
99. Avimonyu Koyal.

1	2	3
	100. Chittaranjan Maity. 101. Shyam Sundar Gure. 102. Anil Chandra Karar. 103. Jitendra Nath Mandal. 104. Niranjan Mondal. 105. Mahananda Pramanik. 106. Banamali Mondal. 107. Dasarath Sana. 108. Nirmal Mondal. 109. Nimai Chandu Mondal. 110. Judhishthir Mondal. 111. Kanan Chandra Mondal. 112. Fatick Ch. Mondal. 113. Sumitra Bala Malde.	
2. M/s. Kanailal Sikdar, 300, Roybahadur Road, Calcutta-53.	Sarvashri: 1. Dwijahar Mallick Sard 2. Birbar Jena. 3. Alekh Ch. Das. 4. Sanatana Senapati. 5. Dhanegoolla Daloi. 6. Sundar Saha. 7. Tamaku Singi. 8. Harinarayan Singh 9. Jayadisi Jadab. 10. Bijaya Haladar. 11. Dijabar Mallik. 12. Sashadhar Naskar. 13. Kusta Paradan. 14. Parsuroma Khada 15. Gopal Das. 16. Natabar Ujha. 17. Baban Malick. 18. Sahadeb Naskar. 19. Nakul Naskar. 20. Uatam Jadab. 21. Ramaparesa Raya. 22. Nabaghan Jena. 23. Jogendra Das. 24. Kanduri Padhi. 25. Vagaban Das. 26. Aabada Narayan Sigi. 27. Jagar Saha. 28. Alcku Mandal. 29. Shidlu Adhikari.	
3. M/s. Amarendra Nath Jane, 2282, Benarash Road, Village and Post Office Bamangachi, District Howrah.	Sarvashri: 1. Badri Prasad. 2. Rampakar Mandal. 3. Devendra Prasad. 4. Ramdayal Singh. 5. Bahadur Mandal. 6. Subodh Mandal. 7. Shucho Yadav. 8. Sital Mahto. 9. Tilak Dhari Kahto. 10. Maksudan Mandal. 11. Yogendra Mandal. 12. Dani Mandal. 13. Ramgiven Mandal. 14. Janukhal. 15. Shib Narayan Shaw. 16. Nenku Paswan. 17. Nageswar Paswan. 18. Ram Suk Mandal. 19. Sita Ram Paswan. 20. Sitswar Paswan. 21. Sudajar Paswan. 22. Como Paswan. 23. Hari Paswan. 24. Kameswar Jadan. 25. Ramdeo Chaudhuri. 26. Siven Chowdhury. 27. Ram Sarup Sab. 28. Pravag Shaw. 29. Radha Shaw. 30. Ram Saroyan Jadav.	

1	2	3
		31. Andul Shaw. 32. Pramasur Shaw. 33. Kanailal Samanta. 34. Mahendra Mandal. 35. Baleswar Mahto. 36. Jab Ch. Mandal. 37. Gevech Mandal. 38. Chndersan Mandal. 39. Ramsur M. 40. Baluki Mandal. 41. Muralidhar. 42. Kamli Divi. 43. Kanha Divi. 44. Govindkawal. 45. Jogendra Pd. Twari. 46. Hari Kant Mandal. 47. Sirekhan Mandal. 48. Januma Mahto. 49. Total Dass. 50. Dukhh Mandal. 51 Sish Singh. 52. Ram Bharosh Mandal. 53. Sukh Dev Mandal. 54. Baleshwar Mandol. 55. Chouthi Mandal. 56. Sukh Ch. Maldal. 57. Bindeswai P Mandal 58. Jadu Mandal. 59. Mandol. 60. Vabhi Khan Paswan. 61. Mukti Mandal. 62. Jogendar Mandal. 63. Ramu Mandal. 64. Mahabir Mandal. 65. Mangalu Mukhia. 66. Ram Kishun Mandal. 67. Mahendra Mandal. 68. Mohav Mandal. 69. Harish Mandal. 70. Nathani Mandal. 71. Jogendra Mandal-2. 72. Keswar Mondal. 73. Debu Mondal. 74. Dani Mondal. 75. Kalpu Mondal. 76. Gogi Mandol-1. 77. Jogi Mondal. 78. Jariban Singh. 79 Bhola Rai. 80. Jadu Mandal. 81. Ramjee Mandal. 82. Ram Deo Mandal 83. Ram Dev. 84. Anua Purha. 85. Chauwana Ragalu.
4. M/s. Hiralal Modi and A.K. Das Gupta and Sree Traders, 124, Basanta Lal Saha Road, Calcutta.	Sarvashri 1. Padmalav Lenku. 2. Praniad Charan Kandi. 3. Pabani Lenka. 4. Harish Ch. Parida. 5. Nabhan Gwain. 6. Dalegobend Das. 7. Jogendra Mahati. 8. Megu Dalai. 9. Prabhakar Jana. 10. Saliyanand Biswal. 11. Biji Ram Naik. 12. Debakler Parija. 13. Ballokisto Mudili. 14. Kambhu Nath Parida. 15. Dhaneswhawar Naik. 16. Benamaki Dass. 17. Batto Behara. 18. Daitiri Dalai.	

1	2	3
		19. Jhalu Behara. 20. Denabandhu. 21. Ranachandra Swain. 22. Munshi Mahton. 23. Bhola Mahton 24. Ranji Mahton 25. Ramdar Mahto 26. Nandi Paswan 27. Yadab Mehton. 28. Chandramani Mehton. 29. Bilash Mehton. 30. Mahindra Mehton. 31. Rajeeb Mehton. 32. Rajendra Mahton. 33. Ram Deo Mahton. 34. Baban Singh. 35. Charitra Mahton. 36. Ramchandra Mahton. 37. Bhola Singh. 38. Binu Mehton. 39. Yudhisthir Swain 40. Manoj Mudulı. 41. Debu Mahton. 42. Srimati Nand Rani Ghose. 43. Kohai Mahton. 44. Sunelal Mahton. 45. Ramprakash Ghadhu 46. Brahamdeo Mahton. 47. Moti Lal Chowdhury (Sardar). 48. Arjun Charan Swain. 49. Suka Deva Reuta. 50. Kailash Chandra Lenka. 51. Nakul Parida. 52. Bhagaban Swain. 53. Gandharba Swain. 54. Baildhar Swain. 55. Krutibas Sahoo. 56. Manu Dash. 57. Kelu Das. 58. Gagan Bihari Sahu 59. Ramesh Das. 60. Sankar Swain. 61. Gundichi Swain. 62. Bipin Bihari Nayak. 63. Satrughan Sarik. 64. Bholi Jarai. 65. Dushasan Das. 66. Dushasan Sethi. 67. Chain Kandi. 68. Bata Krishan Malik. 69. Kashitra Basi Mudul. 70. Baisni Dhar Lenka. 71. Gokul Parida. 72. Gwabindra Swain 73. Minketan Mudulı. 74. Sarbeswar Mudulı. 75. Bhikari Khatua. 76. Surendra Nath Parda. 77. Hata Kiswar Sahoo. 78. Sahadeva Swain. 79. Sarbeswar Bhai. 80. Balwarama Dalai. 81. Sobha Suhari. 82. Kabindra Swain.
5.	M/s. R. K. Nandi, 57/1, B.T. Road, Cossipore.	Sarvashri 1. Vramarbar Jena. 2. Budhiram Swain. 3. Dhaneswar Jena. 4. Sahadeb Raut. 5. Balaram Bholi 6. Murali Dhar Das. 7. Jagabandhu Bhose. 8. Natabar Swain.

1	2	3
		9. Kailas Chandra Swain. 10. Bhamar Banrk Raut. 11. Niman Malik. 12. Balu Charan Swain. 13. Dinabandhu Swain. 14. Chagian Nayak. 15. Satya Nand Bisant. 16. Sarat Ch. Mulliki. 17. Bratma Nand Jeno. 18. Dibakar Mahanty. 19. Dharuma Nand Raut. 20. Guna Nand Parida. 21. Adikari Behuna. 22. Dhadi Behera. 23. Akadasi Behara. 24. Sobani Sawain. 25. Khotra Mohan Behara. 26. Balas Mallik. 27. Kailas Ch. Mallik. 28. Kela Charan Raut.¶ 29. Satrughan Mahatab. 30. Mohagi Jadab. 31. Kesab Nand. 32. Ram Prasad Das. 33. Jagda Jagadeb Das. 34. Ram Ratan Das. 35. Renuka Pandit. 36. Sadhu Parida. 37. Adikand Lenka. 38. Kshetra Mohan. 39. Chaitan Ranta. 40. Kush Lenka. 41. Matha Lenka. 42. Alekha Lenka. 43. Purna Chandra Swain. 44. Madhu Swain. 45. Desh Sahoo. 46. Kripa Sindhu Mahantry. 47. Adikand Das. 48. Amareswar Das. 49. Dhramarbar Das. 50. Judhisti Lenka. 51. Rabindra Lenka. 52. Jata Shari Das. 53. Upendra Swain. 54. Chandra Mani Swain. 55. Judhisti Rauta. 56. Rama Chandra Lenka. 57. Bhagirath Swain. 58 .Kshtra Mohan Sahoo. 59. Bhagi Rath Sethi. 60. Mani Nayak. 61. Netrananda Swain. 62. Satyanda Malik. 63. Durga Charan Swain 64. Arjun Lenka. 65. Charan Das. 66. Baban Swain. 67. Dash Rathi Lenka. 68. Rama Chandra Sahoo. 69. Jhari Nayak. 70. Budha Deva Swain. 71. Ram Prasad Pasuan. 72. Jaga Dev Pasuan. 73. Ram Ratan Pasuan. 74. Magi Jadab. 75. Krushn Mahato. 76. Lakshman Pasuan. 77. Genu Bhari Sahoo. 78. Krushna Sahoo. 79. Bisun Khasuan. 80. Khiroda Haldar.
6. M/s. A. Rahmans & M/s. B.C. Ghosh, GIS Cotton Mill Food Depot, P.O. Baidyabati, District Hoogly.	Sarvashri 1. Sankarsan Nayak. 2. Bhanu Ch. Das. 3. Joyram Routh Rai.	

1	2

4. Chandra Sekhar Nayak.
5. Gangadhar Sahu.
6. Akhaya Kumar Nayak.
7. Durjyadhana Nayak.
8. Padan Pujari.
9. Nityananda Behara.
10. Bansidhara Bechara.
11. Hadu Behara.
12. Mahanta Sahu.
13. Arjun Das.
14. Bharata Pradhana.
15. Arkhita Pradhana.
16. Narayan Sahoo.
17. Parasuram Pradhan.
18. Dharam Pradhan.
19. Lakhana Pradhana.
20. Brind Bana Pradhan.
21. Prahalada Pradhana.
22. Bramara Pradhana.
23. Doma Pradhana.
24. Netrananda Betal.
25. Chatur Bhij Betal.
26. Ganga Sasmal.
27. Bharata Sahoo.
28. Bansidhar Biswal.
29. Panu Shaoo.
30. Purna Ch. Sahoo.
31. Prahalada Shaw.
32. Basudeba Jena.
33. Bansidhara Jena.
34. Ghanshyam Jena.
35. Sarbeswar Patra.
36. Aparti Swain.
37. Bhabana Bhui.
38. Kelu Pradhan.
39. Rama Pradhan.
40. Lakhana Mahapaytra.
41. Pravakara Dalui.
42. Nakul Tripathi.
43. Jogi Dalui.
44. Purna Ch. Pradhan.
45. Surendra Sahu.
46. Dijaraj Munjhi.
47. Kelu Charan Nayak.
48. Sankara Bhui.
49. Benu Pradhana.
50. Prafulla Ch. Nayak.
51. Durjadhan Nayak.
52. Patiraj Keot.
53. Surja Keot.
54. Babunandan Keot.
55. Lakhikanta Sahu.
56. Ramsevak Paswan.
57. Lakhi Kanta Nayak.
58. Rabindra Nath Behara.
59. Kumar Shau.
60. Budhi Sahoo.
61. Daranidhar Jena.
62. Bhimsen Shaw.
63. Dhaneswar Shaw.
64. Sathia Paridh.
65. Ramchandra Pattanayak.
66. Nilmoni Parida.
67. Sreenath Sahu.
68. Kashinath Mahanty.
69. Bansidhar Patra.
70. Phagu Patra.
71. Arjun Shaw.
72. Durgadhan Swain.
73. Dhanishan Das
74. Prahalad Sethi.
75. Benu Shaw
76. Lakhmidhar Behara.
77. Daitari Bhuity.
78. Kartick Behara.
79. Banamali Seth.
80. Kapil Sahw.

1	2	3
	81. Shambu Nath Biswal. 82. Kumar Bhui. 83. Daso Bhui. 84. Dreebo Pradhan. 85. Pahili Sethi II. 86. Gopal Swin. 87. Satrughna Bradhan. 88. Chandramoni Polai. 89. Kalu Pradhan. 90. Ghana Das. 91. Krishna Ch. Behra. 92. Bhikari Sahw. 93. Jagabandhu Sahw. 94. Damo Behara. 95. Trinath Mohanty. 96. Kshetra Mohan Mohanty. 97. Braja Bandhu Swin. 98. Bahadur. 99. Subol Swin.	
M/s. Monilal Ghosh, Jorhat, P.O. Andul, District Howrah.	Sarvasnri. 1. Faluram Mata. 2. Balaram Mata. 3. Baneswar Das. 4. Kishori Mohan Manjhi. 5. Khagen Pal. 6. Kamal Mandal. 7. Manoranjan Ghada. 8. Mukanda Maity. 9. Manoranjan Samanta. 10. Sanyasi Bhyuan. 11. Natibasi Pal. 12. Madhusudan Bera. 13. Satiranjan Bera. 14. Andra Kumar Pradhan. 15. Nando Kumar Pradhan. 16. Dilip Kumar Dass. 17. Prafulla Mandal. 18. Kalipada Pal. 19. Jaydev Maity. 20. Judhister Bera. 21. Sahadev Kabaty.	
5. M/s. S. K. Samanta, 6, Mallick Ghat Road, Ramkrishnapur, Howrah.	Sarvashri 1. Padmalav Deo. 2. Damodar Swain. 3. Raghunath Swain. 4. Madna Dulai. 5. Krishna Ch. Bijuli. 6. Hari Pada Patra. 7. Kalendi Ch. Deo. 8. Daman Shahoo. 9. Budhan Shahoo. 10. Basu Mahatya. 11. Samili Mahatya. 12. Latan Parsaman. 13. Basant Parsaman. 14. Siri Parsaman. 15. Ganesh Parsaman. 16. Ramalal Parsaman. 17. Lachhimi Parasaman. 18. Medimi Parsaman. 19. Rambalak. 20. Priyanath Shahani (Sardar) 21. Khahnu Ch. Nayak. 22. Paritos Dash. 23. Mathur Dulai. 24. Babaji Ch. Rout. 25. Lachhu Parsaman. 26. Ganesh Parsaman. 27. Damodar Parsuman. 28. Manik Parsuman. 29. Baleswar Parsuman. 30. Narasingh Mahanty. 31. Saromon Paramon. 32. Ramji Choudhuri.	

1	2	3
	33. Mahabir Parasamon. 35. Raghunandan Parsamon. 36. Chhoten Parsamon. 37. Sanischar Parsamen. 38. Banarashi Parasamen. 39. Basudev Choudhuri. 40. Nandarani Devi. 41. Angurbala Devi. 42. Lila Bala Devi.	
M/s. Jagabandhu Sarkar, Village Lautr P. O. Uluberia, District Howrah.	Sarvashri 1. Bhola Nath Mal. 2. Sital Malik. 3. Nanda Maity. 4. Biswanath Bajani. 5. Nemai Charan Paral. 5. Nemai Charan Paral. 6. Sudhir Kumar Bag. 7. Jhatu Charan Mandal. 8. Sunil Chandra Hazara. 9. Madhusudan Manna. 10. Mritunjoy Samanta. 11. Abhimanyu Pramanik 12. Satish Charan Pania. 13. Sanatan Kayal. 14. Bijoy Das. 15. Jiban Panja. 16. Indra Charan Pania. 17. Gobinda Naskar. 18. Jaladhar Middey. 19. Nemai Paramanick. 20. Mahendra Naskar. 21. Kesto Charan Dhara. 22. Audhir Charan Bag. 23. Gokul Bag, 24. Gopal Mandal. 25. Balaram Dolui 26. Radhanath Mandal. 27. Paban Panja. 28. Nemai Bag. 29. Nadibasi Samanta. 30. Abhimanya Metea. 31. Rampada Manna. 32. Kalipada Mandal. 33. Biswanath Bera. 34. Judaisthir Paramanick, 35. Bharatbasi Samanta. 36. Jiten Bag. 37. Bharat Charan Rana. 38. Shyam Charan Hazara. 39. Habul Parel. 40. Bhisna Charan Malik. 41. Kanai Khan. 42. Sasthi Charan Parai. 43. Mahadev Naskar. 44. Lakhan Mlaik. 45. Kattick Mandal. 46. Prahlad Mandal. 47. Balaram Parel. 48. Jiban Padja. 49. Prankrishna Parel. 50. Manik Malik. 51. Nepal Dolui 52. Ratan Malik. 53. Golook Makhal. 54. Jagadish Samanta. 55. Amanda Maity. 56. Nitai Bajani. 57. Badal Hazra. 58 Sadhu Gurha. 59. Bibhuti Kayal. 60. Kubir Panja. 61. Dhruba Mandal. 62. Sadanana Paramanik. 63. Nadi Ram Chakraborty. 64. Gaur Patra. 65. Manmatha Malik.	

1	2	3
		66. Syama Ch. Roy. 67. Kala Dalui. 68. Prasad Dhara. 69. Santosh Kr. Mulik 70. Bogardhan Gayon. 71. Ratan Malik (II). 72. Mahwnsra Malik. 73. Kalipada Jashu.
10	M/s. Bimal Kumar Singh, 220, Naskarpara Road, P. O. Ghusuri, Dist Howrah.	Sarvashri: 1. Surendra Nath Tiwari 2. Bidesi Wahto. 3. Ram Sukit Mandal. 4. Sita Ram Mandal. 5. Ajit Kumar Mandal. 6. Charitra Ram. 7. Ram Dew Rajak. 8. Krishna Ram. 9. Muni Mahtoo. 10. Bacha Sah. 11. Ram Bahadur Sah 12 Jagdish Mandal. 13. Budhan Sah. 14. Mukho Yadaw. 15. Hera Singh. 16. Sundar Paswan. 17. Palatu Mandal. 18. Mahendra-II. 19. Tilak Dhari Singh. 20. Mahendra M.I. 21. Jogendra Mandal. 22. Sita Ram Singh. 23. Kardhan Singh. 24. Satya Narayan Singh 25. Narain Mahato. 26. Ram Bilash Roy. 27. Mahabir Sah. 28. Rajendra Singh. 29. Radha Devi. 30. Gowi Mahto. 31. Kedar Mahto. 32. Ram Chandra Ram, 33. Ram Dew Ram. 34. Farok. 35. Ram Laxmi. 36. Singhshan Bharati. 37. Rahal. 38. Jagdish Dass. 39. Bhagawat Singh 40. Ram Asish Dass. 41. Nakul Pasawan. 42. Ram Ch. Ram. 43. Jugal Paswan. 44. Shah Dew Mishra. 45. Krishun Paswan. 46. Krishna Paswan. 47. Ramjanam Pandit. 48. Shara Paswan. 49. Jaleshwar Paswan. 50. Baleshwar Mahto. 51. Bhola Manda' 52. Gopi Shah. 53. Jadu Nandan Singh 54. Ram Chandra Dass-II 55. Jagendra Paswan. 56. Shio Nandan Goh. 57. Munshi Maht 58. Dhania Patra 59. Ram Chandra Maht 60. Samundar Dass. 61. Balak Rai. 62. Dwarika Dass. 63. Rajendra Rai 64. Sita Ram Das. 65. Pragas Dass (Sawari). 66. Bhagirath Paswan.

1	2	3
		67. Krishna Nandan Paswan. 68. Munshi Paswan. 69. Shadhu Saran Mehto. 70. Kameshwar Shah. 71. Narain Singh. 72. Chamo Mahto. 73. Jal Dhari Paswan. 74. Ram Lagan Yadav. 75. Sanichar Rabidas. 76. Bundi Paswan. 77. Kedar Ram. 78. Brij Nandan Paswan. 79. Goote Lal Paswan. 80. Chhatu. 81. Lachmi Kulasy. 82. Arati Roy. 83. Shio Dhari Dass. 84. Karan Shah.
11.	M/s. Sarat Kumar Mandal, 5, Mallick Ghat Road, Ramkrishtopore, P.O. and District Howrah.	Sarvashri: 1. Madhusudan. 2. Joykrishda Gaure. 3. Ram Lakhan Choudhuri. 4. Anik Paswan. 5. Rameswar Rajak. 6. Jhapsi Roy-I. 7. Mahabir Mahato. 8. Rambachan Mahato. 9. Jagdeo Lall. 10. Hrisikesh Mondal. 11. Ram Lakhan Mahato. 12. Jagon Chowdhury. 13. Dasrath Mahato. 14. Ramtahal Mahato. 15. Sateswar Bera. 16. Bisandeo Mondal. 17. Sirakhan Monda'. 18. Sailendar Mondal. 19. Kamli Mondal. 20. Misiri Ram. 21. Sahadeo Mahato. 22. Rajnath Sha. 23. Sanichar Paswan. 24. Achhalall Paswan. 25. Jhapsi Roy-II.
12.	M/s. A. K. Samadar, 15, Kali Prasanna Singhamia Road, Calcutta.	Sarvashri: 1. Chaitan Raut. 2. Gopendra Swain. 3. Khotra Mohan Swain. 4. Chandra Moni Swain. 5. Bhagu Sethi. 6. Adikanta Das. 7. Bhagu Swain. 8. Charan Das. 9. Jatendhari Das. 10. Arjun Lenke. 11. Balkrishna Rout. 12. Ali Lenka. 13. Netho Lenke. 14. Chahali Ch. Swain. 15. Bipin Jena. 16. Bipin Nayak. 17. Bholi Swain. 18. Nathoo Swain. 19. Dholo Swain. 20. Mohadeb Swain. 21. Bhramarbar Das. 22. Radheshyam Das. 23. Khotra Mohan Swain. 24. Dasarathi Shaw. 25. Purnananda Swain. 26. Notrananda Swain. 27. Ganori Shaw. 28. Lakhan Paswan. 29. Shri Krishna Shaw. 30. Mani Nayak. 31. Madhabananda Mallick. 32. Sukdeb Raut. 33. Satyananda Biswal.

1	2	3
13. M/s. Dhar and Company 41/1, Bhupendra Bose Avenue, Calcutta-4.	Sarvashri: 1. Baidhar Sahu. 2. Sri Rama Chandra Routh. 3. Benamali Sahu. 4. Manguli Das. 5, Guna Das 6. Chahali Bahera. 7. Pati Biswal. 8. Jhari Lonka. 9. Brindaban Jena. 10. Bhaskar Jena. 11. Pari Swain. 12. Gobinda Ch. Behara. 13. Chittaranjan Maity. 14. Sonatan Das. 15. Kailash Tanti. 16. Misri Mondal. 17. Gopinath Mondal. 18. Sarbeswar Nayak. 19. Basudeb Mondal. 20. Rajbhalhab Mondal. 21. Debnath Mondal. 22. Bhramarbara Lenka. 23. Dibakar Mondal. 24. Jatadhari Das. 25. Nekul Kandi. 26. Uttam Kr. Swain. 27. Ratan Kr. Das.	

[No. L. 42012/18/71-LRIII]

नई दिल्ली, 8 दिसम्बर, 1971

एस० ओ० 519 :—यत: केन्द्रीय सरकार की राय है कि भारत के खाद्य निगम के भंडार-अभिकर्ताओं, इससे उपाबद्ध अनुसूची के स्तम्भ 1 में उल्लिखित और उक्त अनुसूची के स्तम्भ 2 में की तत्स्थानी प्रविष्टियों में उल्लिखित कर्मकारों के बीच, उसके स्तम्भ 3 में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है :—

और यत:, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिये निर्देशित करना वांछनीय समझती है ,

अत:, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये, केन्द्रीय सरकार एतदद्वारा उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7—क के अधीन गठित औद्योगिक अधिकरण सं० 2, धनबाद, को न्यायनिर्णयन के लिये निर्देशित करती है ।

अनुसूची

1	2	3
नियोजकों के नाम (भारत के खाद्य निगम के भंडार-अभिकर्ता)	कर्मकारों का नाम	न्यायनिर्णयन के लिये विवाद
1. मैसर्स डी० सी० सैन, 44, चेटला रोड, कलकत्ता —27	सर्व श्री 1. फकीर मोहन अचारजी 2. बालकृष्णा नायक 3. मनमोहन अचारजी 4. बलराम साहू 5. संदिया दलाई 6 महेन्द्र सेठी 7. म ी साहू	नियोजकों की अपने माल गोदामों या डिपुओं या रेलवे साइडिगों में 30 अक्तूबर, 1970 के पूर्व से काम कर रहे कर्मकारों को नियोजन से इन्कार करने की कार्यवाही न्यायोचित है ? यदि नहीं, तो ये कर्मकार किस अनुतोष के हकदार हैं ?

1	2	3

8. मटू मैटी
9. मनोरंजन मंडल
10. रबिन्द्रा नाथ पुकैत
11. कार्तिक नस्कर
12. सुखदेव बेरा
13. परवेसक मैटी
14. कमल मैटी
15. रतन बेजबा
16. श्रीहा ी मिटा
17. मक्तीपदा मैटी
18. बाटाकृष्णा हलदर
19. मनोरजन हलदर
20. संजीव हलदर
21. रेनुपादा दकुआ
22. निरापदा बैरा
23. बिस्तुपदा जीना
24. बाबी मैटी
25. हबेकर बार
26. सुधासु मकल
27. भाबासिदू जैना
28. खीतिस कोल
29. परितोश मैटी
30. भरामार जैना
31. जगनाथ जैना
32. रामसुरीन
33. भीम सामन्ता
34. प्रफुल्ला दास
35. सीताराम महत
36. बिसतुपदा बारिक
37. अनिल मैटी
38. धोबी राम
39. छोटू माली
40. खेलू राम
41. बदरी पासवान
42. मन् पासवान
43. रामदेष महतो
44. लाखन साहू
45. खिरत महतो
46. किशन महताब
47. जीलिप टांटी
48. रूपन टाटी
49. परमेश्वर साहा
50. जगनाथ नस्कर
51. देबनाथ टाटी

1	2	3

52 बिष्णु टाटी
53. बिन्दाबन मिसरा
54. बालमीक राम
55. बियाली महतो
56. नरेश पास्वान
57. बलराम बहेरा
58. जेनी साहू
59 गोपाल पुरकैत
60. रामबालक सिंह
61. सुमित्रा दत्ता (सिबानी)
62. बिनापानी काजी
63. किशोरी बाला परमानिक
64. हरिहट महापात्रा (सरकार)
65. सत्रुघना दास (मुशी)
66. पलन चन्द्रा घोष (मडल)
67. विस्वा नाथ दास
68. पचना हलदर
69. सुधामेय हलदर
70. भक्तीपदा हलदर
71. सनातन हलदर
72. नकुल चन्द्रा नैया
73. हिरामय नैया
74. हरी चन्द्राबहरा
75. गगाधर मडल
76. सुबाल चन्द्रा बैदा
77. काली पदा दालुई
78. कुमार चन्द्रा मैक्लिक
79. भ्रामरबरा दास
80. बशीधर शा
81. हरीहर पैदा
82. दसरथी बेहारा
83. समंनाथ पारिदा
84. बिधर मैरकप
85. खोखा चन्द्रा खा
86. बीरबर चन्द्रा दास
87. अकुर चन्द्रा प्रधान
88. लाखन चा० दास
89. सुभद्रा बाला दास (साबेरी)
90. बासुदेव कायल
91. गोजन्द्रा नाथ प्रभानिक
92. श्रीश्यामपती मोडल
93. हरिपदा मैटी
94. मोहन चन्द्रा दास

1	3	3
	95. संतोश के० बेरा	
	96. मत्रधना बजाती	
	97. रामकृष्णा समोई	
	98. संतोश चा० पात्रा	
	99. अभिमोन्यू कोयल	
	100. चित्तरंजन मेटी	
	101. श्यामसुन्दर गुरे	
	102. अनिल चन्द्रा करार	
	103. जितेन्द्र नाथ मंडल	
	104. निरंजन मोंडल	
	105. महानन्दा प्रमानिक	
	106. बनमाली मोंडल	
	107. दसरथ माना	
	108. निर्मल मोंडल	
	109. निमाई चन्द्र मोंडल	
	110. जुधिश्ठर मोंडल	
	111. कोनन चंद्रा मोंडल	
	112. फाटिक चा० मोंडल	
	113. सुमित्रा बाला मालदे	
2. मैसर्स कनाईलाल सिकदार, 300, राय बदादुर रोड कलकत्ता-53	सर्वश्री	
	1. द्विजाहर मल्लिक सरदार	
	2. बीरबर जैना	
	3. अलेख चा० दास	
	4. सनातन सेनापती	
	5. घनेगला दलोई	
	6. सुन्दर साहा	
	7. तमाक सिंगी	
	8. हरीनारायण सिंगी	
	9. जयादिशी जादव	
	10. बिजया हलदर	
	11. दिजाबर मलिल्क	
	12. सशाधार नस्कर	
	13. कुश्ता परदान	
	14. परसुरामा खदा	
	15. गोपाल दास	
	16. नटावर ऊक्षा	
	17. बबन मालिक	
	18. सहादेव नस्कर	
	19. नकुल नस्कर	
	20. उत्तम जादब	
	21. रामापरेसा राया	
	22. नाबाधान जैना	
	23. जोगेन्द्रा दास,	
	24. कन्दूरी पाधी	

1	2	3
	25. भगवन दास 26. आबाद्रा नरायण सिंगी 27. जगर साहा 28. अल्कू मंडल 29. शिडलू अधिकारी	
3. मैसर्स अमरेन्द्रा नाथ जाने 2282, बीनारश रोड, गांव तथा डाकखाना, बामनगाची, जिला हावडा	सर्वश्री 1. बद्री प्रसाद 2. रामपाकर मंडल 3. देवेन्द्रा प्रसाद 4. रामदयाल सिह 5. बहादर मंडल 6. सुबोध मंडल 7. शुचो यादव 8. सीतल महतो 9. तिलक धारी कहतो 10. मकसूदन मंडल 11. योगेन्द्र मंडल 12. दानी मंडल 13. रामजीवन मंडल 14. जानखल 15. शिबे नारायण शा 16. नैन्कू पासवान 17. नागेस्वर पासवान 18. रामसुक मंडल 19. सीतारम पास्वान 20. सीतस्वार पासुवान 21. सुवाजार पास्वान 22. कोमो पास्वान 23. हरी पास्वान 24. कमेश्वर जदान 25. रामदेव चौधरी 26. सीवेन चौधरी 27. राम सरूप साव 28. प्रयाग शा 29. राधा शा 30. राम सरोयान जादव 31. अंदुल शा 32. प्रामासुर शा 33. कनाईलाल सामन्ता 34. महेन्द्रा मण्डल 35. बसेश्वर महतो 36. जाब चौ० मंडल 37. गेवच मंडल 38. चन्दरसन मंडल 39. रामासुर एम०	

1	2	3

40. बालुकी मंडल
41. मुरली धन
42. कमला दी वी
43. कान्हा दी वी
44. गोविन्द कवल
45. जोगेन्द्रा प्रसाद तवारी
46. हरी कान्त मंडल
47. मिरेखान मंडल
48. जनमा महतो
49. टीटल दास
50. दुख मंडल
51. सीश सिंह
52. राम भरोश मंडल
53. सुख देव मंडल
54. बलेश्वर मंडल
55. चौथी मंडल
56. सुख चौ० मंडल
57. बिन्देश्वर मंडल
58. जादू मंडल
59. मंडल
60. वाभी खान पास्वान
61. मुक्ती मंडल
62. जोगेन्द्र मंडल
63. रामू मंडल
64. महादीर मंडल
65. मंगलू मुखिया
66. रामकिशन मंडल
67. महेन्द्रा मंडल
68. मोहब मंडल
69. हरीश मंडल
70. नथानी मंडल
71. जोगेन्द्रा मंडल 2
72. केसवर मौंडल
73. देबू मौंडल
74. दानी मौंडल
75. कलपू मौंडल
76. गोगी मौंडल
77. जोगी मौंडल
78. जारीबान सिंह
79. भोला राय
80. जादू मंडल
81. रामजी मंडल
82. रामदेव मंडल
83. रामदेव

1	2	3
		84. अनुआ पुरहा 85. चाउवाना रगलू
4. मैसर्स हीरालाल मोदी एण्ड ए० के० दास गुप्ता एण्ड श्री ट्रेडर्स, 124, बसन्तो लाल, साहा रोड, कलकत्ता		सर्व श्री 1. पदमालव लेक 2. प्रानियद चरण कांडी 3. पाखानी लंका 4. हरीश चौ० पारिदा 5. नभनु ग्वेन 6. दाल गोविन्द दास 7. जोगेन्द्रा महाली 8. मग दलामी 9. प्रभाकर जाना 10. मालियानन्द बिस्वास 11. बाजीराम नायक 12. देबाकलर पारीजा 13. बालोकिस्तो मुदीली 14. कांमू नाथ पारीदा 15. धनेश्वर नायक 16. बेनामाकी दास 17. बाटो बेहारा 18. देतीरी दलाई 19. झालू बेहार 20. दीना बन्धू 21. रानाचन्द्रा स्वैन 22. मुंशी महतोन 23. भोला महतोन 24. रंजी महतोन 25. रामादर महतोन 26. नन्दी पास्वान 27. यादव महतोन 28. चन्द्रामनी महतोन 29. बिलास महतोन 30. महिन्द्रा महतोन 31. राजीव महतोन 32. राजेन्द्रा महतोन 33. रामदेव महतोन 34 बबन सिंह 35. चरित्रा महतोन 36. रामचन्द्रा महतोन 37. भोला सिंह 38. बिन महतोन, 39. युधिष्ठर स्वैन 40. मनोज मुदुली

1	2	3
	41. देबू महतोन	
	42. श्रीमती नन्द रानी घोष	
	43. कोहायी महतोन	
	44. सुनेलाल महतोन	
	45 .रामप्रकाश थापू	
	46. ब्रह्मदेव महतोन	
	47. मोती लाल चौधरी	
	48. श्रर्जुन चरण स्वैन	
	49. सुका देवा रेउता	
	50. कैलाश चन्द्रा लेन्का	
	51. नकुल पारीदा	
	52. भागबान स्वैन	
	53. गंधवी स्वैन	
	54. बाईधर स्वैन	
	55. कुतीबस साहू	
	56. मनु दाश	
	57. केलू दास	
	58. गगन बिहारी साहू	
	59. रमेश दास	
	60. संकर स्वैन	
	61. गुंदीची स्वैन	
	62. बिपिन बिहारी नायक	
	63. शत्रुघन बारीक	
	64. भोली जराइ	
	65. दुसाशन दास	
	66. दुशासन सेठी	
	67. चेन कन्दी	
	68. बट कृष्ण मलिक	
	69. कशिला बासी मुदुल	
	70. बैसनी दर लेन्का	
	71. गोकुल पारीदा	
	72. क्याबिन्द्रा स्वैन	
	73. मिन्केतन मुदुली	
	74. सरबेश्वर मुदुली	
	75. भिकारी खलुश्रा	
	76. सुरेन्द्रा नाथ परदा	
	77. हाटा किस्वार साहू	
	78. साहादेवा स्वैन	
	79. सरबेश्वर भाई	
	80. बलवारामा दलाई	
	81. सोभा सहारी	
	82. कबिन्द्रा स्वैन	
5. मैसर्स श्रार० के० नन्दी 57/1 बी० टी० रोड, कोसीपुर	सर्वश्री 1. श्रामरबर जैना 2. बुधि राम स्वैन	

1	2	3
	3. धनेश्वर जैना	
	4. साहबदेब राउत	
	5. बलराम भोल	
	6. मुराली धर दास	
	7. जगबंधु भोस	
	8. नटाबर स्वैन	
	9. कैल स चन्द्रा स्वैन	
	10. भामर बानर्क राउत	
	11. निमन मलिक	
	12. बाल चरण स्वैन	
	13. दीनाबन्धु स्वैन	
	14. चागियोन नायक	
	15. सत्या नन्द बिसन्त	
	16. सरत चौ० मलिकी	
	17. आतमा मन्द जीना	
	18. दिबाकर महंत	
	19. धरमा नन्द राउत	
	20. गुना नन्द पारीदा	
	21. अधिकारी बेहूना	
	22. धादी बेहारी	
	23. अकादशी बहारा	
	24. सोबामी स्वैन	
	25. खोतरा मोहन बेहारा	
	26. बेलास मलिक	
	27. कैलाश चौ० मलिक	
	28. कैला चरण राउत	
	29. सत्रुघन मैहताब	
	30. मोहुगी जादब	
	31. केसब नन्द	
	32. राम प्रसाद दास	
	33. जगदेव दास	
	34. रामरतन दास	
	35. रेनुका पण्डित	
	36. साधु पारिदा	
	37. अधिकन्द लन्का	
	38. मशेला मोहन	
	39. चैतन रन्ता	
	40. कुश लेन्का	
	41. मथा लेन्का	
	42. अलेखा लेन्का	
	43. पूरण चन्द्रा स्वैन	
	44. मधु स्वैन	
	45. देश साहू	
	46. कृपा सिंधु महं	

1	2	3
	47. अधिकंद दास	
	48. अमरेश्वर दास	
	49. धरामरबर दास	
	50. जिधिस्ती लेन्का	
	51. रबिन्द्रा लेन्का	
	52. जटा शारी दास	
	53. उपेन्द्रा स्वैन	
	54. चन्द्रा मनी स्वैन	
	55. जुधिस्ती राउता	
	56. रामा चन्द्रा लेन्का	
	57. भागीरथ स्वैन	
	58. कशोला मोहन साहू	
	59. भागीरथ सेठी	
	60. मनी नायक	
	61. नेत्रा नन्दा स्वैन	
	62. सत्यावा नायक	
	63. दुर्गा चरण स्वैन	
	64. अर्जुन लेन्का	
	65. चरण दास	
	66. बबन स्वैन	
	67. दशरथी लेन्का	
	68. रामा चन्द्रा साहू	
	69. भारी नायक	
	70. बुधा देवा स्वैन	
	71. राम प्रसाद पासुआन	
	72. जागा देव पासुआन	
	73. राम रतन पासुआन	
	74. मागी जादव	
	75. कुशन महतो	
	79. लक्शमन पासुआन	
	77. गेन भारी साहू	
	78. कुशेना साहू	
	79. बिसुन खासुआन	
	80. खिरोदा हलदर	
मैसर्स ए० रहमान एण्ड मैसर्स बी० सी० घोष, जी० आई० एस० काटन मिल, फड डिपो पो० ओ० बैदयोबती जिला हुगली ।	सर्व श्री	
	1. संकरन नायक	
	2. भानु चौ० दास	
	3. जयराम राउथ राय	
	4. चन्द्रा सेखर नायक	
	5. गंगाधर साहू	
	6. आखया कुमार नायक	
	7. दुर्जयाधाना नायक	
	8. पदम पुजारी	
	9. मित्या मन्दा बिहारा	

1	2	3
	10. बंशीधरा बेचारा	
	11. हादू बेहारा	
	12. महतो साहू	
	13. अर्जुन दास	
	14. आरता प्रधाना	
	15. अन्विता प्रधाना	
	16. नारायणा साहू	
	17. परसुराम प्रधान	
	18. धर्म प्रधान	
	19. लखना प्रधान	
	20. ब्रिन्द बना प्रधान	
	21. प्रहालादा प्रधाना	
	22. आमरा प्रधाना	
	23. होमा प्रधाना	
	24. नेत्रा नन्दा बेटल	
	25. चतुरभिज बेटल	
	26. गंगा सासमल	
	27. आरता साहू	
	28. बंसीधर बिसवाल	
	29. पान साऊ	
	30. परनो चौ० साहू	
	31. प्रहलादा शा	
	32. बाभुदेवा जैना	
	33. बंशीधरा जैना	
	34. घनश्याम जैना	
	35. सर्वेश्वर पात्रा	
	36. आपाती स्वैन	
	37. भाबना भुई	
	38. केल प्रधान	
	39. रामा प्रधान	
	40. लाखाना महापात्रा	
	41. प्रावकरा दालुई	
	42. नकुल त्रिपाठी	
	43. जागी दालुई	
	44. परना चा० प्रधान	
	45. सुरेन्द्रा साहू	
	46. दिजाराज मुझी	
	47. कल चरण नायक	
	48. सकेरा भई	
	49. बन प्रधाना	
	50. प्रफुल्ला नायक	
	51. दुजाधान नायक	
	52. पतिराज केंओट	
	53. सरजा केओट	
	54. बोबनदन केओट	

1	2	3

55. लखी कान्ता साहू
56. राम सेवक पाम्बान
57. लखी कान्ता नायक
58. रबिन्द्रा नाथ बेहारा
59. कुमार साहू
60. बधी साहू
61. दरानीधर जैना
62. भीम सैन शा
63. धनेश्वर शा
64. साथिया पारिधा
65. रामचन्द्रा पटनायक
66. निलमोनी पारिदा
67. श्रीनाथ साहू
68. काशी नाथ महंती
69. वशीधर पात्रा
70. फागू पात्रा
71. अर्जन शा
72. दुर्गाधर स्वैन
73. घनी शान दास
74. प्रहलाद सेठी
75. वेनु शा
76. लखमी धर बेहारा
77. दायत्री भुइती
78. कार्तिक बेहारा
79. बनामाली सेठ
80 कपिल शा
81. संभु नाथ बिस्वाल
82. कुमार भुई
83. दासो भुई
84. द्रीबो प्रधान
85. पाहीली सेठी II
86. गोपाल स्विन
87. सत्रु घना प्रधान
88. चन्द्रामोनी पोलाई
89. काल प्रधान
90. घनी दास
91. कृष्णा चा० बेहरा
92. भिकारी शा
93. जगाबन्धु साह
94. दाभा बेहारा
95. त्रिनाथ महती
96. क्षेत्रा मोहन मोहंती
97. ब्रज बंधु स्विन
98. बहादुर
99. सुबोल स्विन

1	2	3
7. मैसर्स मोनीलाल घोष, जोरहट, पो० ग्रो० ग्रबदुल, जिला हावड़ा।		सर्वश्री 1. फाल राम भाटा 2. बालाराम भाटा 3. बनेश्वर दास 4. किशोरी मोहन मंडी 5. खगेन पाल 6. कमल मंडल 7. मनोरंजन घाडा 8. मुकुन्दा मैटी 9. मनोरंजन सामान्ता 10. सन्यासी भियान 11. नाती बासी पाल 12. मधुसूदन बेरा 13. सतिरंजन बेरा 14. ग्रांद्रा कुमार प्रधान 15. नंदी कुमार प्रधान 16. दिलीप कुमार दास 17. प्राफुल्ला मंडल 18. कालीपदा पाल 19. जयदेव मैटी 20. जुधिष्ठर बेरा 21. साहादेव काबाटी
8. मैसर्स एस० के० सामन्ता, 6, मलिक घाट रोड, रामकृष्णापुर, हावड़ा।		सर्वश्री 1. पदभालव देव 2. दामोदर स्वैन 3. रघुराथ स्वैन 4. मदना दुलाई 5. कृष्णा चा० बिजुली 6. हरीपदा पात्रा 7. कालदी चा० देव 8. दमन शाहू 9. बुधन शाहू 10. बासु महात्या 11. सामिली महात्या 12. लटन परसामन 13. बसत परसामन 14. श्री परसामन 15. गनेश परसामन 16. रामलाल परसामन 17. लछीमी परसामन 18. मदीमी परसामन 19. रामबालक 20. प्रियानाथ शाहानी (सरदार) 21. खाहन चा० नायक

1	2	3
		22. परितोश दास
		23. माथुर दुलई
		24. बाबाजी पा० रेउत
		25. लच्छु परसामन
		26. गमशी परसामन
		27. दामोदर परसामन
		28. मानिक परसुमन
		29. बालेश्वर परसुमन
		30. नारा सिह महत
		31. सारोमन पारामन
		32. रामजी चौधरी
		33. महाबीर पारामान
		34. कमलेश्वर पारासेमन
		35. रघुनन्दन परसामन
		36. छोटन परसामन
		37. शनिश्चर परसामन
		38. बनारशी परसामन
		39. बसुदेव चौधरी
		40. नंदारानी देवी
		41. अंगूरबाला देवी
		42. लीला बाला देवी
9. मैसर्स जगबंधु सरकार, गांव लतीफपुर, पो०ओ०उलबेरिया, जिला हावड़ा	सर्वश्री	
	1. भोला नाथ मल	
	2. सीतल मलिक	
	3. नंदा मैटी	
	4. बिस्वानाथ बजानी	
	5. नैमाई चरण पारल	
	6. सुधीर कुमार बेग	
	7. झाट चरण मण्डल	
	8. सुनील चन्द्रा हजारा	
	9. मधुसुदन मन्ना	
	10. मृत्युंजय सामंता	
	11. अभिमन्यु प्रामानिक	
	12. सतीश चरण पंजा	
	13. सनातन कायल	
	14. विजय दास	
	15. जिबन पंजा	
	16. इंद्रा चरण पंजा	
	17. गोबिन्दा नस्कर	
	18. जलाधर मिडे	
	19. नेमाई प्रमानिक	
	20. महेन्द्रा नास्कर	
	21. केस्तो चरण रा	

1	2	3
9 मैसर्स जगबन्धु सरकार, गांव लतीफपुर, पो० ओ० उलबेरिया, जिला हावड़ा	22. अधीर चरण बेग 23. गोकुल बेग 24. गोपाल मण्डल 25. बालाराम दोलुई 26. राधानाथ मण्डल 27. पाबन पंजा 28. नेमाई बेग 29. नादीबासी सामंता 30. अभिमन्या मेटिया 31. रामपदा मना 32. कालीपदा मण्डल 33. बिस्वानाथ बेरा 34. जुधिस्ठर प्रामानिक 35. भारत बासी सामता 36. जितन बेग 37. भारत चरण राणा 38. श्याम चरण हजारा 39. हाबल पारेल 40. मिशना चरण मलिक 41. कनाई खान 42. सस्ती चरण पाराई 43 महादेव नस्कर 44. लाखन मलिक 45. कटिक मण्डल 46. प्राहलाद मण्डल 47. बालाराम पारेल 48. जिबन पंजा 49. प्राणकृष्णा पारेल 50. मनिक मलिक 51. नेपाल दोलुई 52. रतन मलिक 53. गोलुक मखल 54 जगदीश सामंता 55. अमंदा मैटी 56. नितई बजानी 57. बादल हजरा 58. साधु गुरहा 59. बिमती कायल 60. कुबीर पंजा 61. धुबा मण्डल 62. सादानंदा प्रमानिक 63. नादी राम चक्राबर्ती 64. गौर पात्रा 65. मन्मथा मलिक	

1	2	3
9 मैसर्स जगबंधु सहकार, गांव लतीफपुर, पो० ग्रो० उलबेरिया, जिला हावड़ा	66. श्यामा चा० राय 67. काला दलुई 68. प्रसाद धरा 69. संतोष कु० मलिक 70. बोगर्धन गायान् 71. रतन मलिक (II) 72. महावासरा मलिक 73. कालीपदा ग्राण्	
10. मैसर्स बिमल कुमार सिंह 220, नस्करपारा रोड, पो० ग्रो०, घुसरी, जिला हावड़ा ।	सर्वश्री 1. सुरेन्द्र नाथ तिवाडी 2. बिदेशी बाहतो 3. राम सुकीत मंडल 4. सीता राम मण्डल 5. ग्रजीत कुमार मण्डल 6. चरित्र राम 7. राम देव रजक 8. कष्णा राम 9. मुनी महतो 10. बच्चा साह 11. राम बहादुर साह 12. जगदीश मण्डल 13. बुधम साह 14. मुखो यादव 15. हीरा सिंह 16. सुन्दर पासवान 17. पलेट मण्डल 18. महेन्द्रा--II 19. तिलक धारी सिंह 20. महेन्द्रा एम० ग्राई० 21. जोगेन्द्रा मण्डल 22. सीता राम सिंह 23. करधान सिंह 24. सत्य नारायण सिंह 25. नारायण महतो 26. राम बिलास राय 27. महाबीर साह 28. राजेन्द्र सिंह 29. राधा देवी 30. गोथी महतो 31. केवार महतो 32. राम चन्द्रा राम 33. राम देव राम 34. फरूक	

1	2	3
10	मैसर्स बिकल कुमार सिंह 220, नस्करपारा रोड, पो०ओ० धुसरी, जिला हावड़ा ।	35. राम लक्ष्मी 36. सिंह शान भारती 37. राहल 38. जगदीश दास 39. भागवत सिंह 40. राम अशीस दास 41. नकुल पासवान 42. राम चा० राम 43. जुगल पास्वान 44. शाह देव मिश्र 45. कृष्ण पासवान 46. कृष्णा पासवान 47. रामजनम पंडित 48. शारा पासवान 49. जलेश्वर पासवान 50. बलेश्वर महतो 51. भोला मण्डल 52. गोपी शाह 53. जय नन्दन सिंह 54. राम चन्द्रा दास ।। 55. जगेन्द्रा पासवान 56. शिओ नन्दन गोप 57. मुंशी महतो 58. धनिया पाला 59. राम चन्द्रा महतो 60. समुन्दर दास 61. बालक राय 62. झाकिा दास 63. राजेन्द्रा राम 64. सीता राम दास 65. प्रागस दास (साबेरी) 66. भागीरथ पासवान 67. कृष्णा नन्दन पासवान 68. मुंशी पासवान 69. शाधू सरण महतो 70. कमश्वर शाह 71. नारायण सिंह 72. चामों महतो 73. जल धारी पासवान 74. राम लगन यादव 75. सनिचर रविदास 76. बूदी पासवान 77. केदार राम 78. बूज नन्दन पासवान

1	2	3
10.	मैसर्स बिमल कुमार सिंह 220, नस्करपारा रोड पो० ओ०, घूसरी, जिला हावड़ा	79. गोटे लाल पासवान 80. छूत 81. लछमी कुलासी 82. आरती राय 83. शिओं धारी दास 84. करण शाह
11.	मैसर्स सूरत कुमार मंडल 5, मलिक घाट रोड, रामकृष्णोपुर, पो०ओ०, तथा जिला हावड़ा,	सर्वश्री 1. मधुसदन 2. जय किष्णा गोरे 3. राम लखन चौधरी 4. अनिक पासवान 5. रामेश्वर रजक 6. झपसी राय–1 7. महबीर महतो 8. रामबचन महतो 9. जगदेव लाल 10. हरी सकेश मोंडल 11. राम लखन महतो 12. जगन चौधरी 13. दसरथी महतो 14. रामतहल महतो 15. सतेश्वर बेरा 16. बिसनदेव मोंडल 17. सिराखान मोंडल 18. सलन्दर मोंडल 19. कमली मौडल 20. भिसरी राम 21. सहदेव महतो 22. रामनाथ शा 23. सनिचर पासवान 24. अच्छालाल पासवान 25. झपसी राय-11
12.	मैसर्स ए० के० सामादार 15, काली प्रसन्ना सिघामिया रोड, कलकत्ता ।	सर्वश्री 1. चेतन राउत 2. गोपेन्द्र स्वैन 3. खोतरा मोहन स्वैन 4. चन्द्रा मोनी स्वैन 5. भगु सेठी 6. अधिकाता दास 7. भग स्वैन 8 चरण दास 9 जातेनधारी दास 10 अर्जुन लेन्का 11 बाल कृष्णा राउत

1	2	3
		12. अली लेन्का 13. नयो लेन्का 14. चहाली चा० स्वैन 15. बिपिन जेना 16. बिपिन नायक 17. भोंली स्वैन 18. नाथ वैन 19. धोली स्वैन 20. मोहादेब स्वैन 21. श्यामसुंदर दास 22. राधेश्याम दास 23. खोतरा मोहन स्वन 24. दसरथी शा 25. परना नंदा स्वैन 26. नोतेरा नंदा स्वैन 27. गनोरी शां 28. लखन पासवान 29. श्री कृष्णा शा 30. मनी नायक 31. मधाब नंदा मलिक 32. सुकदेव राउत 33. सत्यानंदा बिसवाल
13. मैसर्स धर एण्ड कम्पनी 41/1 सुरेन्द्रा बोस एवेन्यू, कलकत्ता—4		सर्वश्री 1. बेदरसाहू 2. श्री रामी चन्द्रा रोठ 3. बेनामाली साहू 4. मंगुली दास 5. गुनां दास 6. चहाली बहेरा 7. पासो बिसवाल 8. झारी लोंका 9. बिन्दाबन जना 10. भास्कर जैना 11. पारी स्वैन 12. गोबिन्दा चा० बेहारा 13. चितरंजन मैटी 14. सोनातन दास 15. कैलाश टैन्टी 16. मिसरी मोंडल 17. गोपीनाथ मोंडल 18. सरबेस्वर नायक 19. बासुदेब मोंडल 20. राजभालम मोंडल

1	2	3
		21. देबनाथ मौडल
		22. भ्रमरबरा लेम्का
		23. दिवाकर मौडल
		24. जटाधारी दास
		25. नेहुल कांडी
		26. उत्तम कु० स्वैन
		27. रतन कु० दास

[सं० एल०-42012/18/71-एल०आर० III]

New Delhi, the 17th December 1971

S.O. 520.—Whereas a vacancy has occurred in the office of the presiding officer of the Labour Court with headquarters at Bangalore, constituted by the notification of the Government of India in the Ministry of Labour and Employment, No. S.O. 459, dated the 5th February, 1963;

Now, therefore, in pursuance of the provisions of section 8 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby appoints Shri P. Srinivasacharya as the presiding officer of the Labour Court constituted as aforesaid.

[No. F.S. 11025/46/71-LR.I.]

नई दिल्ली, 17 दिसम्बर 1971

का० आ० 520—यतः भारत सरकार के श्रम और रोजगार मंत्रालय की अधिसूचना सं० का० आ० 459, तारीख 5 फरवरी, 1963 द्वारा गठित श्रम न्यायालय, जिसका मुख्यालय, बंगलौर है, के पीठासीन अधिकारी का पद रिक्त हो गया है,

अतः अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 8 के उपबंधों के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा श्री पी० सिरीनिवासाचार्य को उपयुक्त रूप में गठित श्रम न्यायालय का पीठासीन अधिकारी नियुक्त करती है।

[सं० फा० एस० 11025/46/71-एल० आर० 1]

New Delhi, the 20th December 1971

S.O. 521. Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the Central Bank of India and their workmen in respect of the matter specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, No. 2, Bombay constituted under section 7A of the said Act.

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Central Bank of India, Itwari Branch in reverting Shri D. S. Neulkar, Cash Peon to the post of a Peon and thereby depriving him of special allowance was justified? If not, to what relief is he entitled?"

[No. L. 12012/50/71/LRIII.]

नई दिल्ली, 20 दिसम्बर, 1971

का० आ० 521— यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनूसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में सेंट्रल बैंक आफ इंडिया के प्रबन्ध से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है ;

और यत. केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है ;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण (सं० 2), बम्बई को न्याय निर्णयन के लिए निर्देशित करती है ।

अनूसूची

क्या सेंट्रल बैंक आफ इंडिया, इटारसी शाखा के प्रबन्ध मंडल का श्री डी० एच० न्यूलकर, रोकड चपरासी को, चपरासी के पद के पद पर पदावनति करने और एतद्द्वारा विशेष भत्ता न देने की कार्यवाही न्यायोचित थी ? यदि नहीं, तो वे किस अनूतोष का हकदार है ?

[सं० एल०-12012/50/71-एल० आर० III]

New Delhi, the 22nd December 1971

S.O. 522.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the Hindustan Commercial Bank Limited and their workmen in respect of the matter specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Industrial Tribunal, Delhi constituted under section 7A of the said Act.

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Hindustan Commercial Bank Limited in not absorbing Shri Mohinder Kumar Khanna

clerk of their Connaught Place branch against permanent vacancy and subsequently terminating his services with effect from the 2nd August, 1971 is justified? If not, to what relief is he entitled?"

[No. L. 12012/98/71-LRIII.]

S. S. SAHASRANAMAN, Under Secy.

नई दिल्ली, 22 दिसम्बर, 1971

का० आ० 522.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में हिन्दुस्तान कमर्शियल बैंक लिमिटेड के प्रबन्ध से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है ;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्याय निर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है ;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित औद्योगिक अधिकरण, दिल्ली को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है ।

अनुसूची

क्या हिन्दुस्तान कमर्शियल बैंक के प्रबन्ध मंडल का अपनी कनाट प्लेस शाखा के लिपिक श्री महिन्द्र कुमार खन्ना का स्थायी पद पर आमेलित न करने और तदोपरान्त 2 अगस्त, 1971 से उसकी सेवाएं समाप्त करने की कार्यवाही न्यायोचित है ? यदि नहीं, तो वह किस अनुतोष का हकदार है ?

[सं० एल० 12012/98/71-एल० आर० III)

एस० एस० सहस्रनामन, अवर सचिव ।

Department of Labour and Employment

New Delhi, the 27th December 1971

S.O. 523.—The following draft of a scheme further to amend the Bombay Dock Workers (Regulation of Employment) Scheme, 1956, which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the Dock Workers (Regulation of Employment) Act, 1948 (9 of 1948), is published as required by the said sub-section for the information of all persons likely to be affected thereby; and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration on or after the 17th February, 1972.

Any objections or suggestions which may be received from any person with respect to the said draft before the date so specified will be taken into consideration by the Central Government.

Draft Scheme

1. This Scheme may be called the Bombay Dock Workers (Regulation of Employment), Amendment Scheme, 1971.

2. In the Bombay Dock Workers (Regulation of Employment) Scheme, 1956 (i) in clause 41, for the brackets and words "(whether in the reserve pool or on the monthly register)" the following brackets and words shall be substituted, namely:—

"(whether in the reserve pool or on the monthly register) not being a worker to whom the provisions of clause 41A apply".

(ii) after clause 41, the following clause shall be inserted, namely:—

"41A.—Wages, allowances and other conditions of service of Foreman, Chargeman, Stevedore Tindal, Winchman, Hatch Foreman, Stevedore worker-senior, Stevedore worker-junior, Tally and Sorting Clerks.—

(1) Without prejudice to the provisions of the Award, it shall be an implied condition of the contract between a registered dock worker in the categories of Foreman, Chargeman, Stevedore Tindal, Winchman, Hatch Foreman, Stevedore, worker-senior, Stevedore worker-junior, Tally and Sorting clerks (whether in the reserve pool or on the monthly register) and registered employer that the rates of wages, allowances and overtime, hours of work, rest intervals, holidays and pay in respect thereof and other conditions of service shall be such as may be prescribed by the Board for each category of workers subject to provisions of sub-clauses (2), (3), (4), (5), (6) and (7).

(2) The Board shall appoint a committee consisting of representatives of registered employers, shipping companies, workers and the Bombay Port Trust and a nominee of the Central Government to determine the norms for output in respect of cargoes of different kinds, and/or lines and/Zones. Should the committee not be able to prescribe agreed norms within a period of two months of having been asked to do so, the Chairman of the Board may determine such norms and submit them to the Central Government for approval. These norms shall be adopted as standard output required of workers. The same procedure shall be followed if and when a revision of the norms is considered necessary by the Board.

(3) The Board shall by regulations relate the wages earned to the actual output of workers. The regulations shall be submitted to the Central Government for approval before implementation.

(4) The regulations framed under sub-clause (3) shall *inter alia* provide for the following:—

(i) A worker shall be entitled to the normal wage prescribed by the Board if he, with the other members of his gang, produces the standard output.

(ii) If the actual output of a gang is more or less than the standard output, the normal wage shall be enhanced or reduced in such proportion as may be determined by the Board:

Provided that the earnings of a worker shall in no case be lower than a guaranteed daily wage to be fixed by the Board from time to time subject to the condition that it shall not be less than 3/5th of the normal wage.

(iii) A worker will be entitled to a time-rate wage, to be prescribed by the Board, for any period or periods for which loading and unloading may be help up for reasons beyond the worker's control, such as inclement weather, non-availability of cargo;

(iv) Notwithstanding the provisions of item (ii), a worker or a gang of workers who fails to produce the standard output in more than 50 *percent of the shifts* worked during a month shall be liable to disciplinary action for inefficiency.

(5) Should the Board fail to devise suitable regulations under sub-clause (3), the Central Government

may direct the Board that a piece-rate scheme approved by the Central Government should be adopted and the Board shall be bound to carry out the directions so given.

(6) A worker on the monthly register shall draw wages on a calculated daily time-rate basis for the days for which he is entitled to payment but is not allotted any work.

(7) The Board may, if necessary, enforce the provisions of sub-clauses (1) to (6) of this clause in such stages as may be approved by the Central Government.

(8) The fixation of wage periods, time for payment of wages and deductions from wages shall be in accordance with the provisions of the Payment of Wages Act, 1936.

(9) Notwithstanding the provisions contained in sub-clauses (1) to (7), the Central Government may, if it so decides, set up such other body as it may deem fit for determining any or all of the matters referred to in the said sub-clauses and the decision of the Central Government on the recommendations of the said body shall be final and binding.

(10) The workers to whom this clause applies shall be governed by the provisions of clause 41 so long as—

(i) regulations have not been framed under sub-clause (3) and enforced, or

(ii) the Central Government has not issued a direction to the Board under sub-clause (5), or

(iii) the Central Government does not give any decision on the recommendations of the body under sub-clause (9)."

[No. 51/6/70-P&D.]

(श्रम और रोजगार विभाग)

नई दिल्ली, 29 दिसम्बर, 1971

का० आ० 523 --मुम्बई डाक कर्मकार (नियोजन का विनियमन) स्कीम 1956 में और आगे संशोधन करने के लिये एक स्कीम का निम्नलिखित प्रारूप जिसे केन्द्रीय सरकार डाक कर्मकार (नियोजन का विनियमन) अधिनियम, 1948 (1948 का 9) की धारा 4 की उप धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बनाने की प्रस्थापना करती है उस के द्वारा संभाव्यतः प्रभावित होने वाले सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिये उक्त धारा द्वारा यथा अपेक्षित प्रकाशित किया जाता है, और एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप पर 17 फरवरी, 1972 को या उस के पश्चात् विचार किया जाएगा ।

इस प्रारूप के बारे में किसी भी व्यक्ति से यथाविनिर्दिष्ट तारीख के पूर्व प्राप्त हुए आक्षेपों या सुझावों पर केन्द्रीय सरकार द्वारा विचार किया जाएगा ।

स्कीम का प्रारूप

1. इस स्कीम का नाम मुम्बई डाक कर्मकार (नियोजन का विनियमन) संशोधन स्कीम, 1971 होगा ।

2. मुम्बई डाक कर्मकार, (नियोजन का विनियमन) स्कीम, 1956 में, खण्ड 41 के पश्चात् निम्नलिखित खण्ड अन्तःस्थापित किया जाएगा; अर्थात् :—

(i) खण्ड 41 में "(आरक्षित पूल में या मासिक रजिस्टर में)" कोष्ठकों और शब्दों के स्थान पर, निम्नलिखित कोष्ठक और शब्द प्रतिस्थापित किए जाएंगे अर्थात :

"(आरक्षित पूल में या मासिक रजिस्टर पर)" किन्तु जो ऐसा कर्मकार नहीं है जिसे खण्ड 41 क के उपबन्ध लागू होते है ।"

(ii) खण्ड 41 के पश्चात् निम्नलिखित खण्ड अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

"41—क. फोरमैन, चार्जमैन, स्टीवडोर टिंडल, विंचमैन हैच फोरमैन, स्टीवडोर कर्मकार—ज्येष्ठ, स्टीवडोर कर्मकार—कनिष्ठ तथा मिलान और छंटाई लिपिकों को मजदूरी भत्ते और सेवा की अन्य शर्तें ।

(1) पंचाट के उपबंधों पर प्रभाव डाले बिना, फोरमैन, चार्जमैन, स्टीवडोर टिंडल, विंचमैन, हैच फोरमैन, स्टीवडोर कर्मकार-ज्येष्ठ, स्टीवडोर कर्मकार-कनिष्ठ, हैंच फोरमैन, मिलान और छंटाई लिपिक के प्रभावों के पंजीकृत डाक कमकारों, (चाहे आरक्षित पूल में या मासिक रजिस्टर पर) और पंजीकृत नियोजक के बीच की गई संविदा की यह एक विवक्षित शर्त होगी कि मजदूरी की दरें, भत्ते और अतिकालिक कार्य, काम के घन्टे, विश्राम अन्तराल, छुट्टियों और उन के बारे में वेतन और सेवा की अन्य शर्तें ऐसी होंगी जो उपखण्ड (2), (3), (4), (5), (6), और (7) के उपबंधों के अधीन रहते हुए कर्मकारों के प्रत्येक प्रवर्ग के लिए बोर्ड द्वारा विहित की गई हों ।

(2) बोर्ड पंजीकृत नियोजकों नौवहन कंपनियों, कर्मकारों, और मुम्बई पत्तन न्यास के प्रतिनिधियों तथा केन्द्रीय सरकार के नामित्त व्यक्ति को सम्मिलित कर के विभिन्न प्रकार, और/या लाइन्स और/या जोन के स्थौरा के बारे में काम के प्रमापों का अवधारण करने के लिये एक समिति नियुक्त करेगा । यदि समिति उसे ऐसा करने के लिए कहे जाने के दो मास के भीतर करार पाए गए प्रमापों को विहित न कर सकी तो बोर्ड का अध्यक्ष ऐसे प्रमापों का अवधारण कर सकेगा और उन्हे केन्द्रीय सरकार को अनुमोदन के लिए प्रस्तुत कर सकेगा । ये प्रमाप कर्मकारों से अपेक्षित मापदण्ड के अनुसार काम के रूप में अंगीकृत किए जाएंगे । यदि और जब प्रमापों के पुनरीक्षण पर बोर्ड द्वारा विचार करना आवश्यक समझा जाए, तब उसी प्रक्रिया का अनुसरण किया जाएगा ।

(3) बोर्ड अर्जित की गई मजदूरी का सम्बन्ध कर्मकारों के वास्तविक काम से विनियमों द्वारा स्थापित करेगा। विनियम कार्यान्वयन के पूर्व केन्द्रीय सरकार को अनुमोदन के लिए प्रस्तुत किए जाएंगे।

(4) उपखण्ड (3) के अधीन बनाए गए विनियम अन्य बातों के साथ साथ निम्नलिखित की व्यवस्था करेंगे :—

(i) कोई कर्मकार यदि वह अपनी टोली के अन्य सदस्यों के साथ मापदण्ड के अनुसार काम की पूर्ति करे, तो बोर्ड द्वारा विहित सामान्य मजदूरी का हकदार होगा।

(ii) यदि किसी टोली का वास्तविक काम मापदण्ड के अनुसार काम से ज्यादा या कम हो, तो सामान्य मजदूरी, बोर्ड द्वारा यथा अवधारित अनुपात मे, बढ़ाई या घटाई जाएगी;

परन्तु किसी कर्मकार का उपार्जन इस शर्त के अधीन रहते हुए कि वह सामान्य मजदूरी के 3—5 से कम नहीं होगा किसी भी दशा में बोर्ड द्वारा समय समय पर नियत की गई गारण्टीकृत दैनिक मजदूरी से कम नहीं होगा।

(iii) कोई कर्मकार किसी भी अवधि या अवधियों के लिए जिस में कर्मकार के नियन्त्रण के परे कारणों जैसे आंधी पानी वाला मौसम से स्थान उपलब्ध न होने से भारत का उतारना-चढ़ाना रुक जाए, बोर्ड द्वारा विहित की जाने वाली कालानुपाती दर से मजदूरी का हकदार होगा।

(iv) मद (ii) के उपबन्धो के होते हुए भी कोई कर्मकार या कर्मकारों की टोली जो एक मास मे कार्य करने वाली पारियों की 50 प्रतिशत से अधिक में मापदण्ड के अनुसार काम की पूर्ति करने में असफल रहती है अक्षमता के लिए अनुशासनिक कार्यवाही के दायित्वाधीन होगा/होगी।

(5) यदि बोर्ड उपखण्ड (3) के अधीन यथोचित विनियमों को बनाने में असफल रहे तो केन्द्रीय सरकार बोर्ड को निदेश दे सकेगी कि वह केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित एक मात्रानुपाती दर स्कीम अंगीकृत करे और बोर्ड इस प्रकार दिए गए निदेशों को कार्यान्वित करने को आबाध्य होगा।

(6) मासिक रजिस्टर पर का कर्मकार उन दिनों के लिए, जिन के लिए वह सदाय का हकदार है किन्तु कोई कार्य उसे आवंटित नही किया गया है परिकलित दैनिक कालानुपाती दर से मजदूरी लेगा।

(7) बोर्ड, यदि आवश्यक हो, इस खण्ड के उपखण्ड (1) से (6) के उपबंधों को ऐसे प्रक्रमों में, जिन्हें केन्द्रीय सरकार अनुमोदित करे, प्रवर्तित कर सकेगा।

(8) मजदूरी अवधियों, मजदूरी के संदाय के समय और मजदूरियों से कटौतियों का नियतन मजदूरी संदाय अधिनियम, 1936 के उपबंधों के अनुसार होगा।

(9) उपखण्ड (1) से (7) में अन्तर्विष्ट उपबन्धों के होते हुए भी, केन्द्रीय सरकार यदि वह ऐसा विनिश्चिय करे उक्त उपखण्डों में निर्देशित किसी एक या सभी विषयों को अवधारित करने के लिए ठीक एक ऐसा अन्य निकाय जैसा वह ठीक समझे स्थापित कर सकेगी, और उक्त निकाय की सिफारिशों पर केन्द्रीय सरकार का विनिश्चय अन्तिम और आबद्धकर होगा।

(10) वे कर्मकार जिन्हें यह खण्ड लागू होता है खण्ड 41 के उपबंधों से तब तक शासित होंगे जब तक कि—

(i) उपखण्ड (3) के अधीन विनियम न बनाए जाएं और प्रवर्तन न किये जाएं; या

(ii) केन्द्रीय सरकार ने उपखण्ड (5) के अधीन बोर्ड को कोई निदेश नही दिया है, या

(iii) केन्द्रीय सरकार, उपखण्ड (9) के अधीन निकाय की सिफारिशों पर कोई विनिश्चय न दे।"

[सं० 51/6/70-पी० एण्ड डी०]

New Delhi, the 14th January 1972

S.O. 524.—Whereas certain draft scheme to amend the Calcutta Dock Clerical and Supervisory Workers (Regulation of Employment) Scheme, 1970, was published as required by sub-section (1) of section 4 of the Dock Workers (Regulation of Employment) Act, 1948 (9 of 1948), at pages 3256 and 3257 of the Gazette of India Part II—Section 3—Sub-section (ii) dated the 5th June, 1971, under the notification of the Government of India in Shram Aur Punarvas Mantralaya (Shram Aur Rozgar Vibhag) No. S.O. 2261 dated the 29th May, 1971, inviting objections or suggestions from all persons likely to be affected thereby, till the 7th July, 1971;

And whereas the said Gazette was made available to the public on 5th June, 1971;

And whereas the objections and suggestions received from the public on the said draft have been considered by the Central Government;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the said Act, the Central Government hereby makes the following Scheme to amend the Calcutta Dock Clerical and Supervisory Workers (Regulation of Employment) Scheme, 1970, namely:—

1. This Scheme may be called the Calcutta Dock Clerical and Supervisory Workers (Regulation of Employment) Amendment Scheme, 1972.

2. In the Calcutta Dock Clerical and Supervisory Workers (Regulation of Employment) Scheme, 1970,

(1) in clause 2,

In sub-clause (1)—

(a) in item (i) the words "but not more than adequate" shall be omitted;

(a) for item (iii) the following item shall be substituted namely —

(iii) progressive fulfilment of the ultimate objective of complete decasualisation

(c) after sub-clause (4) the following sub-clause shall be inserted, namely —

(5) Nothing in this Scheme shall apply to any worker who is engaged in work relating to the handling of salt or in performing Chipping and Painting work in the port"

(2) in clause 14 after sub-clause (1) the following sub-clause shall be inserted, namely —

(1A) The Board may if, considered necessary for the efficient performance of work, further classify the workers of any category in to sub-categories',

(3) in clause 16

(a) in sub item (i) of item (b) of sub-clause (5), for the figures and words "21 days minimum guarantee wages and gross daily wages that accrue to them for the days worked," the words and figures 'the gross daily wages that accrue to them for the days worked, subject to a minimum of 21 days gross daily wages in a month shall be substituted

(b) in item (a) of sub-clause (8) for the words figures and letter who were on 1st January 1970 in permanent employment of Shipping Companies or Steamer Agents on a monthly salary basis shall not be registered but they can work without being registered Their names shall be entered in Register C—employerwise and categorywise' the words, letter and brackets "whose names are entered in Register C (employerwise and categorywise) are not considered registered workers for the purposes of this Scheme, but they shall be allowed to work and carry out the duties and responsibilities of similar Dock Clerical and Supervisory workers registered under this Scheme" shall be substituted

(4) in clause 28,

after sub-clause (4), the following clause shall be inserted namely —

'(5) All workers whose names are entered in Register 'B' initially when this Scheme comes into force shall be paid a minimum of 21 days category to which he permanently belongs register subsequently shall be governed by the provision of sub-clause (2)

Note —For the purpose of this clause the word 'category" wherever it appears shall be deemed to include all classifications of sub-categories as may be made by the Board from time to time under clause 14

(5) in Schedule IV the sentences commencing with the words If the average and ending with the word shall never be decreased in the end shall be omitted

[No F S 68013/1/71-P&D]

New Delhi, the 19th January 1972

S O 525 —In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Arbitrator, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Messrs Ivan Milutinovic-PIM, Dredging Contractors Goa and their workmen, which was received by the Central Government on the 14th January, 1972

ARBITRATION AWARD UNDER SECTION 10A OF THE INDUSTRIAL DISPUTES ACT, 1947 IN RESPECT OF THE DISPUTE BETWEEN M/S IVAN MILUTINOVIC PIM, VASCO DA GAMA AND GOA DOCK LABOUR UNION VASCO DA GAMA

PRESENT

Shri O Maheepathi, Deputy Chief Labour Commissioner (Central) and Arbitrator, New Delhi

PARTIES TO THE DISPUTE AND APPEARANCES

Representing Employer

1. Shri D Todorovic Secretary
2. Shri K B Mahadeshwar Personnel Officer

} M/s. Ivan Milutinovic Pim, Vasco da gama

Representing Workmen

1 Shri Mohan Nair, General Secretary, Goa Dock Labour Union, Vascodagama

2 Shri M T Anthony
3 Shri K Soma Sekharan
4 Shri H C Kamarkar

} Members, Managing Committee of Goa Dock Labour Union

By an arbitration agreement published in the Gazette of India Part II, Section 3, sub-section (ii), dated 27-11-71 *vide* S O 5218, dated 19th November, 1971, the parties above-named had agreed to refer the following dispute to my arbitration under Section 10A of the Industrial Disputes Act, 1947 —

"(i) Whether the action of the management of Messrs Ivan Milutinovic-Pim, Dredging Contractors in Mormugao Harbour (Goa) in laying off 481 workmen from 1st September, 1971 to 24th September 1971 is justified?

(ii) If not, to what relief the workmen are entitled?"

The parties further agreed that the decision of the arbitrator shall be binding on them

2 Both the parties filed their statements of claim and also counter statements on the claims of the other party and I heard them personally at Sambhaji on 3 1-72 M/s Ivan Milutinovic-Pim have been awarded the contract work of capital dredging and reclamation at Mormugao Harbour by the Mormugao Port Trust as a result of global tender and they have undertaken this work with effect from February 1970 On 31-8 71, they issued a notice to their workmen as follows —

> The physical conditions of the project are found to be at such a variance from those estimated as per the contract, that it renders the contract void and in any case under the circumstances beyond our control it is not possible for the company to continue the said work any further as the company has already suffered heavy losses on this account so far The company has by its letter dated 26th August, 1971 has informed the Mormugao Port Trust authorities of the same All the workmen therefore are hereby informed that they are being laid off w e f 1-9 1971, initially for a period of seven days i e upto 8th September 1971 except those who are required for essential services for maintenance preservation and safety of the work already done etc "

They also notified in the same notice that such of the workmen concerned as are entitled to compensation under Section 25C of the Industrial Disputes Act 1947 will be paid compensation due to them provided they get themselves marked present by calling on their

Section personally in between 9.00 A.M. to 9.30 A.M. On the same day, they also notified the Assistant Labour Commissioner (Central), Vascodagama that they have laid off 481 out of a total of 574 workmen employed in the establishment w.e.f. 1-9-71 for the reasons indicated above.

3. Immediately on receipt of the lay-off notice, the General Secretary of Goa Dock Labour Union representing the workmen wrote to the Project Manager of M/s. Ivan Milutinovic-Pim stating that the reasons for the lay-off stated in the Annexure to the lay-off notice do not justify the action by the management in laying off 481 workmen, apart from the contents being vague in respect of compensation. In that letter, he further stated that if the management's contentions are correct, instead of stopping the work and laying off the workmen, a settlement could have been arrived at with the Mormugao Port Trust failing which the matter could have been raised in arbitration and secured compensation by substantiating their contentions and that in the circumstances, laying off the workmen was not justified. As a result of discussions held by the Assistant Labour Commissioner (Central), Vascodagama, both the employers and the union agreed for the extension of lay-off up to 15-9-71 and subsequently up to 24th September, 1971 in view of the pending negotiations between the contractors and their principals at the higher level. Following further discussions between the parties with the assistance of the A.L.C.(C), Vascodagama, a memorandum of settlement, dated 30-9-71 was signed in which the parties agreed that all the laid-off workmen will be paid, besides the lay off compensation at 50 per cent of wages in terms of Section 25C of the Industrial Disputes Act, an *ad hoc* advance equivalent to 50 per cent of the wages for the period of lay-off from 1-9-71 to 24-9-71. The management also agreed, as a matter of goodwill, that they will pay the lay-off compensation and the *ad hoc* advance even to workmen who have put in less than one year's continuous service. The parties also agreed that the dispute regarding justifiability of the lay-off and the demand for full payment of wages for the lay-off period will be referred to the arbitration of Shri O. Maheepathi, Deputy Chief Labour Commissioner (Central), New Delhi, under Section 10A of the Industrial Disputes Act, 1947.

4. The main contention of the employers was that the data supplied to them was incorrect and misleading about the nature of soil and silt and the materials which were available for reclamation, that they wrote to the authorities that they did not wish to continue the work and treat the agreement as cancelled, and that they would have been justified in closing down the establishment but they took a course which is not so arduous and difficult to the labour by laying off the workmen and in fact it would have been more economical for them to pack themselves for good instead of continuing on false hopes. They also stated that though their day-to-day financial commitments were heavy without any production, they did not wish to put their workmen to any financial hardship though they were within their rights to lay them off according to the provisions of the Industrial Disputes Act. They quoted the definition of "lay-off" in that Act and relied on the fact that lay off could be 'for any other reason' to give employment to the workmen They further stated that though they were perfectly within their rights to terminate the services of all the workmen after meeting all the obligations under the law, they refrained from taking these steps as they thought that something better may come out from the discussions to tide over the difficulties which are of physical and technical nature. They also denied that the lay-off was sudden and unilateral and stated that the union's contention that the lay-off was illegal and unilateral and as such the workmen are entitled to get full wages for the period of lay-off from 1-9-71 to 24-9-71 was baseless and without foundation. They denied that the lay-off was as a result of financial loss and stated that in fact they had raised the grades of their workmen effective from January 1971 which are considered to be the best in Goa and had also declared 10 per cent annual bonus to their workmen for the calendar year of 1970. They reiterated that it was only due to the circumstances beyond their control which compelled them to take this action of laying off the workmen even though they would have been justified in terminating the services of the workmen. They quoted the provisions of their certified Standing Orders which permit laying off of workmen and treating the period of unemployment as compulsory leave either with or without pay. They contended that "the words 'any other reason' must be construed to mean some reason analogous to the reasons specified in the Section and must be integrally in connection with production, that the several circumstances mentioned in the definition are different species of the same genus and the distinguishing features of that genus are those circumstances which rendered the employer unable to give employment i.e. beyond the control of the employer and from this point of view variance in physical conditions quite fits the definition in Section 2(kkk) of the Industrial Disputes Act, as well as in the wordings of the certified Standing Orders." They also mentioned that the management had agreed to pay the laid-off workmen including those who have put in less than one year's continuous service an *ad hoc* advance equivalent to 50 per cent of the wages for the period of lay off from 1-9-71 to 24-9-71 and they informed the workmen on 24-9-71 that the lay-off was lifted w.e.f. 25-9-71 though the work had not been resumed by then, and the actual work was started from 5-11-71, and as usual the management was generous enough not to continue the lay-off or to retrench the workmen.

5. On the other hand, the union contended that the lay-off was illegal and unilateral and as such the workmen are entitled to full wages for the period from 1-9-71 to 24-9-71 during which period they were illegally laid-off. They stated that the compelling reasons for the lay-off *viz.* physical connitions of the project found at variance with the estimated conditions could have been sorted out by invoking the arbitration clause in their contract to iron out their differences. They also stated that lay-off can take place only when the employer is unable to give employment to the workmen on account of shortage of coal or power or raw materials or accumulation of stocks or breakdown of machinery or for any other reason and that the reason stated by the management for lay-off does not come under the list of reasons specified in the definition of "lay-off" in the Industrial Disputes Act. In support of their contentions, they cited Supreme Court decisions in Dewan Tea Estate case (1964 I LIJ 358) and also in Karrabetta Estate case (1960 I LLJ 275). They therefore pressed that the lay-off was in contravention of Section 2(kkk) of the Industrial Disputes Act and that it was illegal and an illegal act cannot be justified and hence pleaded that the management be directed to pay full wages to the workmen laid-off.

6. The definition of "lay-off" as given in Section 2(kkk) of the Industrial Disputes Act, 1947 is as follows:—

> "(kkk) "lay-off" (with its grammatical variations and cognate expressions) means the failure, refusal or inability of an employer on account of shortage of coal, power or raw materials or the accumulation of stocks or the breakdown of machinery or for any other reason to give employment to a workman whose name is borne on the muster rolls of his industrial establishment and who has not been retrenched;"......

The Supreme Court in the two decisions referred to earlier had stated that "any other reason" should be construed to mean reason similar or analogous to the preceding reasons specified in the definition and the

Supreme Court did not think that Section 25C recognises the inherent right of the employer to declare lay-off for reasons which he may regard as sufficient or satisfactory in that behalf. As contended by the Union, the physical conditions of the Project which are reported to be at variance from those estimated as per the contract cannot be brought under the category of "any other reason." If the physical conditions were not what they were stated to be at the time of the contract it was open for the contractor to take recourse to the terms of contract regarding its revocation or revision. The employer is also at liberty to have closed down his establishment if he had chosen to do so. Further, the provisions of the contract between Mormugao Port Trust and M/s. Ivan Milutinovic-Pim provide for a procedure including that of arbitration for settlement of differences and disagreements. The contention of the management that they could lay-off their workmen under their Standing Orders without wages cannot hold good as any provisions of the Standing Orders which are in contravention of any statute cannot be enforced.

7. I have given careful consideration to the facts of the case and the various contentions of the parties and I have come to the conclusion that the lay-off resorted to by M/s. Ivan Milutinovic-Pim at Mormugao Harbour from 1-9-71 to 21-9-71 does not come strictly within the definition of "lay-off" as contained in Section 2(kkk) of the Industrial Disputes Act, 1947. As such, the lay-off cannot be said to be legal and an action which is not legal cannot be justified. I therefore answer part (i) of the reference in the negative and decide that the workmen involved are entitled to receive full wages for the lay-off period in question. As the employers have already paid full wages for the lay-off period, though as an *ad hoc* arrangement under a memorandum of settlement, the same shall be treated as full and final payment to the concerned workmen.

I give my award accordingly.

O. MAHIPPATHI,
Dy. Chief Labour Commissioner
(Central) & Arbitrator.

New Delhi, the 10th January 1972.

[No. L-36013/1/71-P&D.]

ORDERS

New Delhi, the 20th January 1972

S.O. 526.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Calcutta Port Commissioners, Calcutta and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta, constituted under section 7A of the said Act.

SCHEDULE

"Whether the demand of the staff of the Hi-Fix station, for being treated as Marine Staff, is justified? If so, what benefits and amenities should they be entitled to?"

[No. L-32011/14/71-P&D.]

आदेश

नई दिल्ली, 20, जनवरी 1972

का० आ० 526—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में कलकत्ता पत्तन आयुक्तों, कलकत्ता के प्रबन्ध से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, कलकत्ता को न्यायनिर्णयन के लिए निर्दिष्ट करती है।

अनुसूची

"क्या डी-फिक्स स्टेशन के कर्मचारी-वर्ग की समुद्री-कर्मचारी-वर्ग माने जाने की मांग न्यायोचित है ? यदि हां, तो वे किन लाभों और सुख-सुविधाओं के हकदार है ?"

[संख्या एल-32011/14/71-पी० एंड डी०]

New Delhi, the 24th January 1972

S.O. 527.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Messrs Roy and Chatterjee (Private) Limited, P.B. No. 39, Visakhapatnam and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A and clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri P.S. Ananth shall be the Presiding Officer, with headquarters at Hyderabad and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

SCHEDULE

Whether the action of the management of Messrs Roy and Chatterjee Private Limited, Steamer Agents and Stevedores Roychat Building, Visakhapatnam-1 in terminating the services of Shri G. R. Ambrose with effect from 17th September, 1971 is justified? If not, to what relief is the workman entitled?

[No. L-34011/3/71-P&D.]

नई दिल्ली, 24 जनवरी, 1972

का० आ० 527.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में मैसर्स राय एण्ड चटर्जी प्राइवेट लिमिटेड, पी०बी० सं० 39, विशाखापटनम-1 के प्रबन्ध से सम्बद्ध नियोजकों और उन के कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है;

और यतः, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है ;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7-क और धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है, जिसके पीठासीन अधिकारी श्री पी० एस० अंतथ होंगे जिनका मुख्यालय हैदराबाद में होगा और उक्त विवाद को उक्त औद्योगिक अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है ।

अनुसूची

क्या मैसर्स राय एण्ड चटर्जी प्राइवेट लिमिटेड, स्टीमर एजेंट एण्ड स्टीवडोर्स, रायचाट बिल्डिंग, विशाखापटनम्-1 के प्रबन्ध-मंडल की श्री जी० आर० अम्ब्रोस की 17 सितम्बर, 1971 से सेवाएं समाप्त करने की कार्यवाही न्यायोचित है ? यदि नहीं, तो कर्मकार किस अनुतोष का हकदार है ?

[सं० एल०-34011/3/71-पी०एण्ड डी०]

S.O. 528.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Messrs F.C.R. Machado and Sons, Stevedores, Vasco-da-Gama (Goa) and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal No. 2—Bombay, constituted under section 7A of the said Act.

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Messrs F.C.R. and Sons, Stevedores, Vasco-da-Gama in placing the workmen, Shri Hanumant Sawale Fadte, Supervisor, Shri Domnick Mathew Rodrick, Shri Paixao J. Menezes and Shri Godwin Piedade Fernandez, Foremen, in the scale of Rs. 150—4—170—5—195—6—225—7—260 at the time of implementation of the recommendations of the Wage Board for Port & Dock Workers, was justified ? If not, to what relief are the workmen entitled ?"

[No. L-36011/7/71-P&D.]

O. P. TALWAR, Dy. Secy.

का०आ० 528—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इसमें उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में मैसर्स एफ० सी० आर० मचादों एण्ड सन्स, स्टीवडोर्स, वास्को-डा-गामा (गोआ) के प्रबन्ध से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है

और यतः, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद का न्यायनिर्णयन के लिए निदेशित करना वांछनीय समझती है ;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) का धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिनियम (सं० 2) बम्बई, को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है ।

अनुसूची

क्या मसर्स एफ० सी० आर० मचादों एण्ड सन्स, स्टीवडोर्स, वास्को-डा-गामा के प्रबन्धमंडल का श्री हनमंत सावले फाड्टे, पर्यवेक्षक, श्री डोमनिक मथ्यू रोडरिक, श्री पी० साओ जे० मैजीस और श्री गोडविन पिडाडे फरनेंडस, फोरमेनों को पत्तन और डाक कर्मकारों के लिए मजदूरी बोर्ड की सिफारिश लागू करते समय 150—4—170—5—195—6—225—7—260 रु० के वेतन मान में रखने की कार्यवाही न्यायोचित थी ? यदि नहीं तो कर्मकार किस अनुतोष का हकदार है ?

[सं० एल०-36011/7/71-पा० एण्ड डी०]

ओ० पी० तलवाड़, अवर सचिव ।

(Department of Labour and Employment)

New Delhi, the 25th January 1972

S.O. 529.—In exercise of the powers conferred by section 8 of the Coal Mines Labour Welfare Fund Act, 1947 (32 of 1947), read with rule 3 of the Coal Mines Labour Welfare Fund Rules, 1949, the Central Government hereby appoints Shri N. P. Dube, Joint Secretary, Ministry of Labour and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) as Chairman of the Advisory Committee vice Shri R. Anandakrishna, and makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Labour and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. 2762, dated the 13th July, 1971, namely.—

In the said notification, against item 1, for the name of "Shri R. Anandakrishna" the name "Shri N. P. Dube" shall be substituted.

[No. S. 66012/3/71-MII.]

C. R. NAIR, Under Secy.

(श्रम और रोजगार विभाग)

नई दिल्ली, 25 जनवरी, 1972

का०आ० 529:—कोयला खान श्रम कल्याण निधि नियम, 1949 के नियम 3 के साथ पठित कोयला खान श्रम कल्याण निधि अधिनियम, 1947 (1947 का 32) की धारा 8 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा श्री आर० आनन्दकृष्ण के स्थान पर श्री एन० पी० दुबे, संयुक्त सचिव, श्रम और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) को सलाहकार समिति का अध्यक्ष नियुक्त करती है और भारत सरकार के श्रम और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना संख्या 2762, तारीख 13 जलाई, 1971 में और आग निम्नलिखिति संशोधन करती है, अर्थात् —

उक्त अधिसूचना में मद संख्या (1) के सामने "श्री आर० आनन्द कृष्ण" के नाम के स्थान पर "श्री एन० पी० दुबे" प्रतिस्थापित किया जाएगा ।

[सं० 660/2/3/71—एम० एस०II]

सी० आर० नायर, अवर सचिव ।

(Department of Labour and Employment)

New Delhi, the 28th January 1972

S.O. 530.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal (No. 1), Dhanbad, in the Industrial dispute between the employers in relation to the management of North Bhagatdih Colliery, Post Office Dhansar, District Dhanbad, and their workmen, which was received by the Central Government on the 24th January, 1972.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1 AT DHANBAD

In the matter of a reference under section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947.

REFERENCE NO. 32 OF 1971

PARTIES:

Employers in relation to the management of North Bhagatdih Colliery, P.O. Dhansar. Dist. Dhanbad.

AND

Their Workmen.

PRESENT:

Shri A. C. Sen, Presiding Officer.

APPEARANCES:

For the Employers.—Shri S. S. Mukherjee, Advocate, with Shri P. K. Bose, Advocate.

For the Workmen.—None.

STATE: Bihar. INDUSTRY: Coal.

Dhanbad, the 20th January 1972

AWARD

The present reference arises out of order No. L-2012/86/71-LR.II dated New Delhi, the 30th July, 1971 passed by the Central Government in respect of an industrial dispute between the parties mentioned above The subject matter of the dispute has been specified in the schedule to the said order which runs as follows:

"Whether the stoppage of work of Shri Shakti Prasad Das, Attendance Clerk, with effect from the 18th September, 1970, by the management of North Bhagatdih Colliery, Post Office Dhansar, District Dhanbad, is justified? If not, to what relief is the workman concerned entitled?"

2. Written statement on behalf of the employers was received on 13th September, 1971 and written statement on behalf of the workmen was received on 8th October, 1971 The case was fixed for final hearing *i.e.* to say for evidence and argument on the 1st of December, 1971 at 2 30 P.M. On 1st December, 1971 Shri P. K. Bose, Advocate appeared on behalf of the employers and filed 10 items of documents and Shri Rajballabh Prasad appeared on behalf of the workmen. With the consent of both parties the final hearing of the case was adjourned to 20th January, 1972 at 11 A.M.

3. When the case was taken up for hearing on 20th January, 1972 no one appeared on behalf of the workmen nor was the workman concerned personally present The employers however appeared through Shri S. S. Mukherjee, Advocate with Shri P. K Bose, Advocate. I waited for the appearance of the representative of the workmen till after 12.00 Noon.

4. From the conduct of the workmen it is clear that the workmen really have no dispute with the management. Had there been a real dispute they would have taken proper care to represent their case before the Tribunal on the final date of hearing. I am therefore constrained to hold that in fact there is no dispute between the management and the workmen. I accordingly pass a no dispute award in this case. Let a copy of this award be forwarded to the Ministry under section 15 of the Industrial Disputes Act, 1947.

(Sd.) A. C. SEN,
Presiding Officer.

[No. L/2012/86/71-LRII.]

S.O. 531.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal (No. 1), Dhanbad, in the Industrial dispute between the employers in relation to the management of Busserya Colliery of Messrs Busserya Colliery Company Private Limited, Post Office Kusunda, District Dhanbad and their workmen, which was received by the Central Government on the 22nd January, 1972.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1 AT DHANBAD

In the matter of a reference under section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947.

REFERENCE NO. 2 OF 1971

PARTIES:

Employers in relation to the management of Busserya Colliery of M/s. Busserya Colliery Co. (P) Ltd, P. O. Kusunda, District: Dhanbad.

AND

Their Workmen.

PRESENT:

Shri A. C. Sen, Presiding Officer.

APPEARANCES:

For the Employers.—Shri B. Joshi, Advocate on behalf of Old Employers, Shri J. N. P. Sahi, Labour and Law Adviser, Organisation for the Management of Coking Coal Mines (Government of India), P. O. Sijua, (Dhanbad).

For the Workman.—Shri B. Lal, Advocate.

STATE: Bihar. INDUSTRY: Coal.

Dhanbad, the 12th January, 1972

AWARD

The present reference arises out of Order No. 2012/42/71-LR.II dated New Delhi, the 17th May, 1971 passed by the Central Government in respect of an industrial dispute between the parties mentioned above. The subject matter of the dispute has been specified in the schedule to the said order which runs as follows:

"Whether the dismissal of Shri Bhola Gope, Night Guard, with effect from the 11th December, 1970 by the management of Busserya Colliery of Messrs Busserya Colliery Company Private Limited, Post Office Kasunda, District Dhanbad is justified? If not, to what relief is the workman entitled?"

2. Written statement on behalf of the employers was received in the office of this Tribunal on 2nd June, 1971, and the written statement on behalf of the workman was received on 5th June, 1971. 32 items of documents were filed on behalf of the employers on 23rd July, 1971 and 18 more documents were filed by the employers on 9th August, 1971. No document has been filed by the workman.

3. The case was fixed for hearing on 15th October, 1971 on a preliminary point, namely, whether the departmental enquiry was properly conducted or not. The preliminary point was heard on that date. Two witnesses were examined on behalf of the employers No witness was examined on behalf of the workmen

4. On 28th October, 1971 Shri B. Lal appearing on behalf of the workman filed an application stating that as the management of the colliery concern had been taken over by the Central Government, the Custodian General and the Custodian should be impleaded as parties to the proceedings. Notices were issued to the Custodian General and the Custodian to show cause by 18th November 1971, why they should not be added as parties to the proceeding. Two written statements in identical language were filed on 10th January, 1972 by Shri J.N.P. Sahi, one on behalf of the Custodian General and another on behalf of the Custodian. It may be noted that the hearing on the preliminary point took place on 15th October, 1971 in the absence of the Custodian General and the Custodian because the application for adding them parties was filed subsequent to that date. 13th January, 1972 was fixed for passing an order on the preliminary point.

5. I propose to consider the evidence and arguments on the preliminary point in order to give my decision on the preliminary point. Shri Bhola Gope the workman concerned was appointed on 1st December, 1965 as a Night Guard or Depot Guard in the Busserya Colliery. A chargeshcet dated 17th July, 1970 was issued to Shri Bhola Gope for riotous and disorderly behaviour, for disobedience of lawful order and also for remaining absent from duty without leave. Bhola Gope submitted his reply dated 26th August, 1970 to the above chargesheet, and the said reply was received by the employers on 3rd September, 1970.

6. Another chargesheet dated 20th August, 1970 was given to him on the allegation that he indulged in further riotous and disorderly behaviour on 17th August, 1970 Shri Bhola Gope submitted his reply dated 26th August 1970 to the above chargesheet and the said was received by the management on 3rd September, 1970.

7. Two separate domestic enquiries were held into the two chargesheets respectively dated 17th July, 1970 and 20th August, 1970. It has been alleged in paragraph 11 of the written statement submitted by the employers that in spite of repeated chances given to Shri Bhola Gope, he refused to attend the domestic enquiries and as such they had to be held in his absence.

8. In paragraph 12 of the said written statement it has been stated that in the departmental enquiries misconducts mentioned in the chargesheets dated 17th July, 1970 and 20th August, 1970 were satisfactorily established and that Shri Bhola Gope was therefore dismissed by a letter dated 11th December, 1970 by the Director of the company after he was satisfied that the misconducts against Shri Bhola Gope had been satisfactorily established. It has also been stated in paragraph 13 that the past records of Shri Bhola Gope were also not satisfactory and that he was suspended or warned several times in the past for proved misconducts.

9. The workmen have made serious allegations against the management in their written statement dated 2nd June, 1971. They have stated in paragraphs 3 and 4 that in 1969 workmen of this colliery enrolled themselves as members of the Koyala Mazdoor Panchayat, that they started some agitation for their genuine grievances, that Bhola Gope took a leading part in this agitation which culminated in a criminal proceeding U/S 107 Cr. P.C. against some of his co-workers. It has further been stated that while Bhola Gope was working in the office he was transferred on 15th February, 1970 to work as a Night Guard at the back side of the Director's Bungalow and that he accepted the said order and started his work at that place.

10. Their further case is that as the agitation continued for payment of wages as per recommendations of the Central Wage Board for Coal Mining Industry, the Manager changed Bhola Gope's place of duty from Director's Bungalow to No. 3 siding in a distant isolated area.

11. It has been alleged in paragraph 8 of the written statement that Bhola Gope fell ill with effect from 10th July, 1970 and was under the treatment of Dr. M. P. Singh, Civil Assistant Surgeon, Sadar Hospital at Dhanbad and that he sent an application with medical certificate to the Manager of the Colliery requesting for grant of sick leave. It has further been alleged in paragraph 9 that on receipt of the transfer order on 16th July, 1970 Bhola Gope went to the office of the Manager to hand over the medical certificate and application again with a prayer to grant him sick leave and that at the interview he also requested that his duty place should be changed from No. 3 siding to any other suitable place.

12. Their further case is that this simple request was concocted as a threat to the Personnel Officer, that on the same day namely 10th July, 1970 a report was made to the Police alleging apprehension of breach of peace and that Bhola Gope's co-workers were implicated in a criminal proceeding U/S 107 Cr. P.C.

13. According to the workmen, Bhola Gope remained sick under the treatment of Dr. M. P. Singh, Civil Assistant Surgeon, Sadar Hospital, Dhanbad till 9th August, 1970 when he was declared fit to join his duties but he was not allowed to join his duty on 10th August, 1970 after his recovery from illness. They have further stated that by a letter dated 12th August, 1970 received by Bhola Gope on 14th August, 1970 he was asked to give his reply to the chargesheet dated 17th July, 1970.

14. They admit that by a letter dated 20th August, 1970 another allegation for riotous behaviour and use of filthy language was made against Bhola Gope by the Manager. They have also given the gist of the allegation in paragraph 14 of their written statement.

15. On the question of departmental enquiry the version of the workmen is as follows. A date of enquiry into the allegations was fixed for 21st October, 1970. Bhola Gope went to the office of the Manager, the place appointed for the enquiry but there was none to hold the enquiry and he reported to the Manager in writing and also forwarded a copy of the same to the Assistant Labour Commissioner (C), Dhanbad for information. He received two letters both dated 26th October, 1970 on 7th November, 1970 by registered post in which was stated that enquiries would be held in the two chargesheets on 4th November, 1970 and 7th November, 1970.

16. They admit that the next dates for the two enquiries were fixed on 8th December, 1970 and 9th December, 1970. Their complaint is that the name of the Enquiry Officer was never intimated to Bhola Gope. Their further complaint is that though Bhola Gope went to the place of enquiry, there was none to hold the enquiry and that he reported the same to the Manager before leaving the place of enquiry. They have characterised the ex-parte enquiries that took place as merely a show. Their grievance is that Bhola Gope was denied the opportunity of listening to the witnesses on behalf of the prosecution and put his defence witnesses.

17. They have stated in paragraph 21 that as the copies of statements recorded on behalf of the prosecution were neither handed over nor sent to Bhola Gope by registered post, he could not produce his witnesses before the Enquiry Officer. They have also complained that no date was fixed for the production of defence witnesses to counter the statements of the prosecution witnesses. The enquiry proceedings, according to them, are vitiated, biased and perverse. They assert that as natural justice has been denied to Bhola Gope the proceedings should be quashed.

18. Let me now consider the evidence for the purpose of ascertaining whether the two enquiries were properly held or not and whether the management was justified in dismissing him on the two reports submitted by the Enquiry Officer in respect of the two

domestic enquiries held by him. The first domestic enquiry was held in respect of the charge contained in the chargesheet (Ext. M6) dated 17th July, 1970. The chargesheet is reproduced below:—

"Sri Bhola Gope,
B. Form No. S-44,
Busserya Colliery.

Dated the 17th July, 1970.

Dear Sir,

Sub:—Change of place of work and duties with effect from 9th July, 1970 to work as Depot Guard at No. 3 siding.

Ref:—Our letter dt. 9th July, 1970 and your letter dt. 16th July, 1970.

With reference to the above this is to inform you that on 9th July, 1970 you were asked to receive the letter and to attend duty at No. 3 siding but you have refused to accept the letter and did not yet attend your duty at No. 3 siding from 9th July, 1970, onwards.

You are also informed that on 16th July, 1970 at about 8 a.m. you along with others entered in Manager's office and demanded on threat from the Personnel Officer that your duty must be changed and you will not attend duty at No. 3 siding.

For your this riotous and disobedient behaviour the management will take suitable disciplinary action. However in the meantime you are asked to obey the order of transfer and join your duty at No. 3 siding at once failing which action will be taken against you for disobedience of the lawful order and also for remaining absent from duty without any authorised leave.

Yours faithfully,
Sd/-
Manager."

19. In the last paragraph of this chargesheet the Manager merely expressed the desire of the management to take suitable disciplinary action against Shri Bhola Gope for his riotous and disobedience behaviour. Nevertheless he was asked to obey the order of transfer and join his duty at once. He was warned that if he failed to do so action would be taken for disobedience of lawful order and also for remaining absent from duty without any authorised leave. It is very difficult to construe Ext. M6 as a chargesheet. Only a threat was held out to him that disciplinary action would be taken for his riotous and disobedience behaviour. Nevertheless he was asked to join his duty at No. 3 siding.

20. Shri Bhola Gope sent a reply to this alleged chargesheet which was received by the management on 23rd July, 1970. He stated in the said letter that his state of health did not permit him to work at No. 3 siding. He pointed out that he would be seriously prejudiced if some light work was not allotted to him as he was still very very weak. He assured that he would work at No. 3 siding when his health would permit him to do so. The Manager sent a reply to Bhola Gope by his letter dated 26th July, 1970. The subject matter of the said letter was as follows: "Change of place of work and duties with effect from 9th July, 1970 to work as Depot Guard at No. 3 siding." There was a reference in that letter to the two letters dated 16th July, 1970 and 21st July, 1970 written by Shri Bhola Gope to the management. The Manager denied that he had received any letter dated 16th July, 1970 or any oral information about the ill-health of Bhola Gope. He further pointed out that he had not till then received medical certificate in support of the alleged illness of Bhola Gope. He also pointed out that he had not received any leave application. He expressed his inability to find any reason why Shri Bhola Gope should not be able to work at No. 3 siding when he was ready and fit to work at No. 2 and 4 sidings or 39 incline. The concluding portion of the letter runs as follows: 'However you are asked again to obey the order of transfer and join your duty at No. 3 siding without further delay and submit an explanation why you did not so long join your duty at No. 3 siding, failing which, action will be taken against you for disobedience of lawful order and also for remaining absent from duty without any authorised leave from 9th July, 1970 onwards'.

21. Shri Bhola Gope sent a reply to the Manager by a letter dated 10th August 1970 wherein he stated that he was sick from 10th July, 1970 to 8th August, 1970 and that he became all right on 9th August, 1970. He sought for permission to join his duty with effect from 10th August, 1970. He sent a copy of the medical certificate along with the letter. Another copy of the medical certificate was sent by registered post.

22. The Manager sent a letter dated 12th August, 1970 to Shri Bhola Gope, which is reproduced below:

"To
Shri Bhola Gope,
B. Form No. S-44,
Busserya Colliery.

Dated the 12th August, 1970.

Dear Sir,

Re:—Your letter dated 10th August, 1970 received by hand with a copy of unsigned Medical Certificate dated 9th August, 1970 praying for order to join your duty from 10th August 1970 and your registered cover with A/D.

The above copy of medical certificate has been addressed to the Manager, Basuria colliery on which it has also been written "To whom it may concern". It does not bear any signature or Hospital seal.

We have further received on 11th August, 1970 a similar copy of above medical certificate dated 9th August 1970 sent by you under registered post with A.D. without any application with it.

There appears to be some interpolation in the date of both the copies of the medical certificates.

Even after your transfer to work in No. 3 siding no complaint of your alleged illness was heard from you nor you reported for treatment before the colliery Medical Officer.

You may join your duty at No. 3 siding and submit satisfactory explanation to the chargesheet dated 17th July, 1970 within 48 hours from the receipt of this letter. (A copy of chargesheet is enclosed).

Yours faithfully,
Sd./-

Encl: One. Manager."

23. In this letter also the Manager asked him to join duty at No. 3 siding and submit satisfactory explanation to the chargesheet dated 17th July, 1970 within 48 hours from the receipt of the letter.

24. This lengthy correspondence between the parties even after the submission of the chargesheet indicates that the management had no intention of treating the letter dated 17th July, 1970 as a chargesheet. Even if it is to be regarded as a chargesheet, it was conditional in nature. He was threatened with action if he failed to join his duty at No. 3 siding. I am therefore not inclined to attach much importance to the enquiry proceedings that took place on the basis of this chargesheet.

25. I may now turn to the chargesheet that was issued to Shri Bhola Gope on 20th August 1970 (Ext. M 21). The said chargesheet is reproduced below:

"Sri Bhola Gope,
B. Form No. S-44,
Busserya Colliery.

Dated the 20th Aug. '70.

Dear Sir,

SUB:—*Chargesheet for fighting, riotous and indecent behaviour.*

On 17th August, 1970 at about 9.15 a.m. you entered my office and threatened to kill me and the malik and also used slang and filthy languages calling mother, daughter and wife. You also threatened me and Time Keeper Sri A. B. Ghosh to come out from office when you with your followers will kill me and the Time Keeper and waited outside our office for the purpose.

At about 12 Noon when our office was closed and seeing us to come out, you along with Sri Dharamdeo Ram, Sri Rambilash Jadav (Singh) and others came in front of our office gate and when Sri A. B. Ghosn was following me to go to his quarter you tried to stop and assault Sri A. B. Ghosh by force and threatened to kill him but at the intervention of other staff and workers present you could not assault him and Sri A. B. Ghosh had to be given a lift with me and others in company's van car. You along with your followers then chased the car and you shouted that you will kill Sri A. B. Ghosh at his quarter or in the way whenever you will get a chance. At this Sri A. B. Ghosh became nervous and could not enter his quarter and I had to take Sri Ghosh at my Bungalow and give him shelter and protection.

Under the circumstances and in view of the above facts you are hereby asked to show cause within 48 hours from receipt of this chargesheet why disciplinary action should not be taken against you for the misconducts charged with or else we will take it that you have nothing to give.

Yours faithfully,
Sd./-
Manager."

26. This according to me is a chargesheet in the truest sense of the terms. It is unconditional and the charges too are specific. I shall examine the validity of the enquiry that took place on the basis of this chargesheet. Before taking up the question of enquiry, I shall like to refer the reply given by Sri Bhola Gope to the charge contained in the chargesheet dated 20th August, 1970. He admitted in his reply that he had received the said chargesheet on 26th August, 1970 by registered post. He characterised the charges as false and maliciously framed with ulterior motive to punish him for his trade union activities. According to him as he had been in the forefront of the agitation demanding due wages of the workmen and was associated with the several complaints lodged with the Asstt. Labour Commissioner (C), Verification, Dhanbad which were the subject matter of conciliation the management made one more attempt to get rid of him for his trade union activities. He denied that he abused the Attendance Clerk or threatened to kill him who was also a worker in the colliery as himself.

27. The Manager addressed a letter to Bhola Gope on the 14th September, 1970 in response to the reply dated 26th August, 1970 given by Bhola Gope to the chargesheet. The said letter of the management opens by saying that as Shri Bhola Gope denied the charges a departmental enquiry would be held on 25th September 1970 at 2.30 P.M. in the colliery office in his presence. He was asked to be present at the departmental enquiry at office on 25th September, 1970 at 2 P.M. with documentary evidence if any and witnesses in support of his case. He was warned that if he failed to attend the enquiry it would be held on the scheduled date in his absence.

28. It transpires from the deposition of M.W. 1 that Shri Bhola Gope did not attend the enquiry fixed on 25th September, 1970. The Enquiry Officer submitted his report as to what happened on 25th September, 1970. The relevant portion of his report runs thus:—"The above departmental enquiry was scheduled to be held on 25th September 1970 at 2.30 P.M. but the chargesheeted workman Shri Bhola Gope did not turn up even upto 3.30 P.M. although the other party with his witnesses has attended the enquiry in time. The departmental enquiry had therefore to be adjourned due to non-appearance of the chargesheeted workman, Sri Bhola Gope." The next date of enquiry was fixed on 5th November, 1970 and this fact was intimated to the workman, Sri Bhola Gope by letter dated 26th October, 1970 which was sent by registered post. Shri Bhola Gope did not attend the enquiry on 5th November, 1970 also. The Enquiry Officer submitted the following report as to what happened on 5th November, 1970: "..... ... the chargesheeted workman, Shri Bhola Gope did not turn up even upto 4.00 P.M., although the other party with his witnesses..... .....attend the enquiry in time. Shri N. Mukherjee has told that the management did not receive back the acknowledgement due for the letter dated 26th October, 1970 sent under registered post A/D to Sri Bhola Gope intimating him to attend the enquiry on 5th November, 1970 at 3.00 P.M. and Sri Mukherjee is in doubt whether the letter has since been delivered to the workman or not and also said that the enquiry may be adjourned.

Under the circumstances and also due to non-appearance of the chargesheeted workman the departmental enquiry is hereby adjourned'.

29. Another letter dated 23rd November, 1970 was sent to Sri Bhola Gope fixing the date of enquiry on 9th December, 1970. Shri Bhola Gope appears to have received the said letter on 2nd December, 1970 *vide* Ext. M 21(a). From the evidence of M.W. 1 it transpires that Sri Bhola Gope did not attend the enquiry on that date also namely 9th December, 1970. The domestic enquiry into the charges contained in the chargesheet dated 20th August, 1970 was held on 9th December, 1970 *ex-parte* in the absence of Bhola Gope. The proceedings of the departmental enquiry on the basis of the chargesheet dated 20th August, 1970 have been marked as Ext. M 49. I have gone through the entire proceedings. As many as six witnesses were examined on behalf of the management including the Manager. They were examined at great length and all of them were eye-witnesses at one stage or another of the incident that took place on 17th August, 1970. The Enquiry Officer submitted his report on 10th December, 1970. He has in his report thoroughly discussed the oral evidence given by the witnesses examined before him. The concluding portion of his report is as follows: "Under the circumstances and taking into view of my above conclusion I find that the charges namely for riotous and disorderly behaviour, for disobedience of lawful order and also for remaining absent from duty without any leave brought against Sri Bhola Gope are satisfactorily established and he is found guilty of the misconducts. The management therefore can take disciplinary action against the workman as it deems proper in this case,.....".

30. I am of the opinion that the domestic enquiry was properly held and that full opportunity was given to Sri Bhola Gope the chargesheeted workman to defend himself and to produce his witnesses and to cross-examine the witnesses produced by the management. The principles of natural justice were not violated in any way. The preliminary point as to the validity of the domestic enquiry is therefore found in favour of the employer. It is not necessary for the

management to lead independent evidence for the purpose of establishing the charge mentioned in the charge-sheet dated 20th August, 1970.

31. In view of my finding as to the validity of domestic enquiry I am bound to hold that the dismissal of Shri Bhola Gope with effect from 11th December, 1970 by the management of Busserya Colliery is justified. I, further hold that the workman concerned is not entitled to get any relief from the management. I pass an award accordingly. Let a copy of this Award be forwarded to the Central Government as required under section 15 of the Industrial Disputes Act, 1947.

Sd./- A. C. SEN,
Presiding Officer.

[No. L/2012/43/71-LRII.]

New Delhi, the 2nd February 1972

S.O. 532.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta, in the Industrial dispute between the employers in relation to the management of Bankola Colliery of Messrs Barrakar Coal Company, Post Office Ukhra, District Purdwan and their workmen, which was received by the Central Government on the 29th January, 1972.

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL AT CALCUTTA

REFERENCE No. 78 OF 1971

PARTIES:

Employers in relation to the management of Bankola Colliery of Messrs Burrakar Coal Company,

AND

Their workmen.

PRESENT:

Mr. S. N. Bagchi—*Presiding Officer.*

APPEARANCES:

On behalf of Employers—Sri S. A Akhtar, An Officer of the Company.

On behalf of Workmen—Sri R. Singh, President, Bankcla Workers Union.

STATE: West Bengal INDUSTRY: Coal Mines

AWARD

By Order No. L/1912/57/71-LRII, dated May 29, 1971, the Government of India, in the Ministry of Labour and Rehabilitation (Department of Labour and Employment), referred an industrial dispute between the employers in relation to the management of Bankola Colliery of Messrs Burrakar Coal Company and their workmen, to this Tribunal, for adjudication, namely:

"Whether, in view of the nature of duties performed by Shri Ramasray, the action of the management of Bankola Colliery of Messrs Burrakar Coal Company, Post Office Ukhra, District Burdwan in designating him as Shale Picker is justified? If not, to what relief is the workman entitled and from what date?"

2. The workmen filed their written statement. The management did not file any written statement On 22nd November, 1971 this Tribunal received a joint memorandum of settlement in respect of the dispute and today is fixed for recording the compromise and for passing necessary orders thereon

3. Sri S. A. Aktar is present on behaf of the management and Sri R. Sen is present for the workmen Heard both the representatives. Considered each of the items of Clause (i), sub-clauses (a), (b), (c) and (d) of the compromise petition. Sub-clause (a) is clearly for the benefit of the workman. His pay would be increased by 37 paise per day with immediate effect *i.e.* 11th November 1971. The worker, by sub-clause (b), would get after 3 months from the date of the compromise, provided his work is found satisfactory, a lift to the post of Loading Supervisor and would be graded as a monthly paid staff with a starting basic pay of Rs. 180 per month. This clause is also very much beneficial to the workman concerned. By sub-clauses (c) and (d) the Union shall have no claim whatsoever in relation to the dispute and the dispute is fully and finally settled between the parties.

4. Considering each and every clauses of the settlement and hearing the representatives of the parties, I find that the compromise is just, fair and equitable and resolves the dispute between the parties. Accordingly, I record the compromise and pass an award in terms of the compromise field before me to which neither party objects. Let the petition of compromise form part of this award.

(Sd.) S. N. BAGCHI,
Presiding Officer.

Dated, January 20, 1972.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL, CALCUTTA

REFERENCE No. 78 OF 1971

Management of Bankola Colliery of the Burrakur Coal Co. Ltd., P.O. Ukhra, Dt. Burdwan

Vs.

their workmen represented through the Bankola Workers Union, Safique Nagar, P.O Ukhra, Distt. Burdwan.

Most respectfully *sheweth*—

(1) that the parties to the dispute have settled and resolved the differences on the following terms:—

(a) that the concerned person Shri Ram Ashray Kahar shall be paid the basic wages of Rs. 5.95 per day with immediate effect.

(b) His designation will be changed as Loading Supervisor after three months if his work is found satisfactory.

(c) The Union shall have no further claim whatsoever in relation to this dispute.

(d) This fully and finally settles the dispute pending before the Honourable Tribunal.

The parties to the dispute jointly pray that the Honourable Tribunal may be pleased to pass an award in terms of the above settlement.

For Workmen	*For Management*
1. (Sd.) RAJDEO SINGH, President. Bankola Workers' Union, Safique Nagar, P.O. Ukhra, Dt. Burdwan (West Bengal)	(Sd.) S. K. SINGH, Superintendent (Raniganje) and Principal Officer, Bankola Colliery, P O Ukhra, Dt. Burdwan (West Bengal)
2. (Sd.) RAMA ASHRAY KAHAR.	

Witness:
(Sd) J. SHARAN,
Personnel Officer (R)
Bankola Colliery,
P.O. Ukhra, Dt. Burdwan.

11th Nov. 1971.

No. L/1912/57/71-LRII.

ORDERS

New Delhi, the 19th October 1971

S.O. 533.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the Singareni Collieries company Limited. Post Office Kothagudium Collieries (Andhra Pradesh) and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication,

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A and clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal with Shri P. S. Ananth, as Presiding Officer with headquarters at Afzal Lodge, Tilak Road, Ramkote, Hyderabad-1, and refers the said dispute for adjudication to the said Industrial Tribunal.

SCHEDULE

"Having regard to the nature of duties performed by Sarvashri Bala Subramanyam, V. R. Bangari Rao, A. Chalapathi Rao and L. Sammiah, whether the management of Singareni Collieries Company Limited, Kothagudium is justified in not placing the above workmen in Category-V? If not, to what relief are the said workmen entitled?"

[No. L/2112/24/71-LRII.]

आदेश

नई दिल्ली, 19 अक्तूबर, 1971

का० आ० 533 .—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में सिंगरेनी कोलियरीज़ कम्पनी लिमिटेड, डाकघर कोठागुडियम कोलियरीज (आन्ध्र प्रदेश) के प्रबन्ध से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7-क और धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है जिसके पीठासीन अधिकारी श्री पी० एस० आनन्थ होंगे, जिनका मुख्यालय अफ़ज़ल लॉज, तिलक रोड, रामकोट, हैदराबाद-1 होगा और उक्त विवाद को उक्त औद्योगिक अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है ।

अनुसूची

'सर्वश्री बालासुब्रामन्यम, बी० आर० बंगारी राव, ए० चालापथी राव और एल० सामैयाह द्वारा की गई ड्यूटियों के स्वरूप को ध्यान में रखते हुए, क्या सिंगरेनी कोलियरीज़ कम्पनी लिमिटेड, कोठागुडियम के प्रबन्ध मण्डल का उक्त कर्मकारों को प्रवर्ग-V में न रखना न्यायोचित है ? यदि नहीं, तो उक्त कर्मकार किस अनुतोष के हकदार हैं ?"

[सं० एल०/2112/24/71-एल०आर०-II]

S.O. 534.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the Ramagundam Division I of Singareni Collieries Company Limited, Post Office Godavari Khani (Andhra Pradesh) and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A and clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal with Shri P. S. Ananth, as Presiding Officer with headquarters at Afzal Lodge, Tilak Road, Ramkote, Hyderabad-1, and refers the said dispute for adjudication to the said Industrial Tribunal.

SCHEDULE

"Whether the management of Ramagundam Division I of Singareni Collieries Company Limited is justified in designating Sarvashri V. Satyanaravana, N. Devdas L. Vamana Reddy and B. Lingaiah as Auxiliary Turbine Attendants and in placing them in Category III as per the Central Wage Board Recommendations for Coal Mining Industry? If not, to what relief are the said workmen entitled and from what date?"

[No. L/2112/28/71-LRII.]

का० आ० 534 —यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में सिंगरेनी कोलियरीज़ कम्पनी लिमिटेड की रामागुंडम प्रभाग 1 से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है ;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निदर्शित करना वांछनीय समझती है;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7-क और धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है जिसके पीठासीन अधिकारी श्री पी० एस० आनन्थ होंगे, जिनका मुख्यालय अफ़ज़ल लॉज, तिलक रोड, रामकोटे, हैदराबाद-1 होगा और उक्त विवाद को उक्त औद्योगिक अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है ।

अनुसूची

"क्या सिंगरेनी कोलियरीज़ कम्पनी लिमिटेड के रामागुंडम प्रभाग-1 के प्रबन्ध मण्डल का सर्वश्री बी० सत्यानारायना, एन० देवदास, एल० वामाना रेड्डी और बी० लिंगाइयाह का सहायक टरबाइन परिचरों के रूप में पदाभिहित और केन्द्रीय मजदूरी बोर्ड की कोयला खनन उद्योग सम्बन्धी सिफारिशों के अनुसार उन्हें प्रवर्ग-III में रखना न्यायोचित है ? यदि नहीं, तो उक्त कर्मकार किस अनुतोष के हकदार हैं ?"

[सं० एल०/2112/28/71-एल०आर० II]

S.O. 535.—Whereas the Central Government is of opinion that an indstrial dispute exists between the employers in relation to the Ramagundam Divisions I and II of Singareni Collieries Company Limited, Post Office Godavari Khani (Andhra Pradesh) and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A and clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal with Shri P. S. Ananth, as Presiding Officer with headquarters at Afzal Lodge, Tilak Road, Ramkote, Hyderabad-1, and refers the said dispute for adjudication to the said Industrial Tribunal.

SCHEDULE

"Whether the management of Ramagundam Divisions I and II of Singareni Collieries Company Limited, is justified in designating the following 55 workmen as Fitter/Electrical Mazdoors and denying them wages of Electrical/Fitter Helpers? If not, to what relief are the workmen entitled and from what date?

1. Gollapalli Sathaiah;
2. N. Rajam;
3. Kagithapu Chandraiah;
4. C. L. John;
5. Dubbasi Rajam;
6. Syed;
7. Muduthala Rajaiah;
8. Jaknaboyina Kanakaiah;
9. Poradla Lingaiah;
10. B. Rajalingam;
11. Ch. Raja Reddy;
12. Bismilla Khan;
13. Md. Raj Mohammad;
14. Neelam Venkat Rajam;
15. N. Achaiah;
16. Chenigarapu Rayamallu;
17. Chinna Lingaiah;
18. Syed Pasha;
19. Bairam Laxminaryana;
20. M. Rajaiah;
21. Prasada Rao;
22. Adepu Bheemaiah;
23. A. Lazar;
24. D. Ramaswamy;
25. M. Ram Reddy;
26. M. Joseph;
27. N. Gangam Rajam;
28. Jainullabuddin;
29. T. Someshwar Rao;
30. Ch. Rajaiah;
31. T. Srisylam;
32. B. Radhakrishna Murthy;
33. Raheemuddin;
34. Poli Rajalingu;
35. Nagabhushanam;
36. Buchi Ramulu;
37. Venkateswaraiah;
38. Mallapalli Chandraiah;
39. Elupula Narasiah;
40. G. Khagava;
41. E. Prakasham;
42. B. Suryanaryana;
43. Ganapathi Rao;
44. Jaffar Khan;
45. G. Ganpath;
46. V. Gopal Rao;
47. V. Chokka Rao;
48. Sk. Dawood;
49. Veeraswamy;
50. D. Gopal Rao;
51. K. Rajamallu;
52. M. Rajamallu;
53. M. Mallesham;
54. Goray Miya and
55. Raj Babu"

[No. L/2112/29/71-LRII.]

का० आ० 535—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में सिंगरेनी कोलियरीज कम्पनी लिमिटेड के रामागुंडम डिवीजन I और II डाकघर गोदावरी खनि (आन्ध्र प्रदेश) से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है ;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है ;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7-क और धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है जिसके पीठासीन अधिकारी श्री पी० एस० आनन्थ होंगे जिनका मुख्यालय अफजल लॉज, तिलक रोड, रामकोटे, हैदराबाद-1 होगा और उक्त विवाद को उक्त औद्योगिक अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है ।

अनुसूची

"क्या सिंगरेनी कोलियरीज कम्पनी लिमिटेड के रामागुंडम डिवीजन I और II के प्रबन्धमंडल का निम्नलिखित 55 कर्मकारों को फिटर/बिजली मजदूर के रूप में पदाभिहित करना और उन्हें बिजली/फिटर हैल्परों की मजदूरी देने से इन्कार करना न्यायोचित है ? यदि नहीं तो कर्मकार किस अनुतोष के और किस तारीख से हकदार है ?

1. गोल्लापल्ली साथाय्याह ;
2. एन० राजम ;
3. कागीथापु चन्द्राय्याह ;
4. सी० एल० जान;
5. दुब्बासी राजम;
6. सैयद;
7. मुदुथाला राजाय्याह ;
8. जाक्नाबोइना कनकाय्याह ;
9. पोरादूला लिंगांय्याह ;
10. बी० राजालिंगम ;
11. च० राजा रेड्डी ;
12. बिसिमिल्ला खां ;
13. मु० राज मोहम्मद ;
14. नीलम वैंकट राजम;
15. एन० अचाय्याह;
16. चेनिगारापु रायामाल्लु ;
17. चिन्ना लिंगाय्याह ;
18. सैयद पाशा;
19. बेराम लक्ष्मीनारायना ;
20. एम० राजाय्याह;

21. प्रसादा राव ;
22. अदेपु भीमाय्याह;
23. ए० लाजार;
24. डी० रामास्वामी;
25. एम० राम रेड्डी;
26. एम० जोसेफ; —फिटर सहायक ।
27. एन० गंगम राजम;
28. जैनाल्लाबुद्दीन;
29. टी० सोमेश्वर राव ;
30. ष० राजाय्याह ;
31. टी० श्रीसाइलम ;
32. बी० राधाकृष्णा मूर्थि ;
33. रहीमुद्दीन ;
34. पोली राजालिगु ;
35. नागाभूषानम ;
36. बुची रामुलु ;
37. वेंकटेस्वाराय्याह;
38. मारुलापल्ली चन्द्राय्याह ;
39. एलुपुला नर्सय्याह ;
40. जी० खगावा ;
41. ई० प्रकाशम् ;
42. बी० सूर्यानारायना ;
43. गनपथि राव ;
44. जाफ्फेर खां ;
45. जी० गनपथ ;
46. बी० गोपाल राव ;
47. बी० चोक्का राव ;
48. सक० दाऊद;
49. वीरास्वामी;
50. डी० गोपाल राव ;
51. के० राजामाल्लु ;
52. एम० राजामाल्लु ;
53. एम० माल्लेशम ;
54. गोरे मिया; और
55. राज बाबु—ई ;

[स० एल०/2112/29/71—एल० आर०-2]

New Delhi, the 22nd October 1971

S.O. 536.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the Singareni Collieries Company Limited, Post Office Kothagudium Collieries (Andhra Pradesh) and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A and clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal with Shri P. S. Ananth, as Presiding Officer with headquarters at Afzal Lodge, Tilak Road, Ramkote, Hyderabad-1, and refers the said dispute for adjudication to the said Industrial Tribunal

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Singareni Collieries Company Limited in not granting Category-V wages to Sarvashri Sk. Masthan, Noorul Rahiman, M. Dharam Raj, T. Venkateswarlu and Sofi Welders, is justified? If not, to what relief are the said workmen entitled?"

[No. L/2112/25/71-LRII.]

नई दिल्ली, 22 अक्तूबर, 1971

का० आ० 536.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में सिंगरेनी कोलियरीज़ कम्पनी लिमिटेड, डाकघर कोठागुडियम कोलियरीज़ (आन्ध्र प्रदेश) के प्रबन्ध से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7-क और धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है जिसके पीठासीन अधिकारी श्री पी० एस० आनन्थ होंगे, जिनका मुख्यालय अफ़ज़ल लॉज, तिलक रोड, रामकोट, हैदराबाद-1 होगा और उक्त विवाद को उक्त औद्योगिक अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है ।

अनुसूची

"क्या सिंगरेनी कोलियरीज़ कम्पनी लिमिटेड, के प्रबन्ध मंडल की सर्वश्री एस० मासथान, नूरुल रहिमान, एम० धर्म राज, टी वेंकटेस्वालु और साफ़ी वैल्डरों की श्रेणी-V की मजदूरी दरें न मंजूर करने की कार्यवाही न्यायोचित है ? यदि नहीं, तो उक्त कर्मकार किस अनुतोष के हकदार हैं ?"

[सं० एल०/2112/25/71-एल०आर०-2]

New Delhi, the 25th October 1971

S.O. 537.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Khas Govindpur Colliery of Messrs Khas Govindpur Coal Company Private Limited, Post Office Katrasgarh, District Dhanbad, and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal (No. 1), Dhanbad, constituted under section 7A of the said Act.

SCHEDULE

"Whether the claim of the workmen of Khas Govindpur Colliery of Messrs Khas Govindpur Coal Company Private Limited, that Shri

Mishree Bhuian, Line Coolly was illegally and unjustifiably stopped from work with effect from the 17th May, 1971, is correct? If so, to what relief is the workman entitled?"

[No. L/2012/161/71-LRII.]

नई दिल्ली, 25 अक्तूबर, 1971

का० आ० 537—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में मैसर्स खास गोविन्दपुर कोल कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड की खास गोविन्दपुर कोलियरी, डाकघर कतरासगढ़, जिला धनबाद के प्रबन्ध से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण (संख्या 1), धनबाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

"क्या मैसर्स खास गोविन्दपुर कोल कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड की खास गोविन्दपुर कोलियरी के कर्मकारों का यह दावा सही है कि श्री मिश्रा भुइया, लाइन कुली को 17 मई, 1971 से अवैध तथा अनुचित ढंग से काम से रोका गया? यदि हां, तो कर्मकार किस अनुतोष का हकदार है?

[सं० एल०/2012/161/71-एल०आर०-2]

S.O. 538.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Kankanee Colliery of Messrs Oriental Coal Company Limited, Post Office Bansjora, District Dhanbad and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal (No. 1), Dhanbad, constituted under section 7A of the said Act.

SCHEDULE

"Whether the action of the management of the Kankanee Colliery of Messrs Oriental Coal Company Limited, Post Office Bansjora, District Dhanbad, in stopping from work Shri Ali Hussain, Mining, Sardar with effect from the 1st February, 1971, is justified? If not, to what relief is the workman entitled?"

[No. L/2012/140/71-LRII.]

का० आ० 538.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में मैसर्स ओरिएंटल कोल कम्पनी लिमिटेड, की कानकनी कोलियरी, बांसजोरा, जिला धनबाद के प्रबन्ध से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण (संख्या 1) धनबाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

"क्या मैसर्स ओरिएंटल कोल कम्पनी लिमि ड की कानकनी कोलियरी, डाकघर बांसजोरा, जिला धनबाद के प्रबन्धमंडल की श्री अली हुस्सेन, खनन सरदार को 1 फरवरी, 1971 से काम से रोकने की कार्यवाही न्यायोचित है? यदि नहीं तो कर्मकार किस अनुतोष का हकदार है।"

[सं० एल० 2012/140/71-एल०आर०-2]

S.O. 539.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Central Kujama Colliery of Messrs Central Kujama Coal Concern, Post Office Jharia, District Dhanbad and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And, whereas, the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal (No. 1), Dhanbad, constituted under section 7A of the said Act.

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Central Kujama Colliery of Messrs Central Kujama Coal Concerns, Post Office Jharia, District Dhanbad, in terminating the services of Shri Kasiteshwar Tewari, Mining Sardar with effect from the 29th March, 1971, is justified? If not, to what relief the workman is entitled?"

[No. L/2012/164/71-LRII.]

का० आ० 539—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में मैसर्स सेंट्रल कुजामा कोल कन्सर्न की सेन्ट्रल कुजामा कोलियरी, डाकघर झरिया, जिला धनबाद के प्रबन्ध से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है;

और यत: केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिये निर्देशित करना वांछनीय समझती है;

अत:, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण (संख्या 1) धनबाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

"क्या मैसर्स सैन्ट्रल कुजामा कोल कन्सर्नस की सैंट्रल कुजमा कोलियरी, डाकघर झरिया, जिला धनबाद के प्रबन्ध-मण्डल की श्री कासीतेश्वर तिवारी, खनन सरदार की 29 मार्च, 1971 से सेवाएं समाप्त करने की कार्यवाही न्यायोचित है ? यदि नहीं, तो कर्मकार किस अनुतोष का हकदार है ?

[सं० एल०-2012/164/71-एल०आर० 2]

New Delhi, the 3rd November 1971

S. O. 550.—WHEREAS the industrial disputes applications and complaints respectively specified in Schedule-I, Schedule-II and Schedule-III hereto annexed (hereinafter referred to as the said disputes, applications and complaints) were pending before Shri T. Chandrasekhara Reddy, Presiding Officer, Central Industrial Tribunal with headquarters at Hyderabad;

AND WHEREAS Shri T. Chandrasekhara Reddy's services have ceased to be available;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by Section 7A and sub-section (1) of section 33B of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal with Shri P. S. Ananth as the Presiding Officer with headquarters at Hyderabad, withdraws the proceedings in relation to the said disputes and the applications under the provison to sub-section (2) of section 33 and complaints under section 33A of the said Act and arising out the said disputes, applications and complaints from Shri T. Chandrasekhara Reddy and transfers the same to Shri P. S. Ananth, Presiding Officer, Industrial Tribunal, Hyderabad, for the disposal of the said disputes, applications and complaints with the direction that the said Tribunal shall proceed with the proceedings from the stage at which they are transferred to it and dispose of the same according to law.

SCHEDULE I

S. No.	Parties to dispute	Reference No. and date of Industrial dispute
1.	Messrs B. S. Narayana and Company, Visakhapatnam and 6 other employers and their workmen.	No. 28/26/65-LRIV/P&D, dated the 23rd March, 1965.
2.	Secretary, Shipping Employers Federation, Visakhapatnam and their workmen.	No. 28/88/65-LRIV/P&D, dated the 17th November, 1965.
3.	Singareni Collieries Company Limited and their workmen	No. 7/21/67-LRII, dated the 30th October, 1967.
4.	Do.	No. 7/51/68-LRII, dated the 17th July, 1969.
5.	Do.	No. 7/29/68-LRII, dated the 22nd August, 1969.
6.	Listed employers of Messrs Surat Chatterjee & Company Limited, Vishakhapatnam and 28 others and their workmen	No. 29/52/69-LWI-III/P&D, dated the 16th August, 1965.
7.	Singareni Collieries Company Limited and their workmen.	No. 7/6/69-LRII, dated the 5th September, 1969.
8.	Do.	No. 7/53/68-LRII, dated the 16th September, 1969.
9.	Do.	No. 7/24/68-LRII, dated the 16th September, 1969.
10.	Do.	No. 7/49/68-LRII, dated the 26th September, 1969.
11.	Hutti Gold Mines Company Ltd., Post Office Hutti, District Raichur and their workmen.	No. 24/70/69-LRIV, dated the 10th December, 1969.
12.	Bank of Baroda and their workmen.	No. 23/84/69-LRIII, dated the 15th January, 1970.
13.	Ruby General Insurance Co., Ltd., Hyderabad and their workmen.	No. 40/2/70-LRI, dated the 9th February, 1970.
14.	Singareni Collieries Company Limited and their workmen.	No. 7/34/68-LRII, dated the 19th January, 1970
15.	Do.	No. 7/19/69-LRII, dated the 14th August, 1970.
16.	Do.	No. 7/21/70-LRII, dated the 24th December, 1970.
17.	Do.	No. 1/39/70-LRII, dated the 26th April, 1971.
18.	Do.	No. 7/3/70-LRII, dated the 7th January, 1971.
19.	Do.	No. 7/8/70-LRII, dated the 7th January, 1971.
20.	Do.	No. 7/10/70-LRII, dated the 7th January, 1971.
21.	Do.	No. 7/12/70-LRII, dated the 7th January, 1971.
22.	Do.	No. 7/17/70-LRII, dated the 7th January, 1971.
23.	Do.	No. 7/27/70-LRII, dated the 13th January, 1971.
24.	Do	No. 7/11/70-LRII, dated the 19th January, 1971.
25.	Management of Andhra Bank Ltd., and their workmen.	No. 23/28/70-LRIII, dated the 23rd January, 1971.

S. No.	Parties to dispute.	Reference No. and date of Industrial dispute.
26.	Singareni Collieries Company Ltd., and their workmen.	No. 7/30/70-LRII, dated the 12th July, 1971.
27.	Do.	No. 7/18/70-LRII, dated the 9th January, 1971.
28.	Do.	No. 7/28/70-LRII, dated the 10th February, 1971.
29.	Do.	No. 7/9/70-LRII, dated the 19th January, 1971.
30.	Do.	No. 7/29/70-LRII, dated the 12th February, 1971.
31.	Do.	No. 7/26/70-LRII, dated the 10th March, 1971.
32.	Do.	No. 7/14/70-LRII, dated the 20th March, 1971.
33.	Do.	No. 7/39/70-LRII, dated the 6th April, 1971.
34.	Do.	No. 7/17/70-LRII, dated the 7th April, 1971.
35.	Do.	No. 7/24/70-LRII, dated the 7th April, 1971.
36.	Do.	No. 7/38/70-LRII, dated the 7th April, 1971.
37.	Do.	No. 7/40/70-LRII, dated the 12th April, 1971.
38.	Air Force Academy Project, Secunderabad and their workmen.	No. 3/2/70-LRI, dated the 22nd April, 1971.
39.	Managemnt of the Andhra Cement Company Limited, Vijayawada and their workmen.	No. L/29011/13/71-LRIV, dated the 24th June, 1971.
40.	Singareni Collieries Company Limited and their workmen.	No. L/2112/6/71-LRII, dated the 3rd May, 1971.
41.	Do.	No. 7/33/70-LRII, dated the 5th May, 1971.
42.	Do.	No. 7/36/70-LRII, dated the 15th May, 1971.
43.	Do.	No. 7/34/70-LRII, dated the 15th May, 1971.
44.	Do.	No. 7/49/70-LRII, dated the 15th May, 1971.
45.	Do.	No. 7/50/70-LRII, dated the 29th May, 1971.
46.	Do.	No. L/2112/7/71-LRII, dated the 29th June, 1971.
47.	Do.	No. L/2112/21/71-LRII, dated the 24th August, 1971.
48.	Do.	No. 7/31/70-LRII, dated the 3rd September, 1971.
49.	Do.	No. 7/1/70-LRII, dated the 3rd September, 1971.
50.	Do.	No. L/2112/2/71-LRII, dated the 20th September, 1971.

SCHEDULE II

Section 33(2)(*b*):

1.	M. P. No. 20/71.	The Management, Singareni Collieries Company Limited, Kalyan Khani.	Vs.	Shri M. Iylaiah, Ex-Watchman, Service and Protection Corps, Mandamari Dvn.
2.	M. P. No. 62/71.	Shri D. V. Paranjpe, Agent, Co-ordinates and Progress, Singareni Collieries Company Limited, Kothagudem.	Vs.	Shri G. J. Charists Pher, Watchman, Servce & Protection Corps, Singareni Collieries Co. Ltd., Kothagudem.
3.	M. P. No. 130/71.	The Management Singareni Collieries Company Limited, Mandamari Division.	Vs.	Shri Dhaniyala Muthyalu, Ex-General Mazdoor Kalyan Khani No. 2, Incline, Mandamari Div., P.O. Kalyan Khani, Adilabad Distt.
4	M. P. No. 131/71.	The Management, Singareni Collieries Company Limited, Mandamari Division.	Vs.	Sri Kusunapalli Peda Posham, Ex-Coal Filler Kalyan Khani No. 2, Incline, Mandamari Division, P.O. Kalyan, Khani, Distt. Adilabad.
5.	M. P. No. 132/71.	The Management, Singareni Collieries Company Limited, Mandamari Division.	Vs.	Sri Marepalli Ankus, Ex-Trammer, Kalyan Khani No. 2, Incline, Mandamari Division, P. O. Kalyan Khani, Distt. Adilabad.
6.	M. P. No. 133/71.	The Management, Singareni Collieries Company Limited, Mandamari Division.	Vs.	Sri Lok Bahadur, Ex-Haulage Khalasi, Kalyan Khani No. 1, Incline, Mandamari Division, P.O. Kalyan Khani, Distt. Adilabad.
7.	M. P. No. 134/71.	The Management, Singareni Collieries Company Limited, Mandamari Division.	Vs.	Sri Maltala Ramulu Ex-Coal Cutter, Klayan Khani No. 2, Incline, Mandamari Division, P. O. Kalyan Khani, Distt. Adilabad.
8.	M. P. No. 138/71.	The Management, Singareni Collieries Company Limited, Kothagudium.	Vs.	Sri Abdul Munaff, Jr. Shroff, Paymasters Office, Head Office Singareni Collieries Co. Ltd., Kothagudium.
9.	M. P. No. 141/71.	The Management, Singareni Collieries Company Limited, Belhampalli.	Vs.	Sri Kampalli Narsaial, Ex-Coal Filler, Somagundam Mines, Bellampalli Division, Bellampalli.
10.	M. P. No. 142/71.	The Management, Singareni Collieries Company Limited, Bellampalli.	Vs.	Sri Sayyad Ahmed, Ex-Fitter, Somagundam Mines, Bellampalli.
11.	M. P. No. 143/71.	The Management, Singareni Collieries Company Limited, Bellampalli.	Vs.	Sri Bestha Rajam, Ex-Trammer, Somagundam Mines, Bellampalli.

1	2	3	4	5
12.	M P. 146/71.	The Management, Singareni Collieries Company Limited, Bellampalli.	Vs.	Sri B. R. Rayamallu, Ex-Watchman, Sales and Protection Corps Bellampalli Division The Sngareni Collieries Co. Ltd., Bellampalli.
13.	M. P. No 147/71.	The Management, Singareni Collieries Company Limited, Kothagudem.	Vs.	Sri V. V. Viseswara Rao, Clerk, V.K. No. 7 incline Kothagudem Division.
14.	M. P. No. 148/71.	The Management, Singareni Collieries Company Limited, Kothagudem.	Vs.	Sri B. Amose Pramoda Rao, M&R Mazdoor Main Workshop, Kothagudem.
	Miscellaneous :			
1.	M. P. No. 42/71.	A Viswanatha Sarma, Compounder, Main Hospital, Singareni Collieries Co. Ltd., Kothadium.	Vs.	1. The Management, Singareni Collietries Kothagidium. 2. Sri K. Ramananda Chatterjee, Compounder, Ellandu Hospital Singareni Collieries Co. Ltd., Yellandu.

SCHEDULE III

Section 3A

1.	M. P. No. 204/68.	Smt. D. B. Krupavarammda, MWife, Singareni Collieries Co. Ltd, Hospital, Kotathagudem.	Vs..	The Management, Singareni Collieries Company Limited, Kothagudem.
2.	M. P. No. 280/68.	Sri Metangi Rangaiah, & other 279 workmen Medical & Sanitary Deptt. Singareni Collieries Co. Ltd., Kothagudiem.	Vs.	The Management, Singareni Collieries CompanyLimited, Kothagudium.
3.	M. P. 293/68.	Sri Ch. Lakshman & other 31 workmen, Singareni Collieries Company Limited, Kothagudiem.	Vs.	The Management, Singareni Collierie Company Limited, Kothagudiem.
4.	M. P. No. 295/68.	Sri Mathuri Mallaiah and 41 other workmen SanitaryMazdoors (Hospital) Singareni Collieries Co. Ltd. Bellampalli.	Vs.	The Management, Singareni Collieries Company Limited, Kothagueium.
5.	M. P. No. 14/69.	Smt. D. B. Krupavaramma, Mid Wife, Singareni Collieries Company Limited Hospital, Kothagudiem.	Vs-	The Management, Singareni Collieries Company Limited, Kothagudium,
6.	M. P. No. 1/71.	Shri K. Posham, Electrician, Morbanspit Singareni Collieries Company Limited, Bellampalli.	Vs.	The Management, Singareni Collieries Company Limited Bellampalli.
7.	M. P. No. 90/71.	Sri T. Venkatnarayana, Assistant Head Clerk, Coal Branch Singareni Collieries Company Limited, Kothagueium.	Vs.	The Management, Singareni Collieries Company Limited, Kothagudiem.
8.	M. P. No. 91/71.	Sri Kopparthi Ankaiah, Perka Lingaiah, Anakam Bahdialal, Shaik Hyder, Kandunuri Lingaiah Choppari Venkateswarlu, Pammula Anakulu, Akudi Rajam, Banna Mallaiah, General Mazdoors, of Shanthi Khani, Singareni Collieries Company Ltd. Bellampalli.	Vs.	The Management, Singareni Collieries Company Limited, Shanthi Khani, Bellampalli-
9.	M. P. No. 145/71.	Sri Shaik Imam, Filler, Somagundam No. 3 Incine, Bellampalli Collieries C/o Singargareni Collieries Company Ltd., Workers Union, P. O. Bellampalli.	Vs.	The Management, Singareni Collieries Company Limited, Bellampalli Agent, Bellampalli Division.
10.	M. P. No. 24/71.	Sri A Viswanadha Sarma, Compounder, Main Hospital Singareni Collieries Company Limited, Kothagudiam.	Vs.	The Management, Singaren Colleiries Company Limited Kothagudium.

[No. L/2125/3/71-LRII.]

नई दिल्ली, 3 नवम्बर, 1971

का० आ० 540.—यत: इससे उपाबद्ध अनुसूची–1, अनुसूची–2, और अनुसूची–3 में क्रमश: विनिर्दिष्ट औद्योगिक विवाद आवेदन पत्र और शिकायतें (जिन्हें इसके बाद उक्त विवाद आवेदन पत्र और शिकायतों के रूप में निर्दिष्ट किया गया है), श्री टी० चन्द्रशेखर रेड्डी, पीठासीन अधिकारी, केन्द्रीय औद्योगिक अधिकरण, जिनका मुख्यालय हैदराबाद में है, के समक्ष लम्बित थें;

और यत: श्री टी० चन्द्रशेखर रेड्डी की सेवाएं अब उपलब्ध नहीं रही हैं ;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7-क और धारा 33-ख की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है जिसके पीठासीन अधिकारी श्री पी० एस० अनन्त होंगे, जिनका मुख्यालय हैदराबाद होगा, श्री टी० चन्द्रशेखर रेड्डी से उक्त विवादों और आवेदन पत्रों से सम्बन्ध कार्यवाहियों को उक्त अधिनियम की धारा 33 की उपधारा (2) के परन्तुक के अधीन और शिकायतों से सम्बन्ध कार्यवाहियों को धारा 33क के अधीन वापस लेती है और उन्हें श्री पी० एस० अनन्त, पीठासीन अधिकारी, औद्योगिक अधिकरण, हैदराबाद को उक्त विवादों, आवेदन पत्रों और शिकायतों के निपटान के लिए निदेश के साथ स्थानान्तरित करती है कि उक्त अधिकरण और आगे कार्यवाहियां उसी प्रक्रम से करेगा जिस पर वे उसे स्थानान्तरित की जाएं और विधि के अनुसार उनका निपटारा करेगा ।

अनुसूची—I

क्रम संख्या	विवाद के पक्षकार	औद्योगिक विवाद की निर्देश संख्या और तारीख
1.	मैसर्स बी०एस० नारायण एण्ड कम्पनी, विशाखापटनम और 6 अन्य नियोजक और उनके कर्मकार ।	सं० 28/26/65-एल० आर०-4/पी० एण्ड डी, तारीख 23 मार्च, 1965 ।
2.	सचिव, शिपिंग एम्पलायर्ज फेडरेशन विशाखापटनम और उनके कर्मकार ।	सं० 28/88/65-एल आर०-4/पी एण्ड डी, तारीख 17 नवम्बर, 1965 ।
3.	सिंगरेनी कोलियरीज कम्पनी लिमिटेड और उनके कर्मकार ।	सं० 7/21/67-एल० आर०-2, तारीख 30 अक्तूबर, 1967 ।
4.	यथोक्त	सं० 7/51/68-एल०आर०-2, तारीख 17 जुलाई, 1969 ।
5.	यथोक्त	सं० 7/29/68-एल०आर०-2, तारीख 22 अगस्त, 1969 ।
6.	मैसर्स सूरत चटर्जी एण्ड कम्पनी विशाखापटनम के सूचीबद्ध नियोजक और 28 अन्य तथा उनके कर्मकार ।	सं० 29/52/69-एल०डब्ल्यू०-3/-पी०एण्ड डी०,तारीख 16 अगस्त, 1969 ।
7.	सिंगरेनी कोलियरीज कम्पनी लि० और उनके कर्मकार ।	सं० 7/6/69-एल० आर०-2, तारीख 5 सितम्बर, 1969 ।
8.	यथोक्त	सं० 7/53/68-एल० आर०-2, तारीख 16 सितम्बर, 1969 ।
9.	यथोक्त	सं० 7/24/68-एल० आर०-2, तारीख 16 सितम्बर, 1969 ।
10.	यथोक्त	सं० 7/49/68-एल० आर०-2, तारीख 26 सितम्बर, 1969 ।
11.	हुट्टी गोल्ड माइन्स कम्पनी लिमिटेड, डाकघर हुट्टी, जिला रायचूर और उनके कर्मकार ।	सं० 24/70/69-एल० आर०-4, तारीख 10 दिसम्बर, 1969 ।
12.	बैंक आफ बड़ौदा और उनके कर्मकार ।	सं० 23/84/69-एल० आर०-3-तारीख 15 जनवरी, 1970 ।
13.	रुबी जनरल इन्सयोरैन्स कं० लिमिटेड, हैदराबाद और उनके कर्मकार ।	सं० 40/2/70-एल० आर०-1, तारीख 9 फरवरी, 1970 ।
14	सिंगरेनी कोलियरीज कम्पनी लिमिटेड और उनके कर्मकार ।	सं० 7/34/68-एल० आर०-2, तारीख 19 जनवरी, 1970 ।
15.	यथोक्त	सं० 7/19/69-एल० आर०-2, तारीख 14 अगस्त, 1970 ।

क्रम सं०	विवाद के पक्षकार	औद्योगिक विवाद की निर्देश संख्या और तारीख
16	सिंगरेनी कोलियरीज कम्पनी लि० और उनके कर्मकार।	सं० 7/21/70-एल०आर०-2, तारीख 24 दिसम्बर, 1970।
17	सिंगरेनी कोलियरीज कम्पनी लिमिटेड और उनके कर्मकार	सं० 1/39/70-एल०आर०-2, तारीख 26 अप्रैल, 1971।
18	यथोक्त	सं० 7/3/70-एल० आर०-2, तारीख 7 जनवरी, 1971।
19	यथोक्त	सं० 7/8/70-एल० आर०-2, तारीख 7 जनवरी, 1971।
20	यथोक्त	सं० 7/10/70-एल० आर०-2, तारीख 7 जनवरी, 1971।
21	यथोक्त	सं० 7/12/70-एल० आर०-2, तारीख 7 जनवरी, 1971।
22	यथोक्त	सं० 7/17/70-एल० आर०-2, तारीख 7 जनवरी, 1971।
23	यथोक्त	सं० 7/27/70-एल० आर०-2, तारीख 13 जनवरी, 1971।
24	यथोक्त	सं० 7/11/70-एल० आर०-2, तारीख 19 जनवरी, 1971।
25	आंध्र बैंक लिमिटेड का प्रबन्धमण्डल और उनके कर्मकार।	सं० 23/28/70-एल० आर०-3, तारीख 23 जनवरी, 1971।
26	सिंगरेनी कोलियरीज कम्पनी लिमिटेड और उनके कर्मकार।	सं० 7/30/70-एल० आर०-2, तारीख 12 जुलाई 1971।
27	यथोक्त	सं० 7/18/70-एल० आर०-2, तारीख 9 जनवरी, 1971।
28	यथोक्त	सं० 7/28/70-एल० आर०-2, तारीख 10 फरवरी, 1971।
29	यथोक्त	सं० 7/9/70-एल० आर०-2, तारीख 19 जनवरी, 1971।
30	यथोक्त	सं० 7/29/70-एल० आर०-2, तारीख 12 फरवरी, 1971।
31	यथोक्त	सं० 7/26/70-एल० आर०-2, तारीख 10 मार्च, 1971।
32	यथोक्त	सं० 7/14/70-एल० आर०-2, तारीख 20 मार्च, 1971।
33	यथोक्त	सं० 7/39/70-एल० आर०-2, तारीख 6 अप्रैल, 1971।
34	यथोक्त	सं० 7/17/70-एल० आर०-2, तारीख 7 अप्रैल, 1971।

क्रम सं०	विवाद के पक्षकार	औद्योगिक विवाद की निर्देश संख्या और तारीख
35	सिंगरेनी कोलियरीज कम्पनी लिमिटेड और उनके कर्मकार।	सं० 7/24/70 एल० आर०-2, तारीख 7 अप्रैल, 1971।
36	यथोक्त	सं० 7/38/70एल०आर०-2, तारीख 7 अप्रैल, 1971।
37	यथोक्त	सं० 7/40/70 एल०आर०-2, तारीख 2 अप्रैल, 1971।
38	एयर फोर्स अकादमी प्राजैक्ट, सिकंदराबाद और उनके कर्मकार।	सं० 3/2/70-एल०आर०-1, तारीख 22 अप्रैल, 1971।
39	आंध्र सीमेन्ट कम्पनी लिमिटेड, विजयवाडा का प्रबन्धमंडल और उनके कर्मकार।	सं० 29011/13/71 एल० आर०-4, तारीख 24 जून, 1971।
40	सिंगरेनी कोलियरीज कम्पनी, लि० और उनके कर्मकार।	सं० एल-21/12/71-एल०आर०-2, तारीख 3 मई, 1971।
41	यथोक्त	सं० 7/33/70 एल० आर०-2, तारीख 5 मई, 1971।
42	यथोक्त	सं० 7/36/70 एल० आर-2, तारीख 15 मई, 1971।
43	यथोक्त	सं० 7/34/70-एल० आर०-2, तारीख 15 मई, 1971।
44	यथोक्त	सं० 7/49/70-एल० आर०-2, तारीख 15 मई, 1971।
45	यथोक्त	सं० 7/50/70-एल०आर-2, तारीख 29 मई, 1971।
46	यथोक्त	सं० एल 21 12/7/71-एल० आर०-2, तारीख 29 जून, 1971।
47	यथोक्त	सं० एल 21/12/21/71-एल०आर०-2, तारीख 24 अगस्त, 1971।
48	यथोक्त	संख्या 7/31/70-एल०आर०-2, तारीख 3 सितम्बर, 1971।
49	यथोक्त	सं० 7/1/70 एल० आर०-2, तारीख 3 सितम्बर, 1971।
50	यथोक्त	संख्या एल 21/12/71-एल० आर०-2, तारीख 20 सितम्बर 1971।

अनुसूची 2

धारा 33(2) (ख) :

1	एम० पी० संख्या 20/71	सिंगरेनी कोलियरीज कम्पनी लिमिटेड, कल्याण खानी का प्रबन्धमण्डल	बनाम श्री एम० आई० लैयाह, भूतपूर्व चौकीदार, सर्विस एण्ड प्रोटेक्शन कोर, मंदामारी प्रभाग।
2	एम० पी० संख्या 62/71	श्री डी० बी० पारांजपे, एजेंट, को-आर्डीनेंट्स एण्ड प्रोग्रेस, सिंगरेनी कोलियरीज कम्पनी लिमिटेड, कोठागुडेम।	बनाम श्री जी० जे० क्राइस्ट्स, फेर, चौकीदार, सर्विस एण्ड प्रोटेक्शन कोर, सिंगरेनी कोलियरीज कं० लिमिटेड, कोठागुडेम।
3	एम० पी० संख्या 130/71	सिंगरेनी कोलियरीज कम्पनी लिमिटेड, मंदा-मारी प्रभाग, का प्रबन्धमण्डल।	बनाम श्री घनियाला मुट्यालू, भूतपूर्व साधारण मजदूर, कल्याण खानी सं० 2, इंकलाईन, मंदामारी प्रभाग, डाकघर कल्याण खानी, जिला आदिलाबाद।

क्रम सं०	विवाद के पक्षकार		औद्योगिक विवाद की निर्देश संख्या और तारीख
4	एम० पी०, संख्या 131/71	सिंगरेनी कोलियरीज़ कम्पनी लिमिटेड, मंदामारी प्रभाग का प्रबन्धमण्डल	बनाम श्री कुसुनापल्ली पेडा पोशम, भूतपूर्व कोल-फिटर, कल्याण खानी संख्या 2, इंकलाईन, मंदामारी प्रभाग, डाकघर कल्याण खानी, जिला आदिलाबाद ।
5	एम० पी० सख्या 132/71	सिंगरेनी कोलियरीज़ कम्पनी लिमिटेड, मदामारी, प्रभाग का प्रबन्धमण्डल,	बनाम श्री मारेपल्ली अन्कुंस, भूतपूर्व ट्रैम्मर, कल्याण खानी संख्या–2, इन्कलाईन, मंदामारी प्रभाग, डाकघर कल्याण खानी, जिला आदिलाबाद ।
6	एम० पी० सख्या 133/71	सिंगरेनी कोलियरीज़ कम्पनी लिमिटेड, मंदामारी प्रभाग का प्रबन्धमण्डल ।	बनाम श्री लोक बहादुर, भूतपूर्व हालेज खलासी, कल्याण खानी संख्या 1, इन्कलाईन, मंदामारी प्रभाग, डाकघर कल्याण खानी, जिला आदिलाबाद ।
7	एम० पी० सख्या 134/71	सिंगरेनी कोलियरीज़ कम्पनी लिमिटेड, मंदामारी प्रभाग का प्रबन्धमण्डल ।	बनाम श्री मालताला रामुलु, भूतपूर्व कोल-कटर, कल्याण खानी संख्या 2, इन्कलाईन, मंदामारी प्रभाग, डाकघर कल्याण खानी, जिला आदिलाबाद ।
8	एम० पी० सख्या 138/71	सिंगरेनी कोलियरीज़ कम्पनी लिमिटेड, कोठागुडियम का प्रबन्धमण्डल	बनाम श्री अब्दुल मुनाफ्फ, जूनियर शरोफ्फ, पेमास्टर का कार्यालय, मुख्यालय सिंगरेनी कोलियरीज़ कम्पनी लिमिटेड, कोठा-गुडियम ।
9	एम० पी० सख्या 141/71	सिंगरेनी कोलियरीज़ कम्पनी लिमिटेड बेल्लामपल्ली का प्रबन्धमण्डल ।	बनाम श्री कामपल्ली नरसाइअल, भूतपूर्व कोल फिल्लर, सोमागुंडम माइन्स, बेल्लाम-पल्ली प्रभाग, बेल्लामपल्ली ।
10.	एम० पी० सख्या 142/71	सिंगरेनी कोलियरीज़ कम्पनी लिमिटेड, बेल्लामपल्ली का प्रबन्धमण्डल	बनाम श्री सैयद अहमद, भूतपूर्व फिटर, सोमा-गुडम माइन्स, बेल्लामपल्ली ।
11	एम० पी० सख्या 143/71	सिंगरेनी कोलियरीज़ कम्पनी लिमिटेड, बेल्लामपल्ली का प्रबन्धमण्डल	बनाम श्री बेस्ठा राजाम, भूतपूर्व ट्रैम्मर, सोमागुडाम, माइन्स, बेल्लामपल्ली ।
12.	एम० पी० सख्या 146/71	सिंगरेनी कोलियरीज़ कम्पनी लिमिटेड, बेल्लामपल्ली का प्रबन्धमण्डल	बनाम श्री बी० आर० रायामाल्लु, भूतपूर्व चौकी-दार, सेल्स एण्ड प्रोटेक्शन कोर, बेल्लामपल्ली प्रभाग, दि सिंगरेनी कोलि-यरीज़ कम्पनी लिमिटेड, बेल्लाम-पल्ली ।
13.	एम० पी० सख्या 147/71	सिंगरेनी कोलियरीज़ कम्पनी लिमिटेड, कोठागुडेम का प्रबन्धमण्डल ।	बनाम श्री वी० वी० विसेस्वरा राव, लिपिक, वी० के० संख्या 7, इन्कलाईन, कोठा-गुडेम प्रभाग ।
14	एम० पी० संख्या 148/71	सिंगरेनी कोलियरीज़ कम्पनी लिमिटेड, कोठागुडेम का प्रबन्धमण्डल	बनाम श्री बी० आमोसे प्रमोद राव, एम० एण्ड आर० मजदूर, मुख्य कर्मशाला, कोठा-गुडेम ।

क्रम सं०	विवाद के पक्षकार		औद्योगिक विवाद का निर्देश संख्या और तारीख
विविध :			
1 एम० पी० संख्या 42/71	ए० विश्वनाथ शर्मा, कम्पाउन्डर, प्रमुख अस्पताल, सिंगरेनी कोलियरीज कम्पनी लिमिटेड, कोठागुडियम ।	बनाम	1. सिंगरेनी कोलियरीज कम्पनी लिमिटेड, कोठागुडियम का प्रबन्धमण्डल । 2. श्री के० रामानन्दा चटर्जी, कम्पाउन्डर, एल्लांडु अस्पताल, सिंगरेनी कोलियरीज कम्पनी लिमिटेड, येल्लांडु ।

अनुसूची 3

धारा 35(क)

1. एम० पी० संख्या 204/68	श्रीमती डी० बी० कृपावाराम्भा, मिडवाईफ, सिंगरेनी कोलियरीज कम्पनी लिमिटेड, अस्पताल, कोठागुडेम ।	बनाम	सिंगरेनी कोलियरीज कम्पनी लिमिटेड, कोठागुडेम का प्रबन्धमण्डल ।
2. एम० पी० संख्या 280/68	श्री मेटांगी रागैया और अन्य 279 कर्मकार, चिकित्सा और सफाई विभाग, सिंगरेनी कोलियरीज कम्पनी लिमिटेड, कोठागुडियम ।	बनाम	सिंगरेनी कोलियरीज कम्पनी लिमिटेड, कोठागुडियम का प्रबन्धमण्डल ।
3. एम० पी० संख्या 293/68	श्री च० लक्ष्मण और अन्य 31 कर्मकार, सिंगरेनी कोलियरीज कम्पनी लिमिटेड, कोठागुडियम ।	बनाम	सिंगरेनी कोलियरीज कम्पनी लिमिटेड, कोठागुडियम का प्रबन्धमण्डल ।
4. एम० पी० संख्या 295/68	श्री माधुरी मालैयाह और 41 अन्य कर्मकार, सफाई मजदूर (अस्पताल), सिंगरेनी कोलियरीज कम्पनी लिमिटेड, बेल्लाम्पल्ली ।	बनाम	सिंगरेनी कोलियरीज कम्पनी लिमिटेड, कोठागुडियम का प्रबन्धमण्डल ।
5. एम० पी० संख्या 14/69	श्रीमती डी० बी० कृपावारम्मा, मिड वाईफ, सिंगरेनी कोलियरीज कम्पनी लिमिटेड, अस्पताल, कोठागुडियम ।	बनाम	सिंगरेनी कोलियरीज कम्पनी लिमिटेड, कोठागुडियम का प्रबन्धमण्डल ।
6. एम० पी० संख्या 1/71	श्री के० पोशम, विद्युत् तन्त्री, मार्गन्स्पिट, सिंगरेनी कोलियरीज कम्पनी लिमिटेड, बेल्लामपल्ली ।	बनाम	सिंगरेनी कोलियरीज कम्पनी लिमिटेड, बेल्लामपल्ली का प्रबन्धमण्डल ।
7. एम० पी० संख्या 90/71	श्री टी० वेंकटनारायणा, सहायक मुख्य लिपिक, कोयला शाखा, सिंगरेनी कोलियरीज कम्पनी लिमिटेड, कोठागुडियम ।	बनाम	सिंगरेनी कोलियरीज कम्पनी लि०, कोठागुडियम का प्रबन्धमण्डल ।
8. एम० पी० संख्या 91/71	श्री कोप्पार्थी अनकैयाह, पर्का लिंगैयाह, अनाकम बाहदियालल, शैक हैदर, कान्दुनूरी लिंगेयाह, कोप्पारी वेंकटेस्वार्लु, पामुला आनाकुलु, आकुडी राजाम, बान्ना माल्लैयाह, शान्थि खानी के सामान्य मजदूर, सिंगरेनी कोलियरीज, कम्पनी लिमिटेड, बेल्लामपल्ली ।	बनाम	सिंगरेनी कम्पनी लिमिटेड, शान्थि खानी, बेल्लामपल्ली का प्रबन्धमण्डल ।

क्रम सं०	विवाद के पक्षकार		औद्योगिक विवाद की निर्देश संख्या और तारीख
9. एम० पी० सं० 145/71	श्री शैक इमाम, फिल्लर, सोमागुंडम सं० 3 इन्कलाईन, बेल्लामपल्ली कोलियरीज, द्वारा सिंगरेनी कोलियरीज कम्पनी लिमिटेड वर्कर्स यूनियन, डाकखाना बल्लामपल्ली ।	बनाम	सिंगरेनी कोलियरीज कम्पनी लि०, बेल्लामपल्ली एजन्ट, बेल्लामपल्ली प्रभाग, का प्रबन्धमण्डल ।
10. एम० पी० सं० 24/71	श्री ए० विश्वनाथ शर्मा, कम्पाउंडर, बड़ा अस्पताल, सिंगरेनी कोलियरीज कम्पनी लिमिटेड, कोठागुडियम ।	बनाम	सिंगरेनी कोलियरीज कम्पनी लिमिटेड, कोठागुडियम का प्रबन्धमण्डल ।

[संख्या एल०/2125/3/71-एल०आर०-2]

New Delhi, the 16th November 1971

S.O. 541.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Lachipur Colliery of Messrs Katras Jharia Coal Company Limited, Post Office Kajoragram, District Burdwan and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And, whereas, the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta, constituted under section 7A of the said Act.

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Lachipur Colliery of Messrs Katras Jharia Coal Company Limited, Post Office Kajoragram, District Burdwan in stopping the work of (1) Sarvashri Azad Khan, (2) Dinanath Shaw, (3) Md. Nasiruddin, (4) Dahara Turi, (5) Suleman Mia, Stone Cutters and (6) Isrile Mia, (7) Maiuddin Mia, (8) Ambika Singh, (9) Saidagar Yadab, (10) Jaman Mia, (11) Fakir Chand, (12) Chandrika Yadab, (13) Mahabir Das, (14) Majo Bouri, (15) Moti Rajak, (16) Barhamdeo Modi, (17) Triloke Yadab, (18) Bhuneswar Yadav, Stone Cutter Mazdoor, with effect from the 4th August, 1970 is justified? If not, what relief are the workmen entitled to?"

[No. L/1912/80/71-LRII.]

नई दिल्ली, 16 नवम्बर 1971

का० आ० 541.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में मैसर्स कतरस झरिया कोल कम्पनी लिमिटेड की लचिपुर कोलियरी, डाकघर कजोरागाम, जिला बर्दवान के प्रबन्ध से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिये निर्देशित करना वांछनीय समझती है ;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, कलकत्ता को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है ।

अनुसूची

"क्या मैसर्स कतरस झरिया कोल कम्पनी लिमिटेड की लचिपुर कोलियरी, डाकघर कजोराग्राम, जिला बर्दवान की (1) सर्वश्री आजाद खां, (2) दीननाथ शा, (3) मुहम्मद नसीरुद्दीन, (4) दाहारातरी, (5) सुलेमान मिया, स्टोन कटर्स और (6) इस्राइल मिया, (7) मैयूद्दीन मिया, (8) अम्बिका सिंह, (9) सैदागर यादव, (10) जामन मिया, (11) फकीरचन्द, (12) चन्द्रिका यादव, (13) महावीर दास, (14) माजो बौरी, (15) मोती राजाक, (16) ब्रह्मदेव मोदी, (17) त्रिलोक यादव, (18) भुनेश्वर यादव, स्टोन कटर मजदूर का 4 अगस्त, 1970 से काम रोकने की कार्यवाही न्यायोचित है ? यदि नहीं, तो कर्मकार किस अनुतोष हकदार हैं ?

[संख्या एल०-1912/80/71-एल०आर० 2]

New Delhi, the 18th November 1971

S.O. 542.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Newton Chickli Colliery, Post Office Parasia, District Chhindwara, and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur, constituted under section 7A of the said Act.

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Newton Chickli Colliery, Post Office Parasia, District Chhindwara (Madhya Pradesh), in dismissing to Shri Sriram Patil, Fitter Operator, with effect from the 29th May, 1971 is justified? If not, to what relief is the workman entitled?"

[No. L/22012/14/71-LRII.]

नई दिल्ली, 18 नवम्बर, 1971

का० आ० 542.—यत: केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में न्यूटन चीकली कोलियरी, डाकघर परासिया, जिला छिन्दवाड़ा के प्रबन्ध से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है;

और यत: केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है;

अत:, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है ।

अनुसूची

"क्या मैसर्स न्यूटन चीकली कोलियरी, डाकघर परासिया, जिला छिन्दवाड़ा (मध्य प्रदेश) के प्रबन्ध मण्डल की श्री श्रीराम पाटिल, फिटर आपरेटर का 29 मई, 1971 से पदच्युत करने की कार्रवाई न्यायोचित है ? यदि नहीं, तो कर्मकार किस अनुतोष का हकदार है ।

[सं० एल०-22012/14/71-एल०आर०-2]

S.O. 543.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Godhur Colliery of Messrs Godhur Colliery Company, Post Office Kusunda, District Dhanbad and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Industrial Tribunal (No. 1), Dhanbad, constituted under section 7A of the said Act.

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Godhur Colliery of Messrs Godhur Colliery Company, Post Office Kusunda, District Dhanbad, in stopping from work the workmen named below from the date mentioned against each is justified? If not, to what relief are the workmen concerned entitled?"

S. No.	Name of the workmen	Designation	Date of stoppage of work
1.	Sri Puran Prasad Jadav.	Tractor Driver	2-8-1971
2.	Sri Mahabir Bhuia	Tractor Loader	4-8-1971
3.	Sri Kishun Bhuia	Tractor Driver	4-8-1971
4.	Sri Keshar Bhuia	Crusher Mazdoor	4-8-1971
5.	Sri Kali Rajwar	Crusher Mazdoor	4-8-1971
6.	Sri Rajendra Prasad	Mason	5-8-1971

[No. L/2012/180/71-LRII.]

का० आ० 543.—यत: केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में मैसर्स गोधुर कोलियरी कम्पनी की गोधुर कोलियरी, डाकघर कुसुंडा, जिला धनबाद के प्रबन्ध से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है;

और यत: केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है;

अत:, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित, औद्योगिक अधिकरण, (संख्या 1) धनबाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है ।

अनुसूची

"क्या मैसर्स गोधुर कोलियरी कम्पनी की गोधुर कोलियरी, डाकघर कुसुंडा, जिला धनबाद की निम्नलिखित कर्मकारों को प्रत्येक के नाम के सामने लिखी गई तारीख से, काम से हटाने की कार्यवाही न्यायोचित है? यदि नहीं, तो सम्बन्धित कर्मकार किस अनुतोष के हकदार हैं ।"

क्रमांक	कर्मकार का नाम	पदनाम	काम से हटाने की तारीख
1.	श्री पूरन प्रसाद जादव	ट्रैक्टर ड्राईवर	2-8-1971
2.	श्री महाबीर भुईया	ट्रैक्टर लोडर	4-8-1971
3.	श्री किशन भुईया	ट्रैक्टर ड्राईवर	4-8-1971
4.	श्री केशर भुईया	क्रशर मजदूर	4-8-1971
5.	श्री काली राजवार	क्रशर मजदूर	4-8-1971
6.	श्री राजेन्द्र प्रसाद	मेसन	5-8-1971."

[सं० एल०-2012/180/71-एल० आर०-2]

S.O. 544.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Sendra Bansjora Colliery of Messrs the Sendra Bansjora Colliery Company Private Limited, Post Office Jharia,

District Dhanbad, and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal (No. 1), Dhanbad, constituted under section 7A of the said Act.

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Sendra Bansjora Colliery of Messrs the Sendra Bansjora Colliery, Company Private Limited, Post Office Jharia, District Dhanbad, in causing pecuniary loss to Shri B. D. Thakur, Electrician through suspension without wages on various dates between the 14th May, 1969 and the 24th May, 1971 and subsequently dismissing him from service with effect from the 20th July, 1971 is justified? If not, to what relief is the concerned workman entitled?"

[No. L/2012/183/71-LRII.]

का० आ० 544.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में दी सेन्द्रा बांसजोरा कोलियरी कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड की सेन्द्रा बांसजोरा कोलियरी, डाकघर झरिया जिला धनबाद के प्रबन्ध से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है ;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है ;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण (संख्या 1), धनबाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है ।

अनुसूची

"क्या मैसर्स दी सेन्द्रा बांसजोरा कोलियरी कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का सेन्द्रा बांसजोरा कोलियरी, डाकघर झरिया, जिला धनबाद से सम्बद्ध प्रबन्ध मण्डल की श्री बी० डी० ठाकुर, एलेक्ट्रिशीयन को 14 मई, 1969 और 24 मई, 1971 के बीच विभिन्न तारीखों को बिना मजदूरी दिये निलबन द्वारा आर्थिक हानि पहुंचाने तथा बाद में 20 जुलाई, 1971 से पदच्युत करने की कार्यवाही न्यायोचित है ? यदि नहीं, तो सम्बन्धित कर्मकार किस अनुतोष का हकदार है ।

[सं० एल०-2012/183/71-एल० आर०-2]

S.O. 545.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Amalgamated Coalfields Limited Post Office Parasia, District Chhindwara, and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur, constitued under section 7A of the said Act.

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Amalgamated Coalfields Limited, Post Office Parasia, District Chhindwara (Madhya Pradesh), in dismissing Shri K. C. Dhale, Motor Mechanic with effect from the 6th February, 1967 is justified? If not, to what relief is the workmen entitled?"

[No. I./18011/7/71-LRII.]

का० आ० 545.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में अमलगामेटड कोलफील्ड्स लिमिटेड, डाकघर परासिया, जिला छिन्दवाड़ा के प्रबन्ध से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है ;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है ;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है ।

अनुसूची

"क्या अमलगामेटड कोलफील्ड्स लिमिटेड, डाकघर परासिया, जिला छिन्दवाड़ा (मध्य प्रदेश) के प्रबन्ध मण्डल की श्री के० सी० ढाले, मोटर मिस्त्री को 6 फरवरी, 1967 से पदच्युत करने की कार्यवाही न्यायोचित है ? यदि नहीं, तो कर्मकार किस अनुतोष का हकदार है ?"

[सं० एल० 18011/7/71—एल० आर०—2]

S.O. 546.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Bankola Colliery of Messrs Burrakur Coal Company Limited, Post Office Ukhra, District Burdwan and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta, constitued under section 7A of the said Act.

SCHEDULE

"Whether the demand of the Munshies and Shot Firers of Bankola, Colliery of Messrs Barrakur Coal Company Limited, Post Office Ukhra, District Burdwan that they should be paid full wages for the 6th, 7th, 10th, 11th, 12th August,

1970 and upto the second shift of the 14th August, 1970 is justified? If so, to what relief are the workmen concerned entitled?"

[No. L/1912/37/71-LRII.]

का० आ० 546.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में मैसर्स बर्राकुर कोल कम्पनी लिमिटेड की बंकोला कोलियरी, डाकघर उरवरा, जिला बर्दवान के प्रबन्ध से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है ;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्याय निर्णयन के लिए निदर्शित करना वांछनीय समझती है;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7क के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, कलकत्ता को न्याय निर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

"क्या मैसर्स बुर्राकुर कोल कम्पनी लिमिटेड की बंकोला कोलियरी, डाकघर उरवरा, जिला बर्दवान के मुंशियों और शाटफायरों की यह मांग न्याय चित है कि उन्हें 6, 7, 10, 11, 12 अगस्त, 1970 के लिए और 14 अगस्त, 1970 की दूसरी पारी तक पूरी मजदूरी दी जानी चाहिए ? यदि हां, तो सम्बन्धित कर्मकार किस अनुतोष के हकदार हैं ?

[सं० एल-1912/37/71-एल आर-2]

S. O. 547.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Ranipur Colliery of Messrs Equitable Coal Company Limited, Post Office Saltore, District Purulia and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, (14 of 1947) the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta, constituted under section 7A of the said Act.

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Ranipur Colliery of Messrs Equitable Coal Company Limited, Post Office Saltore, District Purulia, in stopping A.S.Face allowance to the following workmen with effect from the 11th January, 1971, is justified? If not, to what relief are the concerned workmen entitled?

S. No.	Name	Designation
1	Nageswar Gope	Timber Mistry
2	Satkari	Mech. Fitter
3	Gopals	do.
4	Nasir	Tyndal Mazdoor
5	Panchu Mia	M. Mazdoor
6	Manik Char	Overman
7	Kanta Singh	M. Sirdar
8	Shyamlal	Tub Checker
9	Asgar Ali	T. Mazdoor
10	Manjura	S.D. Mazdoor
11	Satya	do.
12	Sahadul	T. Mistry
13	Prabhakar	T. Mistry
14	Manager Singh	T. Mazdoor
15	Adesh Singh	do.
16	Gobardhan	do.
17	Prafullaya	do.
18	Baijnath	Pipes Fitter
19	Rampati	do.
20	Muneswar	Pipe Mazdoor
21	Hardeo	do.
22	Kashinath Singh	Mech. Fitter
23	Sabir Hussain	Electrician
24	Kalipada	do.
25	Bimal	do.
26	Habib	Tyndal Mazdoor
27	Bisundeo	do.
28	B. Babulal	M. Driver
29	Ohaid Khan	do.
30	Ramsakal	do.
31	Bhola Roy	do.
32	Sudarsan	do.
33	Paluhan	M. Mazdoor
34	B. Mangal	do.
35	Bikarma	do.
36	K.K. Chatterjee	Overman
37	Sewdhari Giri	M. Sirdar
38	Tukar Bharati	do.
39	Biswanath	do.
40	Sewbachan	do.
41	Bhujen Tanti	do.
42	Amin Seikh	do.
43	Jamuna Giri	do.
44	Nanigopal Bagchi	Tub Checker
45	Bhagirath Sen	do.

[No. L/1912/114/71-LRII]

का० आ० 547.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में मैसर्स ईक्वीटेबल कोल कम्पनी लिमिटेड की रानीपुर कोलियरी डाकघर साल्टोर जिला पुरुलिया के प्रबन्ध से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है;

अतः अब औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण कलकत्ता को न्याय निर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

"क्या मैसर्स ईक्वीटेबल कोल कम्पनी लिमिटेड की रानीपुर कोलियरी डाकघर साल्टोर जिला पुरुलिया के प्रबन्ध मण्डल की निम्नलिखित कर्मकारों को 11

जनवरी, 1971 से ए० एस० फेस भत्ता बन्द करने की कार्यवाही न्यायोचित है ? यदि नहीं, तो सम्बन्धित कर्मकार किस अनुतोष के हकदार हैं ?

क्रमांक	नाम	पदनाम
1.	नागेस्वर गोप	टिम्बर मिस्त्री
2.	सत्कारी	मैक० फिटर
3.	गोपाल	यथोक्त
4.	नासिर	टिंडल मजदूर
5.	पंचु सिया	एम० मजदूर
6.	मानिक चार	ओवरमैन
7.	कांता सिंह	एम० सिरदार
8.	श्यामलाल	टब चैकर
9.	अस्गर अली	टी० मजदूर
10.	मंजुरा	एस० डी० मजदूर
11.	सत्या	यथोक्त
12.	साहुदत्त	टी० मिस्त्री
13.	प्रभाकर	टी० मिस्त्री
14.	मैनेजर सिंह	टी० मजदूर
15.	आदेश सिंह	यथोक्त
16.	गोवर्धन	यथोक्त
17.	प्रफुल्लाया	यथोक्त
18.	बैजनाथ	पाइप फिटर
19.	रामपति	यथोक्त
20.	मुनेस्वर	पाइप मजदूर
21.	नरदेओ	यथोक्त
22.	काशीनाथ	मैक० फिटर
23.	साबिर हुसैन	बिजली मिस्त्री
24.	कालीपादा	यथोक्त
25.	विमल	यथोक्त
26.	हबीब	टिंडल मजदूर
27.	विसनदेओ	टिंडल मजदूर
28.	बी० बाबूलाल	एम० ड्राइवर
29.	औहेद खां	यथोक्त
30.	रामप्रसकाद	यथोक्त
31.	भोला राय	यथोक्त
32.	सुदर्सन	यथोक्त
33.	पालाहान	एम० मजदूर
34.	बी० मंगल	यथोक्त
35.	विकर्मा	यथोक्त
36.	के० के० चटर्जी	ओवरमैन
37.	सियूधरी गिरि	एम० सिरदार
38.	टुकार भारती	यथोक्त
39.	विस्वानाथ	यथोक्त
40.	सियूबचन	यथोक्त
41.	भूपेन टांटी	यथोक्त
42.	अमिन शेष	यथोक्त
43.	जमुना गिरि	यथोक्त
44.	मानीगोपाल बागची	टब चैकर
45.	भागीरथ सेन	यथोक्त

[सं० एल० 1912/114/71-एल० आर० II]

New Delhi, the 25th November 1971

S.O. 548.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Bellampalli Division-II of Singareni Collieries Company Limited, Post Office Belampalli Division (Andhra Pradesh) and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A and clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal with Shri P. S. Ananth, as Presiding Officer with headquarters at Afzal Lodge, Tilak Road, Ramkote, Hyderabad-1, and refers the said dispute for adjudication to the said Industrial Tribunal.

SCHEDULE

"Is the management of Belampalli Division of Singareni Collieries Company Limited, Post Office Belampalli (Andhra Pradesh), justified in not giving at least new Category-V if not Category-VI wages, with effect from the 15th August, 1967 (Date of implementation of the Wage Board Recommendations) to Sarvashri D. Panduranga Rao and A. Janardhan Rao, Motor Mechanics in the Workshop and in giving them only new category IV wages from the said date? If not, to what relief the said workmen are entitled to?"

[No. L/2112/26/71-LRII.]

नई दिल्ली, 25 नवम्बर 1971

का० आ० 548.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में सिंगारेनी कोलियरीज कम्पनी लिमिटेड के बलामपल्ली प्रभाग-11, डाकघर बलामपल्ली प्रभाग (आन्ध्र प्रदेश) के प्रबन्ध से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है ।

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है ;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7-क और धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है, जिसके पीठासीन अधिकारी श्री पी० एस० आनन्थ् होंगे, जिनका मुख्यालय अफजल लाज तिलक रोड, रामकोटे, हैदराबाद होगा और उक्त विवाद को उक्त औद्योगिक अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है ।

अनुसूची

"क्या सिंगारेनी कोलियरीज कम्पनी लिमिटेड के बलामपल्ली प्रभाग, डाकघर बलामपल्ली (आन्ध्र प्रदेश) के प्रबन्ध मण्डल का कर्मशाला मोटर मिस्त्री सर्वश्री डी० पांडुरंगा राओ और ए० जनारधन राओ को 15 अगस्त, 1967 (मजदूरी बोर्ड की सिफारिशों को क्रियान्वित करने की तारीख) से यदि श्रेणी छः नहीं तो कम से कम नई श्रेणी पांच की मजदूरी न देना और उक्त तारीख से उन्हें केवल नई श्रेणी चार की मजदूरी देना न्यायोचित है ? यदि नहीं, तो उक्त कर्मकार किस अनुतोष के हकदार है ?

[संख्या एल-2112/26/71-एल०आर०-2]

S.O. 549.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Dishergarh Office of Messrs Equitable Coal Company Limited, Post Office Dishergarh, District Burdwan and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta, constituted under section 7A of the said Act.

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Messrs Equitable Coal Company Limited, Post Office Dishergarh, District Burdwan, in dismissing Shri Dahari Routh, Guard, Dishergarh Office, with effect from the 31st July, 1971, is justified? If not, to what relief is the workman entitled?"

[No. L/1912/134/71-LRII.]

का० आ० 549.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में मैसर्स इक्वीटेबल कोल कम्पनी लिमिटेड, के दिशेरगढ़ कार्यालय डाकघर दिशेरगढ़ जिला बर्दवान के प्रबन्ध से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है ।

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्याय निर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, कलकत्ता को न्याय निर्णयन के लिए निर्देशित करती है ।

अनुसूची

"क्या मैसर्स इक्वीटेबल कोल कम्पनी लिमिटेड, डाकघर दिशेरगढ़, जिला बर्दवान के प्रबन्ध मण्डल की श्री दाहारी राउथ, रक्षक दिशेरगढ़ कार्यालय को 31 जुलाई, 1971 से पदच्युत करने की कार्यवाही न्यायोचित है ? यदि नहीं, तो कर्मकार किस अनुतोष का हकदार है ?"

[सं० एल० 1912/134/71-एल० आर० 2]

S.O. 550.—Whereas the Central Government is of management of Donimalai Iron Ore Project of National Minerals Development Corporation Limited, Post Office Sandur and their workmen represented by Donimalai Iron Ore Project Employees' Association, Sandur, have jointly applied to the Central Government under sub-section (2) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) for reference of an industrial dispute that exists between them to an Industrial Tribunal in respect of the matters set forth in the said application and specified in the Schedule hereto annexed;

And Whereas the Central Government is satisfied that the persons applying represent the majority of each party;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A and sub-section (2) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal with Shri P. S. Ananth as Presiding Officer, with headquarters at Hyderabad and refers the said dispute for adjudication, to the said Tribunal.

SCHEDULE

Whether the action of the management of Donimalai Iron Ore Project of National Minerals Development Corporation Limited, Post Office Sandur, in dismissing from their services S/Shri Udaya Sahu, Dumper Operator, P. William, Overseer, M. K. Mathai LDC, P. C. Gopalakrishnan, Welder 'B' and G. S. Pillai, UDC with effect from 6th May, 1971 is justified? If not, to what relief are the said workmen entitled?"

[No. L-26011/6/71-LR-IV.]

का० आ० 550—यतः नेशनल मिनरल्स डेवेलपमेंट कारपोरेशन लिमिटेड के डोनीमलाई आयरन और प्रोजेक्ट डाकघर सान्दुर के प्रबन्ध के सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों जिनका प्रतिनिधित्व डोनीमलाई आयरन और प्रोजेक्ट इम्प्लाईज ऐसोसिएशन सान्दुर करती है ने औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उप-धारा (2) के अधीन संयुक्त रूप से केन्द्रीय सरकार को आवेदन किया है कि वह उनके बीच विद्यमान औद्योगिक विवाद को उक्त आवेदन में उपवर्णित और इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में किसी औद्योगिक अधिकरण को निर्देशित करें,

और यतः केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि आवेदन करने वाले व्यक्ति प्रत्येक पक्ष के बहुमत का प्रतिनिधित्व करते हैं ;

अतः अब औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 (1947 का 14) की धारा 7-क और धारा 10 की उपधारा 2 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है जिसके पीठासीन अधिकारी श्री पी० एस० आनन्थ होंगे जिनका मुख्यालय हैदराबाद होगा और उक्त विवाद को उक्त औद्योगिक अधिकरण को न्याय-निर्णयन के लिये निर्देशित करती है ।

अनुसूची

क्या नेशनल मिनरल्स डेवेलपमेंट कारपोरेशन लिमिटेड के डोनीमलाई आयरन ओर प्रोजक्ट, डाकघर सान्दुर के प्रबन्ध मण्डल की सर्वश्री उदय साहु, डम्पर आपरेटर, पी० विलियम, ओवरसियर, एम० के० मथाई, निम्न श्रेणी लिपिक, पी० सी० गोपालकृष्णन्, वैल्डर 'बी' और जी० एस० पिल्ले, उच्च श्रेणी लिपिक को 6 मई, 1971 से सेवा से पदच्युत करने की कार्यवाही न्यायोचित है ? यदि नही, तो उक्त कर्मकार किस अनुतोष के हकदार हैं ?

[संख्या एल०-26011/6/71-एल०आर०4]

New Delhi, the 13th December 1971

S.O. 551.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of East Nimcha Colliery of Messrs East Laikdih Colliery Company Private Limited, Post Office Jaykaynagar, District Burdwan and their workmen in respect of the matter specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta, constituted under section 7A of the said Act.

SCHEDULE

"Whether the action of the management of East Nimcha Colliery of Messrs East Laikdih Colliery Company Private Limited, Post Office Jaykaynagar, District Burdwan, in dismissing the following 18 workmen with effect from the 28th June, 1971 is justified? If not, to what relief are the said workmen entitled?

S. No.	Name	Designation
1.	Shri Hardeo Singh	Body Searcher
2.	,, Mahesh Prasad Sharma	Pit Munshi.
3	,, Biswanath Singh	Do.
4.	,, Surendra Prasad Singh	Do.
5.	,, Suresh Dutt Sharm	Do.
6.	,, Rampravesh Singh	Pump-Khalasi
7.	,, Birendra Sharma	Do.
8.	,, Biswanandan Singh	Do.
9.	,, Sarjoo Singh	Timber Mistry
10.	,, Sajan Dhari Sharma	Electric Helper
11.	,, Srikant Sharma	Explosive Carrier.
12.	,, Abdesh Chowdhury	U.G. Trammer.
13.	,, Rameswar Yadav	Do.
14.	,, Jitan Yadav	Do.
15.	,, Sitaram Dusad	Pickminer
16.	,, Ramkebal Harijan No. 2.	Loader
17.	,, Umesh Koiri	Loader
18.	,, Chaturgun Chamar	Loader "

[No. L/1912/131/71-LRII.]

नई दिल्ली, 13 दिसम्बर 1971

का०आ० 551.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में मैसर्स ईस्ट लैकहिड कोलियरी कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड की ईस्ट निम्चा कोलियरी, डाकघर जेकेनगर, जिला बर्दवान के प्रबन्ध से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है ;

और यतः, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिणयन के लिये निर्देशित करना वांछनीय समझती है ;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा उक्त विवाद का उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, कलकत्ता को न्यायनिर्णयन के लिये निर्देशित करती है ।

अनुसूची

"क्या मैसर्स ईस्ट लैकहिड कोलियरी कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड की ईस्ट मिम्चा कोलियरी, डाकघर जेकेनगर, जिला बर्दवान के प्रबन्धमंडल की निम्नलिखित 18 कर्मकारों को 28 जून, 1971 से पदच्युत करने की कार्यवाही न्यायोचित है ? यदि नहीं, तो उक्त कर्मकार किस अनुतोष के हकदार हैं ? "

क्रमांक	नाम	पदनाम
1.	श्री हरदेओ सिंह	बाडी सरचर
2.	श्री महेश प्रसाद शर्मा	पिट मुन्शी
3.	श्री विस्वनाथ सिंह	यथोक्त
4.	श्री सुरेन्द्र प्रसाद सिंह	यथोक्त
5.	श्री सुरेश दत्त शर्मा	यथोक्त
6.	श्री रामप्रवेश शर्मा	पम्प खलासी
7.	श्री विरेन्द्र शर्मा	यथोक्त
8.	श्री विस्वनन्दन सिंह	यथोक्त
9.	श्री सरजु सिंह	टिम्बर मिस्त्री
10.	श्री साजन धारी शर्मा	बिजली सहायक
11.	श्री श्रीकान्त शर्मा	एक्सपोजीव कैरियर
12.	श्री अब्देश चौधरी	यू० जी० ट्रैम्मर
13.	श्री रामेस्वर यादव	यथोक्त
14.	श्री जितन यादव	यथोक्त
15.	श्री सीताराम दुसाद	पिक माईनर
16.	श्री रामकेबल हरिजन न० 2	लोडर
17.	श्री उमेश कोइरी	लोडर
18.	श्री चतुरगुन चमार	लोडर

[संख्या एल० 1912/131/71 एल० आर०2]

S.O. 552.—Whereas the Central Government is of opinion that an indudstrial dispute exists between the employers in relation to the management of Real Kajora Colliery, Post Office Kajoragram, District Burdwan and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta, constituted under section 7A of the said Act.

SCHEDULE

'Whether the action of the management of Real Kajora Colliery, Post Office Kajoragram, District Burdwan in terminating the service of Shri Bhagwat Mahato, Winding Engine Khalasi, by their letter dated the 21st May, 1971 is justified as per clause b(iv) of the agreement dated the 15th September, 1970 referred to therein? If not, to what relief is the workman entitled and from which date?"

[No. L/1912/105/71-LRII.]

का० आ० 552.—यतः, केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची मे विनिर्दिष्ट विषयों के बारे मे रियल काजोरा कोलियरी, डाकघर काजोराग्राम, जिला बर्दवान के प्रबन्ध से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है;

और यतः, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वाछनीय समझती है;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियो का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, कलकत्ता को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है ।

अनुसूची

"क्या मेसर्स रियल काजोरा कोलियरी, डाकघर काजोराग्राम, जिला बर्दवान के प्रबन्ध मण्डल की अपने तारीख 21 मई, 1971 के पत्र द्वारा उसमें निर्दिष्ट तारीख 15 सितम्बर, 1970 के करार के खण्ड ख (IV) के अनुसार श्री भगवत महातो वाइण्डिंग इंजन खलासी की सेवा समाप्त करने की कार्यवाही न्यायोचित है ? यदि नहीं, तो कर्मकार किस अनुतोष का और किस तारीख से हकदार है ।"

[संख्या एल०/1912/105/71-एल०आर०-2]

New Delhi, the 14th December 1971

S.O. 553.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Messrs Western Bengal Coal Fields Limited, Khetri Copper Project, Khetri Nagar and their workmen in respect of the matter specified in the Schedule hereto annexed;

And, whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A, and clause (d) of sub-section (1) of section 10, of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes and Industrial Tribunal of which Shri Gopal Narain Sharma shall be the Presiding Officer, with headquarters at Jaipur and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

SCHEDULE

"Whether the strike period should be taken from the 7th September, 1971 to 25th September, 1971 (4-00 P.M.) or from the 7th September, 1971 to the 27th September, 1971 (9-00 A.M.) and whether wages for the strike period are payable to the workers by the management and if so to what extent?"

[No. L-29011/40/71-LR-IV.]

नई दिल्ली, 14 दिसम्बर, 1971

का० आ० 553.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में मैसर्स वेस्टर्न बंगाल कोल फील्डस लिमिटेड, खेतरी कापर प्रोजैक्ट, खेतरी नगर के प्रबन्ध से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वाछनीय समझती है;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7-क और धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है जिसके पीठासीन अधिकारी श्री गोपाल नारायण शर्मा होंगे, जिनका मुख्यालय जयपुर होगा और उक्त विवाद को उक्त औद्योगिक अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निदर्शित करती है ।

अनुसूची

"क्या हड़ताल की अवधि 7 सितम्बर, 1971 से 25 सितम्बर, 1971 (4 बजे अपराह्न) तक समझी जानी चाहिए या 7 सितम्बर, 1971 से 27 सितम्बर, 1971 (9 बज पूर्वाह्न) तक और क्या हड़ताल की अवधि के लिए श्रमिको को प्रबन्ध मण्डल द्वारा मजदूरी देय होनी चाहिए और अगर हां तो किस सीमा तक ?"

[सं० एल० 29011/40/71-एल०आर०-4]

New Delhi, the 15th December 1971

S.O. 554.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of "Malkera" Choitudih Colliery of Messrs Tata Iron and Steel Company Limited, Post Office Malkera, District Dhanbad and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudicateion to the Central Government Industrial Tribunal (No. 1), Dhanbad, constituted under section 7A of the said Act.

SCHEDULE

"Whether the dismissal of Shri R. P. Singh, Grade-II Clerk with effect from the 16th December, 1970 by the management of Malkera Choitudih Colliery of Messrs Tata Iron and Steel Company Limited, Post Office Malkera (Dhanbad), is justified? If not, to what relief is the workman concerned entitled?"

[No. L/2012/115/71-LRII.]

नई दिल्ली, 15 दिसम्बर, 1971

का०आ० 554.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में मैसर्स टाटा आयरन एण्ड स्टील कम्पनी लिमिटेड की मालकेरा चोयटुडिह कोलियारी, डाकघर मालकेरा, जिला धनबाद के प्रबन्ध से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है।

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है :

अतः अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण (संख्या 1), धनबाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

"क्या मैसर्स टाटा आयरन एण्ड स्टील कम्पनी लिमिटेड की मालकेरा चोयटुडिह, डाकघर मालकेरा, (धनबाद) के प्रबन्ध-मण्डल द्वारा श्री आर० पी० सिंह, ग्रेड-2 लिपिक को 16 दिसम्बर, 1970 से पदच्युत करना न्यायोचित है ? यदि नहीं, तो सम्बन्धित कर्मकार किस अनुतोष का हकदार है ?"

[सं० एल०-2012/115/71-एल०आर०-2]

S.O. 555.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of South Bulliari Colliery of Messrs East Indian Coal Company Limited, Post Office Jealgora, District Dhanbad and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal (No. 1), Dhanbad, constituted under section 7A of the said Act.

SCHEDULE

"Whether the action of the management of South Bulliari Colliery of Messrs East Indian Coal Company Limited, Post Office Jealgora, District Dhanbad, was justified in designating Shri Mukhdeo Pandey as Lamp Mazdoor with effect from the 5th August, 1967? If not, to what relief the workman is entitled?"

[No. L/2012/146/71-LRII.]

का० आ० 555.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में मसर्स ईस्ट इंडियन कोल कम्पनी लिमिटेड, की साऊथ बूल्लियारी कोलियरी, डाकघर जीलगोरा, जिला धनबाद के प्रबन्ध से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है।

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है ;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण (संख्या 1), धनबाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

"क्या मैसर्स ईस्ट इंडियन कोल कम्पनी लिमिटेड, की साऊथ बूल्लियारी कोलियारी, डाकघर जीलगोरा, जिला धनबाद के प्रबन्ध मण्डल की श्री मुखदेओ पांडे को 5 अगस्त, 1967 से लैम्प मजदूर के रूप में पदाभिहित करने की कार्यवाही न्यायोचित थी ? यदि नहीं, तो कर्मकार किस अनुतोष का हकदार है ?"

[संख्या एल०-2012/146/71-एल०आर०-2]

S.O. 556.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of East Bhuggutdih Colliery of Messrs The East Bhuggutdih Colliery Company Private Limited, Post Office Jharia, District Dhanbad, and the workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal (No. 1), Dhanbad, constituted under section 7A of the said Act.

SCHEDULE

"Whether the action of the management of East Bhuggutdih Colliery of Messrs The East Bhuggutdih Colliery Company Private Limited, Post Office Jharia, District Dhanbad in stopping the work of Shri M. N. Bhattacharjee, Mining Sirdar with effect from the 1st August, 1971 is justified? If not, to what relief is the workman entitled?"

[No. L/2012/177/71-LRII.]

का० आ० 556.—यतः, केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में मैसर्स दी ईस्ट भूग्गूडिह कोलियरी कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड की ईस्ट भूग्गूडिह कोलियरी, डाकघर झरिया, जिला धनबाद के प्रबन्ध से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है ;

और यतः, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है ;

अतः अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7क के अधीन गठित

केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण (संख्या 1) धनबाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

"क्या मैसर्स दी ईस्ट भुगडिह कोलियरी कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड की ईस्ट भुगडिह कोलियरी, डाकघर झरिया, जिला धनबाद के प्रबन्ध मंडल की, श्री एम० एन० भट्टाचार्जी, माइनिंग सिरदार को 1 अगस्त 1971 से काम से रोकने की कार्यवाही न्यायोचित है ? यदि नहीं, तो कर्मकार किस अनुतोष का हकदार है।

[सं० एल०-2012/177/71-एल० आर०-2]

S.O. 557.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Pootkee Colliery of Messrs the Oriental Coal Company Limited, Post Office Kusunda, District Dhanbad and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, Dhanbad-I, constituted under section 7A of the said Act.

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Pootkee Colliery of Messrs the Oriental Coal Company Limited, Post Office Kusunda, District Dhanbad in dismissing Shri Yusuf Mian, Miner with effect from the 20th October, 1970 is justified? If not, to what relief is the concerned workman entitled?"

[No. L/2012/189/71-LRII.]

का० आ० 557.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में मैसर्स दी ओरिएंटल कोल कम्पनी लिमिटेड की पूतकी कोलियरी, डाकघर कुसुन्डा जिला धनबाद के प्रबन्ध से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है।

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है।

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7क के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, धनबाद-1 को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

"क्या मैसर्स दी ओरिएंटल कोल कम्पनी लिमिटेड की पूतकी कोलियारी, डाकघर कुसुन्डा, जिला धनबाद के प्रबन्ध मण्डल को, श्री यूसुफ मियां, खनिक को 20 अक्तूबर, 1970 से पदच्युत करने की कार्यवाही न्यायोचित है ? यदि नहीं, तो कर्मकार सम्बन्धित किस अनुतोष का हकदार है ?"

[सं० एल०-2012/189/71-एल०आर०-2]

New Delhi, the 16th December 1971

S.O. 558.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Messrs Chowgule and Company Private Limited, Mormugao Harbour (Goa) and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal (No. 2), Bombay constituted under section 7A of the said Act.

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Messrs Chowgule and Company Private Limited, Mormugao Harbour (Goa) in terminating the services of Shri U. Dinker, Head Storekeeper, Pale Mines with effect from 12th June, 1971 is justified? If not, to what relief is the workman entitled?"

[No. L-29012/32/71-LRIV.]

नई दिल्ली, 16 दिसम्बर, 1971

का० आ० 558.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में मेसर्स चौगुल एण्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड मोरमुगाओ बन्दरगाह (गोवा) के प्रबन्ध से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान हैं ;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती हैं ;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उप-धारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, (संख्या 2) बम्बई को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करेती है।

अनुसूची

"क्या मैसर्स चौगुल एण्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड मोरमुगाओ बन्दरगाह (गोआ) के प्रबन्ध मण्डल की, पेल माईन्स के हेड स्टोर कीपर श्री यू० दिनकर को 12 जून, 1971 से सेवा समाप्त करने की कार्यवाही न्यायोचित हैं? यदि नहीं तो कर्मकार किस अनुतोष का हकदार है ?"

[सं० एल०-2902/312/71-एल० आर०-4]

S.O. 559.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Guzdhar Kajora Colliery, Post Office Kajoragram, District Burdwan and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the

Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta, constituted under section 7A of the said Act.

SCHEDULE

"Whether the management of Guzdhar Kajora Colliery, Post Office Kajoragram, District Burdwan is justified in terminating the lien on appointment of Shri Sitaram Das, Boiler Fireman, from the 13th February, 1971? If not, to what relief is the workman entitled?"

[No. L/1912/9/71-LRII.]

का० आ० 559.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में गुजधर कजोरा कोलियारी, डाकघर कजोरा ग्राम, जिला बर्दवान के प्रबन्ध से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है ।

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है ;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा उक्त विवादको उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, कलकत्ता को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है ।

अनुसूची

"क्या गुजधर कजोरा कोलिय ., डाकघर कजोरा ग्राम, जिला बर्दवान के प्रबन्धमण्डल का श्री सीताराम दास, बायलर फायरमन की नियुक्ति पर 13 फरवर., 1971 से धारणाधिकार समाप्त करना न्यायोचित है ? यदि नहीं, तो कर्मकार किस अनुतोष का हकदार है ?"

[सं० एल०/1912/9/71-एल०आर०-2]

S.O. 560.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of East Nimcha Colliery of the East Laikdih Colliery Company Private Limited, Post Office Jaykaynagar, District Burdwan and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta, constituted under section 7A of the said Act.

SCHEDULE

"Whether the action of the management of East Nimcha Colliery of the East Laikdih Colliery Company Private Limited, Post Office Jaykaynagar, District Burdwan in retrenching 94 workmen named below by their notice dated the 28th October, 1970, is legal and justified? If not, to what relief are the concerned workmen entitled?

S. No.	Name
1.	Raghu Kurmi.
2.	Radhesyam Kurmi.
3.	Sukhraj Kurmi.
4.	Sitaram Mahato.
5.	Chhotelal Kurmi.
6.	Bidya Kurmi.
7.	Chhaboolal Kurmi.
8.	Charitar Kurmi.
9.	Sankar Singh.
10.	Jairam Pal.
11.	Sisupai Harijan.
12.	Kanta Joisowara.
13.	Achabar Joisowara.
14.	Dasarath Gupta.
15.	Deonath Harijan.
16.	Lalta Pd. Kurmi.
17.	Kharpatoo Kurmi.
18.	Chodhary Sao.
19.	Saradha Pd. Harijan.
20.	Girja Pada Harijan.
21.	Fullgen Harijan.
22.	Rajaram Rajbhar.
23.	Basentoo Harijan.
24.	Babu Rajbhar.
25.	Ram Lakhan Rajbhar.
26.	Sovnath Rajbhar.
27.	Baburam Rajbhar.
28.	Adalat Rajbhar.
29.	Kallu Rajbhar.
30.	Laljit Rajbhar.
31.	Babu Kahar.
32.	Sankar Kahar.
33.	Sahadeo Kahar.
34.	Brijlal Harijan.
35.	Siroman Harijan.
36.	Patiram Harijan.
37.	Ramnath Harijan.
38.	Dasoo Harijan.
39.	Ram Naresh Harijan.
40.	Kishori Harijan.
41.	Syamlal No. 1 Harijan.
42.	Shyamlal No. 2 Harijan.
43.	Shyamdeo Harijan.
44.	Rampati Harijan.
45.	Siomurat Harijan.
46.	Pannalal Harijan.
47.	Samupal.
48.	Hatiya Das.
49.	Durjodhan Padhan.
50.	Anand Mahak.
51.	Dam Bahadur Singh.
52.	Somnath Rajbhar.
53.	Bhola Singh.
54.	Ramjash Rajbhar.
55.	Kariya Rajbhar.
56.	Surjoo Rajbhar.
57.	Magaru Chohan.
58.	Bhigu Singh.
59.	Birchan Singh.
60.	Jagmohan Singh.
61.	Baiju Mahato.
62.	Motiram Urang.
63.	Mahangu Urang.
64.	Dasharath Urang.
65.	Ram Santu Mahali.
66.	Raj Kumari Devi.
67.	No. 1 Urmila Devi.
68.	No. 2 Urmila Devi.
69.	Jiramoni Devi.
70.	Sohori Devi.
71.	Tara Moni Devi.
72.	Sori Bouri.
73.	Akhania Bouri.
74.	Deothan Munda.
75.	Balku Munda.
76.	Makhand Munda.
77.	Lachchu Munda.
78.	Laldeo Munda.

S. No.	Name
79.	Bahula Urang.
80.	Gultan Bhuiya.
81.	Karu Bhuiyay.
82.	Rupayni Devi.
83.	Choti Devi.
84.	Bhandhani Devi.
85.	Fulmoni Devi.
86.	Parama Kolri.
87.	Khadaru Kolri.
88.	Deonath Rajbhar.
89.	Dudhnath Rajbhar.
90.	Ram Lakhan Kurmi.
91.	Kishori Kurmi.
92.	Rambrich Boubasi.
93.	Kedhar Rajbhar.
94.	Kanai Rajbhar."

[No. L/1912/47/71-LRII.]

का० आ० 560.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इसमें उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में ईस्ट लायकडिह कोलियरी कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड की ईस्ट निमचा कोलियरी, डाकघर जेकेनगर, जिला बर्दवान के प्रबन्धक से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है ;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्दिशित करना वांछनीय समझती है;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, कलकत्ता को न्याय-निर्णयन के लिए निर्देशित करती है ।

अनुसूची

"क्या ईस्ट लायकडिह कोलियारी कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड की ईस्ट निमचा कोलियरी, डाकघर, जेकेनगर, जिला बर्दवान के प्रबन्धक मण्डल के तारीख 28 अक्टूबर 1970 के अपने नोटिस द्वारा निम्नलिखित 94 कर्मकारों की छटनी करने की कार्यवाही वैध और न्यायोचित है ? यदि नहीं, तो सम्बन्धित कर्मकार किस अनुतोष के हकदार हैं ?—

क्रमांक	नाम
1	रघु कुर्मी
2	राधेश्याम कुर्मी
3	सुखराज कुर्मी,
4	सीता राम माहातो
5	छोटे लाल कुर्मी
6	बिद्या कुर्मी
7	छाबू लाल कुर्मी
8	चारित्तर कुर्मी
9	संकर सिंह,
10	जयराम पाल
11	सिमुपाल हरिजन
12	कान्ता जोयसेवारा
13	आचाबार जोयसोवारा
14	दसरथ गुप्ता
15	देओनाथ हरिजन
16	ललना प्रसाद कुर्मी
17	खरपातु कुर्मी
18	चौधरी साओ
19	साराधा प्रसाद हरिजन
20	गिरजा पादा हरिजन
21	फुल्लेजेन हरिजन
22	राजा राम राजभार
23	बसेंतु हरिजन
24	बाबू राजभार
25	राम लखन राजभार
26	सोव नाथ राजभार
27	बाबुराम राजभार
28	अदालत राजभार
29	काल्लु राजभार
30	लालजीत राजभार
31	बाबु कहार
32	संकर कहार
33	सहादेओ कहार
34	ब्रिजलाल हरिजन
35	सिरोमन हरिजन
36	पाती राम हरिजन
37	राननाथ हरिजन
38	दासू हरिजन
39	राम नरेश हरिजन
40	किशोरी हरिजन
41	रायामलाल संख्या 1 हरिजन
42	श्याम लाल संख्या 2 हरिजन
43	श्यामदेव हरिजन
44	रामपती हरिजन
45	सिओमुरत हरिजन
46	पन्ना लाल हरिजन
47	सामुपाल
48	हनियादास
49	दुर्जोधन पाधान
50	आनन्द पहाक
51	दाम बहादुर सिंह
52	सोमनाथ राजभार
53	भोला सिंह
54	रामजस राजभार
55	कारिया राजबहार
56	मूर्जु राजभार

क्रमांक	नाम
57	भागारू चौहान
58	भिगु सिंह
59	बिर्चन सिंह
60	जगमोहन सिंह
61	बंगु महातो
62	मोती राम उरांग
63	महांगु उरांग
64	दशरथ उरांग
65	राम साहतु साहानी
66	राजकुमारी देवी
67	संख्या 1 उर्मिला देवी
68	संख्या 2 उर्मिला देवी
69	जीरामोती देवी
70	सोहेरी देवी
71	तारा मोती देवी
72	सोरी बौरी
73	आखानिया बौरी
74	देओथन मुंडा
75	बालकु मुंडा
76	मांखाड मुंडा
77	लछू मुंडा
78	लालदेओ मुंडा
79	बाहुला उरंग
80	गुल्तान भुइया
81	नारू भुइया
82	फूलानी देवी
83	चोटी देवी
84	भानधनी देवी
85	फलभानी देवी
86	पारामा कोयरी
87	खादाम कोयरी
88	देओनाथ राजभार
89	दूधनाथ राजबहार
90	राम लखन कुर्मी
91	किशोरी कुर्मी
92	रामब्रिच बोउबार्मा
93	केधार राजभार
94	कनाई राजभार ।

[संख्या एल०–1912/47/71—एल० आर०-2]

S.O. 561.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of East chora Colliery of Messrs East Chora Colliery Company Limited, Post Office Bahula, District Burdwan and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta, constituted under section 7A of the said Act.

SCHEDULE

"Whether the action of the management of East Chora Colliery of Messrs East Chora Colliery Company Limited, Post Office Bahula, District Burdwan in denying the claim for permanency to Sarvashri Badhe Mistry, Pulin Bouri, Banarshi Mistry, Bhola Bouri, Blacksmiths and Ambika Mistry, Baleshwar Mistry, Prabhu Barahi and Gangedhar Bouri, Hammermen, is justified? If not, to what relief are these workmen entitled and from what date?"

[No. L/1912/81/71-LRII.]

का० आ० 561.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में मैसर्स ईस्ट चोरा कोलियरी कम्पनी लिमिटेड, की ईस्ट चोरा कोलियरी डाकघर बाहुला, जिला बर्दवान के प्रबन्ध से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है;

अतः अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, कलकत्ता को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

"क्या मैसर्स ईस्ट चोरा कोलियरी कम्पनी लिमिटेड की ईस्ट चोरा कोलियरी, डाकघर बाहुला, जिला बर्दवान के प्रबन्ध मण्डल की सर्वश्री बाधे मिस्त्री, पुलिन बौरी, बनारसी मिस्त्री, भोला बौरी लोहार और अम्बिका मिस्त्री, बालेश्वर मिस्त्री, प्रभु बाराही और गंगेधर बौरी हैमरमैन के स्थायित्व के दावे को अस्वीकार करने की कार्यवाही न्यायोचित है? यदि नहीं, तो ये कर्मकार किस अनुतोष के और किस तारीख से हकदार हैं।"

[संख्या एल०/1912/81/71-एल० आर०–2]

S.O. 562.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Alkusa South Colliery of Messrs Raneegunge Coal Association Limited, Post Office Kusotre, District Dhanbad, and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal (No. 1), Dhanbad, constituted under section 7A of the said Act.

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Alkusa South Colliery of Messrs Raneegunge Coal Association Limited, Post Office Kustore, District Dhanbad in suspending, without pay, Shri Harhangi Kurmi, Miner from the 3rd March, 1971 to the 12th March, 1971 as punishment is justified? If not, to what relief is the workman entitled?".

[No. L/2012/154/71-LRII.]

का० आ० 562.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में मैसर्स रानीगंज कोल एसोसिएशन लिमिटेड की अलकुसा साउथ कोलियरी, डाकघर कुस्तौर, जिला धनबाद के प्रबन्ध से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है ;

और अतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है ;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण (सं० 1) धनबाद को न्यायनिर्णय के लिए निदेशित करती है।

अनुसूची

"क्या मैसर्स रानीगंज कोल ऐसोसिएशन लिमिटेड के अलकुसा साउथ कोलियरी, डाकघर कुस्तौर, जिला धनबाद के प्रबन्ध मण्डल की श्री हरहंगी कुर्मी, खनिक को 3 मार्च, 1971 से 12 मार्च 1971 तक दण्ड के रूप में बिना वेतन के निलम्बित करने की कार्यवाही न्यायोचित है ? यदि नहीं तो कर्मकार किस अनुतोष का हकदार है।

[संख्या एल०-2012/154/71-एल० आर०-2]

S.O. 563.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Angarpathra Colliery of Messrs Union Coal Company Limited, Post Office Sijua, District Dhanbad, and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refer the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal (No. 1), Dhanbad, constituted under section 7A of the said Act.

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Angarpathra Colliery of Messrs Union Coal Company Limited, Post Office Sijua, District Dhanbad in stopping from work the following miners with effect from the 17th July, 1970 is justified? If not, to what relief are the said workmen entitled?

S. No.	Name of the workmen.
1.	Sri Mahadeo Pasi.
2.	Sri Sri Nath Pasi.
3.	Sri Mithu Pasi.
4.	Sri Ram Pasi.
5.	Sri Hublal Pasi.
6.	Sri Bhola Pasi.
7.	Sri Jantri Pasi.
8.	Sri Ram Naresh Pasi
9.	Sri Motilal Kalchhi.
10.	Sri Ram Khilawan Pasi.
11.	Sri Hira Lall Rabidas.
12.	Sri Ram Aular Pasi.
13.	Sri Putilal Jaiswara.".

[No. L/2012/187/71-LRII.]

का० आ० 563.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में मैसर्स यूनियन कोल कम्पनी लिमिटेड की अंगरपाथरा कोलियरी, डाकघर-सिजुआ, जिला धनबाद के प्रबन्ध से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है।

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण (संख्या 1), धनबाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

"क्या मसर्स यूनियन कोल कम्पनी लिमिटेड, की अंगरपाथरा कोलियरी, डाकघर सिजुआ, जिला धनबाद के प्रबन्ध मंडल की, निम्नलिखित खनिकों को 17 जुलाई, 1970 से काम से रोकने की कार्यवाही न्यायोचित है ? यदि नहीं, तो उक्त कर्मकार किस अनुतोष के हकदार है ?

क्रम सं०	कर्मकार का नाम
1	श्री महादेओ पासी
2	श्री श्री नाथ पासी
3	श्री मिथु पासी
4	श्री राम पासी
5	श्री हबलाल पासी
6	श्री भोला पासी
7	श्री जंत्री पासी
8	श्री राम नरेश पासी

क्रम संख्या	कर्मकार का नाम
9	श्री मोती लाल कनछी
10	श्री राम खिलावन पासी
11	श्री हीरा लाल रबीदास
12	श्री राम अवतार पासी
13	श्री पुतीलाल जैसवारा ।

[सख्या एल०-2012/187/71-एल० आर० 2]

S. O. 564—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the Ramagundam Divisions I and II of Singareni Collieries Company Limited, Post Office Godavarikhani (Andhra Pradesh), and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed ;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A and clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal with Shri P.S. Ananth, as Presiding Officer with headquarters at Afzal Lodge, Tilak Road, Ramkote, Hyderabad-1 and refers the said dispute for adjudication to the said Industrial Tribunal.

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Ramagundam Divisions I and II of Singareni Collieries Company limited, Post Office Godavarikhani in transferring the following workmen from belampalli and Kothagudium to Ramagundam has adversely affected their service conditions and privileges ? If so, to what relief are the said workmen entitled ?

Sl. No.	Name of the workman	Designation
1.	Shri M. S. Murthy	Electrician
2.	Shri P. Tata Rao	Do.
3.	Shri E. Ramachander.	Do.
4.	Shri P. V. Reddy Babu	Do.
5.	Shri V. Bhaskaran.	Do.
6.	Shri Yadagiri.	Fitter
7.	Shri Chary	Do.
8.	Shri Asmathali	Do.
9.	Shri Candla Narayana	Head Boiler Attendant
10.	Shri Vemula Narayana	Do.
11.	Shri A. Suryanarayana	Boiler Attendant
12.	Shri Laxminarayana	Do.
13.	Shri Sydney Heaider	Do.
14.	Shri M. Eswardass	Water Supply Pump Driver
15.	Shri Kareem Khan	Master Fitter.
16.	Shri Sivaraj	Asstt. Boiler Attendant.
17.	Shri D. Rajaram	Worker in Asstt. Pay Masters, Office.
18.	Shri Adinarayana	Steno to Agent, Ramagundam-II."

[No. L/2112/31/71-LR II]

का० आ० 564.—यतः, केन्द्रीय सरकार की राय है कि उससे उपबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में सिंगरेनी कोलियरीज कम्पनी लिमिटेड, के रामागुंडम 1 और 2 डिविजनों डाकघर गोदावरी खनी (आंध्र प्रदेश) के प्रबन्ध से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है ;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्याय निर्णयन के लिये निर्देशित करना वांछनीय समझती है ।

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7-क और धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है जिसके पीठासीन अधिकारी श्री पी० एस० आनन्थ होंगे, जिनका मुख्यालय अफजल लौज, तिलक रोड, रामकोटे, हैदराबाद—1 होगा और उक्त विवाद को उक्त औद्योगिक अधिकरण को न्याय निर्णयन के लिये निर्देशित करती है ।

अनुसूची

"क्या सिंगरेनी कोलियरीज कम्पनी लिमिटेड के रामागुंडम/और 2 डिविजनों, डाकघर गोदावरी खनी के प्रबन्ध मण्डल के निम्नलिखित कर्मकारों को बेल्लमपल्ली और कोथागुडियम से रामागुंडम स्थानान्तरित करने की कार्यवाही से उनकी सेवा की शर्तों और विशेषाधिकारों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है ? यदि हां, तो उक्त कर्मकार किस अनुतोष के हकदार हैं ?

क्रम संख्या	कर्मकार का नाम	पदनाम
1.	श्री एम० एस० मूर्था	बिजली मिस्त्री
2.	श्री पी० टाटा राओ	यथोक्त
3.	श्री ई० रामाचन्दर	यथोक्त
4.	श्री पी० वी० रैडी बाबू	यथोक्त
5.	श्री वी० भास्करन	यथोक्त
6.	श्री यादागिरी	फिटर
7.	श्री चारी	यथोक्त
8.	श्री अस्मांथाली	यथोक्त
9.	श्री कांडला नारायना	हैड ब्यालर परिचारक
10.	श्री वैमूला नारायना	यथोक्त
11.	श्री ए० सूर्यानारायना	ब्यालर परिचारक
12.	श्री लक्ष्मीनारायना	यथोक्त
13.	श्री सिडनी हैडर	यथोक्त
14.	श्री एम० ईश्वरदास	जल प्रदाय पम्प ड्राइवर
15.	श्री करीम खान	मास्टर फिटर
16.	श्री सिवाराज	सहायक ब्यालर परिचारक
17.	श्री डी० राजाराम	सहायक वेतनाध्यक्ष के कार्यालय में कर्मकार ।
18.	श्री आदीनारायना	ऐजेंट रामागुंडमII। के आशुलिपिक ।

[सं० एल०-2112/31/71-एल० आर०-2

New Delhi, 17th December 1971

S.O. 565.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employees in relation to the management of Chandore Colliery owned by Shri Dwarka Prasad Aggarwala, Post Office Jharia, District Dhanbad and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed ;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication ;]

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (*d*) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal (No. 1), Dhanbad, constituted under section 7A of the said Act.

SCHEDULE

2. Whether the action of the management of D.P. Chandore Colliery owned by Shri Dwarka Prasad Aggarwala, Post Office Jharia District Dhanbad, in stopping the following workmen from work for the respective periods mentioned against their names and subsequently stopping them from work, with effect from the 9th October, 1971 is justified ? If not, to what relief is the said workmen entitled ?

S.No.	Name of the workman	Designation	Period
1	Shri Jasan Ram	Trammer	9-8-71 to 31-8-71
2	Shri Babulal Mahato	B. Fireman	Do
3	Shri Koiri Bowri	Engine Khalasi	Do
4	Shri Bhusan Teli	U.G. Trammer	Do.
5	Shri Manir Mian	Fitter Mistry	Do
6	Shri Kunjarali Mian	Bhatta Mazdoo	Do
7	Shri Ganeshi Ram	U.G. Trammer	Do.
8	Shri Binulal Kole	Miner	Do.
9	Shri Chiman Bhuia	Loader	9-8-71 to 19-8-71
10	Shri Banshi Bhuia	Do	Do.
11	Shri Jethu Bhuia	Do.	Do.
12	Shri Baldeo Bhuia	Do.	Do.
13	Shri Ganeshi Bhuia	Do.	Do.
14	Shrimati Jethni Bhuini	Wagon Loader	Do.
15	Shrimati Jagni Bhuini	Do.	Do.
16	Shrimati Saro Bhuini	Do.	Do.
17	Shrimati Punia Bhuini	Do	Do.
18	Shrimati Mighani Bhuini	Do.	Do.

[No.L/2012/194/71—LR II]

नई दिल्ली, 17 दिसम्बर 1971

का० आ० 565—यत : केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में श्री द्वारका प्रसाद अग्रवाल की चांदोर कोलियरी, डाकघर झरिया, जिला धनबाद के प्रबन्ध से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है ;

और यत : केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निदेशित करना वांछनीय समझती है ;

अत :, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खंड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण (संख्या 1), धनबाद को न्याय-निर्णयन के लिए निर्देशित करती है ।

अनुसूची

"क्या श्री द्वारका प्रसाद अग्रवाल की डी०पी० चांदोर कोलियरी, डाकघर झरिया, जिला धनबाद के प्रबन्धमंडल को निम्नलिखित कर्मकारों को उनके नामों के सामने लिखी अवधियों के लिए काम से रोकने और बाद में उन्हें 9 अक्तूबर, 1971 से काम से रोकने की कार्यवाही न्यायोचित है ? यदि नहीं, तो उक्त कर्मकार किस अनुतोष के हकदार हैं ?"

क्रमांक	कर्मकार का नाम	पदनाम	अवधि
1.	श्री जासान राम	ट्रैम्मर	9-8-71 से 31-8-71 तक
2.	श्री बाबुलाल महातो	बी०फायरमैन	यथोक्त
3.	श्री कोइरी बौरी	इंजन खलासी	यथोक्त
4.	श्री भूसन तेली	यू०जी० ट्रैम्मर	यथोक्त
5.	श्री मनीर मिया	फिटर मिस्त्री	यथोक्त
6.	श्री कुजारीली मियां	भट्टा मजदूर	यथोक्त
7.	श्री गणेशी राम	यू०जी० ट्रैम्मर	यथोक्त
8.	श्री बानुलाज कोल	खनिक	यथोक्त
9.	श्री चमनी भुइजा	लोडर	9-8-71 से 19-8-71 तक
10.	श्री बशी भुइआ	यथोक्त	यथोक्त
11.	श्री जेठ भुआ	यथोक्त	यथोक्त
12.	श्री बलदेओ भुइआ	यथोक्त	यथोक्त
13.	श्री गणेशी भुइंआ	यथोक्त	यथोक्त
14.	श्रीमती जेथनी भुइनी	वैगन लोडर	यथोक्त

क्रमांक	कर्मकार का नाम	पदनाम	अवधि
15.	श्रीमती जगनी भुइनी	यथोक्त	यथोक्त
16.	श्रीमती मारो भुइनी	यथोक्त	यथोक्त
17.	श्रीमती पुनिया भुइनी	यथोक्त	यथोक्त
18.	श्रीमती माधानी भुइनी	यथोक्त	यथोक्त

[संख्या एल०-2012/194/71-एल०आर०2]

New Delhi, the 24th December 1971

S.O. 566.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Godhur Colliery of Messrs Godhur Colliery Company, Post Office Kusunda, District Dhanbad and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal (No. 1), Dhanbad, constituted under Section 7A of the said Act.

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Godhur Colliery of Messrs Godhur Colliery Company, Post Office Kusunda, District Dhanbad in stopping Shri Shyam Lal Lohar, Mechanical Fitter from work with effect from the 28th May, 1971 and subsequently terminating his services with effect from the 28th June, 1971 is justified? If not, to what relief is the said workman entitled?".

[No. L/2012/182/71-LRII.]

नई दिल्ली, 24 दिसम्बर 1971

का० आ० 566.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में मैसर्स गोधुर कोलियरी कम्पनी की गोधुर कोलियरी, डाकघर कुसुन्डा, जिला धनबाद के प्रबन्ध से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है ;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है ;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खंड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण (संख्या 1) धनबाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

"क्या मैसर्स गोधुर कोलियरी कम्पनी की गोधुर कोलियरी, डाकघर कुसुन्डा, जिला धनबाद के प्रबन्ध मण्डल की, श्री श्याम लाल लोहार, मेकैनिकल फिटर को 28 मई, 1971 से काम से रोकते और बाद में 28 जून, 1971 से उसकी सेवाएं समाप्त करने की कार्यवाही न्यायोचित है ? यदि नहीं, तो उक्त कर्मकार किस अनुतोष का हकदार है ?"

[सं०एल०/2012/182/71-एल०आर०-2]

New Delhi, the 27th December 1971

S.O. 567.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Badjna Colliery of Messrs. Oriental Coal Company Limited, Post Office Nirsachatti, District Dhanbad and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal No. 1, Dhanbad, constituted under section 7A of the said Act.

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Badjna Colliery of Messrs Oriental Coal Company Limited, Post Office Nirsachatti, District Dhanbad in stopping from work Sarvashri Hadis Mian and Jairam, G.P. Loaders from the 1st July, 1971 to the 22nd July, 1971, was justified? If not, to what relief are the said workmen entitled?"

[No. L/2012/195/71-LRII.]

नई दिल्ली, 27 दिसम्बर 1971

का० आ० 567.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में मैसर्स ओरिएन्टल कोल कम्पनी लिमिटेड की बाद्जना कोलियरी, डाकघर निरसा चट्टी, जिला धनबाद के प्रबन्ध से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है ;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है ;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण (संख्या 1), धनबाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

"क्या मैसर्स ओरिएन्टिल कोल कम्पनी लिमिटेड की बाद्जना कोलियरी, डाकघर निरसा चट्टी, जिला धनबाद के प्रबन्ध मंडल की सर्वश्री हादिस मियां जयराम, जी०पी० लोडरों को 1 जुलाई, 1971 से 22 जुलाई, 1971 तक काम से रोकने की कार्यवाही न्यायोचित थी ? यदि नहीं, तो उक्त कर्मकार किस अनुतोष के हकदार हैं ?

[संख्या एल 2012/195/71-एल०आर०-2]

New Delhi, the 28th December 1971

S.O. 568.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Katras Choitudih Colliery of Messrs Burrakur Coal Company Limited, Katrasgarh, Post Office, Dhanbad District and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal (No. 3), Dhanbad, constituted under section 7A of the said Act.

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Katras Choltudih Colliery of Messrs Burarkur Coal Company Limited, Katrasgarh Post Office, Dhanbad District is justified in terminating the services of Sarvashri Hiralal Singh, Arjun Rewani, B. N. Acharjee and Shital Chandra Pathak, Overmen, with effect from the 12th March, 1968.? If not, to what relief are the workmen entitled to?"

[No. 2/171/70-LRII.]

नई दिल्ली, 28 दिसम्बर 1971

का० आ० 568.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इस से उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में मैसर्स बुर्राकुर कोल कम्पनी लिमिटेड की कतरास चौटुडिह कोलियरी, डाकघर कतरासगढ़, जिला धनबाद के प्रबन्ध से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है;

और यतः, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है;

अतः अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7 क के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, (संख्या 3) धनबाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

"क्या मैसर्स बुर्राकुर कोल कम्पनी लिमिटेड की कतरास चौटिडिह कोलियरी, डाकघर कतरासगढ़, जिला धनबाद के प्रबन्ध मण्डल की 12 मार्च, 1968 से सर्वश्री हीरालाल सिंह, अर्जुन रेवानी बी० एन० आचार्जी और शितल चन्द्र पाठक, ओवरमैन की सेवाएं समाप्त करने की कार्यवाही न्यायोचित है ? यदि नहीं, तो कर्मकार किस अनुतोष के हकदार हैं"।

[संख्या 2/171/70-एल० आर०-2]

S.O. 569.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Girimint Colliery of Messrs Bengal Coal Company Limited, Post Office Charanpur, District Burdwan and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta, constituted under section 7A of the said Act.

SCHEDULE

"Whether the management of Girimint Colliery of Messrs Bengal Coal Company Limited, Post Office Charanpur District Burdwan was justified in stopping the following 22 Wagon Loaders from work with effect from the 12th July, 1971, and subsequently transferring them to Banksimulia 7/8 Pits Colliery from the 19th July, 1971? If not, to what relief are these workmen entitled?"

S. No.	Name of workmen
1.	Shri Dhaneswar Bhuiya.
2.	Shri Dasaroth Bhuiya.
3.	Shri Ramfal Bhuiya.
4.	Shri Bharashi Bhuiya.
5.	Shri Bishandeo Bhuiya.
6.	Shri Rambharasha Bhuiya.
7.	Shri Kartick Bhuiya.
8.	Shri Bhola Bhuiya.
9.	Shri Rameshwar Bhuiya.
10.	Shri Lakhan Bhuiya.
11.	Shri Gangua Nunia.
12.	Shri Govind Nunia.
13.	Shri Bishandeo Nunia.
14.	Shri Gango Nunia.
15.	Shri Shyamlal Nunia.
16.	Shri Ram Ch. Nunia.
17.	Shri Nandkishor Nunia.
18.	Shri Sona Majl.
19.	Shri Etowari Bhuiya.
20.	Shri Gonesh Bhuiya.
21.	Shri Baleswar Bhuiya.
22.	Shri Nagina Nunia."

[No. L/1912/108/71-LRII.]

का० आ० 569.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में मैसर्स बंगाल कोल कम्पनी लिमिटेड की गिरिमिन्ट कोलियरी, डाकघर चरनपुर जिला बर्दवान के प्रबन्ध से सम्बन्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है ;

और यतः, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, कलकत्ता को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

"क्या मैसर्स बंगाल कोल कम्पनी लिमिटेड की गिरिमिन्ट कोलियरी, डाकघर चरनपुर, जिला बर्दवान के प्रबन्ध मण्डल का निम्नलिखित 22 वैगन लोडरों को 12 जुलाई, 1971 से काम से बन्द करना और बाद में 19 जुलाई, 1971 से बांकसी मुलिया 7/8 पिट्स कोलियरी में उनको स्थानान्तरित करना न्यायोचित था ? यदि नहीं, तो ये कर्मकार किस अनुतोष के हकदार हैं

क्रमांक	कर्मकार का नाम
1	श्री धानेश्वर भुइया
2	श्री दसारोथ भुइया
3	श्री रामफल भुइया
4	श्री भारागी भुइया
5	श्री विशन देओ भुइया
6	श्री रामभाराशा भुइया
7	श्री कारतिक भुइया
8	श्री भोला भुइया
9	श्री रामेश्वर भुइया
10	श्री लखन भुइया
11	श्री गंगुआ नुनिआ
12	श्री गोविन्द नुनिआ
13	श्री विशन देओ नुनिआ
14	श्री गंगो नुनिआ
15	श्री श्याम लाल नुनिआ
16	श्री राम च० नुनिआ
17	श्री नन्द किशोर नुनिआ
18	श्री सोना मांजी
19	श्री इतोवारी भुइया
20	श्री गोनेश
21	बालेश्वर भुइया
22	श्री नगीना नुनिआ"

[संख्या एल०-1912/108/71—एल० आर०—2]

New Delhi, the 31st December 1971

S.O. 570.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Tungston Mining Project, Degana and their workmen in respect of the matter specified in the Schedule hereto annexed;

And, whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A and clause (d) of sub-section (1) of section 10, of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri Gopal Narain Sharma, shall be the Presiding Officer, with headquarters at Jaipur and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Tungsten Mining Project is justified in terminating the services of Shri Mool Singh, Mate, with effect from the 10th August, 1970. If not, to what relief is he entitled?".

[No. L-29012/6/71-LR-IV.]

नई दिल्ली, 31 दिसम्बर, 1971

का० आ० 570.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में टंगस्टन माइनिंग प्रोजेक्ट, देगाना, के प्रबंध से संबंद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है ;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है ;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7-क और धारा 10 की उपधारा (1) के खंड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है जिसके पीठासीन अधिकारी श्री गोपाल नारायण शर्मा होंगे, जिनका मुख्यालय जयपुर होगा और उक्त विवाद को उक्त औद्योगिक अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है ।

अनुसूची

"क्या टंगस्टन माइनिंग प्रोजेक्ट के प्रबंध मंडल की श्री मूल सिंह मेट की 10 अगस्त, 1970 से सेवाएं समाप्त करने की कार्यवाही न्यायोचित है ? यदि नहीं, तो वह किस अनुतोष का हकदार है ?"

[संख्या एल०-29012/6/71-एल०आर०-4]

New Delhi, the 13th January 1972

S.O. 571.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Messrs. Burn and Company Limited, Suramangalam, Salem-5 and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A, and clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal with Thirk. Seetharama Rao as Presiding Officer with headquarters at Madras and refers the said dispute for adjudication to the said Industrial Tribunal.

SCHEDULE

"Whether the workers in the Mines of Messrs. Burn and Company are entitled to a Bonus of 8-1/3 per cent on the total earnings for the year 1970-71? If not, at what rate, they should be paid?"

[No. L-29011/42/71-LRIV.]

नई दिल्ली, 13 जनवरी, 1972

का० आ० 571.— यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में मेसर्स बर्न एण्ड कम्पनी लिमिटेड सुरामगलम सालेम–5 के प्रबन्ध से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निदेशित करना वांछनीय समझती है ;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7-क और धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है जिसके पीठासीन अधिकारी श्री तिरुक सीताराम राव होंगे, जिनका मुख्यालय मद्रास होगा और उक्त विवाद को उक्त औद्योगिक अधिकरण, को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है ।

अनुसूची

"क्या मैसर्स बर्न एण्ड कम्पनी की खानों में कर्मकार, 1970-71 वर्ष की कुल आय का 8-1/3 प्रतिशत बोनस लेने के हकदार हैं ? यदि नहीं, तो उन्हें किस दर पर दिया जाना चाहिए ?"

[सं० एल०–29011/42/71–एल०आर०–4]

New Delhi, the 3rd February 1972

S.O. 572.—Whereas an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Messrs Jaipur Udyog Limited, Sawaimadhopur and their workmen represented by the Cement Works Karamchari Sangh, Sawaimadhopur;

And whereas the said employers and their workmen have by a written agreement, in pursuance of the provisions of sub-section (1) of section 10A of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) agreed to refer the said dispute to arbitration of the persons mentioned therein and a copy of the said arbitration agreement has been forwarded to the Central Government;

Now, therefore, in pursuance of the provisions of sub-section (3) of section 10A of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the said arbitration agreement which was received by it on the 17th January, 1972.

Agreement

Agreement under the Provisions of Section 10A of the Industrial Disputes Act, 1947 read with Rule 7 of the Rules made thereunder:—

NAMES OF THE PARTIES:

Representing Employer: The Jaipur Udyog Ltd., P. O. Phallodi Quarries, Sawaimadhopur	Shri Ved Leekha, Sr. Personnel Manager.
Representing Workmen through Cement Works Karamchari Sangh, Sawaimadhopur	Shri Inder Raj Sharma, President. Shri Kedar Singh, Official of the Union.

It is hereby agreed between the above parties that in partial modification of the Memorandum of Settlement dated 27th January, 1970, made between the parties in respect of the Constitution of the Arbitrators, the following industrial disputes be referred to the sole arbitration of Shri Mohan Lal Sukhadia, former Chief Minister of Rajasthan, whose consent to arbitrate in the matters hereinafter mentioned has been obtained.

I. Specific matters in dispute in respect of the Limestone Quarries at Phallodi and Bajrakho/Bheronpura on which arbitration is required:—

1. Whether Bonus for the accounting year 1964-65 already paid by M/s. Jaipur Udyog Ltd., Sawaimadhopur, @ 4.78% as worked out under the Profit and Loss Accounts under Balance Sheet was in accordance with the Payment of Bonus Act, 1965 or not? And whether workmen, represented by he Cement Works Karamchari Sangh, Sawaimadhopur, are entitled to any relief for the year in question, under law?
2. Whether bonus for the accounting years 1965-66, 1966-67, 1967-68 and 1968-69, already paid by M/s. Jaipur Udyog Limited, Sawaimadhopur, @ 4 per cent, 4 per cent, 5 per cent and 4 per cent respectively, according to the allocable surplus worked out under the Profit and Loss Accounts under Balance Sheet is in accordance with the Payment of Bonus Act, 1965 or not? And whether workmen represented by the Cement Works Karamchari Sangh, Sawaimadhopur, are entitled to any relief for the years in question, under law?
3. Whether the workmen in Quarries, whose names are mentioned in Annexure I have not been suitably fixed according to the Second Wage Board for Cement Industry and if so, to what relief are they entitled?
4. Whether the workmen whose names are given in Annexure II and who were dismissed from the services on the charge of assault, are entitled to any relief? If so, to what extent?
5. Whether the demand to have the same age of superannuation of workmen in Phallodi Quarries, as has been provided in the Standing Orders of the Cement Factory at Sawaimadhopur, is justified?
6. Whether in view of the past Agreements, the demand of the Sangh for re-designation and regradation of workers of Quarries whose names are mentioned in Annexure III in accordance with their jobs, is justified? If so, to what relief are the workmen entitled?
7. Whether Sick Leave with pay should be allowed to be accumulated upto 6 years instead of 3 years as at present, in case of Operatives and 5 years in the case of members of staff and whether half of the accumulated Sick-Leave with pay be permitted to be encashed or not, at the time of leaving of service?
8. Whether any revision should be made in the existing rate of Stone-Cutters at the Quarries, if so, to what extent?
9. Whether the existing scheme of Gratuity needs any revision, and if so, in what manner?
10. Whether the existing provisions of Dust Allowance, Equipment Allowance and Seasonal Uniforms be extended to new categories of employees as mentioned in Annexure IV keeping in view the provisions of the Wage Board Report?

The Parties Agree that joint applications shall be filed before the Industrial Tribunal Rajasthan, Jaipur, with the request to pass "No Dispute Award" in the following cases:

1 Case No. IT-27 to IT-41 of 1969 re:

Sua, Har Bhagwan, Manga, Amar Singh, B. K. Verma, Kedar Singh, Tek Chand, Narain Singh, B. L. Gautam, P. C. Jain, Mohan, Shanker Onkar M. P. Karan, P. C. Pandey.

2. Case No. IT-49 of 1969 re: Basanta.

3. Case No IT-50 of 1969 re: Abdul Aziz.

The parties further agree that the demands contained in the Charter of demands submitted by the Sangh on 13th November, 1969 and which have not been referred to the Arbitrator shall be deemed to have been settled between the parties and the Sangh or the workmen shall not raise any further demand or dispute in regard to these matters.

The parties also agree to maintain industrial harmony and normal production till the operation of the Second Wage Board and during this period they shall not take recourse to any unilateral action which may result in go-slow or deliberate stoppage of work in any form whatsoever.

It is hereby agreed that issues No. 1, 2, 7, 9 and 10 are common both in respect of the Works and the Quarries and therefore, the Award of the Arbitrator in respect of these issues will be applicable at both the places.

II. Details of the parties to the dispute including the name and addr es of the establishment or undertaking involved:

Employer, The Jaipur Udyog Ltd.,
P. O. Phalodi Quarries,
Sawaimadhopur, Rajasthan.

III. Name of the workman in case he himself is involved in the dispute or the name of the Union, if any representing the workman or workman in question.

The Cement Works Karamchari Sangh,
P. O. Sahunagar
Sawaimadhopur.

IV. Total number of workmen employed in the undertaking affected.

About 1800

V. Estimated number of workmen affected or likely to be affected by the dispute,

About 1800

The arbitrator shall make his award within a period of six months or within such further time as is extended by mutual agreement between the parties in writing. In case the award is not made within the period aforementioned, the refernce to arbitration shall stand automatically cancelled and the parties shall be free to negotiate for fresh arbitration. In witness whereof the parties to this Agreement append their signatures today the 22nd December, 1971 at Sawaimadhopur in the presence of the witnesses:

Representing the Workmen through Cement Works Karamchari Sangh

Sd./-
(INDER RAJ SHARMA)
President

Witnesses:
1. Sd./- Illegible
2. Sd./- Illegible.

Representing the Jaipur Udyog Limited.

Sd./-(VED LEEKHA),
Sr. Personnel Manager.

ANNEXURE I

Sl. No.	Name	Designation	Department
1	Shri Mool Chand	Carpenter	Phalledi Quarry.
2	" Basanti Lal	"	"
3	" Ram Kishan	"	"
4	" Banna Khan	Pump Driver	"
5	" Ram Dayal	Fitter	"
6	" Prabhoo Ram	"	"
7	" Sia Ram Sharma	A. Supervisor	"
8	" Mohar Singh	"	"
9	" Abdul Rahim Khan	"	"
10	" Makhan Singh	"	"
11	" Hardutt Singh	"	"
12	" Sumire Singh	"	"
13	" Ganga Parsad	"	"
14	" Sumender Singh	"	"
15	" Ram Kirpal Singh	"	"
16	" Sumre Singh	1Assistant Welder	"
17	" Sukho	wire man	"
18	" SureshsChand	Telephone Attend.	"
19	" Ganga Bishan-Bhenria	Driller	"
20	" Ram Swaroop Paliwal	Clerk	"
21	" Bihari Lal Tiwari	Mate	"
22	" Komal Singh	"	"
23	" S.K. Mishra	Mate	"
24	" Prem Prakash	Mate	"
25	" Krushan Govind	"	"
26	" Narain Singh	"	"
27	" Hukma-Nathu	Incline Driver	"
28	" Madho-Ganga Ram	"	"
29	" Ganga Bishan	"	"
30	" Dharam Pal	"	"
31	" Peer Mohammed	Blacksmith	"
32	" Kalyan Gopal	Helper	"
33	" Bhoora-Gainda	Blacksmith	"
34	" Gangadhar	Helper	"
35	" Mangha-Manna	"	"
36	" Bishania-Narain	"	"
37	" Bhagirath-Jaisia	"	"
38	" Raman-Hazari	"	"
39	" Sri Ram-Sukhdeo	"	"
40	" Shanker Bheroon Lal	"	"
41	" Gokal-Rati Ram	"	"
42	" Bajranga-Chanda	"	"
43	" Dooraj-Mahendra	"	"
44	" Chiranjilal	"	"
45	" Ganga Ram Sukhji	"	"
46	" Radhey Kishan-Buchia	"	"
47	" Badulla-Wazira	"	"
48	" Mangia—Kallu	"	"
49	" Brij Mohan—Baleshwar	"	"
50	" Ram Phool—Ranga	"	"
51	" Moti—Chandra	"	"
52	" Ratnia—Chhitter	"	"
53	" Ichpal Singh—Prithvi Sing	"	"
54	" Ram Chander	"	"
55	" Banno	"	"
56	" Bajranga—Gajadhar	"	"
57	" Kanhaiya—Konri-lal	"	"
58	" Gafeer—Faizuddin	Beldar	"
59	" Hariji—Boora	"	"
60	" Mallu—Bansi	Sweeper	"
61	" Sobhaj Singh	Beldar	"
62	Ram Niwas-Manna	"	"

Sl. No.	Name	Designation	Department
63	Shri Bashire Khan-Nasire Khan	Beldar	Phallodi Quarry
64	" Modu-Chapna	"	"
65	" Nainoo-Deva	"	"
66	" Sukha-Bhoora	"	"
67	" Partapa-Gopal	"	"
68	" Panna-Bhoora	"	"
69	" Jai Ram-Mangia	"	"
70	" Ram Swaroop-Mangi Lal	"	"
71	" Abdul Isef	"	"
72	" Bajranga-Girraj	"	"
73	" Goverdhan Singh-Dan Singh	"	"
74	" Poonai-Mangia	"	"
75	" Guman Singh-Morsingh		"
76	" Ratna-Panna	"	"
77	" Bholu-Sukha	"	"
78	" Nanga-Saria	"	"
79	Mittu-Chhoga	"	"
80	" Mangi Lal-Bhooria	"	"
81	" Chhotu-Dhanna	"	"
82	" Dhoolia-Laljee	"	"
8	" Hazari-Narian	"	"
84	" Madan-Kalyan	"	"
85	" Deo Lal-Panna	"	"
86	" Kana Balla	"	"
87	" Bansi-Garisia	"	"
88	" Chhotey Singh-Chabi Nath Singh	"	"
89	" Kanhaya-Onkar	"	"
90	" Phoj Pal Singh-Amrit Pal Singh	"	"
91	" Kishan Dass-Raghunath Dass	"	"
92	" Dallu Ram-Ash Ram	"	"
93	" Latoor-Raghunath	"	"
94	" Parmal Singh-Chabi Nath Singn	"	"
95	" Kesra-Nanga	"	"
96	" Ram Gopal-Anandi Lal	"	"
97	" Ram Charan-Kanhaiyalal	"	"
98	" Jiwan Singh	"	"
99	" Subarati Khwajoo	"	"
100	" Bheroon-Paras Ram	"	"
101	" Gopi Kalyan	"	"
102	" Lalu Chatra	"	"
103	" Kalu-Jeevan	"	"
104	" Bheroon-Moola	"	"
105	" Bihari-Dalla	"	"
106	" Ram Dayal-Nathu Ram	"	"
107	" Raghunath Singh-Bhanwar Singh	"	"
108	" Kesra-Dev Lal	"	"
109	" Goverdhan	"	"
110	" Geetan-Munshi	"	"
111	" Champa Lal-Raghunath	"	"
112	" Durjan Singh	"	"
113	" Chhotu-Bishanlal	"	"
114	" Ganga Ram-Devi Ram	"	"
115	" Ganga Ram-Mool Chand	"	"
116	" Narain-Ghasi	"	"
117	" Badri	"	"
118	" Mishria-Tulsi Ram	"	"
119	" Giarsia-Mangla	"	"
120	" Sunder-Tulsa	"	"
121	" Kesra-Nanga	"	"
122	" Pujari-Ram Bire	"	"
123	" Jansi-Kishana	"	"
124	" Bishania-Giarsia	"	"
125	Shri Sukhpal-Bajranga	Beldar	Phallodi Quarry
126	" Gokal-Lumba	"	"
127	" Chhotu-Dhanna	"	"
128	" Bansi-Dalla	"	"
129	" Partapa-Gopal	"	"
130	" Chhagan Chandra	G.H. Attendant	"
131	" Dhan Singh	Peon	"
132	" Moti Ram	"	"

ANNEXURE II

1. Shri Sua,
2. Sri Har Bhagwan,
3. Shri Manga,
4. Shri Amar Singh,
5. Shri B. K. Verma,
6. Shri Kedar Singh,
7. Shri Tek Chand,
8. Shri Narain Singh,
9. Shri B. L. Gautam,
10. Shri P. C. Jain,
11. Shri Mohan,
12. Shri Shanker,
13. Shri Onkar,
14. Shri M. P. Karan,
15. Shri P. C. Pandey,
16. Shri Basanta,
17. Shri Abdul Aziz.

ANNEXURE III

Sl. No.	Name	Design.	Department
1	Shri Mahabir Singh	S. B. Attdt.	Phallodi Quarry
2	" Shafi Mohammed	do.	"
3	" Jagidh Chand	Electrician	"
4	" Bhanwar Singh	S. B. Attdt.	"
5	" Madan	Driller	"
6	" Misharia	"	"
7	" Bajranga s/o Sonia	"	"
8	" Hazari	"	"
9	" Bhanwar	"	"
10	" Dhoolia	"	"
11	" Onkar	"	"
12	" Hira s/o Chandra	H. Drill Opr.	"
13	" Bhagwat Pd.	Asstt. Supervisor	"
14	" Gopal	Pump Attdt.	"
15	" Nand Singh	W & W Jamadar	"
16	" Suraj Pal Singh	Asstt. Supervisor	"
17	" Ramesh Chand	Traxcavator Opr.	"
18	" Ram Kishan	Ftr.	"
19	" Madho	"	"
20	" Sawa Singh	Pump Driver	"
21	" Kapoor Singh	Dumper Opr.	"
22	" Navrang Lal	"	"
23	" Bhagwan Das	Comp. Driver	"
24	" Rajab Ali	Pump Driver	"
25	" Ram Chander	"	"
26	" Chandra	Blaster	"
27	" Ram Niwas	Carpenter	"
28	" Mohd. Shakoor	Electrician	"
29	" Tilak Raj	"	"
30	" Baboo Singh		"
31	" Opinder Singh	Ambulance Driver	"
32	" Rama	Driver/H. M. V.	"
33	" Hardev	Incline Driver	"
34	" Har Narain	"	"
35	" Chander Prakash	Loco Driver	"
36	" Karam Singh	Fitter	"
37	" Saroop Singh	Comp. Driver	"
38	" Jai Bhadur Singh	Ftr.	"
39	" Sukh Ram	Fitter	"
40	" Saloo Khan	H. Drill Opr.	"
41	" Gopal	Driller	"
42	" Wafati Khan	H. Drill Opr.	"
43	" Radha Kishan	Driller	

Sl. No.	Name	Design.	Department
44	Shri Ram Dewa	Driller	Phallodi Quarry
45	" Badri Bajranga	H. Drill Opr.	"
46	" Shakoor	Driller	"
47	" Surjan	H. Drill Opr.	"
48	" Hazari Ramzani	"	"
49	" Jagannath	Trolley Line Mistry	"
50	" Shri Lal	Blacksmith	"
51	" Munir Khan	Blacksmith	"
52	" Ebrahim	"	"
53	" Meharban Singh	Asstt. Supr.	"
54	" Bhanwaria	Khalasi	"
55	" Karam Chand	Kh. Jamadar	"
56	" Gyarsia	Pump Attdt.	"
57	" Bajrang Lal	Sample Boy	"
58	" Dasrath Singh	"	"
59	" Shudhakar Mishra	Helper	"
60	" Harnath-Baldeo	"	"
61	" Bajranga-Bhoora	"	"
62	" Goroo-Deva	"	"
63	" Kastoor Chand	"	"
64	" Chhitter-Moolia	"	"
65	" Raghunath	"	"
66	" Jabrudin	"	"
67	" Moolia	"	"
68	" Gyarsia	"	"
69	" Prabhu	"	
70	" Mool Singh	"	"
71	" Ram Pal	"	
72	" Jagannath	"	"
73	" Raghu Nath	"	"
74	" Ram Chander	"	"
75	" Kanjee	"	"
76	" Devia	"	"
77	" Phooljee	"	"
78	" Bajranga	"	"
79	" Kisluna	"	"
80	" Kajod	"	"
81	" Sukhji-Mohan	"	"
82	" Moti-Bhoora	"	"
83	" Noora-Alladin	"	"
84	" Bhim Singh	Watchman	"
85	" Lal Singh	"	"
86	" Kalyan Singh I	"	"
87	" Bheroon Singh	"	"
88	" Rannbir Singh	"	"
89	" Jagannath	"	"
90	" Samod Chand	"	"
91	" Roop Narain	"	"
92	" Ram Prasad	"	"
93	" Roop Singh	"	"
94	" Shambhoo Singh	"	"
95	" Sanman Singh	"	"
96	" Hari Dutt	"	"
97	" Madan Singh	"	"
98	" Gopal Singh	"	"
99	" Bhanwar Singh II	"	"
100	" Roop Kishore	"	"
101	" Ajit Singh	"	"
102	" Deen Dayal	"	"
103	" Johar Singh	Beldar	"
104	" Mahavir Pd.	Watchman	"
105	" Devi Singh	Peon	"
106	" Bhagwat Singh	"	"
107	" Kalyana	"	"
108	" Bhanwar Singh	"	"
109	" Sunder Lal	Mail Runner	"
110	" Kesar Singh	Disp. Boy	"
111	Smt. Jamna	Dai/Ayah	"
112	" Tulsan Bai	Creche Attdt.	"
113	" Dakhoori	"	"
114	Shri Damodar	Cook	"
115	" Prabhoo		"
116	" Vishwanath	Guest House Attdt.	"
117	" Hakam Singh	Tractor Driver	"
118	" Sher Singh		"
119	" Jai Singh	Explosive Van Dr.	"
120	" Arjun Singh	Driver	"
211	" Prahlad	"	"

Sl.	Name	Design.	Department
122	Shri Moti-Onkar	Mason	Phallodi Quar
123	" Peer Mohd.	"	"
124	" Konwari-Onkar	Driller	"
125	" Bhoora-Narain	Khalasi	"
126	" Moti-Bheroon	"	"
127	" Bhonru-Phaliu	"	"
128	" Nathia-Kalu	"	"
129	" Ganga Ram	"	"
130	" Mool Chand	Ftr.	"
131	" Girdhari Lal	"	"
132	" Saida	Asstt. Ftr	"
133	" Chauthmal	"	"
134	" Musharaf Hussa	Asstt. Pipe Ftr.	"
135	" Bhanwar Singh	Dumper Opr.	"
136	" Hira Singh	"	"
137	" Bajranga-Amra	Bulldozer Opr.	"
138	" Bhawani Singh	Jeep Driver	"
139	" Mod Singh	Truck Driver	"
140	" Bhanwar Singh	"	"
141	" Arjun Singh	"	"
142	" Radhey Shyam	Driver	"
143	" Balkeshwar Pd.	Relieving Driver	"
144	" Nathu-Gopal	Tractor Driver	"
145	" Mangia-Jeewan	Comp. Driver	"
146	" Amra-Khema	"	"
147	" Devilal	"	"
148	" Ramniwas	"	"
149	" Radha Saran Dube	Pump Attdt.	"
150	" Buletan Singh	"	"
151	" Hazari	Flour Mill Driver	"
152	" Ram Dewa-Kaloo	Turner	"
153	" Jaswant Singh	Tele. Opr.	"
154	" Ram Kishan	"	"
155	" Ibrahim	"	"
156	" Moti-Tunda	D. D. Opr.	"
157	" Onkar-Ganga Ram	"	"
158	" Jai Singh	T. I. Mistry	"
159	" Roshanlal	Shovel Opr.	"
160	" Mangilal	"	"
161	" Kulwant Singh	Turner	"
162	" Prabhoo	Dump. Opr.	"

ANNEXURE IV

A. *DUST ALLOWANCE*

Categories/Departments :
1. Drilling
2. Crusher
3. Dumper
4. Shovel
5. Bulldozer.
6. Wagon Shunting & Dressing.
7. Coal Siding.
8. Gypsum Siding.
9. Packing House.
10. Drag Chain (Kilns).
11. Maintenance.
12. Crane.

B. *EQUIPMENT ALLOWANCE*

Categories/Departments:
1. Dumper
2. Shovel
3. Bulldozer
4. Loco.
5. Drilling.

C. *SEASONAL UNIFORMS*

1. Sweepers
2. Drivers/Operators.
3. Crusher Attendants/Helper Motorman.
4. Pump Attendant.
5. Pointsman/Shunters.
6. Sample Boy/Issue Boy and Canteen Boy.

7. Electricians/Helpers.
8. Drillers/Helpers.
9. Blacksmith/Helpers.
10. Mechanic/Fitters/Helpers
11. Turners/Helpers
12. Greasers
13. Welder/Helpers.
14. Moulder/Moulder Maz.

[No. L-29013/8/71-LR-IV.]

BALWANT SINGH, Under Secy.

नई दिल्ली, 3 फरवरी, 1972

का० आ० 572.—यतः मैसर्स जयपुर उद्योग लिमिटेड, सवाई माधोपुर के प्रबन्ध से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, जिनका प्रतिनिधित्व सीमेन्ट वर्क्स कर्मचारी संघ, सवाई माधोपुर करती है, एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है;

और यतः उक्त नियोजकों और कर्मकारों ने औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10-क की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसरण में एक लिखित करार द्वारा उक्त विवाद को उसमें वर्णित व्यक्ति के माध्यस्थम् के लिए निर्देशित करने का करार कर लिया है और उक्त माध्यस्थम् करार की एक प्रति केन्द्रीय सरकार को भेजी गई है ;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10-क की उपधारा (3) के उपबन्धों के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार उक्त माध्यस्थम् करार को, जो उसे 17 जनवरी, 1972 को मिला था, एतद्द्वारा प्रकाशित करता है ।

(करार)

औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 के अन्तर्गत बनाए गए नियमों के नियम 7 के साथ पढ़ी गई धारा 10क के उपबन्धों के अधीन करार :—

पक्षकारों के नाम :

नियोजकों का प्रतिनिधित्व करने वाले :	श्री वेद लीखा वरिष्ठ कार्मिक प्रबन्धक ।
दि जयपुर उद्योग लिमिटेड, डाकघर—फलोदी क्वारीज, सवाई-माधोपुर ।	
कर्मकारों का प्रतिनिधित्व करने वाले :	
सीमेन्ट वर्क्स कर्मचारी संघ, सवाई माधोपुर की ओर से	श्री इन्दर राज शर्मा अध्यक्ष श्री केदार सिंह संघ के अधिकारी ।

उपर्युक्त पक्ष एतद्द्वारा सहमत है कि मध्यस्थों के गठन के बारे में पक्षों के बीच हुए समझौता ज्ञापन तारीख 27 जनवरी, 1970 की आंशिक तरमीम में, निम्नलिखित औद्योगिक विवाद, राजस्थान के भूतपूर्व मुख्य मंत्री—श्री मोहन लाल सुखाड़िया को जिनकी सहमति इसके बाद उल्लिखित मामलों में मध्यस्थता करने हेतु प्राप्त कर ली गई है, एकमात्र मध्यस्थता के लिए, निर्देशित किए जाए ।

I. फलोदी और राजरखो/भोरोंपुरा की लाइमस्टोन खदानों के विनिर्दिष्ट विवादग्रस्त विषय जिन पर मध्यस्थता की आवश्यकता है :—

1. क्या मैसर्स जयपुर उद्योग लिमिटेड, सवाई माधोपुर द्वारा लेखा वर्ष 1964-65 के लिए पहले ही 4.73 प्रतिशत की दर से दिया गया बोनस, जैसा कि लाभ-हानि लेखा के तुलनपत्र के अन्तर्गत निकाला गया, बोनस भुगतान अधिनियम, 1965 के अनुसार था या नहीं ? और क्या वे कर्मकार, जिनका प्रतिनिधित्व सीमेन्ट वर्क्स कर्मचारी संघ, सवाई माधोपुर करता है विधान के अन्तर्गत प्रश्नगत वर्ष के लिए किसी अनुतोष के हकदार हैं ?

2. क्या मैसर्स जयपुर उद्योग लिमिटेड, सवाई माधोपुर द्वारा लाभ-हानि के लेखा के तुलनपत्र के अन्तर्गत निकाले गए आवंटन अतिरेक के अनुसार लेखा वर्षों 1965-66, 1966-67, 1967-68 और 1968-69 के लिए पहले ही क्रमशः 4 प्रतिशत, 4 प्रतिशत 5 प्रतिशत और 4 प्रतिशत की दर से दिया गया बोनस, बोनस भुगतान अधिनियम, 1965 के अनुसार है या नहीं ? और क्या वे कर्मकार जिनका प्रतिनिधित्व सीमेन्ट वर्क्स कर्मचारी संघ, सवाई-माधोपुर करता है, विधान के अन्तर्गत प्रश्नगत वर्षों के लिए किसी अनुतोष के हकदार हैं ?

3. क्या खदानों में वे कर्मकार, जिनके नाम अनुबन्ध-1 में दिए गए है, सीमेन्ट उद्योग के द्वितीय मजदूरी बोर्ड के अनुसार उचित रूप से नियत नहीं किए गए हैं और यदि हां तो वे किस अनुतोष के हकदार हैं ?

4. क्या वे कर्मकार जिनके नाम अनुबन्ध-2 में दिए गए हैं और जिन्हें हमले के अभियोग में सेवाओं से पदच्युत किया गया था, किसी अनुतोष के हकदार हैं ? यदि हां, तो किस सीमा तक ?

5. क्या फलोदी खदानों में कर्मकारों के वाधक्य की वही आयु रखने की मांग जिसको सवाई माधोपुर स्थित सीमेन्ट कारखाने के स्थायी अधिकारों में व्यवस्था की गई है, न्यायोचित है ?

6. क्या गत करारों को दृष्टि में रखते हुए संघ की खदानों के उन कर्मकारों के पुनर्नामोद्देशन और पुनर्वर्गीकरण की मांग, जिनके नाम उनके कार्यों के अनुसार अनुबन्ध-3 में दिए गए हैं, न्यायोचित

हैं ? यदि हां, तो कर्मकार किस अनुतोष के हकदार है ?

7. क्या सवेतन बीमारी—छुट्टी तीन वर्ष के स्थान पर, जैसा कि इस समय व्यवस्था है, कर्मकारों की हालत में 6 वर्ष और अमले के सदस्यों की हालत में 5 वर्ष तक संचित होने देनी चाहिए और क्या सेवा छोड़ने के समय संचित सवेतन बीमारी-छुट्टी का आधा भाग नकद रुपये के रूप में देने की अनुमति दी जाए या नहीं ?

8. क्या खदानों में पत्थर काटने वालों की वर्तमान दर में संशोधन किया जाना चाहिए, यदि हां, तो किस सीमा तक ?

9. क्या उपदान की वर्तमान योजना में संशोधन की आवश्यकता है, और यदि है, तो किस तरीके से ?

10. क्या मजदूरी बोर्ड रिपोर्ट की व्यवस्थाओं को ध्यान में रखते हुए, धूलि-भत्ता, साज-सज्जा भत्ता और कालिक वर्दियों की वर्तमान व्यवस्थायें अनुबन्ध-4 में यथा वर्णित कर्मचारियों के नए वर्गों पर लागू की जाएं ?

पक्ष सहमत है कि औद्योगिक अधिकरण, राजस्थान, जयपुर के समक्ष संयुक्त रूप से आवेदन दायर किए जाएंगे जिनमें निम्नलिखित मामलों में कोई विवाद नहीं "पंचाट" जारी करने के लिए प्रार्थना की जाएगी :—

1. सुआ, हर भगवान, मांगा, अमर सिंह, बी० के० वर्मा, केदार सिंह, टेक चन्द, नारायण सिंह, बी० एल० गौतम, पी० सी जैन, मोहन, शंकर ओंकार, एम० पी० करण, पी० सी० पाण्डे के बारे में 1969 में मामला संख्या आई टी 27 से आई टी-41 तक ।

2. बसंता के बारे में 1969 का मामला संख्या आई टी-49 ।

3. अब्दुल अजीज के बारे में 1969 का मामला संख्या आई० टी-50 ।

पक्ष और आगे सहमत है कि संघ द्वारा 13-11-1969 को भेजे गए मांगों के चार्टर में सम्मिलित उन मांगों का, जिन्हें मध्यस्थ के पास निर्देशित नहीं किया गया है, पक्षों के बीच निपटारा हो चुका माना जाएगा और संघ या कर्मकार इन मामलों के बारे में और आगे कोई मांग या विवाद नहीं उठाएंगे ।

द्वितीय वेतन बोर्ड के प्रचालन तक पक्ष औद्योगिक सामंजस्य और सामान्य उत्पादन बनाए रखने के लिए भी सहमत है और इस समयावधि के दौरान वे किसी प्रकार की एक पक्षीय कार्यवाही शुरू नहीं करेंगे जिससे काम की गति मन्द पड़े या किसी भी रूप में काम में जानबूझ कर रूकावट पड़े ।

यह एतद्द्वारा स्वीकार किया जाता है कि वाद-विषय संख्या 1, 2, 7, 9 और 10 कर्मशालाओं और खदानों दोनों के लिए समान हैं और इसलिए इन वाद-विषयों के बारे में मध्यस्थ का पंचाट इन दोनों स्थानों पर लागू होगा ।

II. विवाद के पक्षकारों का विवरण, जिसमें अन्तर्वलित स्थापन का उपक्रम का नाम और पता भी सम्मिलित है ।	नियोजक : दि जयपुर उद्योग लिमिटेड, डाकघर फाल्लो दि क्वारीज सवाई माधोपुर राजस्थान ।
III. यदि कर्मकार स्वयं अन्तर्वलित हो, तो उसका नाम या यदि कोई संघ प्रश्नगत कर्मकार या कर्मकारों का प्रतिनिधित्व करता हो तो उसका नाम ।	गदि सीमेन्ट वर्क्स कर्मचारी संघ, डाकघर, साहुनगर सवाईमाधोपुर ।
IV. प्रभावित उपक्रम में नियोजित कर्मकारों की कुल संख्या ।	लगभग 1800
V. विवाद द्वारा प्रभावित या संभाव्यतः प्रभावित होने वाले कर्मकारों की प्राक्कलित संख्या	लगभग 1800

मध्यस्थ अपना पंचाट छः मास की कालावधि या इतने और समय के भीतर जो हमारे बीच पारस्परिक लिखित करार द्वारा बढ़ाया जाय, देगा । यदि पूर्व वर्णित कालावधि के भीतर पंचाट नहीं दिया जाता तो मध्यस्थम् के लिए निर्देश स्वतः रद्द हो जायेगा और हम पुनः माध्यस्थम के लिए बातचीत करने को स्वतंत्र होंगे जिसके साक्ष्य में इस करार के पक्ष आज तारीख 22 दिसम्बर, 1971 को सवाईमाधोपुर में साक्षियों की उपस्थिति में अपने हस्ताक्षर करते हैं :—

सीमेन्ट वर्क्स कर्मचारी संघ के माध्यम से कर्मकारों का प्रतिनिधित्व करने वाले	जयपुर उद्योग लिमिटेड का प्रतिनिधित्व करने वाले
हस्ताक्षर/-	हस्ताक्षर/-
इन्दर राज शर्मा	वेद लीखा
प्रधान	वरिष्ठ कार्मिक प्रबन्धक
हस्ताक्षर/-	
केदार सिंह	

साक्षी

1. हस्ताक्षर /— अस्पष्ट

2. हस्ताक्षर /— अस्पष्ट

अनुबन्ध 1

क्रम संख्या	नाम	पदनाम	विभाग
1	श्री मूल चन्द	बढ़ई	फलौदी खदान
2	श्री मन्नी लाल	,,	,,
3	श्री राम किशन	,,	,,
4	श्री पन्ना म्वा	पम्प चालक	,,
5	श्री राम द याल	फिटर	,,
6	श्री प्रोम् राम	,,	,,
7	सियाराम शर्मा	ए० पर्यवेक्षक	,,
8	मोहर सिंह्	,,	,,
9	श्री अब्दुल रहीम	,,	,,
10	श्री म ग्व० सिंह	,,	,,
11	श्री हरदत्त सिंह	,,	,,
12	श्री सुमेर सिंह्	,,	,,
13	श्री गंगा प्रसाद	,,	,,
14	श्री सुमेन्द्र सिंह	,,	,,
15	श्री राम कृपाल सिंह	,,	,,
16	श्री सुमेर सिंह्	सहायक वैल्डर	,,
17	सुखिओ	वायरमैन	,,
18	श्री सुरेश चन्द	टेलिफोन परिचालक	,,
19	गंगा विशन मोनारिया	ड्रिलर	,,
20	श्री रामस्वरूप पालीवाल	लिपिक	,,
21	श्री बिहारी लाल तिवारी	मेट	,,
22	श्री कोमल सिंह	,,	,,
23	श्री एम० के० मिश्र	,,	,,
24	श्री प्रेम प्रकाश	,,	,,
25	श्री कशात गोविन्द	,,	,,
26	श्री नारायण सिंह्	,	,,
27	श्री दुस्मा-नत्थू	ड्रावलाईन चालक	,,
28	श्री माधो गंगा राम	,,	,,
29	श्री गंगा बिशन	,,	,,
30	श्री धर्म पाल	,,	,,
31	श्री पीर मोहम्मद	लोहार	,,
32	श्री कल्याण गोपाल	सहायक	,,
33	श्री भूरा गैडा	लोहार	,,
34	श्री गंगा धर	सहायक	,,
35	श्री मघा मन्ना	,,	,,
36	श्री बिशनिश्रा नारायण	,,	,,
37	श्री भगीरथ जेसिया	,,	,,
38	श्री रमजान हजारी	,,	,,
39	श्री सो० राम सुखदेव	,,	,,
40	श्री शंकर भोरन लाल	,,	,,

क्रम संख्या	नाम	पदनाम	विभाग
41	श्री गोकल राम राम	सहायक	फलोदी खदान
42	श्री बजरंगा चन्दा	,,	,,
43	श्री दूराज माल्हेन्द्रा	,,	,,
44	श्री चिरजी लाल	,,	,,
45	श्री गंगा राम मुखर्जी	,,	,,
46	श्री राधे किशन बुक बुचिया	,,	,,
47	श्री बादुल्ला वजीरा	,,	,,
48	श्री मांगीआ कल्लू	,,	,,
49	श्री बृज मोहन बालेश्वर	,,	,,
50	श्री राम-फूल रंगा	,,	,,
51	श्री मोती चन्दरा	,,	,,
52	श्री रतनीआ—छितर	,,	,,
53	श्री अचपाल सिंह—पृथ्वी सिंह	,,	,,
54	श्री राम चन्द्र	,,	,,
55	श्री बर्न्ने	,,	,,
56	श्री बजरंग-गजाधर	,,	,,
57	श्री कन्हैया—कौरी लाल	,,	,,
58	श्री गफूर—फैज्जुद्दीन	बेलदार	,,
59	श्री हरीजी—बूरा	,,	,,
60	श्री मल्लू—बंमी	मेहतर	,,
61	श्री सोमज सिंह	बेलदार	,,
62	राम निवास—मन्ना	,,	,,
63	श्री बाशिर खान—नासीरे खान	,,	,,
64	श्री मांदू—घपना	,,	,,
65	श्री नैनू-देवा	,,	,,
66	श्री सुखा-भूरा	,,	,,
67	श्री परतापा—गोपाल	,,	,,
68	श्री पन्ना—भूरा	,,	,,
69	श्री जयराम—मांगिया	,,	,,
70	श्री रामस्वरूप—मांगी लाल	,,	,,
71	श्री अब्दुल हनीफ	,,	,,
72	श्री बजरंगा-गिरराज	,,	,,
73	श्री गोवर्धन सिंह—दान सिंह	,,	,,
74	श्री पूले—मांगिआ	,,	,,
75	श्री गुमन सिंह—मोर सिंह	,,	,,
76	श्री रतना—पन्ना	,,	,,
77	श्री भोलू—सुखा	,,	,,
78	नांगा—सारिआ	,,	,,
79	श्री मिट्ठू—छोगा	,,	,,
80	श्री मांगी लाल—भूरीआ	,,	,,
81	श्री छोटू—धन्ना	,,	,,
82	श्री धूलीआ—लालजी	,,	,,
83	श्री हजारी—नारिअन	,,	,,
84	मदन—कल्याण	,,	,,

क्रम संख्या	नाम	पदनाम	विभाग
85	श्री देव लाल—पन्ना	बेलदार	फलोदी खदान
86	श्री काना—अल्ला	,,	,,
87	श्री बंसी—गरीसिआ	,,	,,
88	श्री छोटेसिंह—छबीनाथ सिंह	,,	,,
89	कनहाया—ओकार	,,	,,
90	श्री फोजपाल सिंह—अमृतपाल सिंह	,,	,,
91	श्री किशन दास—रघुनाथ दास	,,	,,
92	श्री डल्लूराम—आशाराम	,,	,,
93	श्री लतूर—रघुनाथ	,,	,,
94	श्री परमल सिंह—छबीनाथ सिंह	,,	,,
95	श्री केसरा—नांगा	,,	,,
96	श्री राम गोपाल—आनन्दी लाल	,,	,,
97	श्री रामचरण—कन्हैया लाल	,,	,,
98	श्री जीवन सिंह	,,	,,
99	श्री सुबाराती खाजी	,,	,,
100	श्री भोरून परसराम	,,	,,
101	श्री गोपी कल्याण	,,	,,
102	श्री लालू चतरा	,,	,,
103	श्री कालू जीवन	,,	,,
104	श्री भोरून भोआला	,,	,,
105	बिहारी डल्ला	,,	,,
106	श्री राम दयाल—नथू राम	,,	,,
107	श्री रघुनाथ सिंह—भंवर सिंह	,,	,,
108	श्री केसरा—देव लाल	,,	,,
109	श्री गोवर्धन	,,	,,
110	श्री गीतम—मुंशी	,,	,,
111	श्री चम्पा लाल रघुनाथ	,,	,,
112	श्री दुर्जन सिंह	,,	,,
113	श्री छोटू—बिशन लाल	,,	,,
114	गंगा राम—देवी राम	,,	,,
115	श्री गंगा राम—मूल चन्द	,,	,,
116	श्री नारायण—धासी	,,	,,
117	श्री बद्री	,,	,,
118	श्री मिशरिआ—तुलसी राम	,,	,,
119	श्री गिआरसिआ—मंबला	,,	,,
120	श्री सुन्दर—तुलसा	,,	,,
121	श्री केसरा—नांगा	,,	,,
122	श्री पुजारी—रामबीरे	,,	,,
123	श्री जानसी—किशना	,,	,,
124	श्री बिशनिआ—गियारसिआ	,,	,,
125	श्री सुखपाल—अजरंगा	,,	,,
126	श्री गोकल—लुम्बा	,,	,,
127	श्री छोटू—धन्ना	,,	,,
128	श्री बंसी—डल्ला	,,	,,

क्रम संख्या	नाम	पदनाम	विभाग
129	श्री परतापा—गोपाल	बलदार	फलोदी खदान
130	श्री छगन—चन्द्रा	जी० एच० परिचारक	,,
131	श्री धान सिंह	चपरासी	,,
132	श्री मोती राम	,,	,,

अनुबन्ध 2

1. श्री सुआ
2. श्री हरभगवान
3. श्री मांगा
4. श्री अमर सिंह
5. श्री बी० के० वर्मा
6. श्री केदार सिंह
7. श्री टेक चन्द
8. श्री नारायण सिंह
9. श्री बी० एल० गौतम
10. श्री पी० सी० जैन
11. श्री मोहन
12. श्री शंकर
13. श्री ओंकार
14. श्री एम० पी० करन
15. श्री पी० सी० पांडे
16. श्री बसन्ता
17. श्री अब्दुल अजाज

अनुबन्ध 3

क्रम संख्या	नाम	पदनाम	विभाग
1	श्री महावीर सिंह	एस० बी० परिचारक	फलोदी खदान
2	श्री शफी मोहम्मद	,,	,,
3	श्री जागिश चन्द	बिजली मिस्तरी	,,
4	श्री भंवर सिंह	एस० बी० परिचारक	,,
5	श्री मदन	ड्रिलर	,,
6	श्री मिशारिआ	,,	,,
7	श्री बजरंगा पुत्र सोनिआ	,,	,,
8	श्री हजारी	,,	,,
9	श्री भंवर	,,	,,
10	श्री धनिआ	,,	,,
11	श्री ओंकार	,,	,,
12	श्री हीरा—पुत्र चन्द्रा	एच० ड्रिल आपरेटर	,,
13	श्री भगवती प्रसाद	सहायक पर्यवेक्षक	,,

क्रम संख्या	नाम	पदनाम	विभाग
14	श्री गोपाल	पम्प परिचारक	फलोदी खदान
15	श्री नन्द सिंह	डब्ल्यू एण्ड डब्ल्यू जमादार	,,
16	श्री सूरज पाल सिंह	सहायक पर्यवेक्षक	,,
17	श्री रमेश चन्द	ड्रैगस्केवटर आपरेट	,,
18	श्री राम किशन	फिटर	,,
19	श्री माधो	,,	,,
20	श्री सवाई सिंह	जीप चालक	,,
21	श्री कपूर सिंह	डम्पर आपरेटर	,,
22	श्री नवरं पाल	,,	,,
23	श्री भगवान दास	कौंप चालक	,,
24	श्री राजव अली	पम्प चालक	,,
25	श्री रामचन्द्र	पम्प चालक	,,
26	श्री चन्द्रा	ब्लास्टर	,,
27	श्री रामनिवास	बढ़ई	,,
28	श्री मोहम्मद शकूर	बिजली मिस्त्री	,,
29	श्री तिलक राज	,,	,,
30	श्री बाबू सिंह	,,	,,
31	श्री ओपिन्द्र सिंह	अस्पताल गाड़ी चालक	,,
32	श्री रामा	चालक/एफ० मिल	,,
33	श्री हरदेव	इन्कलाईन चालक	,,
34	श्री हरनारायण	,,	,,
35	श्री चन्द्र प्रकाश	लोकोड्राईवर	,,
36	श्री कर्म सिंह	फिटर	,,
37	श्री सरूप सिंह	कोम्प० चालक	,,
38	श्री जय भादुर सिंह	फिटर	,,
39	श्री सुख राम	फिटर	,,
40	श्री सालू खान	एच० ड्रिल ओपरेटर	,
41	श्री गोपाल	ड्रिलर	,
42	श्री वाफाती खान	एच० ड्रिल ओपरेटर	,,
43	श्री राधा किशन	ड्रिलर	,,
44	श्री राम देवा	ड्रिलर	,,
45	श्री बदरी बजरंगा	एच० ड्रिल आपरेटर	,,
46	श्री शकूर	ड्रिलर	,,
47	श्री सुरजन	एच० ड्रिल ओपरेटर	,,
48	श्री हजारो रमजानी	,,	,,
49	श्री जगन्नाथ	ट्राली लाईन मिस्त्री	,,
50	श्री श्री लाल	लोहार	,,
51	श्री मुनीर खान	लोहार	,,
52	श्री इब्राहिम	,,	,,
53	श्री मेहरवान सिंह	सहायक पर्यवक्षक	,,
54	श्री भंवरिया	खलासी	,,
55	श्री कर्मचन्द्र	खा० जमादार	,,
56	श्री ग्यारसिया	पम्प परिचारक	,,
57	श्री बजरंग लाल	सेम्पल ब्वाय	,,

क्रम संख्या	नाम	पदनाम	विभाग
58	श्री दसरथ सिंह	सेम्पल ब्वाय	फर्ल दी खदान
59	श्री शुद्धाकर मिश्र	"	"
60	श्री हरनाथ बलदेव	"	"
61	श्री बजरंग—भूरा	"	"
62	श्री गोरू-देवा	"	"
63	श्री कस्तूर चन्द्र	"	"
64	श्री छित्तर—मूलिआ	"	"
65	श्री रघु नाथ	"	"
66	जबरूदीन	"	"
67	श्री मूलिआ	"	"
68	श्री ग्यारसिआ	"	"
69	श्री प्रभु	"	"
70	श्री मूल सिंह	"	"
71	श्री राम पाल	"	"
72	श्री जगन्नाथ	"	"
73	श्री रघुनाथ	"	"
74	श्री राघन्द्र	"	"
75	श्री कानजी	"	"
76	श्री देविआ	"	"
77	श्री फूलजी	"	"
78	श्री बजरंगा	"	"
79	श्री किशना	"	"
80	श्री कजोद	"	"
81	श्री सुख जी—मोहन	"	"
82	श्री मोती—भूरा	"	"
83	श्री भूरा—अल्लादिन	"	"
84	श्री भीम सिंह	पहरेदार	"
85	श्री लाल सिंह	"	"
86	श्री कल्याण सिंह-	"	"
87	श्री भेरून सिंह	"	"
88	श्री रणबीर सिंह	"	"
89	श्री जगन्नाथ	"	"
90	श्री समोद चन्द	"	"
91	श्री रूप नारायण	"	"
92	श्री राम प्रसाद	"	"
93	श्री रूप सिंह	"	"
94	श्री शंभू सिंह	"	"
95	श्री सनमान सिंह	"	"
96	श्री हरिवक्त	"	"
97	श्री मदन सिंह	"	"
98	श्री गोपाल सिंह	"	"
99	श्री भंवर सिंह–II	"	"
100	श्री रूप किशोर	"	"
101	श्री अजीत सिंह	"	"

क्रम संख्या	नाम	पदनाम	विभाग
102	श्री दीन दयाल	पहरेदार	फलोदी खदान
103	श्री जोहर सिंह	बेलदार	,,
104	श्री महावीर प्रसाद	पहरेदार	,,
105	श्री देवी सिंह	चपरासी	,,
106	श्री भागवत सिंह	,,	,,
107	श्री कल्याणा	,,	,,
108	श्री भंवर सिंह	,,	,,
109	श्री सुन्दर लाल	,,	,,
110	श्री केसर सिंह	डिस्प० ब्वाय	,,
111	श्रीमती जमना	दाई/आया	,,
112	श्री तुलसां बाई	बालगृह परिचारक	,,
113	श्री खजूरी	,,	,,
114	श्री दामोदर	रसोइया	,,
115	श्री प्राभू	,,	,,
116	श्री विश्वानाथ	अतिथिगृह परिचारक	,,
117	श्री हाकम सिंह	ट्रेक्टर चालक	,,
118	श्री शेर सिंह	,,	,,
119	श्री जय सिंह	एक्सपलोसिव वैन चालक	,,
120	श्री अर्जुन सिंह	चालक	,,
121	श्री प्रल्लाद	,,	,,
122	श्री मोती—ओंकार	मेसन	,,
123	श्री पीर मोहम्मद	,,	,,
124	श्री कोनवारी—ओंकार	ड्रिलर	,,
125	श्री भूरा—नारायण	खलासी	,,
126	श्री मोती—भेरून	,,	,,
127	श्री भोनरू—फालियू	,,	,,
128	श्री नथिया—कालू	,,	,,
129	श्री गंगा राम	,,	,,
130	श्री मूल चन्द	फिटर	,,
131	श्री गिरधारी लाल	,,	,,
132	श्री समएदा	सहायक फिटर	,,
133	श्री चौथमल	,,	,,
134	श्री मुशारफ हुसैन	सहायक पाईप फिटर	,,
135	श्री भंवर सिंह	डम्पर ऑपरेटर	,,
136	श्री हीरा सिंह	,,	,,
137	श्री बजरंगा—आमरा	बुलडाजर आपरेटर	,,
138	श्री भवानी सिंह	जीप चालक	,,
139	श्री मोद सिंह	ट्रक चालक	,,
140	श्री भंवर सिंह	,,	,,
141	श्री अर्जुन सिंह	,,	,,
142	श्री राधे श्याम	चालक	,,
143	श्री बालेकेश्वर प्रसाद	रिलीविंग चालक	,,
144	श्री नत्थी —गोपाल	ट्रेक्टर चालक	,,

क्रम संख्या	नाम	पदनाम	विभाग
145	श्री मांगिआ—जीवन	कोम्प० चालक	फलोदी खदान
146	श्री अमरा—रवेम		,,
147	श्री देवी लाल		,,
148	श्री राम निवास	,,	,,
149	श्री राधा सरण दू०	पम्प परिचारक	,,
150	श्री बुलेतन सिंह	,,	,,
151	श्री हजारी	फ्लोर मिल चालक	,,
152	श्री राम देवा—काल	टर्नर	,,
153	श्री जसवन्त सिंह	टेलीफोन आपरेटर	,,
154	श्री राम किशन	,,	,,
155	श्री इब्राहिम	,,	,,
156	श्री मोती—टुंडा	डी०डी० आपरेटर	,,
157	श्री ओंकार—गंगा राम	,	,,
158	श्री जय सिंह	टी० एल० मिस्त्री	,,
159	श्री रोशन लाल	शोवल आपरेटर	,,
160	श्री मांगी लाल	,,	,,
161	श्री फुलवन्त सिंह	टर्नर	,,
162	श्री प्रभु	डम्प आपरेटर	,,

अनुबन्ध 4

क. धूल भत्ता

वर्ग/विभाग :

1. ड्रिलिंग
2. क्रशर
3. डम्पर
4. शोवल
5. बुलडोजर
6. वैगन शंटिंग और ड्रैसिंग
7. कोयला साइडिंग
8. जिप्सम साइडिंग
9. पैकिंग हाउस
10. ड्रैग चेन (किलर्स)
11. अनुरक्षण
12. क्रेन

ख. उपस्कर भत्ता

वर्ग/विभाग :

1. डम्पर
2. शोवल
3. बुलडोजर
4. लोको
5. ड्रिलिंग

ग. मौसमी बंदियां

1. मेहतर
2. चालक/प्रचालक
3. क्रशर परिचारक/सहायक/मोटर मैन
4. पम्प परिचारक
5. प्वाण्ट्स मैन/शंटर्स
6. सम्पल ब्वाय/ईंधू ब्वाय और कैन्टीन ब्वाय
7. बिजली मिस्त्री/सहायक
8. ड्रिलरस/सहायक
9. लोहार/सहायक
10. मेकनिक/फिटरस/सहायक
11. टर्नरस/सहायक
12. शीज़रस
13. वैल्डर/सहायक
14. मोल्डर/मोल्डर मजदूर

[संख्या एल०-29013/8/71-एल० आर०-4]

बलवन्त सिंह, अवर सचिव।

(Department of Labour and Employment)

New Delhi, the 24th January 1972

S.O. 573.—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Contract Labour (Regulation and Abolition) Act, 1970 (37 of 1970), read with rule 3 of the Contract Labour (Regulation and Abolition) Central Rules, 1971, the Central Government hereby appoints Shri N. P. Dube, Joint Secretary, Ministry of Labour and Rehabilitation (Department of Labour and Employment), as Chairman of the Central Advisory Contract Laobur Board constituted by the notification of the Government of India in the Ministry of Labour and

Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 5207 dated the 30th October, 1971, and makes the following amendments in the said notification, namely:—

In the said notification, against serial No. 1, for the entries, the following entries shall be substituted namely:—

"Shri N. P. Dube, Joint Secretary—Chairman" to the Government of India, Ministry of Labour and Rehabilitation, (Department of Labour and Employment).

[No. 11/12/70-LWI-I/Cont.]

श्रम और रोजगार विभाग

नई दिल्ली, 24 जनवरी 1972

का० आ० 573—संविदा श्रम (विनियमन और उत्सादन) केन्द्रीय नियम 1971 के नियम 3 के साथ पठित संविदा-श्रम (विनियमन और उत्सादन) अधिनियम 1970 (1970 का 37) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा श्री एन० पी० दूबे संयुक्त सचिव, श्रम और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) को केन्द्रीय सलाहकार संविदा श्रम बोर्ड के, जो भारत सरकार के श्रम और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना संख्या का० आ० 5207 तारीख 30 अक्तूबर, 1971 द्वारा गठित हुआ था, अध्यक्ष के रूप में नियुक्त करती है, और उक्त अधिसूचना में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में क्रम संख्या 1 के सामने की प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टियां प्रतिस्थापित की जाएंगी, अर्थात—

"श्री एन० पी० दूबे,
संयुक्त सचिव, भारत सरकार, अध्यक्ष"
श्रम और पुनर्वास मंत्रालय
(श्रम और रोजगार विभाग)

[सं० 11/12/70-एल० डब्ल्यू आई-1 (कंटी०)]

S.O. 574.—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Contract Labour (Regulation and Abolition) Act, 1970 (37 of 1970), read with rule 3 of the Contract Labour (Regulation and Abolition) Central Rules, 1971, the Central Government hereby makes the following further amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Labour and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 5207 dated the 30th October, 1971, namely:—

In the said notification, against serial No. 2, for the entries, the following entries shall be substituted, namely:—

"Chief Labour Commissioner (Central) New Delhi, ... *Ex-Officio Member.*"

[No. 11/12/70-LWI-I/Cont.]

एस०आ० 574.—संविदा श्रम (विनियमन और उत्सादन) केन्द्रीय नियम, 1971 के नियम 3 के साथ पठित संविदा-श्रम (विनियमन और उत्सादन) अधिनियम, 1970 (1970 का 37) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा भारत सरकार के श्रम और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना संख्या का० आ० 5207, तारीख 30 अक्तूबर, 1971 में और आगे निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात :—

उक्त अधिसूचना में, क्रम संख्या 2 के सामने की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जायेगी, अर्थात् :—

"मुख्य श्रम आयुक्त (केन्द्रीय) पदेन सदस्य"
नई दिल्ली ।

[सं० 11/12/70-एल० डब्ल्यू० आई०-1(कंटी)]

ORDER

New Delhi, the 17th December 1971

S.O. 575.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Messrs J. M. Baxi and Company, Madras and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And, whereas, the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 7A and clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri K. Seetharama Rao shall be the Presiding Officer, with headquarters at Madras and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

SCHEDULE

"Whether the workers employed by Messrs. J. M. Baxi and Company, Madras-1 are entitled to a bonus of 8-1/3 per cent for the years 1969-70 and 1970 71 on the total earnings of the workers? If not, what should be the rate of bonus payable to them?"

[No. L-33011/12/71-P&D.]

K. D. HAJELA, Dy Secy.

आदेश

नई दिल्ली, 17 दिसम्बर, 1971

का० आ० 575.—यतः, केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में मैसर्स जे० एम० बक्सी एण्ड कम्पनी, मद्रास के प्रबन्ध से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है ;

और यतः, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिये निर्देशित करना वांछनीय समझती है ;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7-क और धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है जिसके पीठासीन अधिकारी श्री के० सीतारामा राव होंगे, जिनका मुख्यालय मद्रास होगा और उक्त विवाद को उक्त औद्योगिक अधिकरण को न्यायनिर्णयन् के लिये निर्देशित करती है ।

अनुसूची

"क्या मैसर्स जे० एम० बक्सी एण्ड कम्पनी, मद्रास-1 द्वारा नियोजित कर्मकार वर्ष 1969–70 और 1970–71 के सम्बन्ध में अपनी कुल कमाई के 8⅓ प्रतिशत के बोनस के हकदार हैं? यदि नहीं तो उन्हें दिये जानें वाले बोनस की दर क्या होनी चाहिये ?

[सं० एल० 33011/12/6/पी० एण्ड डी०]

के० डी० हजेला, उप सचिव ।

MINISTRY OF COMMUNICATIONS

(P. & T. Board)

New Delhi, the 4th February 1972

S.O. 576.—In exercise of the powers conferred by section 7 of the Indian Post Office Act, 1898 (6 of 1898), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Indian Post Office Rules, 1933, namely:—

1. (1) These rules may be called the Indian Post Office (5th Amendment) Rules, 1972.

(2) They shall come into force on the 15th February, 1972.

2. In rule 197 of the Indian Post Office Rule 1933, to sub-rule (1), the following proviso shall be added, namely:—

"Provided that a late fee of ten paise shall be charged on every registered article presented before selected post offices, kept open on all days in the week including Sundays, for booking during the hours between 4-30 P.M. and 8-30 P.M.

[No. 34-4/71-CI.]

B. SRINIVASAN,
Assistant Director General(M).

संचार मंत्रालय

(डाक-तार बोर्ड)

नई दिल्ली, 4 फरवरी, 1972

का० आ० 576—भारतीय डाक-घर अधिनियम, 1898 (1898 का 6) की धारा 7 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार भारतीय डाकघर नियम, 1933 में और आगे संशोधन करने के लिए एतद्द्वारा निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:—

1. (1) इन नियमों का नाम भारतीय डाकघर (पांचवा संशोधन) नियम, 1972 होगा ।

(2) ये पन्द्रह फरवरी, 1972 को प्रवृत्त होंगें ।

2. भारतीय डाकघर नियम 1933, के नियम 1972 के उप-नियम (1) में निम्नलिखित परन्तुक जोड़ा जाए, अर्थात्:—

"बशर्ते कि जो चुने हुए डाकघर सप्ताह के रविवार सहित सभी दिनों मे सायं 4–30 बजे से सायं 8–30 बजे के दौरान बूकिंग के लिए खुले रहेंगे, उन डाकघरों में प्रस्तुत किए जाने वाले प्रत्येक रजिस्ट्री वस्तु पर दस पैसे का विलम्ब शुल्क लगाया जाए"

[सं० 34–4/70–पी० आई०

बी० श्रीनिवासन

सहायक महानिदेशक (डाक)

MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT

(Department of Industrial Development)

New Delhi, the 5th February 1972

S.O. 577.—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Commissions of Inquiry Act, 1952 (60 of 1952), the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the late Ministry of Industrial Development, Internal Trade and Company Affairs (Department of Industrial Development) No. S.O. 711, dated the 18th February, 1970 (as subsequently amended), namely:—

In the said notification, in the last paragraph, for the words "two years", the words "Three years" shall be substituted.

No. 9/1/71-Admn.Cell(SC).

B. B. LAL, Secy.

औद्योगिक विकास मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

नई दिल्ली, 5 फरवरी, 1972

का० आ० 577—जांच आयोग अधिनियम 1952 (1952 का 60) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा भारत सरकार के भूतपूर्व औद्योगिक विकास आंतरिक व्यापार तथा समवाय-कार्य मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 711 दिनांक 18 फरवरी, 1970 (जैसा कि बाद में संशोधित किया गया) में और आगे निम्नलिखित संशोधन करती है अर्थात :—

उक्त अधिसूचना के अन्तिम पैरग्राफ में "दो वर्ष" शब्दों के स्थान पर "तीन वर्ष" शब्द रखे जायेंगे ।

[सं० 9/1/71—ऐड० सेल० (एस० सी०)]

बी० बी० लाल, सचिव ।

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Banking)

New Delhi, the 5th February 1972

S.O. 578.—In pursuance of clause (a) of sub-section (1) read with sub-section (4) of section 8 of the Reserve Bank of India Act, 1934 (2 of 1934), the Central Govern-

ment hereby re-appoints Shri P. N. Damry as a Deputy Governor of the Reserve Bank of India for a period of two years with effect from 13th February, 1972.

[No. F.3(31)-BC/71.]

D. N. GHOSH, Director.

वित्त मंत्रालय

(बैंकिंग विभाग)

नई दिल्ली, 5 फरवरी 1972

एस० ओ० 578—भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम 1934 (1934 का 2) की धारा 8 की उपधारा (4) के साथ पठित उपधारा (i) के खण्ड (क) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद द्वारा श्री पी० एन० डामरी को 13 फरवरी 1972 से दो वर्ष की अवधि के लिए भारतीय रिजर्व बैंक के उप-गवर्नर के रूप में पुनर्नियुक्त करती है ।

[संख्या एफ० 3 (31)-बी० सी०/71]

डी० एन० घोष, निदेशक ।

(Department of Economic Affairs)

(Office of the Controller of Capital Issues)

New Delhi, the 31st January 1972

S.O. 579.—In pursuance of sub-clause (ix) of Clause 5 of the Capital Issues (Exemption) Order, 1969, published with the Notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Economic Affairs) No. S.O. 558 dated the 1st February, 1969, the Central Government hereby directs, that during the calender year 1972 no offer of securities in excess of Rs. 249 lakhs (Nominal value) (exclusive of amount to be subscribed by the Government and non-residents) by a public Limited Company shall be made or kept open during the period between the 1st July, 1972 and the 9th September, 1972, (both days inclusive) without obtaining the prior permission of the Central Government as to the timing of the offer.

[No. F. 2(2)-CCI/72).]

RAJ. K. NIGAM,
Additional Controller of Capital Issues.

(आर्थिक कार्य विभाग)

(पूंजी निर्गम नियंत्रक का कार्यालय)

नयी दिल्ली, 31 जनवरी 1972

का० आ० 579 भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) के पहली फरवरी 1969 के का० आ० संख्या 558 की अधिसूचना के अन्तर्गत प्रकाशित पूंजी निर्गम (छूट) आदेश 1969 के खण्ड 5 के उपखण्ड (ix) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा यह निदेश देती है कि 1972 के कैलण्डर वर्ष के दौरान किसी भी पब्लिक लिमिटेड कम्पनी द्वारा निर्गम के प्रस्ताव के समय के सम्बन्ध में केन्द्रीय सरकार की पूर्व अनुमति प्राप्त किये बिना पहली जुलाई 1972 और 9 सितम्बर 1972 की अवधि के बीच (दोनों दिनों सहित) 249 लाख रुपये (अंकित मूल्य) (सरकार और गैर-निवासियों द्वारा किये जाने वाले अभिदान की रकम को छोड़कर) से अधिक रकम की प्रतिभूतियों के लिये कोई प्रस्ताव नहीं किया जायेगा और न ही खुला रखा जायेगा ।

[संख्या एफ० 2 (2) सी० सी० आई०/72]

राज० के० निगम,
अतिरिक्त पूंजी निर्गम नियंत्रक ।

(Department of Revenue and Insurance)

CUSTOMS

New Delhi, the 12th February 1972

S.O. 580.—In exercise of the powers conferred by clauses (a) and (b) of section 7 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government hereby makes the following amendments to the notification of the Government of India, in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 13-Customs, dated the 23rd January, 1965, namely:—

In the said notification—

(i) for the words "Pakistan" or "East Pakistan" wherever they occur, the words "Bangla Desh" shall be substituted,

(ii) in the table annexed to the said notification—

(a) after serial number 3 and the entries relating thereto, the following serial number and entries shall be inserted, namely:—

(1)	(2)	(3)
"4.	Kukradah	Road (partly metalled and partly kutcha) leading from Kukradah to Bhadreswari (via Jagdol in Bangla Desh).

(b) under the heading "Nadia District", after serial number 10 and the entries relating thereto, the following serial number and entries shall be added, namely:—

(1)	(2)	(3)
"10A.	Tungi	Majdia—Hansada (in Bangla Desh) Road passing through Tungi in Indian Union."

[No. 30/F.No. 541/1/72-LCI.]

(राजस्व और बीमा विभाग)

सीमाशुल्क

नई दिल्ली 12 फरवरी 1972

का० आ० 580—सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 7 के खण्ड (क) और (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार भारत सरकार के वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग) की तारीख 23 जनवरी, 1965 की अधिसूचना सं० 13-सीमाशुल्क में एतद्द्वारा निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात :—

उक्त अधिसूचना में, —

(i) जहा कही "पाकिस्तान या "पूर्वीपाकिस्तान" शब्द आए है, उसके स्थान पर "बगला देश" शब्द प्रतिस्थापित किए जायेंगे ;

(ii) उक्त अधिसूचना से उपाबद्ध सारणी में,—

(क) क्रम संख्या 3 और उससे संबन्धित प्रविष्टियो के पश्चात्, निम्नलिखित क्रम संख्या और प्रविष्टियो अन्त स्थापित की जायेगी, अर्थात् —

1	2	3
"4.	कुक्रादा	कुक्रादा से (बगला देश मे बरास्ता जागदोल) भद्रेश्वरी जाने वाली सड़क (जो भागत: पक्की और भागत कच्ची है)।"

(ख) "नदिया जिला" शीर्षक के नीचे, क्रम संख्या 10 और उससे संबन्धित प्रविष्टियो के पश्चात्, निम्नलिखित क्रम संख्या और प्रविष्टिया जोडी जाएंगी अर्थात् —

1	2	3
"10क	तुगी	मजदिया—हंसवा (बगला देश में) सड़क जो भारतीय सघ तुगी से होकर जाती है।

[सख्या 30/फा० सं० 541/1/72—एल० सी० ।]

S.O. 581.—In exercise of the powers conferred by clauses (a) and (b) of section 7 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government hereby makes the following amendments to the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No 15-Customs dated the 23rd January, 1965, namely —

In the said notification for the words "Pakistan" or "East Pakistan" wherever they occur, the words Bangla Desh" shall be substituted.

[No. 31/F No 541/1/72-LCI]

K. SANKARARAMAN, Under Secy.

का०आ० 581—सीमाशुल्क अधिनियम 1962 (1962 का 52) की धारा 7 के खण्ड (क) और (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियो का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की तारीख 23 जनवरी, 1965 की अधिसूचना स० 15-सीमाशुल्क में एतद्द्वारा निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में, जहा कही "पाकिस्तान" या "पूर्वी पाकिस्तान" शब्द आए है, उनके स्थान पर "बगला देश" शब्द प्रतिस्थापित किए जाएंगे .

[स० 31/फा० सं० 541/1/72—एल० सी० ।]

के० शंकर रामन, अवर सचिव ।

ELECTION COMMISSION OF INDIA

New Delhi, the 1st February 1972

S.O. 582.—In pursuance of clause (b) of clause (d) of sub-section (2) of section 116(C) of the Representation of the People Act, 1951, the Election Commission hereby publishes the Judgement of the Supreme Court of India, dated the 3rd January, 1972 in Civil Appeal No 1178-(NCE) of 1971 against the Order dated the 22nd July, 1971 of the High Court of Madhya Pradesh, Jabalpur, in Election Petition No 6 of 1971.

IN THE SUPREME COURT OF INDIA
CIVIL APPELLATE JURISDICTION

CIVIL APPEAL NO. 1178 OF 1971

Sri Chandrakant Shukla—*Appellant*

Vs.

Maharaja Martand Singh—*Respondent*

JUDGMENT

HEGDE. J.—This appeal under section 116A of the Representation of People Act, 1951, is directed against the decision of the Madhya Pradesh High Court Dismissing the election petition filed by the appellant on the ground that the same is barred by limitation.

The election petitioner is a voter in the Rewa Parliamentary constituency. The election with which we are concerned in this appeal was to the Parliament. That election was held on March 1, 1971. The counting was over on March 10, 1971. The same day the election results were announced. The respondent was declared elected. The election results were published in the official gazette on March 15, 1971. The election petition was filed on April 29, 1971.

Section 81(1) of the Representation of People Act, 1951, provides that an election petition calling in question any election may be presented on one or more of the grounds specified in sub-section (1) of section 100 and section 101 to the High Court by any candidate at such election or by any elector within forty-five days from, but not earlier than, the date of election of the returned candidate, or if there are more than one returned candidate at the election and the dates of their election are different, the later of those two dates Section 67A says

> "For the purposes of this Act, the date on which a candidate is declared by returning officer under the provisions of section 53 or section 66, to be elected to a House of Parliament or of the Legislature of a State shall be the date of election of that candidate."

Reading these two sections together it is clear that the election petition should have been filed within forty-five days from March 10, 1971. Hence, the petition filed by the appellant is clearly barred by limitation.

Through it was contended before the High Court that the election petition was filed within time, that contention was not pressed before us. The only contention taken before us was that there was sufficient cause to condone the delay in filing the election petition. As we are unable to accept that contention we are not examining the question whether the High Court had any power to condone the delay in filing the election petition.

Now coming to the question whether there was sufficient cause for condoning the delay the High Court held that no such sufficient cause was shown. This is essentially a finding of fact and this court ordinarily does not interfere with the decision of the High Court on questions of fact. Further, the relief asked for is essentially a discretionary relief and when a trial court exercises its discretion an appellate court is reluctant to interfere with that discretion unless there are very good grounds for doing so.

Now, turning to the facts of this case, in the application filed for condonation of delay only reason advanced is that the pititioner believes that he has filed his election petition within time but if the court takes a different view then the delay may be condoned. No cause was shown for condoning the delay. But while giving evidence in the court the petitioner went much further. He deposed that before filing the election petition be consulted Shri Hari Shankar Saxena, an advocate, and that advocate told him that he has to file the election petitin within forty-five days of the publication of the result of the election in the gazette. No such vehement was made in the petition wherein he sought the condonation of the delay nor Shri Hari Shankar Saxena was examined as witness in the case. Under those circumstances the High Court rightly disbelived the evidence of the petitioner to the effect that he had consulted Shri Hari Shankar Saxena before filing the election petition. The High Court was of the opinion that the petitioner's version that he consulted Shri Hari Shankar Saxena is an after-thought. We agree with that conclusion. The petitioner has given no satisfactory explanation for the delay in filing the election petition. Hence his election petition was rightly dismissed by the High Court.

In the result this appeal fails and the same is dismissed with costs.

—— ——————J.
K. S. Hegde,
—— ——————J.
P. Jaganmohan Reddy
—— ——————J.
D. G. Palekar

January 3, 1972.

[No. 32/MP/6/71.]

By order,

K. S. RAJAGOPALAN, Secy.

ORDER

New Delhi, the 31st January 1972

S.O. 583.—Whereas Shri Muneshwar Ram, R/O village and P. O. Mananpur District Monghyr (Bihar), who was a contesting candidate for the mid-term election to the Bihar Legislative Assembly for the Sheikhpura (SC) constituency held in February, 1969, was disqualified by the Commission by its order, dated the 16th October, 1969, under section 10A of the Representation of the people Act, 1951, for his failure to lodge an account of his election expenses as required by the said Act and Rules made thereunder;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 11 of the said Act, the Election Commission for the reasons recorded on the representation made by the said candidate Shri Muneshwar Ram, reduces the period of disqualification imposed on him to the period of disqualification already suffered by him and removes the disqualification for the unexpired period with immediate effect.

[No. BR-LA/173/69(26-R).]

By Order,

A. N. SEN, Secy.

भारत निर्वाचन आयोग

आदेश

नई दिल्ली, 31 जनवरी, 1972

एस० ओ० 583—यत:, श्री मुनेश्वर राम निवासी गांव व डाकघर मननपुर, जिला मुगेंर (बिहार) जो बिहार विधान सभा के लिए फरवरी 1969 में हुए निर्वाचन में शेखपुरा (अ० जा०) निर्वाचन क्षेत्र से निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थी थे, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 10-क के अधीन आयोग द्वारा उसके आदेश तारीख 16 अक्तूबर, 1969 द्वारा उक्त अधिनियम तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहने के कारण निरर्हित कर दिये गये थे ;

अत:, अब, उक्त अधिनियम की धारा 11 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निर्वाचन आयोग, उक्त अभ्यर्थी श्री मुनेश्वर राम द्वारा दिए गए अभ्यावेदन पर अभिलिखित कारणों से उनपर अधिरोपित निरर्हता को कालावधि घटाकर उतनी करता है जितनी वह वास्तव में सहन कर चुके हैं और अनवसित कालावधि के लिए उस निरर्हता को इसी समय से हटाता है ।

[सं० बिहार व० स०/173/69 (26-आर)]।

ए० एन० सेन, सचिव

MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT

(Directorate General of Shipping)

ORDER

Bombay, the 3rd February 1972

S.O. 584.—In pursuance of note (3) of the Schedule to the Notification of the Government of India in the Ministry of Shipping & Transport relating to scales of provision for seamen, No. S.O. 2169, dated 21st June, 1967, and in furtherance of the order of Director General of Shipping No. 9(21)-CRA/67, dated 3rd February, 1972, I, R. Doraiswamy, Director General of Shipping, being satisfied that rice supply position in the country has improved, hereby order that with effect from the date of this order the total daily scale of cereal rations of 570 grams shall be restored to 400 grams rice and 170 grams wheat, if procurement is made in India.

[No. 9(21)-CRA/67.]

R. DORAISWAMY,
Director General of Shipping.

नौवहन तथा परिवहन मंत्रालय

(नौवहन महानिदेशालय)

आदेश

बम्बई-13, फरवरी 1972

एस० ओ० 584—भारत सरकार, नौवहन तथा परिवहन मंत्रालय के अधिसूचना नं० का० आ० 2169, दिनाक 21-6-67 की तालिका के नोट (3) जो नाविको के रसद से संबधित है, के अनुसरण व नौवहन महानिदेशक के आदेश नं० 9(21) सी० आर० ए/67, दिनाक 21 जुलाई 1971, के अन्तर्गत, मैं आर० दोरयस्वामी, नौवहन महानिदेशक, देश में चावल पूर्ति की स्थिति मे सुधार से संतुष्ट होकर, एतद्द्वारा इस आदेश के प्रेषित दिनाक से 570 ग्राम्स् अनाज की कुल मात्रा में से 400 ग्राम्स् चावल और 170 ग्राम्स् आटा प्रत्यावर्तन करने का आदेश देता हू यदि अधिप्राप्ति भारत में की गई हो तो उपरोक्त मात्रा लागू होगी।

[नं० 9 (21) सी० आर० ए/67]

आर० दोरयस्वामी,

नौवहन महानिदेशक ।

PRINTED BY THE GENERAL MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, MINTO ROAD, NEW DELHI AND PUBLISHED BY THE MANAGER OF PUBLICATIONS, DELHI, 1972